Sample

जैमिनी कुण्डली

Ajit Kumar Singh

Contact - ----------

* While all precautions have been taken for the accuracy of the astrological calculations, the maker of these horoscopes makes no warranties, either expressed or implied.

ज्योतिष सारिणी

(जैमिनी सिद्धान्त के अनुसार)

जन्म लग्न	: कन्या(028:15:29)
द्रेष्काण लग्न	: वृष
द्रेष्काण लग्न (सोमनाथ)	: कर्क
द्रेष्काण लग्न (पवृति त्राया)	: कन्या
नवांश लग्न	: कन्या
नवांश लग्न (कृष्ण मिश्र)	: वृष
आरूढ़ लग्न	: मकर
आरूढ़ लग्न (सशर्त)	: मकर
उप पद लग्न	: मेष
उप पद लग्न (सशर्त)	: मेष
स्वांश लग्न	: कन्या
काराकाशं लग्न	: धनु
तारा लग्न	: कुम्भ
नक्षत्र लग्न	: कुम्भ
दिव्य लग्न	: वृश्चिक(024:33:42)
त्रिपवन लग्न	: धनु(025:43:45)
स्फूट योग लग्न	: वृष
प्राणपद	: मीन(016:47:28)
गुलिक (पराशर)	: मिथुन(025:53:47)
गुलिक (कालिदास)	: कर्क(017:56:05)
मन्दी	: धनु(014:37:34)
इन्दु लग्न	: सिहं
श्री लग्न	: मिथुन
पका लग्न	: वृश्चिक
पचांश लग्न	: वृष
षष्टांश लग्न	: मीन
अष्टांश लग्न	: कर्क
रूद्रांश लग्न	: कर्क

सूर्योदय	: 06:36:32AM
सूर्यास्त	: 05:03:05PM
अयनांश	: N.C.Lahiri (023:29:36)

महत्वपूर्ण स्फूट

बीज स्फूट (1)	: कर्क(008:39:54)
बीज स्फूट (2)	: कर्क(012:00:39)
बीज स्फूट (3)	: सिहं(023:57:20)

होरा लग्न	: मेष(004:27:10)
होरा लग्न (वृद्धि करिका)	: मीन(026:30:58)
होरा लग्न (सवाया)	: कुम्भ(007:26:50)
अष्टम भाव (वृद्धि करिका)	: कुम्भ
भाव लग्न	: मिथुन(017:13:35)
घटिका लग्न	: धनु(029:40:40)
सपद घटिका लग्न	: कर्क
आयुर लग्न	: कन्या
वर्णदा लग्न	: तुला

अन्य भावों का वर्णदा

वर्णदा लग्न (द्वितीय भाव)	: वृश्चिक
वर्णदा लग्न (तृतीय भाव)	: धनु
वर्णदा लग्न (चतुर्थ भाव)	: मकर
वर्णदा लग्न (पंचम् भाव)	: कुम्भ
वर्णदा लग्न (षष्टम् भाव)	: मीन
वर्णदा लग्न (सप्तम् भाव)	: मीन
वर्णदा लग्न (अष्टम् भाव)	: वृष
वर्णदा लग्न (नवम् भाव)	: मिथुन
वर्णदा लग्न (दशम् भाव)	: कर्क
वर्णदा लग्न (एकादश भाव)	: सिहं
वर्णदा लग्न (द्वादश भाव)	: कन्या

महत्वपूर्ण ग्रह

ब्रह्म ग्रह	: मंगल
महेश्वर	: शुक्र
रूद्र	: मंगल
गौण ब्रह्म	: शनि
न्यून महेश्वर	....
अप्रानी रूद	....
हर ग्रह	: चन्द्रमा
आत्म कारक ग्रह	: बुध
उप कारक ग्रह	: चन्द्रमा
योगदा ग्रह	....
केवल ग्रह	: मंगल
शुभपति ग्रह	: बुध

Sample DOB-18:12:1973 TOB-01:45:00 POB-Ballia

ग्रह स्थिति

ग्रह	राशि	राशि	डिग्री	नक्षत्र – चरन	न0 पति	सप्तकारक	विशेष	विशेष
लग्न	कन्या	बुध	28:15:29	चित्रा.2	मंगल	...	...	...
सूर्य	धनु	गुरू	02:15:49	मूला.1	केतु	दारा	मित्र के भाव में	ग्रस्ति
चन्द्रमा	कन्या	बुध	16:00:57	हस्ता.2	चन्द्रमा	भ्रात्रि	शत्रु के भाव में	––
मंगल	मेष	मंगल	04:42:18	अश्विनी.2	केतु	ज्ञाति	मूलत्रिकोन	––
बुध	वृश्चिक	मंगल	19:51:24	ज्येष्ठा.1	बुध	आत्म	शत्रु के भाव में	––
गुरू	मकर	शनि	17:56:39	श्रवण.3	चन्द्रमा	अमात्य	तटस्थ भाव में	शुभ ग्रह के साथ
शुक्र	मकर	शनि	13:00:16	श्रवण.1	चन्द्रमा	मात्रि	मित्र के भाव में	शुभ ग्रह के साथ
शनि व	मिथुन	बुध	08:12:33	अरिद्रा.1	राहु	अपत्या	तटस्थ भाव में	ग्रस्ति
राहु व	धनु	गुरू	05:10:35	मूला.2	केतु	...	मित्र के भाव में	दुष्ट ग्रह के साथ
केतु व	मिथुन	बुध	05:10:35	मृगशिरा.4	मंगल	...	तटस्थ भाव में	दुष्ट ग्रह के साथ
हर्षल	तुला	शुक्र	03:20:59	चित्रा.4	मंगल	...	––	––
नेपच्यून	वृश्चिक	मंगल	14:20:41	अनुराधा.4	शनि	...	––	शुभ ग्रह के साथ
प्लूटो	कन्या	बुध	13:11:14	हस्ता.1	चन्द्रमा	...	––	दुष्ट ग्रह के साथ

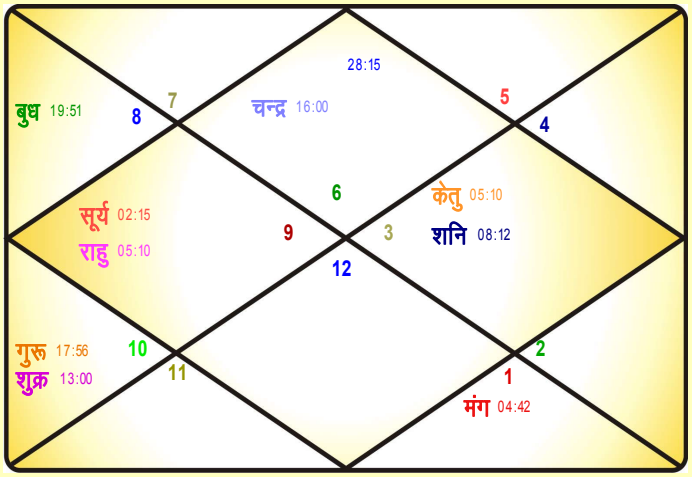

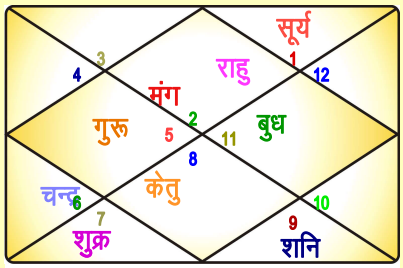

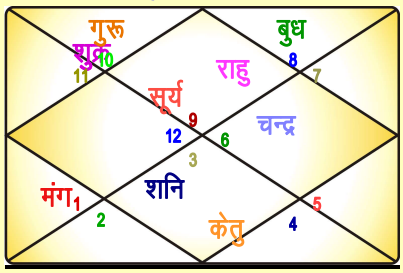

नवांश कुण्डली (कृष्ण मिश्र)

लग्न कुण्डली

कारकांश कुण्डली (राशि)

जैमिनी कारक

ग्रह	सप्त कारक	अष्ट कारक	स्थिर कारक	भाव कारक
सूर्य	दारा	दारा	आत्म	
चन्द्रमा	भ्रात्रि	मात्रि	मात्रि	
मंगल	ज्ञाति	ज्ञाति	भ्रात्रि	भ्रात्रि
बुध	आत्म	अमात्य	अमात्य	आत्म
गुरू	अमात्य	भ्रात्रि	अपत्या	मात्रि, दारा
शुक्र	मात्रि	पितृ	दारा	अमात्य
शनि	अपत्या	अपत्या	ज्ञाति	अपत्या, ज्ञाति
राहु		आत्म		

उपग्रहों की स्थिति

सूर्य पर आधारित उपग्रह					
उपग्रह	**अधिपति**	**राशि**	**डिग्री**	**नक्षत्र**	**नक्षत्र चरन**
धुम	मंगल	मेष	15:35:49	भरणी	1
व्यतिपात	राहु	मीन	14:24:11	उत्तरभाद्र	4
परिवेश	चन्द्रमा	कन्या	14:24:11	हस्ता	2
इन्द्रचाप	शुक्र	तुला	15:35:49	स्वाति	3
शिखि	केतु	वृश्चिक	02:15:49	विशाखा	4
भुकम्प	....	कुम्भ	22:15:49	पूर्वाभाद्र	1
उल्का	....	मेष	02:15:49	अश्विनी	1
ब्रह्मदंड	....	मिथुन	08:55:49	अरिद्रा	1
ध्वजा	....	सिहं	28:55:49	उत्तरफाल्गुनी	1

दिवस पर आधारित उपग्रह (पराशर)					
उपग्रह	**अधिपति**	**राशि**	**डिग्री**	**नक्षत्र**	**नक्षत्र चरन**
कोदन्ड	शुक्र	मिथुन	03:06:01	मृगशिरा	3
गुलिका	शनि	मिथुन	25:53:47	पुनर्वसु	2
कालबेला	सूर्य	कर्क	17:56:05	अश्लेषा	1
परिधि	चन्द्रमा	सिहं	10:15:17	मघा	4
मृत्यु	मंगल	कन्या	03:04:49	उत्तरफाल्गुनी	2
अर्द्धप्रहर	बुध	कन्या	25:06:47	चित्रा	1
यमकन्टक	गुरू	तुला	17:37:01	स्वाति	4
मन्दी	यम	धनु	14:37:34	पूर्वाषाढ़	1

दिवस पर आधारित उपग्रह (कालिदास)					
उपग्रह	**अधिपति**	**राशि**	**डिग्री**	**नक्षत्र**	**नक्षत्र चरन**
कोदन्ड	शुक्र	मिथुन	25:53:47	पुनर्वसु	2
गुलिका	शनि	कर्क	17:56:05	अश्लेषा	1
कालबेला	सूर्य	सिहं	10:15:17	मघा	4
परिधि	चन्द्रमा	कन्या	03:04:49	उत्तरफाल्गुनी	2
मृत्यु	मंगल	कन्या	25:06:47	चित्रा	1
अर्द्धप्रहर	बुध	तुला	17:37:01	स्वाति	4
यमकन्टक	गुरू	वृश्चिक	09:40:29	अनुराधा	2
मन्दी	यम	धनु	14:37:34	पूर्वाषाढ़	1

For Mindsutra Software Technologies

जैमिनी लग्न कुण्डली

लग्न (जन्म) कुण्डली

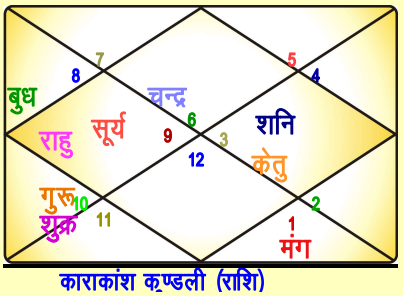

नवांश कुण्डली

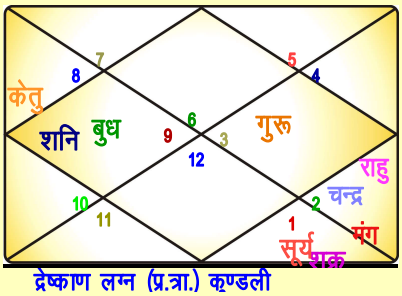

नवांश कृष्ण मिश्र)

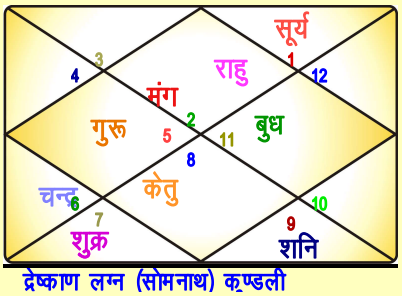

काराकांश कृण्डली (राशि)

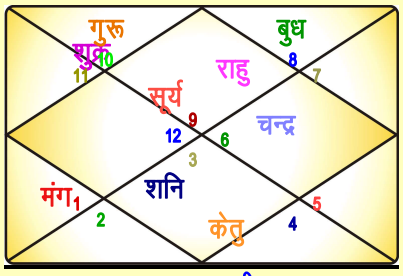

द्रेष्काण लग्न (प्र.त्रा.) कृण्डली

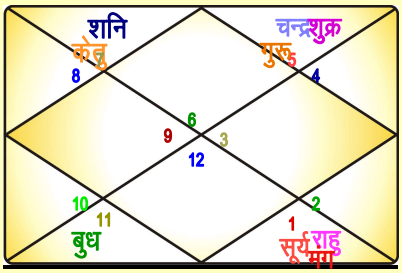

द्रेष्काण लग्न (सोमनाथ) कृण्डली

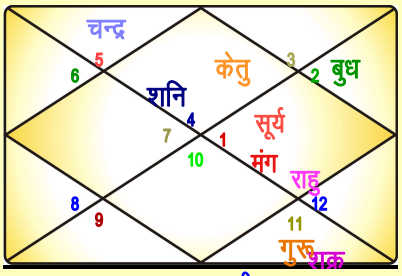

आरूढ़ लग्न कृण्डली

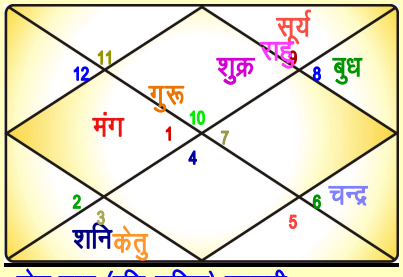

उपपद लग्न कृण्डली

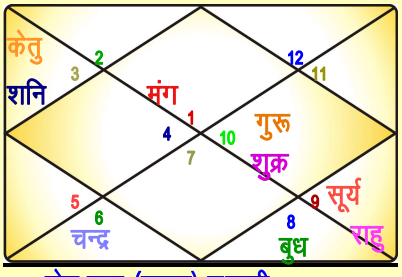

होरा लग्न (वृद्धि करिका) कृण्डली

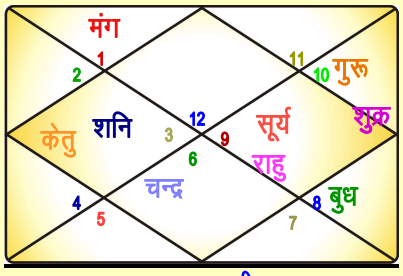

होरा लग्न (सवाया) कृण्डली

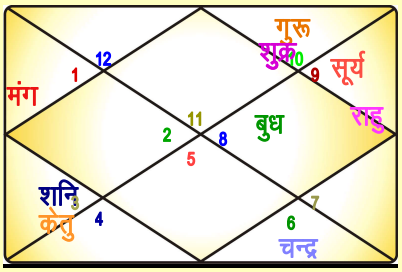

आयुर लग्न कृण्डली

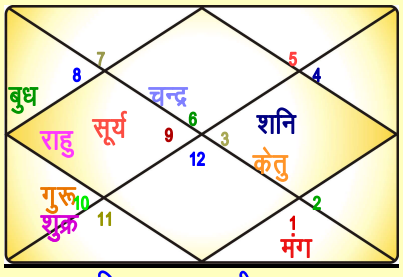

पका लग्न कृण्डली

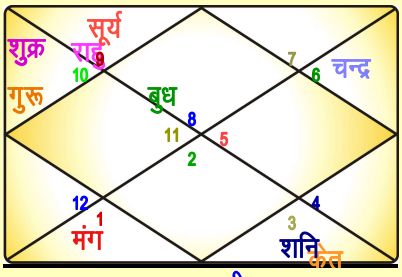

इन्दु लग्न कृण्डली

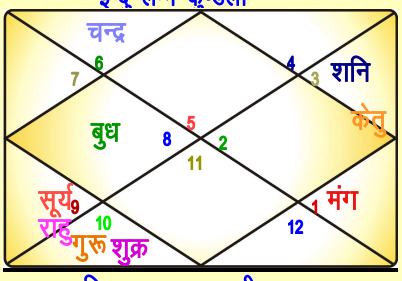

दिव्य लग्न कृण्डली

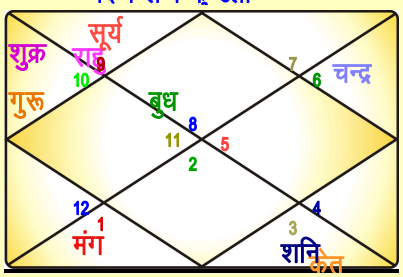

तारा लग्न कृण्डली

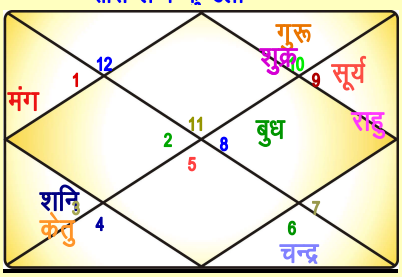

त्रिप्रवन लग्न कृण्डली

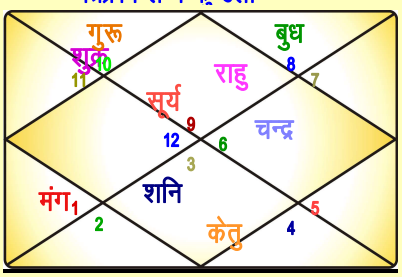

Printed by - MindSutra Software Technologies, New Delhi , www.mindsutra.com

जैमिनी पद चक्र

भाव पद

क्र.स.	पद नाम	पद राशि
1	लग्न पद	मकर
2	धन पद	मेष
3	सहज पद	कन्या
4	मातृ पद	कुम्भ
5	मंत्र पद	वृश्चिक
6	अरि पद	तुला
7	दारा पद	वृश्चिक
8	रन्ध्र पद	मेष
9	पितृ पद	कन्या
10	कर्म पद	मेष
11	लाभ पद	वृश्चिक
12	व्यय पद	मेष

ग्रह पद

ग्रह		पद राशि
☉	सूर्य	मेष
☽	चन्द्रमा	वृश्चिक
♂	मंगल	मेष
☿	बुध	मेष
♃	गुरू	कुम्भ
♀	शुक्र	मेष
♄	शनि	तुला

राशि पद

क्र.स.	राशि	पद राशि
1	मेष	मेष
2	वृष	धनु
3	मिथुन	मिथुन
4	कर्क	कर्क
5	सिहं	सिहं
6	कन्या	धनु
7	तुला	तुला
8	वृश्चिक	मिथुन
9	धनु	धनु
10	मकर	धनु
11	कुम्भ	कुम्भ
12	मीन	कन्या

अर्गला चक्र

मुख्य अर्गला

ग्रह	अर्गला (द्वितिय) के द्वारा	विरोधार्गला (द्वादश) के द्वारा	अर्गला (चतुर्थ) के द्वारा	विरोधार्गला (दशम्) के द्वारा	अर्गला (एकादश) के द्वारा	विरोधार्गला (तृतीय) के द्वारा
सूर्य	गुरू, शुक्र	बुध	–––	चन्द्रमा	–––	–––
चन्द्रमा	–––	–––	सूर्य, राहु	शनि, केतु	–––	बुध
मंगल	–––	–––	–––	गुरू, शुक्र	–––	शनि, केतु
बुध	सूर्य, राहु	–––	–––	–––	चन्द्रमा	गुरू, शुक्र
गुरू	–––	सूर्य, राहु	मंगल	–––	बुध	–––
शुक्र	–––	सूर्य, राहु	मंगल	–––	बुध	–––
शनि	–––	–––	चन्द्रमा	–––	मंगल	–––
राहु	बुध	गुरू, शुक्र	चन्द्रमा	–––	–––	–––
केतु	–––	–––	–––	चन्द्रमा	–––	मंगल

गौण अर्गला

ग्रह	अर्गला पंचम के द्वारा	विरोधार्गला (नवम्) के द्वारा
सूर्य	मंगल	–––
चन्द्रमा	गुरू, शुक्र	–––
मंगल	–––	सूर्य, राहु
बुध	–––	–––
गुरू	–––	चन्द्रमा
शुक्र	–––	चन्द्रमा
शनि	–––	–––
राहु	–––	मंगल
केतु	–––	–––

विशेष अर्गला

ग्रह	विरोधार्गला (तृतीय) के द्वारा
सूर्य	....
चन्द्रमा	....
मंगल	....
बुध	....
गुरू	....
शुक्र	....
शनि	....
राहु	....
केतु	....

केतु और राहु ग्रह के लिए अर्गला और विरोध अर्गला मुख्य और गौण दोनो, की गणना उल्टी तरफ से किया जाता है। यह सामान्य नियमों के विपरीत है–यह सिद्धान्त हमारे प्राचीन ज्योतिषीयों के द्वारा दिया गया है। **Page-6**

जैमिनी चर दशा

(नीलकान्त सिद्धान्त)

क्र0 स0	राशि दशा	अवधि	से ---------- तक
1	कन्या दशा	10 y.0 m.0 d.	18:12:1973 --- 18:12:1983
2	तुला दशा	3 y.0 m.0 d.	18:12:1983 --- 18:12:1986
3	वृश्चिक दशा	5 y.0 m.0 d.	18:12:1986 --- 18:12:1991
4	धनु दशा	1 y.0 m.0 d.	18:12:1991 --- 18:12:1992
5	मकर दशा	7 y.0 m.0 d.	18:12:1992 --- 18:12:1999
6	कुम्भ दशा	4 y.0 m.0 d.	18:12:1999 --- 18:12:2003
7	मीन दशा	2 y.0 m.0 d.	18:12:2003 --- 18:12:2005
8	मेष दशा	12 y.0 m.0 d.	18:12:2005 --- 18:12:2017
9	वृष दशा	4 y.0 m.0 d.	18:12:2017 --- 18:12:2021
10	मिथुन दशा	5 y.0 m.0 d.	18:12:2021 --- 18:12:2026
11	कर्क दशा	10 y.0 m.0 d.	18:12:2026 --- 18:12:2036
12	सिहं दशा	4 y.0 m.0 d.	18:12:2036 --- 18:12:2040

जैमिनी चर दशा की भुक्ति

कन्या दशा		तुला दशा		वृश्चिक दशा		धनु दशा	
भुक्ति	से	भुक्ति	से	भुक्ति	से	भुक्ति	से
तुला	18:12:1973	वृश्चिक	18:12:1983	तुला	18:12:1986	वृश्चिक	18:12:1991
वृश्चिक	18:10:1974	धनु	18:03:1984	कन्या	19:05:1987	तुला	17:01:1992
धनु	18:08:1975	मकर	18:06:1984	सिहं	18:10:1987	कन्या	17:02:1992
मकर	18:06:1976	कुम्भ	17:09:1984	कर्क	18:03:1988	सिहं	18:03:1992
कुम्भ	18:04:1977	मीन	18:12:1984	मिथुन	18:08:1988	कर्क	18:04:1992
मीन	16:02:1978	मेष	19:03:1985	वृष	17:01:1989	मिथुन	18:05:1992
मेष	18:12:1978	वृष	18:06:1985	मेष	18:06:1989	वृष	18:06:1992
वृष	18:10:1979	मिथुन	17:09:1985	मीन	17:11:1989	मेष	18:07:1992
मिथुन	18:08:1980	कर्क	18:12:1985	कुम्भ	18:04:1990	मीन	18:08:1992
कर्क	18:06:1981	सिहं	19:03:1986	मकर	17:09:1990	कुम्भ	17:09:1992
सिहं	18:04:1982	कन्या	18:06:1986	धनु	16:02:1991	मकर	18:10:1992
कन्या	16:02:1983	तुला	17:09:1986	वृश्चिक	19:07:1991	धनु	17:11:1992

मकर दशा		कुम्भ दशा		मीन दशा		मेष दशा	
भुक्ति	से	भुक्ति	से	भुक्ति	से	भुक्ति	से
धनु	18:12:1992	मीन	18:12:1999	मेष	18:12:2003	वृष	18:12:2005
वृश्चिक	19:07:1993	मेष	18:04:2000	वृष	17:02:2004	मिथुन	18:12:2006
तुला	16:02:1994	वृष	18:08:2000	मिथुन	18:04:2004	कर्क	18:12:2007
कन्या	17:09:1994	मिथुन	18:12:2000	कर्क	18:06:2004	सिहं	18:12:2008
सिहं	18:04:1995	कर्क	18:04:2001	सिहं	18:08:2004	कन्या	18:12:2009
कर्क	17:11:1995	सिहं	18:08:2001	कन्या	18:10:2004	तुला	18:12:2010
मिथुन	18:06:1996	कन्या	18:12:2001	तुला	18:12:2004	वृश्चिक	18:12:2011
वृष	17:01:1997	तुला	18:04:2002	वृश्चिक	16:02:2005	धनु	18:12:2012
मेष	18:08:1997	वृश्चिक	18:08:2002	धनु	18:04:2005	मकर	18:12:2013
मीन	19:03:1998	धनु	18:12:2002	मकर	18:06:2005	कुम्भ	18:12:2014
कुम्भ	18:10:1998	मकर	18:04:2003	कुम्भ	18:08:2005	मीन	18:12:2015
मकर	19:05:1999	कुम्भ	18:08:2003	मीन	18:10:2005	मेष	18:12:2016

वृष दशा		मिथुन दशा		कर्क दशा		सिहं दशा	
भुक्ति	से	भुक्ति	से	भुक्ति	से	भुक्ति	से
मेष	18:12:2017	वृष	18:12:2021	मिथुन	18:12:2026	कन्या	18:12:2036
मीन	18:04:2018	मेष	19:05:2022	वृष	18:10:2027	तुला	18:04:2037
कुम्भ	18:08:2018	मीन	18:10:2022	मेष	18:08:2028	वृश्चिक	18:08:2037
मकर	18:12:2018	कुम्भ	19:03:2023	मीन	18:06:2029	धनु	18:12:2037
धनु	18:04:2019	मकर	18:08:2023	कुम्भ	18:04:2030	मकर	18:04:2038
वृश्चिक	18:08:2019	धनु	17:01:2024	मकर	16:02:2031	कुम्भ	18:08:2038
तुला	18:12:2019	वृश्चिक	18:06:2024	धनु	18:12:2031	मीन	18:12:2038
कन्या	18:04:2020	तुला	17:11:2024	वृश्चिक	18:10:2032	मेष	18:04:2039
सिहं	18:08:2020	कन्या	18:04:2025	तुला	18:08:2033	वृष	18:08:2039
कर्क	18:12:2020	सिहं	17:09:2025	कन्या	18:06:2034	मिथुन	18:12:2039
मिथुन	18:04:2021	कर्क	16:02:2026	सिहं	18:04:2035	कर्क	18:04:2040
वृष	18:08:2021	मिथुन	19:07:2026	कर्क	17:02:2036	सिहं	18:08:2040

जैमिनी चर दशा

(नीलकान्त सिद्धान्त)

कन्या दशा (18:12:1973 – 18:12:1983)

तुला भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति		धनु भुक्ति		मकर भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृश्चिक	18:12:1973	तुला	18:10:1974	वृश्चिक	18:08:1975	धनु	18:06:1976
धनु	12:01:1974	कन्या	12:11:1974	तुला	12:09:1975	वृश्चिक	13:07:1976
मकर	06:02:1974	सिहं	07:12:1974	कन्या	08:10:1975	तुला	07:08:1976
कुम्भ	04:03:1974	कर्क	02:01:1975	सिहं	02:11:1975	कन्या	02:09:1976
मीन	29:03:1974	मिथुन	27:01:1975	कर्क	27:11:1975	सिहं	27:09:1976
मेष	23:04:1974	वृष	22:02:1975	मिथुन	23:12:1975	कर्क	23:10:1976
वृष	19:05:1974	मेष	19:03:1975	वृष	17:01:1976	मिथुन	17:11:1976
मिथुन	13:06:1974	मीन	13:04:1975	मेष	11:02:1976	वृष	12:12:1976
कर्क	08:07:1974	कुम्भ	09:05:1975	मीन	08:03:1976	मेष	07:01:1977
सिहं	03:08:1974	मकर	03:06:1975	कुम्भ	02:04:1976	मीन	01:02:1977
कन्या	28:08:1974	धनु	28:06:1975	मकर	28:04:1976	कुम्भ	27:02:1977
तुला	22:09:1974	वृश्चिक	24:07:1975	धनु	23:05:1976	मकर	24:03:1977

कुम्भ भुक्ति		मीन भुक्ति		मेष भुक्ति		वृष भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मीन	18:04:1977	मेष	16:02:1978	वृष	18:12:1978	मेष	18:10:1979
मेष	14:05:1977	वृष	14:03:1978	मिथुन	12:01:1979	मीन	12:11:1979
वृष	08:06:1977	मिथुन	08:04:1978	कर्क	06:02:1979	कुम्भ	07:12:1979
मिथुन	03:07:1977	कर्क	03:05:1978	सिहं	04:03:1979	मकर	02:01:1980
कर्क	29:07:1977	सिहं	29:05:1978	कन्या	29:03:1979	धनु	27:01:1980
सिहं	23:08:1977	कन्या	23:06:1978	तुला	23:04:1979	वृश्चिक	22:02:1980
कन्या	17:09:1977	तुला	19:07:1978	वृश्चिक	19:05:1979	तुला	18:03:1980
तुला	13:10:1977	वृश्चिक	13:08:1978	धनु	13:06:1979	कन्या	12:04:1980
वृश्चिक	07:11:1977	धनु	07:09:1978	मकर	08:07:1979	सिहं	08:05:1980
धनु	02:12:1977	मकर	03:10:1978	कुम्भ	03:08:1979	कर्क	02:06:1980
मकर	28:12:1977	कुम्भ	28:10:1978	मीन	28:08:1979	मिथुन	28:06:1980
कुम्भ	22:01:1978	मीन	22:11:1978	मेष	22:09:1979	वृष	23:07:1980

मिथुन भुक्ति		कर्क भुक्ति		सिहं भुक्ति		कन्या भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृष	18:08:1980	मिथुन	18:06:1981	कन्या	18:04:1982	तुला	16:02:1983
मेष	12:09:1980	वृष	13:07:1981	तुला	14:05:1982	वृश्चिक	14:03:1983
मीन	07:10:1980	मेष	08:08:1981	वृश्चिक	08:06:1982	धनु	08:04:1983
कुम्भ	02:11:1980	मीन	02:09:1981	धनु	03:07:1982	मकर	03:05:1983
मकर	27:11:1980	कुम्भ	28:09:1981	मकर	29:07:1982	कुम्भ	29:05:1983
धनु	23:12:1980	मकर	23:10:1981	कुम्भ	23:08:1982	मीन	23:06:1983
वृश्चिक	17:01:1981	धनु	17:11:1981	मीन	17:09:1982	मेष	19:07:1983
तुला	11:02:1981	वृश्चिक	13:12:1981	मेष	13:10:1982	वृष	13:08:1983
कन्या	09:03:1981	तुला	07:01:1982	वृष	07:11:1982	मिथुन	07:09:1983
सिहं	03:04:1981	कन्या	01:02:1982	मिथुन	02:12:1982	कर्क	03:10:1983
कर्क	28:04:1981	सिहं	27:02:1982	कर्क	28:12:1982	सिहं	28:10:1983
मिथुन	24:05:1981	कर्क	24:03:1982	सिहं	22:01:1983	कन्या	22:11:1983

For Mindsutra Software Technologies

जैमिनी चर दशा

(नीलकान्त सिद्धान्त)

तुला दशा (18:12:1983 – 18:12:1986)

वृश्चिक भुक्ति		धनु भुक्ति		मकर भुक्ति		कुम्भ भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
तुला	18:12:1983	वृश्चिक	18:03:1984	धनु	18:06:1984	मीन	17:09:1984
कन्या	25:12:1983	तुला	26:03:1984	वृश्चिक	25:06:1984	मेष	25:09:1984
सिहं	02:01:1984	कन्या	02:04:1984	तुला	03:07:1984	वृष	02:10:1984
कर्क	09:01:1984	सिहं	10:04:1984	कन्या	10:07:1984	मिथुन	10:10:1984
मिथुन	17:01:1984	कर्क	18:04:1984	सिहं	18:07:1984	कर्क	18:10:1984
वृष	25:01:1984	मिथुन	25:04:1984	कर्क	26:07:1984	सिहं	25:10:1984
मेष	01:02:1984	वृष	03:05:1984	मिथुन	02:08:1984	कन्या	02:11:1984
मीन	09:02:1984	मेष	10:05:1984	वृष	10:08:1984	तुला	09:11:1984
कुम्भ	17:02:1984	मीन	18:05:1984	मेष	18:08:1984	वृश्चिक	17:11:1984
मकर	24:02:1984	कुम्भ	26:05:1984	मीन	25:08:1984	धनु	25:11:1984
धनु	03:03:1984	मकर	02:06:1984	कुम्भ	02:09:1984	मकर	02:12:1984
वृश्चिक	10:03:1984	धनु	10:06:1984	मकर	09:09:1984	कुम्भ	10:12:1984

मीन भुक्ति		मेष भुक्ति		वृष भुक्ति		मिथुन भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मेष	18:12:1984	वृष	19:03:1985	मेष	18:06:1985	वृष	17:09:1985
वृष	25:12:1984	मिथुन	26:03:1985	मीन	26:06:1985	मेष	25:09:1985
मिथुन	02:01:1985	कर्क	03:04:1985	कुम्भ	03:07:1985	मीन	03:10:1985
कर्क	09:01:1985	सिहं	11:04:1985	मकर	11:07:1985	कुम्भ	10:10:1985
सिहं	17:01:1985	कन्या	18:04:1985	धनु	19:07:1985	मकर	18:10:1985
कन्या	25:01:1985	तुला	26:04:1985	वृश्चिक	26:07:1985	धनु	25:10:1985
तुला	01:02:1985	वृश्चिक	03:05:1985	तुला	03:08:1985	वृश्चिक	02:11:1985
वृश्चिक	09:02:1985	धनु	11:05:1985	कन्या	10:08:1985	तुला	10:11:1985
धनु	16:02:1985	मकर	19:05:1985	सिहं	18:08:1985	कन्या	17:11:1985
मकर	24:02:1985	कुम्भ	26:05:1985	कर्क	26:08:1985	सिहं	25:11:1985
कुम्भ	04:03:1985	मीन	03:06:1985	मिथुन	02:09:1985	कर्क	02:12:1985
मीन	11:03:1985	मेष	11:06:1985	वृष	10:09:1985	मिथुन	10:12:1985

कर्क भुक्ति		सिहं भुक्ति		कन्या भुक्ति		तुला भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मिथुन	18:12:1985	कन्या	19:03:1986	तुला	18:06:1986	वृश्चिक	17:09:1986
वृष	25:12:1985	तुला	26:03:1986	वृश्चिक	26:06:1986	धनु	25:09:1986
मेष	02:01:1986	वृश्चिक	03:04:1986	धनु	03:07:1986	मकर	03:10:1986
मीन	09:01:1986	धनु	11:04:1986	मकर	11:07:1986	कुम्भ	10:10:1986
कुम्भ	17:01:1986	मकर	18:04:1986	कुम्भ	19:07:1986	मीन	18:10:1986
मकर	25:01:1986	कुम्भ	26:04:1986	मीन	26:07:1986	मेष	25:10:1986
धनु	01:02:1986	मीन	03:05:1986	मेष	03:08:1986	वृष	02:11:1986
वृश्चिक	09:02:1986	मेष	11:05:1986	वृष	10:08:1986	मिथुन	10:11:1986
तुला	16:02:1986	वृष	19:05:1986	मिथुन	18:08:1986	कर्क	17:11:1986
कन्या	24:02:1986	मिथुन	26:05:1986	कर्क	26:08:1986	सिहं	25:11:1986
सिहं	04:03:1986	कर्क	03:06:1986	सिहं	02:09:1986	कन्या	02:12:1986
कर्क	11:03:1986	सिहं	11:06:1986	कन्या	10:09:1986	तुला	10:12:1986

जैमिनी चर दशा

(नीलकान्त सिद्धान्त)

वृश्चिक दशा (18:12:1986 – 18:12:1991)

तुला भुक्ति		कन्या भुक्ति		सिहं भुक्ति		कर्क भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृश्चिक	18:12:1986	तुला	19:05:1987	कन्या	18:10:1987	मिथुन	18:03:1988
धनु	30:12:1986	वृश्चिक	31:05:1987	तुला	30:10:1987	वृष	31:03:1988
मकर	12:01:1987	धनु	13:06:1987	वृश्चिक	12:11:1987	मेष	12:04:1988
कुम्भ	25:01:1987	मकर	26:06:1987	धनु	25:11:1987	मीन	25:04:1988
मीन	06:02:1987	कुम्भ	08:07:1987	मकर	07:12:1987	कुम्भ	08:05:1988
मेष	19:02:1987	मीन	21:07:1987	कुम्भ	20:12:1987	मकर	21:05:1988
वृष	04:03:1987	मेष	03:08:1987	मीन	02:01:1988	धनु	02:06:1988
मिथुन	16:03:1987	वृष	15:08:1987	मेष	15:01:1988	वृश्चिक	15:06:1988
कर्क	29:03:1987	मिथुन	28:08:1987	वृष	27:01:1988	तुला	28:06:1988
सिहं	11:04:1987	कर्क	10:09:1987	मिथुन	09:02:1988	कन्या	10:07:1988
कन्या	23:04:1987	सिहं	22:09:1987	कर्क	22:02:1988	सिहं	23:07:1988
तुला	06:05:1987	कन्या	05:10:1987	सिहं	05:03:1988	कर्क	05:08:1988

मिथुन भुक्ति		वृष भुक्ति		मेष भुक्ति		मीन भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृष	18:08:1988	मेष	17:01:1989	वृष	18:06:1989	मेष	17:11:1989
मेष	30:08:1988	मीन	30:01:1989	मिथुन	01:07:1989	वृष	30:11:1989
मीन	12:09:1988	कुम्भ	11:02:1989	कर्क	13:07:1989	मिथुन	13:12:1989
कुम्भ	25:09:1988	मकर	24:02:1989	सिहं	26:07:1989	कर्क	25:12:1989
मकर	07:10:1988	धनु	09:03:1989	कन्या	08:08:1989	सिहं	07:01:1990
धनु	20:10:1988	वृश्चिक	21:03:1989	तुला	20:08:1989	कन्या	20:01:1990
वृश्चिक	02:11:1988	तुला	03:04:1989	वृश्चिक	02:09:1989	तुला	01:02:1990
तुला	15:11:1988	कन्या	16:04:1989	धनु	15:09:1989	वृश्चिक	14:02:1990
कन्या	27:11:1988	सिहं	28:04:1989	मकर	28:09:1989	धनु	27:02:1990
सिहं	10:12:1988	कर्क	11:05:1989	कुम्भ	10:10:1989	मकर	11:03:1990
कर्क	23:12:1988	मिथुन	24:05:1989	मीन	23:10:1989	कुम्भ	24:03:1990
मिथुन	04:01:1989	वृष	05:06:1989	मेष	05:11:1989	मीन	06:04:1990

कुम्भ भुक्ति		मकर भुक्ति		धनु भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मीन	18:04:1990	धनु	17:09:1990	वृश्चिक	16:02:1991	तुला	19:07:1991
मेष	01:05:1990	वृश्चिक	30:09:1990	तुला	01:03:1991	कन्या	31:07:1991
वृष	14:05:1990	तुला	13:10:1990	कन्या	14:03:1991	सिहं	13:08:1991
मिथुन	26:05:1990	कन्या	25:10:1990	सिहं	26:03:1991	कर्क	26:08:1991
कर्क	08:06:1990	सिहं	07:11:1990	कर्क	08:04:1991	मिथुन	07:09:1991
सिहं	21:06:1990	कर्क	20:11:1990	मिथुन	21:04:1991	वृष	20:09:1991
कन्या	03:07:1990	मिथुन	02:12:1990	वृष	03:05:1991	मेष	03:10:1991
तुला	16:07:1990	वृष	15:12:1990	मेष	16:05:1991	मीन	15:10:1991
वृश्चिक	29:07:1990	मेष	28:12:1990	मीन	29:05:1991	कुम्भ	28:10:1991
धनु	10:08:1990	मीन	09:01:1991	कुम्भ	11:06:1991	मकर	10:11:1991
मकर	23:08:1990	कुम्भ	22:01:1991	मकर	23:06:1991	धनु	22:11:1991
कुम्भ	05:09:1990	मकर	04:02:1991	धनु	06:07:1991	वृश्चिक	05:12:1991

जैमिनी चर दशा

(नीलकान्त सिद्धान्त)

धनु दशा (18:12:1991 – 18:12:1992)

वृश्चिक भुक्ति		तुला भुक्ति		कन्या भुक्ति		सिहं भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
तुला	18:12:1991	वृश्चिक	17:01:1992	तुला	17:02:1992	कन्या	18:03:1992
कन्या	20:12:1991	धनु	20:01:1992	वृश्चिक	19:02:1992	तुला	21:03:1992
सिहं	23:12:1991	मकर	22:01:1992	धनु	22:02:1992	वृश्चिक	23:03:1992
कर्क	25:12:1991	कुम्भ	25:01:1992	मकर	24:02:1992	धनु	26:03:1992
मिथुन	28:12:1991	मीन	27:01:1992	कुम्भ	27:02:1992	मकर	28:03:1992
वृष	30:12:1991	मेष	30:01:1992	मीन	29:02:1992	कुम्भ	31:03:1992
मेष	02:01:1992	वृष	01:02:1992	मेष	03:03:1992	मीन	02:04:1992
मीन	04:01:1992	मिथुन	04:02:1992	वृष	05:03:1992	मेष	05:04:1992
कुम्भ	07:01:1992	कर्क	06:02:1992	मिथुन	08:03:1992	वृष	07:04:1992
मकर	09:01:1992	सिहं	09:02:1992	कर्क	10:03:1992	मिथुन	10:04:1992
धनु	12:01:1992	कन्या	11:02:1992	सिहं	13:03:1992	कर्क	12:04:1992
वृश्चिक	15:01:1992	तुला	14:02:1992	कन्या	16:03:1992	सिहं	15:04:1992

कर्क भुक्ति		मिथुन भुक्ति		वृष भुक्ति		मेष भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मिथुन	18:04:1992	वृष	18:05:1992	मेष	18:06:1992	वृष	18:07:1992
वृष	20:04:1992	मेष	21:05:1992	मीन	20:06:1992	मिथुन	21:07:1992
मेष	23:04:1992	मीन	23:05:1992	कुम्भ	23:06:1992	कर्क	23:07:1992
मीन	25:04:1992	कुम्भ	26:05:1992	मकर	25:06:1992	सिहं	26:07:1992
कुम्भ	28:04:1992	मकर	28:05:1992	धनु	28:06:1992	कन्या	28:07:1992
मकर	30:04:1992	धनु	31:05:1992	वृश्चिक	30:06:1992	तुला	31:07:1992
धनु	03:05:1992	वृश्चिक	02:06:1992	तुला	03:07:1992	वृश्चिक	02:08:1992
वृश्चिक	05:05:1992	तुला	05:06:1992	कन्या	05:07:1992	धनु	05:08:1992
तुला	08:05:1992	कन्या	07:06:1992	सिहं	08:07:1992	मकर	07:08:1992
कन्या	10:05:1992	सिहं	10:06:1992	कर्क	10:07:1992	कुम्भ	10:08:1992
सिहं	13:05:1992	कर्क	12:06:1992	मिथुन	13:07:1992	मीन	12:08:1992
कर्क	16:05:1992	मिथुन	15:06:1992	वृष	16:07:1992	मेष	15:08:1992

मीन भुक्ति		कुम्भ भुक्ति		मकर भुक्ति		धनु भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मेष	18:08:1992	मीन	17:09:1992	धनु	18:10:1992	वृश्चिक	17:11:1992
वृष	20:08:1992	मेष	20:09:1992	वृश्चिक	20:10:1992	तुला	20:11:1992
मिथुन	23:08:1992	वृष	22:09:1992	तुला	23:10:1992	कन्या	22:11:1992
कर्क	25:08:1992	मिथुन	25:09:1992	कन्या	25:10:1992	सिहं	25:11:1992
सिहं	28:08:1992	कर्क	27:09:1992	सिहं	28:10:1992	कर्क	27:11:1992
कन्या	30:08:1992	सिहं	30:09:1992	कर्क	30:10:1992	मिथुन	30:11:1992
तुला	02:09:1992	कन्या	02:10:1992	मिथुन	02:11:1992	वृष	02:12:1992
वृश्चिक	04:09:1992	तुला	05:10:1992	वृष	04:11:1992	मेष	05:12:1992
धनु	07:09:1992	वृश्चिक	07:10:1992	मेष	07:11:1992	मीन	07:12:1992
मकर	09:09:1992	धनु	10:10:1992	मीन	09:11:1992	कुम्भ	10:12:1992
कुम्भ	12:09:1992	मकर	12:10:1992	कुम्भ	12:11:1992	मकर	12:12:1992
मीन	15:09:1992	कुम्भ	15:10:1992	मकर	15:11:1992	धनु	15:12:1992

For Mindsutra Software Technologies

जैमिनी चर दशा

(नीलकान्त सिद्धान्त)

मकर दशा (18:12:1992 – 18:12:1999)

धनु भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति		तुला भुक्ति		कन्या भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृश्चिक	18:12:1992	तुला	19:07:1993	वृश्चिक	16:02:1994	तुला	17:09:1994
तुला	04:01:1993	कन्या	05:08:1993	धनु	06:03:1994	वृश्चिक	05:10:1994
कन्या	22:01:1993	सिहं	23:08:1993	मकर	24:03:1994	धनु	23:10:1994
सिहं	09:02:1993	कर्क	10:09:1993	कुम्भ	11:04:1994	मकर	10:11:1994
कर्क	27:02:1993	मिथुन	28:09:1993	मीन	28:04:1994	कुम्भ	27:11:1994
मिथुन	16:03:1993	वृष	15:10:1993	मेष	16:05:1994	मीन	15:12:1994
वृष	03:04:1993	मेष	02:11:1993	वृष	03:06:1994	मेष	02:01:1995
मेष	21:04:1993	मीन	20:11:1993	मिथुन	21:06:1994	वृष	20:01:1995
मीन	09:05:1993	कुम्भ	07:12:1993	कर्क	08:07:1994	मिथुन	06:02:1995
कुम्भ	26:05:1993	मकर	25:12:1993	सिहं	26:07:1994	कर्क	24:02:1995
मकर	13:06:1993	धनु	12:01:1994	कन्या	13:08:1994	सिहं	14:03:1995
धनु	01:07:1993	वृश्चिक	30:01:1994	तुला	31:08:1994	कन्या	01:04:1995

सिहं भुक्ति		कर्क भुक्ति		मिथुन भुक्ति		वृष भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
कन्या	18:04:1995	मिथुन	17:11:1995	वृष	18:06:1996	मेष	17:01:1997
तुला	06:05:1995	वृष	05:12:1995	मेष	05:07:1996	मीन	04:02:1997
वृश्चिक	24:05:1995	मेष	23:12:1995	मीन	23:07:1996	कुम्भ	22:02:1997
धनु	11:06:1995	मीन	09:01:1996	कुम्भ	10:08:1996	मकर	11:03:1997
मकर	28:06:1995	कुम्भ	27:01:1996	मकर	28:08:1996	धनु	29:03:1997
कुम्भ	16:07:1995	मकर	14:02:1996	धनु	15:09:1996	वृश्चिक	16:04:1997
मीन	03:08:1995	धनु	03:03:1996	वृश्चिक	02:10:1996	तुला	03:05:1997
मेष	20:08:1995	वृश्चिक	21:03:1996	तुला	20:10:1996	कन्या	21:05:1997
वृष	07:09:1995	तुला	07:04:1996	कन्या	07:11:1996	सिहं	08:06:1997
मिथुन	25:09:1995	कन्या	25:04:1996	सिहं	25:11:1996	कर्क	26:06:1997
कर्क	13:10:1995	सिहं	13:05:1996	कर्क	12:12:1996	मिथुन	13:07:1997
सिहं	30:10:1995	कर्क	31:05:1996	मिथुन	30:12:1996	वृष	31:07:1997

मेष भुक्ति		मीन भुक्ति		कुम्भ भुक्ति		मकर भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृष	18:08:1997	मेष	19:03:1998	मीन	18:10:1998	धनु	19:05:1999
मिथुन	05:09:1997	वृष	06:04:1998	मेष	05:11:1998	वृश्चिक	05:06:1999
कर्क	22:09:1997	मिथुन	23:04:1998	वृष	22:11:1998	तुला	23:06:1999
सिहं	10:10:1997	कर्क	11:05:1998	मिथुन	10:12:1998	कन्या	11:07:1999
कन्या	28:10:1997	सिहं	29:05:1998	कर्क	28:12:1998	सिहं	29:07:1999
तुला	15:11:1997	कन्या	16:06:1998	सिहं	14:01:1999	कर्क	15:08:1999
वृश्चिक	02:12:1997	तुला	03:07:1998	कन्या	01:02:1999	मिथुन	02:09:1999
धनु	20:12:1997	वृश्चिक	21:07:1998	तुला	19:02:1999	वृष	20:09:1999
मकर	07:01:1998	धनु	08:08:1998	वृश्चिक	09:03:1999	मेष	08:10:1999
कुम्भ	25:01:1998	मकर	26:08:1998	धनु	26:03:1999	मीन	25:10:1999
मीन	11:02:1998	कुम्भ	12:09:1998	मकर	13:04:1999	कुम्भ	12:11:1999
मेष	01:03:1998	मीन	30:09:1998	कुम्भ	01:05:1999	मकर	30:11:1999

जैमिनी चर दशा

(नीलकान्त सिद्धान्त)

कुम्भ दशा (18:12:1999 – 18:12:2003)

मीन भुक्ति	
अंतर	से
मेष	18:12:1999
वृष	28:12:1999
मिथुन	07:01:2000
कर्क	17:01:2000
सिहं	27:01:2000
कन्या	06:02:2000
तुला	17:02:2000
वृश्चिक	27:02:2000
धनु	08:03:2000
मकर	18:03:2000
कुम्भ	28:03:2000
मीन	07:04:2000

मेष भुक्ति	
अंतर	से
वृष	18:04:2000
मिथुन	28:04:2000
कर्क	08:05:2000
सिहं	18:05:2000
कन्या	28:05:2000
तुला	07:06:2000
वृश्चिक	18:06:2000
धनु	28:06:2000
मकर	08:07:2000
कुम्भ	18:07:2000
मीन	28:07:2000
मेष	07:08:2000

वृष भुक्ति	
अंतर	से
मेष	18:08:2000
मीन	28:08:2000
कुम्भ	07:09:2000
मकर	17:09:2000
धनु	27:09:2000
वृश्चिक	07:10:2000
तुला	18:10:2000
कन्या	28:10:2000
सिहं	07:11:2000
कर्क	17:11:2000
मिथुन	27:11:2000
वृष	07:12:2000

मिथुन भुक्ति	
अंतर	से
वृष	18:12:2000
मेष	28:12:2000
मीन	07:01:2001
कुम्भ	17:01:2001
मकर	27:01:2001
धनु	06:02:2001
वृश्चिक	16:02:2001
तुला	27:02:2001
कन्या	09:03:2001
सिहं	19:03:2001
कर्क	29:03:2001
मिथुन	08:04:2001

कर्क भुक्ति	
अंतर	से
मिथुन	18:04:2001
वृष	28:04:2001
मेष	09:05:2001
मीन	19:05:2001
कुम्भ	29:05:2001
मकर	08:06:2001
धनु	18:06:2001
वृश्चिक	28:06:2001
तुला	08:07:2001
कन्या	19:07:2001
सिहं	29:07:2001
कर्क	08:08:2001

सिहं भुक्ति	
अंतर	से
कन्या	18:08:2001
तुला	28:08:2001
वृश्चिक	07:09:2001
धनु	17:09:2001
मकर	28:09:2001
कुम्भ	08:10:2001
मीन	18:10:2001
मेष	28:10:2001
वृष	07:11:2001
मिथुन	17:11:2001
कर्क	27:11:2001
सिहं	07:12:2001

कन्या भुक्ति	
अंतर	से
तुला	18:12:2001
वृश्चिक	28:12:2001
धनु	07:01:2002
मकर	17:01:2002
कुम्भ	27:01:2002
मीन	06:02:2002
मेष	16:02:2002
वृष	27:02:2002
मिथुन	09:03:2002
कर्क	19:03:2002
सिहं	29:03:2002
कन्या	08:04:2002

तुला भुक्ति	
अंतर	से
वृश्चिक	18:04:2002
धनु	28:04:2002
मकर	09:05:2002
कुम्भ	19:05:2002
मीन	29:05:2002
मेष	08:06:2002
वृष	18:06:2002
मिथुन	28:06:2002
कर्क	08:07:2002
सिहं	19:07:2002
कन्या	29:07:2002
तुला	08:08:2002

वृश्चिक भुक्ति	
अंतर	से
तुला	18:08:2002
कन्या	28:08:2002
सिहं	07:09:2002
कर्क	17:09:2002
मिथुन	28:09:2002
वृष	08:10:2002
मेष	18:10:2002
मीन	28:10:2002
कुम्भ	07:11:2002
मकर	17:11:2002
धनु	27:11:2002
वृश्चिक	07:12:2002

धनु भुक्ति	
अंतर	से
वृश्चिक	18:12:2002
तुला	28:12:2002
कन्या	07:01:2003
सिहं	17:01:2003
कर्क	27:01:2003
मिथुन	06:02:2003
वृष	16:02:2003
मेष	27:02:2003
मीन	09:03:2003
कुम्भ	19:03:2003
मकर	29:03:2003
धनु	08:04:2003

मकर भुक्ति	
अंतर	से
धनु	18:04:2003
वृश्चिक	28:04:2003
तुला	09:05:2003
कन्या	19:05:2003
सिहं	29:05:2003
कर्क	08:06:2003
मिथुन	18:06:2003
वृष	28:06:2003
मेष	08:07:2003
मीन	19:07:2003
कुम्भ	29:07:2003
मकर	08:08:2003

कुम्भ भुक्ति	
अंतर	से
मीन	18:08:2003
मेष	28:08:2003
वृष	07:09:2003
मिथुन	17:09:2003
कर्क	28:09:2003
सिहं	08:10:2003
कन्या	18:10:2003
तुला	28:10:2003
वृश्चिक	07:11:2003
धनु	17:11:2003
मकर	27:11:2003
कुम्भ	07:12:2003

जैमिनी चर दशा

(नीलकान्त सिद्धान्त)

मीन दशा (18:12:2003 – 18:12:2005)

मेष भुक्ति		वृष भुक्ति		मिथुन भुक्ति		कर्क भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृष	18:12:2003	मेष	17:02:2004	वृष	18:04:2004	मिथुन	18:06:2004
मिथुन	23:12:2003	मीन	22:02:2004	मेष	23:04:2004	वृष	23:06:2004
कर्क	28:12:2003	कुम्भ	27:02:2004	मीन	28:04:2004	मेष	28:06:2004
सिहं	02:01:2004	मकर	03:03:2004	कुम्भ	03:05:2004	मीन	03:07:2004
कन्या	07:01:2004	धनु	08:03:2004	मकर	08:05:2004	कुम्भ	08:07:2004
तुला	12:01:2004	वृश्चिक	13:03:2004	धनु	13:05:2004	मकर	13:07:2004
वृश्चिक	17:01:2004	तुला	18:03:2004	वृश्चिक	18:05:2004	धनु	18:07:2004
धनु	22:01:2004	कन्या	23:03:2004	तुला	23:05:2004	वृश्चिक	23:07:2004
मकर	27:01:2004	सिहं	28:03:2004	कन्या	28:05:2004	तुला	28:07:2004
कुम्भ	01:02:2004	कर्क	02:04:2004	सिहं	02:06:2004	कन्या	02:08:2004
मीन	06:02:2004	मिथुन	07:04:2004	कर्क	07:06:2004	सिहं	07:08:2004
मेष	11:02:2004	वृष	12:04:2004	मिथुन	12:06:2004	कर्क	12:08:2004

सिहं भुक्ति		कन्या भुक्ति		तुला भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
कन्या	18:08:2004	तुला	18:10:2004	वृश्चिक	18:12:2004	तुला	16:02:2005
तुला	23:08:2004	वृश्चिक	23:10:2004	धनु	23:12:2004	कन्या	22:02:2005
वृश्चिक	28:08:2004	धनु	28:10:2004	मकर	28:12:2004	सिहं	27:02:2005
धनु	02:09:2004	मकर	02:11:2004	कुम्भ	02:01:2005	कर्क	04:03:2005
मकर	07:09:2004	कुम्भ	07:11:2004	मीन	07:01:2005	मिथुन	09:03:2005
कुम्भ	12:09:2004	मीन	12:11:2004	मेष	12:01:2005	वृष	14:03:2005
मीन	17:09:2004	मेष	17:11:2004	वृष	17:01:2005	मेष	19:03:2005
मेष	22:09:2004	वृष	22:11:2004	मिथुन	22:01:2005	मीन	24:03:2005
वृष	27:09:2004	मिथुन	27:11:2004	कर्क	27:01:2005	कुम्भ	29:03:2005
मिथुन	02:10:2004	कर्क	02:12:2004	सिहं	01:02:2005	मकर	03:04:2005
कर्क	07:10:2004	सिहं	07:12:2004	कन्या	06:02:2005	धनु	08:04:2005
सिहं	12:10:2004	कन्या	12:12:2004	तुला	11:02:2005	वृश्चिक	13:04:2005

धनु भुक्ति		मकर भुक्ति		कुम्भ भुक्ति		मीन भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृश्चिक	18:04:2005	धनु	18:06:2005	मीन	18:08:2005	मेष	18:10:2005
तुला	23:04:2005	वृश्चिक	23:06:2005	मेष	23:08:2005	वृष	23:10:2005
कन्या	28:04:2005	तुला	28:06:2005	वृष	28:08:2005	मिथुन	28:10:2005
सिहं	03:05:2005	कन्या	03:07:2005	मिथुन	02:09:2005	कर्क	02:11:2005
कर्क	09:05:2005	सिहं	08:07:2005	कर्क	07:09:2005	सिहं	07:11:2005
मिथुन	14:05:2005	कर्क	13:07:2005	सिहं	12:09:2005	कन्या	12:11:2005
वृष	19:05:2005	मिथुन	19:07:2005	कन्या	17:09:2005	तुला	17:11:2005
मेष	24:05:2005	वृष	24:07:2005	तुला	22:09:2005	वृश्चिक	22:11:2005
मीन	29:05:2005	मेष	29:07:2005	वृश्चिक	28:09:2005	धनु	27:11:2005
कुम्भ	03:06:2005	मीन	03:08:2005	धनु	03:10:2005	मकर	02:12:2005
मकर	08:06:2005	कुम्भ	08:08:2005	मकर	08:10:2005	कुम्भ	07:12:2005
धनु	13:06:2005	मकर	13:08:2005	कुम्भ	13:10:2005	मीन	13:12:2005

जैमिनी चर दशा

(नीलकान्त सिद्धान्त)

मेष दशा (18:12:2005 – 18:12:2017)

वृष भुक्ति		मिथुन भुक्ति		कर्क भुक्ति		सिहं भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मेष	18:12:2005	वृष	18:12:2006	मिथुन	18:12:2007	कन्या	18:12:2008
मीन	17:01:2006	मेष	17:01:2007	वृष	17:01:2008	तुला	17:01:2009
कुम्भ	16:02:2006	मीन	16:02:2007	मेष	17:02:2008	वृश्चिक	16:02:2009
मकर	19:03:2006	कुम्भ	19:03:2007	मीन	18:03:2008	धनु	19:03:2009
धनु	18:04:2006	मकर	18:04:2007	कुम्भ	18:04:2008	मकर	18:04:2009
वृश्चिक	19:05:2006	धनु	19:05:2007	मकर	18:05:2008	कुम्भ	19:05:2009
तुला	18:06:2006	वृश्चिक	18:06:2007	धनु	18:06:2008	मीन	18:06:2009
कन्या	19:07:2006	तुला	19:07:2007	वृश्चिक	18:07:2008	मेष	19:07:2009
सिहं	18:08:2006	कन्या	18:08:2007	तुला	18:08:2008	वृष	18:08:2009
कर्क	17:09:2006	सिहं	17:09:2007	कन्या	17:09:2008	मिथुन	17:09:2009
मिथुन	18:10:2006	कर्क	18:10:2007	सिहं	18:10:2008	कर्क	18:10:2009
वृष	17:11:2006	मिथुन	17:11:2007	कर्क	17:11:2008	सिहं	17:11:2009

कन्या भुक्ति		तुला भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति		धनु भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
तुला	18:12:2009	वृश्चिक	18:12:2010	तुला	18:12:2011	वृश्चिक	18:12:2012
वृश्चिक	17:01:2010	धनु	17:01:2011	कन्या	17:01:2012	तुला	17:01:2013
धनु	16:02:2010	मकर	16:02:2011	सिहं	17:02:2012	कन्या	16:02:2013
मकर	19:03:2010	कुम्भ	19:03:2011	कर्क	18:03:2012	सिहं	19:03:2013
कुम्भ	18:04:2010	मीन	18:04:2011	मिथुन	18:04:2012	कर्क	18:04:2013
मीन	19:05:2010	मेष	19:05:2011	वृष	18:05:2012	मिथुन	19:05:2013
मेष	18:06:2010	वृष	18:06:2011	मेष	18:06:2012	वृष	18:06:2013
वृष	19:07:2010	मिथुन	19:07:2011	मीन	18:07:2012	मेष	19:07:2013
मिथुन	18:08:2010	कर्क	18:08:2011	कुम्भ	18:08:2012	मीन	18:08:2013
कर्क	17:09:2010	सिहं	17:09:2011	मकर	17:09:2012	कुम्भ	17:09:2013
सिहं	18:10:2010	कन्या	18:10:2011	धनु	18:10:2012	मकर	18:10:2013
कन्या	17:11:2010	तुला	17:11:2011	वृश्चिक	17:11:2012	धनु	17:11:2013

मकर भुक्ति		कुम्भ भुक्ति		मीन भुक्ति		मेष भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
धनु	18:12:2013	मीन	18:12:2014	मेष	18:12:2015	वृष	18:12:2016
वृश्चिक	17:01:2014	मेष	17:01:2015	वृष	17:01:2016	मिथुन	17:01:2017
तुला	16:02:2014	वृष	16:02:2015	मिथुन	17:02:2016	कर्क	16:02:2017
कन्या	19:03:2014	मिथुन	19:03:2015	कर्क	18:03:2016	सिहं	19:03:2017
सिहं	18:04:2014	कर्क	18:04:2015	सिहं	18:04:2016	कन्या	18:04:2017
कर्क	19:05:2014	सिहं	19:05:2015	कन्या	18:05:2016	तुला	19:05:2017
मिथुन	18:06:2014	कन्या	18:06:2015	तुला	18:06:2016	वृश्चिक	18:06:2017
वृष	19:07:2014	तुला	19:07:2015	वृश्चिक	18:07:2016	धनु	19:07:2017
मेष	18:08:2014	वृश्चिक	18:08:2015	धनु	18:08:2016	मकर	18:08:2017
मीन	17:09:2014	धनु	17:09:2015	मकर	17:09:2016	कुम्भ	17:09:2017
कुम्भ	18:10:2014	मकर	18:10:2015	कुम्भ	18:10:2016	मीन	18:10:2017
मकर	17:11:2014	कुम्भ	17:11:2015	मीन	17:11:2016	मेष	17:11:2017

जैमिनी चर दशा

(नीलकान्त सिद्धान्त)

वृष दशा (18:12:2017 – 18:12:2021)

मेष भुक्ति		मीन भुक्ति		कुम्भ भुक्ति		मकर भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृष	18:12:2017	मेष	18:04:2018	मीन	18:08:2018	धनु	18:12:2018
मिथुन	28:12:2017	वृष	28:04:2018	मेष	28:08:2018	वृश्चिक	28:12:2018
कर्क	07:01:2018	मिथुन	09:05:2018	वृष	07:09:2018	तुला	07:01:2019
सिहं	17:01:2018	कर्क	19:05:2018	मिथुन	17:09:2018	कन्या	17:01:2019
कन्या	27:01:2018	सिहं	29:05:2018	कर्क	28:09:2018	सिहं	27:01:2019
तुला	06:02:2018	कन्या	08:06:2018	सिहं	08:10:2018	कर्क	06:02:2019
वृश्चिक	16:02:2018	तुला	18:06:2018	कन्या	18:10:2018	मिथुन	16:02:2019
धनु	27:02:2018	वृश्चिक	28:06:2018	तुला	28:10:2018	वृष	27:02:2019
मकर	09:03:2018	धनु	08:07:2018	वृश्चिक	07:11:2018	मेष	09:03:2019
कुम्भ	19:03:2018	मकर	19:07:2018	धनु	17:11:2018	मीन	19:03:2019
मीन	29:03:2018	कुम्भ	29:07:2018	मकर	27:11:2018	कुम्भ	29:03:2019
मेष	08:04:2018	मीन	08:08:2018	कुम्भ	07:12:2018	मकर	08:04:2019

धनु भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति		तुला भुक्ति		कन्या भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृश्चिक	18:04:2019	तुला	18:08:2019	वृश्चिक	18:12:2019	तुला	18:04:2020
तुला	28:04:2019	कन्या	28:08:2019	धनु	28:12:2019	वृश्चिक	28:04:2020
कन्या	09:05:2019	सिहं	07:09:2019	मकर	07:01:2020	धनु	08:05:2020
सिहं	19:05:2019	कर्क	17:09:2019	कुम्भ	17:01:2020	मकर	18:05:2020
कर्क	29:05:2019	मिथुन	28:09:2019	मीन	27:01:2020	कुम्भ	28:05:2020
मिथुन	08:06:2019	वृष	08:10:2019	मेष	06:02:2020	मीन	07:06:2020
वृष	18:06:2019	मेष	18:10:2019	वृष	17:02:2020	मेष	18:06:2020
मेष	28:06:2019	मीन	28:10:2019	मिथुन	27:02:2020	वृष	28:06:2020
मीन	08:07:2019	कुम्भ	07:11:2019	कर्क	08:03:2020	मिथुन	08:07:2020
कुम्भ	19:07:2019	मकर	17:11:2019	सिहं	18:03:2020	कर्क	18:07:2020
मकर	29:07:2019	धनु	27:11:2019	कन्या	28:03:2020	सिहं	28:07:2020
धनु	08:08:2019	वृश्चिक	07:12:2019	तुला	07:04:2020	कन्या	07:08:2020

सिहं भुक्ति		कर्क भुक्ति		मिथुन भुक्ति		वृष भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
कन्या	18:08:2020	मिथुन	18:12:2020	वृष	18:04:2021	मेष	18:08:2021
तुला	28:08:2020	वृष	28:12:2020	मेष	28:04:2021	मीन	28:08:2021
वृश्चिक	07:09:2020	मेष	07:01:2021	मीन	09:05:2021	कुम्भ	07:09:2021
धनु	17:09:2020	मीन	17:01:2021	कुम्भ	19:05:2021	मकर	17:09:2021
मकर	27:09:2020	कुम्भ	27:01:2021	मकर	29:05:2021	धनु	28:09:2021
कुम्भ	07:10:2020	मकर	06:02:2021	धनु	08:06:2021	वृश्चिक	08:10:2021
मीन	18:10:2020	धनु	16:02:2021	वृश्चिक	18:06:2021	तुला	18:10:2021
मेष	28:10:2020	वृश्चिक	27:02:2021	तुला	28:06:2021	कन्या	28:10:2021
वृष	07:11:2020	तुला	09:03:2021	कन्या	08:07:2021	सिहं	07:11:2021
मिथुन	17:11:2020	कन्या	19:03:2021	सिहं	19:07:2021	कर्क	17:11:2021
कर्क	27:11:2020	सिहं	29:03:2021	कर्क	29:07:2021	मिथुन	27:11:2021
सिहं	07:12:2020	कर्क	08:04:2021	मिथुन	08:08:2021	वृष	07:12:2021

जैमिनी चर दशा

(नीलकान्त सिद्धान्त)

मिथुन दशा (18:12:2021 – 18:12:2026)

वृष भुक्ति		मेष भुक्ति		मीन भुक्ति		कुम्भ भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मेष	18:12:2021	वृष	19:05:2022	मेष	18:10:2022	मीन	19:03:2023
मीन	30:12:2021	मिथुन	31:05:2022	वृष	30:10:2022	मेष	01:04:2023
कुम्भ	12:01:2022	कर्क	13:06:2022	मिथुन	12:11:2022	वृष	13:04:2023
मकर	25:01:2022	सिहं	26:06:2022	कर्क	25:11:2022	मिथुन	26:04:2023
धनु	06:02:2022	कन्या	08:07:2022	सिहं	07:12:2022	कर्क	09:05:2023
वृश्चिक	19:02:2022	तुला	21:07:2022	कन्या	20:12:2022	सिहं	21:05:2023
तुला	04:03:2022	वृश्चिक	03:08:2022	तुला	02:01:2023	कन्या	03:06:2023
कन्या	16:03:2022	धनु	15:08:2022	वृश्चिक	14:01:2023	तुला	16:06:2023
सिहं	29:03:2022	मकर	28:08:2022	धनु	27:01:2023	वृश्चिक	28:06:2023
कर्क	11:04:2022	कुम्भ	10:09:2022	मकर	09:02:2023	धनु	11:07:2023
मिथुन	23:04:2022	मीन	22:09:2022	कुम्भ	22:02:2023	मकर	24:07:2023
वृष	06:05:2022	मेष	05:10:2022	मीन	06:03:2023	कुम्भ	05:08:2023

मकर भुक्ति		धनु भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति		तुला भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
धनु	18:08:2023	वृश्चिक	17:01:2024	तुला	18:06:2024	वृश्चिक	17:11:2024
वृश्चिक	31:08:2023	तुला	30:01:2024	कन्या	30:06:2024	धनु	30:11:2024
तुला	12:09:2023	कन्या	11:02:2024	सिहं	13:07:2024	मकर	12:12:2024
कन्या	25:09:2023	सिहं	24:02:2024	कर्क	26:07:2024	कुम्भ	25:12:2024
सिहं	08:10:2023	कर्क	08:03:2024	मिथुन	07:08:2024	मीन	07:01:2025
कर्क	20:10:2023	मिथुन	21:03:2024	वृष	20:08:2024	मेष	20:01:2025
मिथुन	02:11:2023	वृष	02:04:2024	मेष	02:09:2024	वृष	01:02:2025
वृष	15:11:2023	मेष	15:04:2024	मीन	15:09:2024	मिथुन	14:02:2025
मेष	27:11:2023	मीन	28:04:2024	कुम्भ	27:09:2024	कर्क	27:02:2025
मीन	10:12:2023	कुम्भ	10:05:2024	मकर	10:10:2024	सिहं	11:03:2025
कुम्भ	23:12:2023	मकर	23:05:2024	धनु	23:10:2024	कन्या	24:03:2025
मकर	04:01:2024	धनु	05:06:2024	वृश्चिक	04:11:2024	तुला	06:04:2025

कन्या भुक्ति		सिहं भुक्ति		कर्क भुक्ति		मिथुन भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
तुला	18:04:2025	कन्या	17:09:2025	मिथुन	16:02:2026	वृष	19:07:2026
वृश्चिक	01:05:2025	तुला	30:09:2025	वृष	01:03:2026	मेष	31:07:2026
धनु	14:05:2025	वृश्चिक	13:10:2025	मेष	14:03:2026	मीन	13:08:2026
मकर	26:05:2025	धनु	25:10:2025	मीन	26:03:2026	कुम्भ	26:08:2026
कुम्भ	08:06:2025	मकर	07:11:2025	कुम्भ	08:04:2026	मकर	07:09:2026
मीन	21:06:2025	कुम्भ	20:11:2025	मकर	21:04:2026	धनु	20:09:2026
मेष	03:07:2025	मीन	02:12:2025	धनु	03:05:2026	वृश्चिक	03:10:2026
वृष	16:07:2025	मेष	15:12:2025	वृश्चिक	16:05:2026	तुला	15:10:2026
मिथुन	29:07:2025	वृष	28:12:2025	तुला	29:05:2026	कन्या	28:10:2026
कर्क	10:08:2025	मिथुन	09:01:2026	कन्या	11:06:2026	सिहं	10:11:2026
सिहं	23:08:2025	कर्क	22:01:2026	सिहं	23:06:2026	कर्क	22:11:2026
कन्या	05:09:2025	सिहं	04:02:2026	कर्क	06:07:2026	मिथुन	05:12:2026

जैमिनी चर दशा

(नीलकान्त सिद्धान्त)

कर्क दशा (18:12:2026 – 18:12:2036)

मिथुन भुक्ति		वृष भुक्ति		मेष भुक्ति		मीन भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृष	18:12:2026	मेष	18:10:2027	वृष	18:08:2028	मेष	18:06:2029
मेष	12:01:2027	मीन	12:11:2027	मिथुन	12:09:2028	वृष	13:07:2029
मीन	06:02:2027	कुम्भ	07:12:2027	कर्क	07:10:2028	मिथुन	08:08:2029
कुम्भ	04:03:2027	मकर	02:01:2028	सिहं	02:11:2028	कर्क	02:09:2029
मकर	29:03:2027	धनु	27:01:2028	कन्या	27:11:2028	सिहं	28:09:2029
धनु	23:04:2027	वृश्चिक	22:02:2028	तुला	23:12:2028	कन्या	23:10:2029
वृश्चिक	19:05:2027	तुला	18:03:2028	वृश्चिक	17:01:2029	तुला	17:11:2029
तुला	13:06:2027	कन्या	12:04:2028	धनु	11:02:2029	वृश्चिक	13:12:2029
कन्या	08:07:2027	सिहं	08:05:2028	मकर	09:03:2029	धनु	07:01:2030
सिहं	03:08:2027	कर्क	02:06:2028	कुम्भ	03:04:2029	मकर	01:02:2030
कर्क	28:08:2027	मिथुन	28:06:2028	मीन	28:04:2029	कुम्भ	27:02:2030
मिथुन	22:09:2027	वृष	23:07:2028	मेष	24:05:2029	मीन	24:03:2030

कुम्भ भुक्ति		मकर भुक्ति		धनु भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मीन	18:04:2030	धनु	16:02:2031	वृश्चिक	18:12:2031	तुला	18:10:2032
मेष	14:05:2030	वृश्चिक	14:03:2031	तुला	12:01:2032	कन्या	12:11:2032
वृष	08:06:2030	तुला	08:04:2031	कन्या	06:02:2032	सिहं	07:12:2032
मिथुन	03:07:2030	कन्या	03:05:2031	सिहं	03:03:2032	कर्क	02:01:2033
कर्क	29:07:2030	सिहं	29:05:2031	कर्क	28:03:2032	मिथुन	27:01:2033
सिहं	23:08:2030	कर्क	23:06:2031	मिथुन	23:04:2032	वृष	22:02:2033
कन्या	17:09:2030	मिथुन	19:07:2031	वृष	18:05:2032	मेष	19:03:2033
तुला	13:10:2030	वृष	13:08:2031	मेष	12:06:2032	मीन	13:04:2033
वृश्चिक	07:11:2030	मेष	07:09:2031	मीन	08:07:2032	कुम्भ	09:05:2033
धनु	02:12:2030	मीन	03:10:2031	कुम्भ	02:08:2032	मकर	03:06:2033
मकर	28:12:2030	कुम्भ	28:10:2031	मकर	28:08:2032	धनु	28:06:2033
कुम्भ	22:01:2031	मकर	22:11:2031	धनु	22:09:2032	वृश्चिक	24:07:2033

तुला भुक्ति		कन्या भुक्ति		सिहं भुक्ति		कर्क भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृश्चिक	18:08:2033	तुला	18:06:2034	कन्या	18:04:2035	मिथुन	17:02:2036
धनु	12:09:2033	वृश्चिक	13:07:2034	तुला	14:05:2035	वृष	13:03:2036
मकर	08:10:2033	धनु	08:08:2034	वृश्चिक	08:06:2035	मेष	07:04:2036
कुम्भ	02:11:2033	मकर	02:09:2034	धनु	03:07:2035	मीन	03:05:2036
मीन	27:11:2033	कुम्भ	28:09:2034	मकर	29:07:2035	कुम्भ	28:05:2036
मेष	23:12:2033	मीन	23:10:2034	कुम्भ	23:08:2035	मकर	23:06:2036
वृष	17:01:2034	मेष	17:11:2034	मीन	17:09:2035	धनु	18:07:2036
मिथुन	11:02:2034	वृष	13:12:2034	मेष	13:10:2035	वृश्चिक	12:08:2036
कर्क	09:03:2034	मिथुन	07:01:2035	वृष	07:11:2035	तुला	07:09:2036
सिहं	03:04:2034	कर्क	01:02:2035	मिथुन	02:12:2035	कन्या	02:10:2036
कन्या	28:04:2034	सिहं	27:02:2035	कर्क	28:12:2035	सिहं	28:10:2036
तुला	24:05:2034	कन्या	24:03:2035	सिहं	22:01:2036	कर्क	22:11:2036

जैमिनी चर दशा

(नीलकान्त सिद्धान्त)

सिहं दशा (18:12:2036 – 18:12:2040)

कन्या भुक्ति	
अंतर	से
तुला	18:12:2036
वृश्चिक	28:12:2036
धनु	07:01:2037
मकर	17:01:2037
कुम्भ	27:01:2037
मीन	06:02:2037
मेष	16:02:2037
वृष	27:02:2037
मिथुन	09:03:2037
कर्क	19:03:2037
सिहं	29:03:2037
कन्या	08:04:2037

तुला भुक्ति	
अंतर	से
वृश्चिक	18:04:2037
धनु	28:04:2037
मकर	09:05:2037
कुम्भ	19:05:2037
मीन	29:05:2037
मेष	08:06:2037
वृष	18:06:2037
मिथुन	28:06:2037
कर्क	08:07:2037
सिहं	19:07:2037
कन्या	29:07:2037
तुला	08:08:2037

वृश्चिक भुक्ति	
अंतर	से
तुला	18:08:2037
कन्या	28:08:2037
सिहं	07:09:2037
कर्क	17:09:2037
मिथुन	28:09:2037
वृष	08:10:2037
मेष	18:10:2037
मीन	28:10:2037
कुम्भ	07:11:2037
मकर	17:11:2037
धनु	27:11:2037
वृश्चिक	07:12:2037

धनु भुक्ति	
अंतर	से
वृश्चिक	18:12:2037
तुला	28:12:2037
कन्या	07:01:2038
सिहं	17:01:2038
कर्क	27:01:2038
मिथुन	06:02:2038
वृष	16:02:2038
मेष	27:02:2038
मीन	09:03:2038
कुम्भ	19:03:2038
मकर	29:03:2038
धनु	08:04:2038

मकर भुक्ति	
अंतर	से
धनु	18:04:2038
वृश्चिक	28:04:2038
तुला	09:05:2038
कन्या	19:05:2038
सिहं	29:05:2038
कर्क	08:06:2038
मिथुन	18:06:2038
वृष	28:06:2038
मेष	08:07:2038
मीन	19:07:2038
कुम्भ	29:07:2038
मकर	08:08:2038

कुम्भ भुक्ति	
अंतर	से
मीन	18:08:2038
मेष	28:08:2038
वृष	07:09:2038
मिथुन	17:09:2038
कर्क	28:09:2038
सिहं	08:10:2038
कन्या	18:10:2038
तुला	28:10:2038
वृश्चिक	07:11:2038
धनु	17:11:2038
मकर	27:11:2038
कुम्भ	07:12:2038

मीन भुक्ति	
अंतर	से
मेष	18:12:2038
वृष	28:12:2038
मिथुन	07:01:2039
कर्क	17:01:2039
सिहं	27:01:2039
कन्या	06:02:2039
तुला	16:02:2039
वृश्चिक	27:02:2039
धनु	09:03:2039
मकर	19:03:2039
कुम्भ	29:03:2039
मीन	08:04:2039

मेष भुक्ति	
अंतर	से
वृष	18:04:2039
मिथुन	28:04:2039
कर्क	09:05:2039
सिहं	19:05:2039
कन्या	29:05:2039
तुला	08:06:2039
वृश्चिक	18:06:2039
धनु	28:06:2039
मकर	08:07:2039
कुम्भ	19:07:2039
मीन	29:07:2039
मेष	08:08:2039

वृष भुक्ति	
अंतर	से
मेष	18:08:2039
मीन	28:08:2039
कुम्भ	07:09:2039
मकर	17:09:2039
धनु	28:09:2039
वृश्चिक	08:10:2039
तुला	18:10:2039
कन्या	28:10:2039
सिहं	07:11:2039
कर्क	17:11:2039
मिथुन	27:11:2039
वृष	07:12:2039

मिथुन भुक्ति	
अंतर	से
वृष	18:12:2039
मेष	28:12:2039
मीन	07:01:2040
कुम्भ	17:01:2040
मकर	27:01:2040
धनु	06:02:2040
वृश्चिक	17:02:2040
तुला	27:02:2040
कन्या	08:03:2040
सिहं	18:03:2040
कर्क	28:03:2040
मिथुन	07:04:2040

कर्क भुक्ति	
अंतर	से
मिथुन	18:04:2040
वृष	28:04:2040
मेष	08:05:2040
मीन	18:05:2040
कुम्भ	28:05:2040
मकर	07:06:2040
धनु	18:06:2040
वृश्चिक	28:06:2040
तुला	08:07:2040
कन्या	18:07:2040
सिहं	28:07:2040
कर्क	07:08:2040

सिहं भुक्ति	
अंतर	से
कन्या	18:08:2040
तुला	28:08:2040
वृश्चिक	07:09:2040
धनु	17:09:2040
मकर	27:09:2040
कुम्भ	07:10:2040
मीन	18:10:2040
मेष	28:10:2040
वृष	07:11:2040
मिथुन	17:11:2040
कर्क	27:11:2040
सिहं	07:12:2040

जैमिनी चर दशा

(राघवभट्ट् और नरसिंह सूरी का सिद्धान्त)

क्र0 स0	राशि दशा	अवधि	से ---------- तक
1	कन्या दशा	2 y.0 m.0 d.	18:12:1973 --- 18:12:1975
2	वृष दशा	8 y.0 m.0 d.	18:12:1975 --- 18:12:1983
3	मकर दशा	7 y.0 m.0 d.	18:12:1983 --- 18:12:1990
4	सिहं दशा	8 y.0 m.0 d.	18:12:1990 --- 18:12:1998
5	मेष दशा	12 y.0 m.0 d.	18:12:1998 --- 18:12:2010
6	धनु दशा	1 y.0 m.0 d.	18:12:2010 --- 18:12:2011
7	कर्क दशा	2 y.0 m.0 d.	18:12:2011 --- 18:12:2013
8	मीन दशा	10 y.0 m.0 d.	18:12:2013 --- 18:12:2023
9	वृश्चिक दशा	7 y.0 m.0 d.	18:12:2023 --- 18:12:2030
10	मिथुन दशा	5 y.0 m.0 d.	18:12:2030 --- 18:12:2035
11	कुम्भ दशा	8 y.0 m.0 d.	18:12:2035 --- 18:12:2043
12	तुला दशा	3 y.0 m.0 d.	18:12:2043 --- 18:12:2046

जैमिनी चर दशा की भुक्ति

कन्या दशा

भुक्ति	से
वृश्चिक	18:12:1973
तुला	18:12:1974

वृष दशा

भुक्ति	से
मकर	18:12:1975
धनु	18:12:1976
वृश्चिक	18:12:1977
तुला	18:12:1978
कन्या	18:12:1979
सिहं	18:12:1980
कर्क	18:12:1981
मिथुन	18:12:1982

मकर दशा

भुक्ति	से
मिथुन	18:12:1983
कर्क	18:12:1984
सिहं	18:12:1985
कन्या	18:12:1986
तुला	18:12:1987
वृश्चिक	18:12:1988
धनु	18:12:1989

सिहं दशा

भुक्ति	से
धनु	18:12:1990
मकर	18:12:1991
कुम्भ	18:12:1992
मीन	18:12:1993
मेष	18:12:1994
वृष	18:12:1995
मिथुन	18:12:1996
कर्क	18:12:1997

मेष दशा

भुक्ति	से
मेष	18:12:1998
वृष	18:12:1999
मिथुन	18:12:2000
कर्क	18:12:2001
सिहं	18:12:2002
कन्या	18:12:2003
तुला	18:12:2004
वृश्चिक	18:12:2005
धनु	18:12:2006
मकर	18:12:2007
कुम्भ	18:12:2008
मीन	18:12:2009

धनु दशा

भुक्ति	से
मकर	18:12:2010

कर्क दशा

भुक्ति	से
कन्या	18:12:2011
सिहं	18:12:2012

मीन दशा

भुक्ति	से
मकर	18:12:2013
धनु	18:12:2014
वृश्चिक	18:12:2015
तुला	18:12:2016
कन्या	18:12:2017
सिहं	18:12:2018
कर्क	18:12:2019
मिथुन	18:12:2020
वृष	18:12:2021
मेष	18:12:2022

वृश्चिक दशा

भुक्ति	से
मेष	18:12:2023
वृष	18:12:2024
मिथुन	18:12:2025
कर्क	18:12:2026
सिहं	18:12:2027
कन्या	18:12:2028
तुला	18:12:2029

मिथुन दशा

भुक्ति	से
वृश्चिक	18:12:2030
तुला	18:12:2031
कन्या	18:12:2032
सिहं	18:12:2033
कर्क	18:12:2034

कुम्भ दशा

भुक्ति	से
मिथुन	18:12:2035
कर्क	18:12:2036
सिहं	18:12:2037
कन्या	18:12:2038
तुला	18:12:2039
वृश्चिक	18:12:2040
धनु	18:12:2041
मकर	18:12:2042

तुला दशा

भुक्ति	से
मकर	18:12:2043
धनु	18:12:2044
वृश्चिक	18:12:2045

For Mindsutra Software Technologies

जैमिनी चर दशा

(राघवभट्ट् और नरसिंह सूरी का सिद्धान्त)

कन्या दशा (18:12:1973 -- 18:12:1975)

वृश्चिक भुक्ति		तुला भुक्ति					
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मेष	18:12:1973	मकर	18:12:1974				
वृष	17:01:1974	धन्	17:01:1975				
मिथुन	16:02:1974	वृश्चिक	16:02:1975				
कर्क	19:03:1974	तुला	19:03:1975				
सिहं	18:04:1974	कन्या	18:04:1975				
कन्या	19:05:1974	सिहं	19:05:1975				
तुला	18:06:1974	कर्क	18:06:1975				
वृश्चिक	19:07:1974	मिथुन	19:07:1975				
धन्	18:08:1974	वृष	18:08:1975				
मकर	17:09:1974	मेष	17:09:1975				
कुम्भ	18:10:1974	मीन	18:10:1975				
मीन	17:11:1974	कुम्भ	17:11:1975				

अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से

अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से

जैमिनी चर दशा

(राघवभट्ट् और नरसिंह सूरी का सिद्धान्त)

वृष दशा (18:12:1975 –– 18:12:1983)

मकर भुक्ति	
अंतर	से
मिथुन	18:12:1975
कर्क	17:01:1976
सिहं	17:02:1976
कन्या	18:03:1976
तुला	18:04:1976
वृश्चिक	18:05:1976
धनु	18:06:1976
मकर	18:07:1976
कुम्भ	18:08:1976
मीन	17:09:1976
मेष	18:10:1976
वृष	17:11:1976

धनु भुक्ति	
अंतर	से
मकर	18:12:1976
धनु	17:01:1977
वृश्चिक	16:02:1977
तुला	19:03:1977
कन्या	18:04:1977
सिहं	19:05:1977
कर्क	18:06:1977
मिथुन	19:07:1977
वृष	18:08:1977
मेष	17:09:1977
मीन	18:10:1977
कुम्भ	17:11:1977

वृश्चिक भुक्ति	
अंतर	से
मेष	18:12:1977
वृष	17:01:1978
मिथुन	16:02:1978
कर्क	19:03:1978
सिहं	18:04:1978
कन्या	19:05:1978
तुला	18:06:1978
वृश्चिक	19:07:1978
धनु	18:08:1978
मकर	17:09:1978
कुम्भ	18:10:1978
मीन	17:11:1978

तुला भुक्ति	
अंतर	से
मकर	18:12:1978
धनु	17:01:1979
वृश्चिक	16:02:1979
तुला	19:03:1979
कन्या	18:04:1979
सिहं	19:05:1979
कर्क	18:06:1979
मिथुन	19:07:1979
वृष	18:08:1979
मेष	17:09:1979
मीन	18:10:1979
कुम्भ	17:11:1979

कन्या भुक्ति	
अंतर	से
वृश्चिक	18:12:1979
तुला	17:01:1980
कन्या	17:02:1980
सिहं	18:03:1980
कर्क	18:04:1980
मिथुन	18:05:1980
वृष	18:06:1980
मेष	18:07:1980
मीन	18:08:1980
कुम्भ	17:09:1980
मकर	18:10:1980
धनु	17:11:1980

सिहं भुक्ति	
अंतर	से
धनु	18:12:1980
मकर	17:01:1981
कुम्भ	16:02:1981
मीन	19:03:1981
मेष	18:04:1981
वृष	19:05:1981
मिथुन	18:06:1981
कर्क	19:07:1981
सिहं	18:08:1981
कन्या	17:09:1981
तुला	18:10:1981
वृश्चिक	17:11:1981

कर्क भुक्ति	
अंतर	से
कन्या	18:12:1981
सिहं	17:01:1982
कर्क	16:02:1982
मिथुन	19:03:1982
वृष	18:04:1982
मेष	19:05:1982
मीन	18:06:1982
कुम्भ	19:07:1982
मकर	18:08:1982
धनु	17:09:1982
वृश्चिक	18:10:1982
तुला	17:11:1982

मिथुन भुक्ति	
अंतर	से
वृश्चिक	18:12:1982
तुला	17:01:1983
कन्या	16:02:1983
सिहं	19:03:1983
कर्क	18:04:1983
मिथुन	19:05:1983
वृष	18:06:1983
मेष	19:07:1983
मीन	18:08:1983
कुम्भ	17:09:1983
मकर	18:10:1983
धनु	17:11:1983

अंतर	से

अंतर	से

अंतर	से

अंतर	से

जैमिनी चर दशा

(राघवभट्ट् और नरसिंह सूरी का सिद्धान्त)

मकर दशा (18:12:1983 –– 18:12:1990)

मिथुन भुक्ति		कर्क भुक्ति		सिहं भुक्ति		कन्या भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृश्चिक	18:12:1983	कन्या	18:12:1984	धनु	18:12:1985	वृश्चिक	18:12:1986
तुला	17:01:1984	सिहं	17:01:1985	मकर	17:01:1986	तुला	17:01:1987
कन्या	17:02:1984	कर्क	16:02:1985	कुम्भ	16:02:1986	कन्या	16:02:1987
सिहं	18:03:1984	मिथुन	19:03:1985	मीन	19:03:1986	सिहं	19:03:1987
कर्क	18:04:1984	वृष	18:04:1985	मेष	18:04:1986	कर्क	18:04:1987
मिथुन	18:05:1984	मेष	19:05:1985	वृष	19:05:1986	मिथुन	19:05:1987
वृष	18:06:1984	मीन	18:06:1985	मिथुन	18:06:1986	वृष	18:06:1987
मेष	18:07:1984	कुम्भ	19:07:1985	कर्क	19:07:1986	मेष	19:07:1987
मीन	18:08:1984	मकर	18:08:1985	सिहं	18:08:1986	मीन	18:08:1987
कुम्भ	17:09:1984	धनु	17:09:1985	कन्या	17:09:1986	कुम्भ	17:09:1987
मकर	18:10:1984	वृश्चिक	18:10:1985	तुला	18:10:1986	मकर	18:10:1987
धनु	17:11:1984	तुला	17:11:1985	वृश्चिक	17:11:1986	धनु	17:11:1987

तुला भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति		धनु भुक्ति			
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मकर	18:12:1987	मेष	18:12:1988	मकर	18:12:1989		
धनु	17:01:1988	वृष	17:01:1989	धनु	17:01:1990		
वृश्चिक	17:02:1988	मिथुन	16:02:1989	वृश्चिक	16:02:1990		
तुला	18:03:1988	कर्क	19:03:1989	तुला	19:03:1990		
कन्या	18:04:1988	सिहं	18:04:1989	कन्या	18:04:1990		
सिहं	18:05:1988	कन्या	19:05:1989	सिहं	19:05:1990		
कर्क	18:06:1988	तुला	18:06:1989	कर्क	18:06:1990		
मिथुन	18:07:1988	वृश्चिक	19:07:1989	मिथुन	19:07:1990		
वृष	18:08:1988	धनु	18:08:1989	वृष	18:08:1990		
मेष	17:09:1988	मकर	17:09:1989	मेष	17:09:1990		
मीन	18:10:1988	कुम्भ	18:10:1989	मीन	18:10:1990		
कुम्भ	17:11:1988	मीन	17:11:1989	कुम्भ	17:11:1990		

अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से

जैमिनी चर दशा

(राघवभट्ट् और नरसिंह सूरी का सिद्धान्त)

सिहं दशा (18:12:1990 –– 18:12:1998)

धनु भुक्ति		मकर भुक्ति		कुम्भ भुक्ति		मीन भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मकर	18:12:1990	मिथुन	18:12:1991	मिथुन	18:12:1992	मकर	18:12:1993
धनु	17:01:1991	कर्क	17:01:1992	कर्क	17:01:1993	धनु	17:01:1994
वृश्चिक	16:02:1991	सिहं	17:02:1992	सिहं	16:02:1993	वृश्चिक	16:02:1994
तुला	19:03:1991	कन्या	18:03:1992	कन्या	19:03:1993	तुला	19:03:1994
कन्या	18:04:1991	तुला	18:04:1992	तुला	18:04:1993	कन्या	18:04:1994
सिहं	19:05:1991	वृश्चिक	18:05:1992	वृश्चिक	19:05:1993	सिहं	19:05:1994
कर्क	18:06:1991	धनु	18:06:1992	धनु	18:06:1993	कर्क	18:06:1994
मिथुन	19:07:1991	मकर	18:07:1992	मकर	19:07:1993	मिथुन	19:07:1994
वृष	18:08:1991	कुम्भ	18:08:1992	कुम्भ	18:08:1993	वृष	18:08:1994
मेष	17:09:1991	मीन	17:09:1992	मीन	17:09:1993	मेष	17:09:1994
मीन	18:10:1991	मेष	18:10:1992	मेष	18:10:1993	मीन	18:10:1994
कुम्भ	17:11:1991	वृष	17:11:1992	वृष	17:11:1993	कुम्भ	17:11:1994

मेष भुक्ति		वृष भुक्ति		मिथुन भुक्ति		कर्क भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मेष	18:12:1994	मकर	18:12:1995	वृश्चिक	18:12:1996	कन्या	18:12:1997
वृष	17:01:1995	धनु	17:01:1996	तुला	17:01:1997	सिहं	17:01:1998
मिथुन	16:02:1995	वृश्चिक	17:02:1996	कन्या	16:02:1997	कर्क	16:02:1998
कर्क	19:03:1995	तुला	18:03:1996	सिहं	19:03:1997	मिथुन	19:03:1998
सिहं	18:04:1995	कन्या	18:04:1996	कर्क	18:04:1997	वृष	18:04:1998
कन्या	19:05:1995	सिहं	18:05:1996	मिथुन	19:05:1997	मेष	19:05:1998
तुला	18:06:1995	कर्क	18:06:1996	वृष	18:06:1997	मीन	18:06:1998
वृश्चिक	19:07:1995	मिथुन	18:07:1996	मेष	19:07:1997	कुम्भ	19:07:1998
धनु	18:08:1995	वृष	18:08:1996	मीन	18:08:1997	मकर	18:08:1998
मकर	17:09:1995	मेष	17:09:1996	कुम्भ	17:09:1997	धनु	17:09:1998
कुम्भ	18:10:1995	मीन	18:10:1996	मकर	18:10:1997	वृश्चिक	18:10:1998
मीन	17:11:1995	कुम्भ	17:11:1996	धनु	17:11:1997	तुला	17:11:1998

अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से

जैमिनी चर दशा

(राघवभट्ट् और नरसिंह सूरी का सिद्धान्त)

मेष दशा (18:12:1998 –– 18:12:2010)

मेष भुक्ति		वृष भुक्ति		मिथुन भुक्ति		कर्क भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मेष	18:12:1998	मकर	18:12:1999	वृश्चिक	18:12:2000	कन्या	18:12:2001
वृष	17:01:1999	धनु	17:01:2000	तुला	17:01:2001	सिहं	17:01:2002
मिथुन	16:02:1999	वृश्चिक	17:02:2000	कन्या	16:02:2001	कर्क	16:02:2002
कर्क	19:03:1999	तुला	18:03:2000	सिहं	19:03:2001	मिथुन	19:03:2002
सिहं	18:04:1999	कन्या	18:04:2000	कर्क	18:04:2001	वृष	18:04:2002
कन्या	19:05:1999	सिहं	18:05:2000	मिथुन	19:05:2001	मेष	19:05:2002
तुला	18:06:1999	कर्क	18:06:2000	वृष	18:06:2001	मीन	18:06:2002
वृश्चिक	19:07:1999	मिथुन	18:07:2000	मेष	19:07:2001	कुम्भ	19:07:2002
धनु	18:08:1999	वृष	18:08:2000	मीन	18:08:2001	मकर	18:08:2002
मकर	17:09:1999	मेष	17:09:2000	कुम्भ	17:09:2001	धनु	17:09:2002
कुम्भ	18:10:1999	मीन	18:10:2000	मकर	18:10:2001	वृश्चिक	18:10:2002
मीन	17:11:1999	कुम्भ	17:11:2000	धनु	17:11:2001	तुला	17:11:2002

सिहं भुक्ति		कन्या भुक्ति		तुला भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
धनु	18:12:2002	वृश्चिक	18:12:2003	मकर	18:12:2004	मेष	18:12:2005
मकर	17:01:2003	तुला	17:01:2004	धनु	17:01:2005	वृष	17:01:2006
कुम्भ	16:02:2003	कन्या	17:02:2004	वृश्चिक	16:02:2005	मिथुन	16:02:2006
मीन	19:03:2003	सिहं	18:03:2004	तुला	19:03:2005	कर्क	19:03:2006
मेष	18:04:2003	कर्क	18:04:2004	कन्या	18:04:2005	सिहं	18:04:2006
वृष	19:05:2003	मिथुन	18:05:2004	सिहं	19:05:2005	कन्या	19:05:2006
मिथुन	18:06:2003	वृष	18:06:2004	कर्क	18:06:2005	तुला	18:06:2006
कर्क	19:07:2003	मेष	18:07:2004	मिथुन	19:07:2005	वृश्चिक	19:07:2006
सिहं	18:08:2003	मीन	18:08:2004	वृष	18:08:2005	धनु	18:08:2006
कन्या	17:09:2003	कुम्भ	17:09:2004	मेष	17:09:2005	मकर	17:09:2006
तुला	18:10:2003	मकर	18:10:2004	मीन	18:10:2005	कुम्भ	18:10:2006
वृश्चिक	17:11:2003	धनु	17:11:2004	कुम्भ	17:11:2005	मीन	17:11:2006

धनु भुक्ति		मकर भुक्ति		कुम्भ भुक्ति		मीन भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मकर	18:12:2006	मिथुन	18:12:2007	मिथुन	18:12:2008	मकर	18:12:2009
धनु	17:01:2007	कर्क	17:01:2008	कर्क	17:01:2009	धनु	17:01:2010
वृश्चिक	16:02:2007	सिहं	17:02:2008	सिहं	16:02:2009	वृश्चिक	16:02:2010
तुला	19:03:2007	कन्या	18:03:2008	कन्या	19:03:2009	तुला	19:03:2010
कन्या	18:04:2007	तुला	18:04:2008	तुला	18:04:2009	कन्या	18:04:2010
सिहं	19:05:2007	वृश्चिक	18:05:2008	वृश्चिक	19:05:2009	सिहं	19:05:2010
कर्क	18:06:2007	धनु	18:06:2008	धनु	18:06:2009	कर्क	18:06:2010
मिथुन	19:07:2007	मकर	18:07:2008	मकर	19:07:2009	मिथुन	19:07:2010
वृष	18:08:2007	कुम्भ	18:08:2008	कुम्भ	18:08:2009	वृष	18:08:2010
मेष	17:09:2007	मीन	17:09:2008	मीन	17:09:2009	मेष	17:09:2010
मीन	18:10:2007	मेष	18:10:2008	मेष	18:10:2009	मीन	18:10:2010
कुम्भ	17:11:2007	वृष	17:11:2008	वृष	17:11:2009	कुम्भ	17:11:2010

जैमिनी चर दशा

(राघवभट्ट् और नरसिंह सूरी का सिद्धान्त)

धनु दशा (18:12:2010 –– 18:12:2011)

मकर भुक्ति							
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मिथुन	18:12:2010						
कर्क	17:01:2011						
सिहं	16:02:2011						
कन्या	19:03:2011						
तुला	18:04:2011						
वृश्चिक	19:05:2011						
धनु	18:06:2011						
मकर	19:07:2011						
कुम्भ	18:08:2011						
मीन	17:09:2011						
मेष	18:10:2011						
वृष	17:11:2011						

अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से

अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से

जैमिनी चर दशा

(राघवभट्ट् और नरसिंह सूरी का सिद्धान्त)

कर्क दशा (18:12:2011 –– 18:12:2013)

कन्या भुक्ति		सिहं भुक्ति					
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृश्चिक	18:12:2011	धनु	18:12:2012				
तुला	17:01:2012	मकर	17:01:2013				
कन्या	17:02:2012	कुम्भ	16:02:2013				
सिहं	18:03:2012	मीन	19:03:2013				
कर्क	18:04:2012	मेष	18:04:2013				
मिथुन	18:05:2012	वृष	19:05:2013				
वृष	18:06:2012	मिथुन	18:06:2013				
मेष	18:07:2012	कर्क	19:07:2013				
मीन	18:08:2012	सिहं	18:08:2013				
कुम्भ	17:09:2012	कन्या	17:09:2013				
मकर	18:10:2012	तुला	18:10:2013				
धनु	17:11:2012	वृश्चिक	17:11:2013				

अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से

अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से

For Mindsutra Software Technologies

जैमिनी चर दशा

(राघवभट्ट् और नरसिंह सूरी का सिद्धान्त)

मीन दशा (18:12:2013 –– 18:12:2023)

मकर भुक्ति		धनु भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति		तुला भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मिथुन	18:12:2013	मकर	18:12:2014	मेष	18:12:2015	मकर	18:12:2016
कर्क	17:01:2014	धनु	17:01:2015	वृष	17:01:2016	धनु	17:01:2017
सिहं	16:02:2014	वृश्चिक	16:02:2015	मिथुन	17:02:2016	वृश्चिक	16:02:2017
कन्या	19:03:2014	तुला	19:03:2015	कर्क	18:03:2016	तुला	19:03:2017
तुला	18:04:2014	कन्या	18:04:2015	सिहं	18:04:2016	कन्या	18:04:2017
वृश्चिक	19:05:2014	सिहं	19:05:2015	कन्या	18:05:2016	सिहं	19:05:2017
धनु	18:06:2014	कर्क	18:06:2015	तुला	18:06:2016	कर्क	18:06:2017
मकर	19:07:2014	मिथुन	19:07:2015	वृश्चिक	18:07:2016	मिथुन	19:07:2017
कुम्भ	18:08:2014	वृष	18:08:2015	धनु	18:08:2016	वृष	18:08:2017
मीन	17:09:2014	मेष	17:09:2015	मकर	17:09:2016	मेष	17:09:2017
मेष	18:10:2014	मीन	18:10:2015	कुम्भ	18:10:2016	मीन	18:10:2017
वृष	17:11:2014	कुम्भ	17:11:2015	मीन	17:11:2016	कुम्भ	17:11:2017

कन्या भुक्ति		सिहं भुक्ति		कर्क भुक्ति		मिथुन भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृश्चिक	18:12:2017	धनु	18:12:2018	कन्या	18:12:2019	वृश्चिक	18:12:2020
तुला	17:01:2018	मकर	17:01:2019	सिहं	17:01:2020	तुला	17:01:2021
कन्या	16:02:2018	कुम्भ	16:02:2019	कर्क	17:02:2020	कन्या	16:02:2021
सिहं	19:03:2018	मीन	19:03:2019	मिथुन	18:03:2020	सिहं	19:03:2021
कर्क	18:04:2018	मेष	18:04:2019	वृष	18:04:2020	कर्क	18:04:2021
मिथुन	19:05:2018	वृष	19:05:2019	मेष	18:05:2020	मिथुन	19:05:2021
वृष	18:06:2018	मिथुन	18:06:2019	मीन	18:06:2020	वृष	18:06:2021
मेष	19:07:2018	कर्क	19:07:2019	कुम्भ	18:07:2020	मेष	19:07:2021
मीन	18:08:2018	सिहं	18:08:2019	मकर	18:08:2020	मीन	18:08:2021
कुम्भ	17:09:2018	कन्या	17:09:2019	धनु	17:09:2020	कुम्भ	17:09:2021
मकर	18:10:2018	तुला	18:10:2019	वृश्चिक	18:10:2020	मकर	18:10:2021
धनु	17:11:2018	वृश्चिक	17:11:2019	तुला	17:11:2020	धनु	17:11:2021

वृष भुक्ति		मेष भुक्ति					
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मकर	18:12:2021	मेष	18:12:2022				
धनु	17:01:2022	वृष	17:01:2023				
वृश्चिक	16:02:2022	मिथुन	16:02:2023				
तुला	19:03:2022	कर्क	19:03:2023				
कन्या	18:04:2022	सिहं	18:04:2023				
सिहं	19:05:2022	कन्या	19:05:2023				
कर्क	18:06:2022	तुला	18:06:2023				
मिथुन	19:07:2022	वृश्चिक	19:07:2023				
वृष	18:08:2022	धनु	18:08:2023				
मेष	17:09:2022	मकर	17:09:2023				
मीन	18:10:2022	कुम्भ	18:10:2023				
कुम्भ	17:11:2022	मीन	17:11:2023				

जैमिनी चर दशा

(राघवभट्ट् और नरसिंह सूरी का सिद्धान्त)

वृश्चिक दशा (18:12:2023 –– 18:12:2030)

मेष भुक्ति		वृष भुक्ति		मिथुन भुक्ति		कर्क भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मेष	18:12:2023	मकर	18:12:2024	वृश्चिक	18:12:2025	कन्या	18:12:2026
वृष	17:01:2024	धन्	17:01:2025	तुला	17:01:2026	सिहं	17:01:2027
मिथुन	17:02:2024	वृश्चिक	16:02:2025	कन्या	16:02:2026	कर्क	16:02:2027
कर्क	18:03:2024	तुला	19:03:2025	सिहं	19:03:2026	मिथुन	19:03:2027
सिहं	18:04:2024	कन्या	18:04:2025	कर्क	18:04:2026	वृष	18:04:2027
कन्या	18:05:2024	सिहं	19:05:2025	मिथुन	19:05:2026	मेष	19:05:2027
तुला	18:06:2024	कर्क	18:06:2025	वृष	18:06:2026	मीन	18:06:2027
वृश्चिक	18:07:2024	मिथुन	19:07:2025	मेष	19:07:2026	कुम्भ	19:07:2027
धन्	18:08:2024	वृष	18:08:2025	मीन	18:08:2026	मकर	18:08:2027
मकर	17:09:2024	मेष	17:09:2025	कुम्भ	17:09:2026	धन्	17:09:2027
कुम्भ	18:10:2024	मीन	18:10:2025	मकर	18:10:2026	वृश्चिक	18:10:2027
मीन	17:11:2024	कुम्भ	17:11:2025	धन्	17:11:2026	तुला	17:11:2027

सिहं भुक्ति		कन्या भुक्ति		तुला भुक्ति			
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
धन्	18:12:2027	वृश्चिक	18:12:2028	मकर	18:12:2029		
मकर	17:01:2028	तुला	17:01:2029	धन्	17:01:2030		
कुम्भ	17:02:2028	कन्या	16:02:2029	वृश्चिक	16:02:2030		
मीन	18:03:2028	सिहं	19:03:2029	तुला	19:03:2030		
मेष	18:04:2028	कर्क	18:04:2029	कन्या	18:04:2030		
वृष	18:05:2028	मिथुन	19:05:2029	सिहं	19:05:2030		
मिथुन	18:06:2028	वृष	18:06:2029	कर्क	18:06:2030		
कर्क	18:07:2028	मेष	19:07:2029	मिथुन	19:07:2030		
सिहं	18:08:2028	मीन	18:08:2029	वृष	18:08:2030		
कन्या	17:09:2028	कुम्भ	17:09:2029	मेष	17:09:2030		
तुला	18:10:2028	मकर	18:10:2029	मीन	18:10:2030		
वृश्चिक	17:11:2028	धन्	17:11:2029	कुम्भ	17:11:2030		

अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से

जैमिनी चर दशा

(राघवभट्ट् और नरसिंह सूरी का सिद्धान्त)

मिथुन दशा (18:12:2030 -- 18:12:2035)

वृश्चिक भुक्ति		तुला भुक्ति		कन्या भुक्ति		सिहं भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मेष	18:12:2030	मकर	18:12:2031	वृश्चिक	18:12:2032	धन्	18:12:2033
वृष	17:01:2031	धन्	17:01:2032	तुला	17:01:2033	मकर	17:01:2034
मिथुन	16:02:2031	वृश्चिक	17:02:2032	कन्या	16:02:2033	कुम्भ	16:02:2034
कर्क	19:03:2031	तुला	18:03:2032	सिहं	19:03:2033	मीन	19:03:2034
सिहं	18:04:2031	कन्या	18:04:2032	कर्क	18:04:2033	मेष	18:04:2034
कन्या	19:05:2031	सिहं	18:05:2032	मिथुन	19:05:2033	वृष	19:05:2034
तुला	18:06:2031	कर्क	18:06:2032	वृष	18:06:2033	मिथुन	18:06:2034
वृश्चिक	19:07:2031	मिथुन	18:07:2032	मेष	19:07:2033	कर्क	19:07:2034
धन्	18:08:2031	वृष	18:08:2032	मीन	18:08:2033	सिहं	18:08:2034
मकर	17:09:2031	मेष	17:09:2032	कुम्भ	17:09:2033	कन्या	17:09:2034
कुम्भ	18:10:2031	मीन	18:10:2032	मकर	18:10:2033	तुला	18:10:2034
मीन	17:11:2031	कुम्भ	17:11:2032	धन्	17:11:2033	वृश्चिक	17:11:2034

कर्क भुक्ति							
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
कन्या	18:12:2034						
सिहं	17:01:2035						
कर्क	16:02:2035						
मिथुन	19:03:2035						
वृष	18:04:2035						
मेष	19:05:2035						
मीन	18:06:2035						
कुम्भ	19:07:2035						
मकर	18:08:2035						
धन्	17:09:2035						
वृश्चिक	18:10:2035						
तुला	17:11:2035						

अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से

जैमिनी चर दशा

(राघवभट्ट् और नरसिंह सूरी का सिद्धान्त)

कुम्भ दशा (18:12:2035 –– 18:12:2043)

मिथुन भुक्ति		कर्क भुक्ति		सिहं भुक्ति		कन्या भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृश्चिक	18:12:2035	कन्या	18:12:2036	धनु	18:12:2037	वृश्चिक	18:12:2038
तुला	17:01:2036	सिहं	17:01:2037	मकर	17:01:2038	तुला	17:01:2039
कन्या	17:02:2036	कर्क	16:02:2037	कुम्भ	16:02:2038	कन्या	16:02:2039
सिहं	18:03:2036	मिथुन	19:03:2037	मीन	19:03:2038	सिहं	19:03:2039
कर्क	18:04:2036	वृष	18:04:2037	मेष	18:04:2038	कर्क	18:04:2039
मिथुन	18:05:2036	मेष	19:05:2037	वृष	19:05:2038	मिथुन	19:05:2039
वृष	18:06:2036	मीन	18:06:2037	मिथुन	18:06:2038	वृष	18:06:2039
मेष	18:07:2036	कुम्भ	19:07:2037	कर्क	19:07:2038	मेष	19:07:2039
मीन	18:08:2036	मकर	18:08:2037	सिहं	18:08:2038	मीन	18:08:2039
कुम्भ	17:09:2036	धनु	17:09:2037	कन्या	17:09:2038	कुम्भ	17:09:2039
मकर	18:10:2036	वृश्चिक	18:10:2037	तुला	18:10:2038	मकर	18:10:2039
धनु	17:11:2036	तुला	17:11:2037	वृश्चिक	17:11:2038	धनु	17:11:2039

तुला भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति		धनु भुक्ति		मकर भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मकर	18:12:2039	मेष	18:12:2040	मकर	18:12:2041	मिथुन	18:12:2042
धनु	17:01:2040	वृष	17:01:2041	धनु	17:01:2042	कर्क	17:01:2043
वृश्चिक	17:02:2040	मिथुन	16:02:2041	वृश्चिक	16:02:2042	सिहं	16:02:2043
तुला	18:03:2040	कर्क	19:03:2041	तुला	19:03:2042	कन्या	19:03:2043
कन्या	18:04:2040	सिहं	18:04:2041	कन्या	18:04:2042	तुला	18:04:2043
सिहं	18:05:2040	कन्या	19:05:2041	सिहं	19:05:2042	वृश्चिक	19:05:2043
कर्क	18:06:2040	तुला	18:06:2041	कर्क	18:06:2042	धनु	18:06:2043
मिथुन	18:07:2040	वृश्चिक	19:07:2041	मिथुन	19:07:2042	मकर	19:07:2043
वृष	18:08:2040	धनु	18:08:2041	वृष	18:08:2042	कुम्भ	18:08:2043
मेष	17:09:2040	मकर	17:09:2041	मेष	17:09:2042	मीन	17:09:2043
मीन	18:10:2040	कुम्भ	18:10:2041	मीन	18:10:2042	मेष	18:10:2043
कुम्भ	17:11:2040	मीन	17:11:2041	कुम्भ	17:11:2042	वृष	17:11:2043

अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से

जैमिनी चर दशा

(राघवभट्ट् और नरसिंह सूरी का सिद्धान्त)

तुला दशा (18:12:2043 -- 18:12:2046)

मकर भुक्ति		धनु भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति			
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मिथुन	18:12:2043	मकर	18:12:2044	मेष	18:12:2045		
कर्क	17:01:2044	धन्	17:01:2045	वृष	17:01:2046		
सिहं	17:02:2044	वृश्चिक	16:02:2045	मिथुन	16:02:2046		
कन्या	18:03:2044	तुला	19:03:2045	कर्क	19:03:2046		
तुला	18:04:2044	कन्या	18:04:2045	सिहं	18:04:2046		
वृश्चिक	18:05:2044	सिहं	19:05:2045	कन्या	19:05:2046		
धन्	18:06:2044	कर्क	18:06:2045	तुला	18:06:2046		
मकर	18:07:2044	मिथुन	19:07:2045	वृश्चिक	19:07:2046		
कुम्भ	18:08:2044	वृष	18:08:2045	धन्	18:08:2046		
मीन	17:09:2044	मेष	17:09:2045	मकर	17:09:2046		
मेष	18:10:2044	मीन	18:10:2045	कुम्भ	18:10:2046		
वृष	17:11:2044	कुम्भ	17:11:2045	मीन	17:11:2046		

अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से

अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से

जैमिनी स्थिर दशा

(प्रचलित विधि)

क्र0 स0	राशि दशा	अवधि	से ---------- तक
1	कन्या दशा	9 y.0 m.0 d.	18:12:1973 --- 18:12:1982
2	सिहं दशा	8 y.0 m.0 d.	18:12:1982 --- 18:12:1990
3	कर्क दशा	7 y.0 m.0 d.	18:12:1990 --- 18:12:1997
4	मिथुन दशा	9 y.0 m.0 d.	18:12:1997 --- 18:12:2006
5	वृष दशा	8 y.0 m.0 d.	18:12:2006 --- 18:12:2014
6	मेष दशा	7 y.0 m.0 d.	18:12:2014 --- 18:12:2021
7	मीन दशा	9 y.0 m.0 d.	18:12:2021 --- 18:12:2030
8	कुम्भ दशा	8 y.0 m.0 d.	18:12:2030 --- 18:12:2038
9	मकर दशा	7 y.0 m.0 d.	18:12:2038 --- 18:12:2045
10	धनु दशा	9 y.0 m.0 d.	18:12:2045 --- 18:12:2054
11	वृश्चिक दशा	8 y.0 m.0 d.	18:12:2054 --- 18:12:2062
12	तुला दशा	7 y.0 m.0 d.	18:12:2062 --- 18:12:2069

जैमिनी स्थिर दशा की भुक्ति

कन्या दशा		सिहं दशा		कर्क दशा		मिथुन दशा	
भुक्ति	से	भुक्ति	से	भुक्ति	से	भुक्ति	से
तुला	18:12:1973	कन्या	18:12:1982	मिथुन	18:12:1990	वृष	18:12:1997
वृश्चिक	17:09:1974	सिहं	18:08:1983	कर्क	19:07:1991	मेष	17:09:1998
धनु	18:06:1975	कर्क	18:04:1984	सिहं	17:02:1992	मीन	18:06:1999
मकर	18:03:1976	मिथुन	18:12:1984	कन्या	17:09:1992	कुम्भ	18:03:2000
कुम्भ	18:12:1976	वृष	18:08:1985	तुला	18:04:1993	मकर	18:12:2000
मीन	17:09:1977	मेष	18:04:1986	वृश्चिक	17:11:1993	धनु	17:09:2001
मेष	18:06:1978	मीन	18:12:1986	धनु	18:06:1994	वृश्चिक	18:06:2002
वृष	19:03:1979	कुम्भ	18:08:1987	मकर	17:01:1995	तुला	19:03:2003
मिथुन	18:12:1979	मकर	18:04:1988	कुम्भ	18:08:1995	कन्या	18:12:2003
कर्क	17:09:1980	धनु	18:12:1988	मीन	18:03:1996	सिहं	17:09:2004
सिहं	18:06:1981	वृश्चिक	18:08:1989	मेष	18:10:1996	कर्क	18:06:2005
कन्या	19:03:1982	तुला	18:04:1990	वृष	19:05:1997	मिथुन	19:03:2006

वृष दशा		मेष दशा		मीन दशा		कुम्भ दशा	
भुक्ति	से	भुक्ति	से	भुक्ति	से	भुक्ति	से
मेष	18:12:2006	वृष	18:12:2014	मेष	18:12:2021	मीन	18:12:2030
वृष	18:08:2007	मेष	19:07:2015	वृष	17:09:2022	कुम्भ	18:08:2031
मिथुन	18:04:2008	मीन	17:02:2016	मिथुन	18:06:2023	मकर	18:04:2032
कर्क	18:12:2008	कुम्भ	17:09:2016	कर्क	18:03:2024	धनु	18:12:2032
सिहं	18:08:2009	मकर	18:04:2017	सिहं	18:12:2024	वृश्चिक	18:08:2033
कन्या	18:04:2010	धनु	17:11:2017	कन्या	17:09:2025	तुला	18:04:2034
तुला	18:12:2010	वृश्चिक	18:06:2018	तुला	18:06:2026	कन्या	18:12:2034
वृश्चिक	18:08:2011	तुला	17:01:2019	वृश्चिक	19:03:2027	सिहं	18:08:2035
धनु	18:04:2012	कन्या	18:08:2019	धनु	18:12:2027	कर्क	18:04:2036
मकर	18:12:2012	सिहं	18:03:2020	मकर	17:09:2028	मिथुन	18:12:2036
कुम्भ	18:08:2013	कर्क	18:10:2020	कुम्भ	18:06:2029	वृष	18:08:2037
मीन	18:04:2014	मिथुन	19:05:2021	मीन	19:03:2030	मेष	18:04:2038

मकर दशा		धनु दशा		वृश्चिक दशा		तुला दशा	
भुक्ति	से	भुक्ति	से	भुक्ति	से	भुक्ति	से
धनु	18:12:2038	वृश्चिक	18:12:2045	तुला	18:12:2054	वृश्चिक	18:12:2062
मकर	19:07:2039	तुला	17:09:2046	वृश्चिक	18:08:2055	तुला	19:07:2063
कुम्भ	17:02:2040	कन्या	18:06:2047	धनु	18:04:2056	कन्या	17:02:2064
मीन	17:09:2040	सिहं	18:03:2048	मकर	18:12:2056	सिहं	17:09:2064
मेष	18:04:2041	कर्क	18:12:2048	कुम्भ	18:08:2057	कर्क	18:04:2065
वृष	17:11:2041	मिथुन	17:09:2049	मीन	18:04:2058	मिथुन	17:11:2065
मिथुन	18:06:2042	वृष	18:06:2050	मेष	18:12:2058	वृष	18:06:2066
कर्क	17:01:2043	मेष	19:03:2051	वृष	18:08:2059	मेष	17:01:2067
सिहं	18:08:2043	मीन	18:12:2051	मिथुन	18:04:2060	मीन	18:08:2067
कन्या	18:03:2044	कुम्भ	17:09:2052	कर्क	18:12:2060	कुम्भ	18:03:2068
तुला	18:10:2044	मकर	18:06:2053	सिहं	18:08:2061	मकर	18:10:2068
वृश्चिक	19:05:2045	धनु	19:03:2054	कन्या	18:04:2062	धनु	19:05:2069

For Mindsutra Software Technologies

जैमिनी स्थिर दशा

(प्रचलित विधि)

कन्या दशा (18:12:1973 – 18:12:1982)

तुला भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति		धनु भुक्ति		मकर भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृश्चिक	18:12:1973	तुला	17:09:1974	वृश्चिक	18:06:1975	धनु	18:03:1976
तुला	09:01:1974	वृश्चिक	10:10:1974	तुला	11:07:1975	मकर	10:04:1976
कन्या	01:02:1974	धनु	02:11:1974	कन्या	03:08:1975	कुम्भ	03:05:1976
सिहं	24:02:1974	मकर	25:11:1974	सिहं	26:08:1975	मीन	26:05:1976
कर्क	19:03:1974	कुम्भ	18:12:1974	कर्क	17:09:1975	मेष	18:06:1976
मिथुन	11:04:1974	मीन	09:01:1975	मिथुन	10:10:1975	वृष	10:07:1976
वृष	03:05:1974	मेष	01:02:1975	वृष	02:11:1975	मिथुन	02:08:1976
मेष	26:05:1974	वृष	24:02:1975	मेष	25:11:1975	कर्क	25:08:1976
मीन	18:06:1974	मिथुन	19:03:1975	मीन	18:12:1975	सिहं	17:09:1976
कुम्भ	11:07:1974	कर्क	11:04:1975	कुम्भ	09:01:1976	कन्या	10:10:1976
मकर	03:08:1974	सिहं	03:05:1975	मकर	01:02:1976	तुला	02:11:1976
धनु	26:08:1974	कन्या	26:05:1975	धनु	24:02:1976	वृश्चिक	25:11:1976

कुम्भ भुक्ति		मीन भुक्ति		मेष भुक्ति		वृष भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मीन	18:12:1976	मेष	17:09:1977	वृष	18:06:1978	मेष	19:03:1979
कुम्भ	09:01:1977	वृष	10:10:1977	मेष	11:07:1978	वृष	11:04:1979
मकर	01:02:1977	मिथुन	02:11:1977	मीन	03:08:1978	मिथुन	03:05:1979
धनु	24:02:1977	कर्क	25:11:1977	कुम्भ	26:08:1978	कर्क	26:05:1979
वृश्चिक	19:03:1977	सिहं	18:12:1977	मकर	17:09:1978	सिहं	18:06:1979
तुला	11:04:1977	कन्या	09:01:1978	धनु	10:10:1978	कन्या	11:07:1979
कन्या	03:05:1977	तुला	01:02:1978	वृश्चिक	02:11:1978	तुला	03:08:1979
सिहं	26:05:1977	वृश्चिक	24:02:1978	तुला	25:11:1978	वृश्चिक	26:08:1979
कर्क	18:06:1977	धनु	19:03:1978	कन्या	18:12:1978	धनु	17:09:1979
मिथुन	11:07:1977	मकर	11:04:1978	सिहं	09:01:1979	मकर	10:10:1979
वृष	03:08:1977	कुम्भ	03:05:1978	कर्क	01:02:1979	कुम्भ	02:11:1979
मेष	26:08:1977	मीन	26:05:1978	मिथुन	24:02:1979	मीन	25:11:1979

मिथुन भुक्ति		कर्क भुक्ति		सिहं भुक्ति		कन्या भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृष	18:12:1979	मिथुन	17:09:1980	कन्या	18:06:1981	तुला	19:03:1982
मेष	09:01:1980	कर्क	10:10:1980	सिहं	11:07:1981	वृश्चिक	11:04:1982
मीन	01:02:1980	सिहं	02:11:1980	कर्क	03:08:1981	धनु	03:05:1982
कुम्भ	24:02:1980	कन्या	25:11:1980	मिथुन	26:08:1981	मकर	26:05:1982
मकर	18:03:1980	तुला	18:12:1980	वृष	17:09:1981	कुम्भ	18:06:1982
धनु	10:04:1980	वृश्चिक	09:01:1981	मेष	10:10:1981	मीन	11:07:1982
वृश्चिक	03:05:1980	धनु	01:02:1981	मीन	02:11:1981	मेष	03:08:1982
तुला	26:05:1980	मकर	24:02:1981	कुम्भ	25:11:1981	वृष	26:08:1982
कन्या	18:06:1980	कुम्भ	19:03:1981	मकर	18:12:1981	मिथुन	17:09:1982
सिहं	10:07:1980	मीन	11:04:1981	धनु	09:01:1982	कर्क	10:10:1982
कर्क	02:08:1980	मेष	03:05:1981	वृश्चिक	01:02:1982	सिहं	02:11:1982
मिथुन	25:08:1980	वृष	26:05:1981	तुला	24:02:1982	कन्या	25:11:1982

जैमिनी स्थिर दशा

(प्रचलित विधि)

सिहं दशा (18:12:1982 – 18:12:1990)

कन्या भुक्ति		सिहं भुक्ति		कर्क भुक्ति		मिथुन भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
तुला	18:12:1982	कन्या	18:08:1983	मिथुन	18:04:1984	वृष	18:12:1984
वृश्चिक	07:01:1983	सिहं	07:09:1983	कर्क	08:05:1984	मेष	07:01:1985
धनु	27:01:1983	कर्क	28:09:1983	सिहं	28:05:1984	मीन	27:01:1985
मकर	16:02:1983	मिथुन	18:10:1983	कन्या	18:06:1984	कुम्भ	16:02:1985
कुम्भ	09:03:1983	वृष	07:11:1983	तुला	08:07:1984	मकर	09:03:1985
मीन	29:03:1983	मेष	27:11:1983	वृश्चिक	28:07:1984	धनु	29:03:1985
मेष	18:04:1983	मीन	18:12:1983	धनु	18:08:1984	वृश्चिक	18:04:1985
वृष	09:05:1983	कुम्भ	07:01:1984	मकर	07:09:1984	तुला	09:05:1985
मिथुन	29:05:1983	मकर	27:01:1984	कुम्भ	27:09:1984	कन्या	29:05:1985
कर्क	18:06:1983	धनु	17:02:1984	मीन	18:10:1984	सिहं	18:06:1985
सिहं	08:07:1983	वृश्चिक	08:03:1984	मेष	07:11:1984	कर्क	08:07:1985
कन्या	29:07:1983	तुला	28:03:1984	वृष	27:11:1984	मिथुन	29:07:1985

वृष भुक्ति		मेष भुक्ति		मीन भुक्ति		कुम्भ भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मेष	18:08:1985	वृष	18:04:1986	मेष	18:12:1986	मीन	18:08:1987
वृष	07:09:1985	मेष	09:05:1986	वृष	07:01:1987	कुम्भ	07:09:1987
मिथुन	28:09:1985	मीन	29:05:1986	मिथुन	27:01:1987	मकर	28:09:1987
कर्क	18:10:1985	कुम्भ	18:06:1986	कर्क	16:02:1987	धनु	18:10:1987
सिहं	07:11:1985	मकर	08:07:1986	सिहं	09:03:1987	वृश्चिक	07:11:1987
कन्या	27:11:1985	धनु	29:07:1986	कन्या	29:03:1987	तुला	27:11:1987
तुला	18:12:1985	वृश्चिक	18:08:1986	तुला	18:04:1987	कन्या	18:12:1987
वृश्चिक	07:01:1986	तुला	07:09:1986	वृश्चिक	09:05:1987	सिहं	07:01:1988
धनु	27:01:1986	कन्या	28:09:1986	धनु	29:05:1987	कर्क	27:01:1988
मकर	16:02:1986	सिहं	18:10:1986	मकर	18:06:1987	मिथुन	17:02:1988
कुम्भ	09:03:1986	कर्क	07:11:1986	कुम्भ	08:07:1987	वृष	08:03:1988
मीन	29:03:1986	मिथुन	27:11:1986	मीन	29:07:1987	मेष	28:03:1988

मकर भुक्ति		धनु भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति		तुला भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
धनु	18:04:1988	वृश्चिक	18:12:1988	तुला	18:08:1989	वृश्चिक	18:04:1990
मकर	08:05:1988	तुला	07:01:1989	वृश्चिक	07:09:1989	तुला	09:05:1990
कुम्भ	28:05:1988	कन्या	27:01:1989	धनु	28:09:1989	कन्या	29:05:1990
मीन	18:06:1988	सिहं	16:02:1989	मकर	18:10:1989	सिहं	18:06:1990
मेष	08:07:1988	कर्क	09:03:1989	कुम्भ	07:11:1989	कर्क	08:07:1990
वृष	28:07:1988	मिथुन	29:03:1989	मीन	27:11:1989	मिथुन	29:07:1990
मिथुन	18:08:1988	वृष	18:04:1989	मेष	18:12:1989	वृष	18:08:1990
कर्क	07:09:1988	मेष	09:05:1989	वृष	07:01:1990	मेष	07:09:1990
सिहं	27:09:1988	मीन	29:05:1989	मिथुन	27:01:1990	मीन	28:09:1990
कन्या	18:10:1988	कुम्भ	18:06:1989	कर्क	16:02:1990	कुम्भ	18:10:1990
तुला	07:11:1988	मकर	08:07:1989	सिहं	09:03:1990	मकर	07:11:1990
वृश्चिक	27:11:1988	धनु	29:07:1989	कन्या	29:03:1990	धनु	27:11:1990

For Mindsutra Software Technologies

जैमिनी स्थिर दशा

(प्रचलित विधि)

कर्क दशा (18:12:1990 – 18:12:1997)

मिथुन भुक्ति		कर्क भुक्ति		सिहं भुक्ति		कन्या भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृष	18:12:1990	मिथुन	19:07:1991	कन्या	17:02:1992	तुला	17:09:1992
मेष	04:01:1991	कर्क	05:08:1991	सिहं	05:03:1992	वृश्चिक	05:10:1992
मीन	22:01:1991	सिहं	23:08:1991	कर्क	23:03:1992	धनु	23:10:1992
कुम्भ	09:02:1991	कन्या	10:09:1991	मिथुन	10:04:1992	मकर	09:11:1992
मकर	27:02:1991	तुला	28:09:1991	वृष	28:04:1992	कुम्भ	27:11:1992
धनु	16:03:1991	वृश्चिक	15:10:1991	मेष	16:05:1992	मीन	15:12:1992
वृश्चिक	03:04:1991	धनु	02:11:1991	मीन	02:06:1992	मेष	02:01:1993
तुला	21:04:1991	मकर	20:11:1991	कुम्भ	20:06:1992	वृष	20:01:1993
कन्या	09:05:1991	कुम्भ	07:12:1991	मकर	08:07:1992	मिथुन	06:02:1993
सिहं	26:05:1991	मीन	25:12:1991	धनु	26:07:1992	कर्क	24:02:1993
कर्क	13:06:1991	मेष	12:01:1992	वृश्चिक	12:08:1992	सिहं	14:03:1993
मिथुन	01:07:1991	वृष	30:01:1992	तुला	30:08:1992	कन्या	01:04:1993

तुला भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति		धनु भुक्ति		मकर भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृश्चिक	18:04:1993	तुला	17:11:1993	वृश्चिक	18:06:1994	धनु	17:01:1995
तुला	06:05:1993	वृश्चिक	05:12:1993	तुला	06:07:1994	मकर	04:02:1995
कन्या	24:05:1993	धनु	23:12:1993	कन्या	24:07:1994	कुम्भ	22:02:1995
सिहं	11:06:1993	मकर	09:01:1994	सिहं	10:08:1994	मीन	11:03:1995
कर्क	28:06:1993	कुम्भ	27:01:1994	कर्क	28:08:1994	मेष	29:03:1995
मिथुन	16:07:1993	मीन	14:02:1994	मिथुन	15:09:1994	वृष	16:04:1995
वृष	03:08:1993	मेष	04:03:1994	वृष	03:10:1994	मिथुन	03:05:1995
मेष	20:08:1993	वृष	21:03:1994	मेष	20:10:1994	कर्क	21:05:1995
मीन	07:09:1993	मिथुन	08:04:1994	मीन	07:11:1994	सिहं	08:06:1995
कुम्भ	25:09:1993	कर्क	26:04:1994	कुम्भ	25:11:1994	कन्या	26:06:1995
मकर	13:10:1993	सिहं	14:05:1994	मकर	13:12:1994	तुला	13:07:1995
धनु	30:10:1993	कन्या	31:05:1994	धनु	30:12:1994	वृश्चिक	31:07:1995

कुम्भ भुक्ति		मीन भुक्ति		मेष भुक्ति		वृष भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मीन	18:08:1995	मेष	18:03:1996	वृष	18:10:1996	मेष	19:05:1997
कुम्भ	05:09:1995	वृष	05:04:1996	मेष	04:11:1996	वृष	05:06:1997
मकर	22:09:1995	मिथुन	23:04:1996	मीन	22:11:1996	मिथुन	23:06:1997
धनु	10:10:1995	कर्क	10:05:1996	कुम्भ	10:12:1996	कर्क	11:07:1997
वृश्चिक	28:10:1995	सिहं	28:05:1996	मकर	28:12:1996	सिहं	29:07:1997
तुला	15:11:1995	कन्या	15:06:1996	धनु	14:01:1997	कन्या	15:08:1997
कन्या	02:12:1995	तुला	03:07:1996	वृश्चिक	01:02:1997	तुला	02:09:1997
सिहं	20:12:1995	वृश्चिक	21:07:1996	तुला	19:02:1997	वृश्चिक	20:09:1997
कर्क	07:01:1996	धनु	07:08:1996	कन्या	09:03:1997	धनु	08:10:1997
मिथुन	25:01:1996	मकर	25:08:1996	सिहं	26:03:1997	मकर	25:10:1997
वृष	11:02:1996	कुम्भ	12:09:1996	कर्क	13:04:1997	कुम्भ	12:11:1997
मेष	29:02:1996	मीन	30:09:1996	मिथुन	01:05:1997	मीन	30:11:1997

जैमिनी स्थिर दशा

(प्रचलित विधि)

मिथुन दशा (18:12:1997 – 18:12:2006)

वृष भुक्ति	
अंतर	से
मेष	18:12:1997
वृष	09:01:1998
मिथुन	01:02:1998
कर्क	24:02:1998
सिहं	19:03:1998
कन्या	11:04:1998
तुला	03:05:1998
वृश्चिक	26:05:1998
धन्	18:06:1998
मकर	11:07:1998
कुम्भ	03:08:1998
मीन	26:08:1998

मेष भुक्ति	
अंतर	से
वृष	17:09:1998
मेष	10:10:1998
मीन	02:11:1998
कुम्भ	25:11:1998
मकर	18:12:1998
धन्	09:01:1999
वृश्चिक	01:02:1999
तुला	24:02:1999
कन्या	19:03:1999
सिहं	11:04:1999
कर्क	03:05:1999
मिथुन	26:05:1999

मीन भुक्ति	
अंतर	से
मेष	18:06:1999
वृष	11:07:1999
मिथुन	03:08:1999
कर्क	26:08:1999
सिहं	17:09:1999
कन्या	10:10:1999
तुला	02:11:1999
वृश्चिक	25:11:1999
धन्	18:12:1999
मकर	09:01:2000
कुम्भ	01:02:2000
मीन	24:02:2000

कुम्भ भुक्ति	
अंतर	से
मीन	18:03:2000
कुम्भ	10:04:2000
मकर	03:05:2000
धन्	26:05:2000
वृश्चिक	18:06:2000
तुला	10:07:2000
कन्या	02:08:2000
सिहं	25:08:2000
कर्क	17:09:2000
मिथुन	10:10:2000
वृष	02:11:2000
मेष	25:11:2000

मकर भुक्ति	
अंतर	से
धन्	18:12:2000
मकर	09:01:2001
कुम्भ	01:02:2001
मीन	24:02:2001
मेष	19:03:2001
वृष	11:04:2001
मिथुन	03:05:2001
कर्क	26:05:2001
सिहं	18:06:2001
कन्या	11:07:2001
तुला	03:08:2001
वृश्चिक	26:08:2001

धनु भुक्ति	
अंतर	से
वृश्चिक	17:09:2001
तुला	10:10:2001
कन्या	02:11:2001
सिहं	25:11:2001
कर्क	18:12:2001
मिथुन	09:01:2002
वृष	01:02:2002
मेष	24:02:2002
मीन	19:03:2002
कुम्भ	11:04:2002
मकर	03:05:2002
धन्	26:05:2002

वृश्चिक भुक्ति	
अंतर	से
तुला	18:06:2002
वृश्चिक	11:07:2002
धन्	03:08:2002
मकर	26:08:2002
कुम्भ	17:09:2002
मीन	10:10:2002
मेष	02:11:2002
वृष	25:11:2002
मिथुन	18:12:2002
कर्क	09:01:2003
सिहं	01:02:2003
कन्या	24:02:2003

तुला भुक्ति	
अंतर	से
वृश्चिक	19:03:2003
तुला	11:04:2003
कन्या	03:05:2003
सिहं	26:05:2003
कर्क	18:06:2003
मिथुन	11:07:2003
वृष	03:08:2003
मेष	26:08:2003
मीन	17:09:2003
कुम्भ	10:10:2003
मकर	02:11:2003
धन्	25:11:2003

कन्या भुक्ति	
अंतर	से
तुला	18:12:2003
वृश्चिक	09:01:2004
धन्	01:02:2004
मकर	24:02:2004
कुम्भ	18:03:2004
मीन	10:04:2004
मेष	03:05:2004
वृष	26:05:2004
मिथुन	18:06:2004
कर्क	10:07:2004
सिहं	02:08:2004
कन्या	25:08:2004

सिहं भुक्ति	
अंतर	से
कन्या	17:09:2004
सिहं	10:10:2004
कर्क	02:11:2004
मिथुन	25:11:2004
वृष	18:12:2004
मेष	09:01:2005
मीन	01:02:2005
कुम्भ	24:02:2005
मकर	19:03:2005
धन्	11:04:2005
वृश्चिक	03:05:2005
तुला	26:05:2005

कर्क भुक्ति	
अंतर	से
मिथुन	18:06:2005
कर्क	11:07:2005
सिहं	03:08:2005
कन्या	26:08:2005
तुला	17:09:2005
वृश्चिक	10:10:2005
धन्	02:11:2005
मकर	25:11:2005
कुम्भ	18:12:2005
मीन	09:01:2006
मेष	01:02:2006
वृष	24:02:2006

मिथुन भुक्ति	
अंतर	से
वृष	19:03:2006
मेष	11:04:2006
मीन	03:05:2006
कुम्भ	26:05:2006
मकर	18:06:2006
धन्	11:07:2006
वृश्चिक	03:08:2006
तुला	26:08:2006
कन्या	17:09:2006
सिहं	10:10:2006
कर्क	02:11:2006
मिथुन	25:11:2006

जैमिनी स्थिर दशा

(प्रचलित विधि)

वृष दशा (18:12:2006 – 18:12:2014)

मेष भुक्ति		वृष भुक्ति		मिथुन भुक्ति		कर्क भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृष	18:12:2006	मेष	18:08:2007	वृष	18:04:2008	मिथुन	18:12:2008
मेष	07:01:2007	वृष	07:09:2007	मेष	08:05:2008	कर्क	07:01:2009
मीन	27:01:2007	मिथुन	28:09:2007	मीन	28:05:2008	सिहं	27:01:2009
कुम्भ	16:02:2007	कर्क	18:10:2007	कुम्भ	18:06:2008	कन्या	16:02:2009
मकर	09:03:2007	सिहं	07:11:2007	मकर	08:07:2008	तुला	09:03:2009
धनु	29:03:2007	कन्या	27:11:2007	धनु	28:07:2008	वृश्चिक	29:03:2009
वृश्चिक	18:04:2007	तुला	18:12:2007	वृश्चिक	18:08:2008	धनु	18:04:2009
तुला	09:05:2007	वृश्चिक	07:01:2008	तुला	07:09:2008	मकर	09:05:2009
कन्या	29:05:2007	धनु	27:01:2008	कन्या	27:09:2008	कुम्भ	29:05:2009
सिहं	18:06:2007	मकर	17:02:2008	सिहं	18:10:2008	मीन	18:06:2009
कर्क	08:07:2007	कुम्भ	08:03:2008	कर्क	07:11:2008	मेष	08:07:2009
मिथुन	29:07:2007	मीन	28:03:2008	मिथुन	27:11:2008	वृष	29:07:2009

सिहं भुक्ति		कन्या भुक्ति		तुला भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
कन्या	18:08:2009	तुला	18:04:2010	वृश्चिक	18:12:2010	तुला	18:08:2011
सिहं	07:09:2009	वृश्चिक	09:05:2010	तुला	07:01:2011	वृश्चिक	07:09:2011
कर्क	28:09:2009	धनु	29:05:2010	कन्या	27:01:2011	धनु	28:09:2011
मिथुन	18:10:2009	मकर	18:06:2010	सिहं	16:02:2011	मकर	18:10:2011
वृष	07:11:2009	कुम्भ	08:07:2010	कर्क	09:03:2011	कुम्भ	07:11:2011
मेष	27:11:2009	मीन	29:07:2010	मिथुन	29:03:2011	मीन	27:11:2011
मीन	18:12:2009	मेष	18:08:2010	वृष	18:04:2011	मेष	18:12:2011
कुम्भ	07:01:2010	वृष	07:09:2010	मेष	09:05:2011	वृष	07:01:2012
मकर	27:01:2010	मिथुन	28:09:2010	मीन	29:05:2011	मिथुन	27:01:2012
धनु	16:02:2010	कर्क	18:10:2010	कुम्भ	18:06:2011	कर्क	17:02:2012
वृश्चिक	09:03:2010	सिहं	07:11:2010	मकर	08:07:2011	सिहं	08:03:2012
तुला	29:03:2010	कन्या	27:11:2010	धनु	29:07:2011	कन्या	28:03:2012

धनु भुक्ति		मकर भुक्ति		कुम्भ भुक्ति		मीन भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृश्चिक	18:04:2012	धनु	18:12:2012	मीन	18:08:2013	मेष	18:04:2014
तुला	08:05:2012	मकर	07:01:2013	कुम्भ	07:09:2013	वृष	09:05:2014
कन्या	28:05:2012	कुम्भ	27:01:2013	मकर	28:09:2013	मिथुन	29:05:2014
सिहं	18:06:2012	मीन	16:02:2013	धनु	18:10:2013	कर्क	18:06:2014
कर्क	08:07:2012	मेष	09:03:2013	वृश्चिक	07:11:2013	सिहं	08:07:2014
मिथुन	28:07:2012	वृष	29:03:2013	तुला	27:11:2013	कन्या	29:07:2014
वृष	18:08:2012	मिथुन	18:04:2013	कन्या	18:12:2013	तुला	18:08:2014
मेष	07:09:2012	कर्क	09:05:2013	सिहं	07:01:2014	वृश्चिक	07:09:2014
मीन	27:09:2012	सिहं	29:05:2013	कर्क	27:01:2014	धनु	28:09:2014
कुम्भ	18:10:2012	कन्या	18:06:2013	मिथुन	16:02:2014	मकर	18:10:2014
मकर	07:11:2012	तुला	08:07:2013	वृष	09:03:2014	कुम्भ	07:11:2014
धनु	27:11:2012	वृश्चिक	29:07:2013	मेष	29:03:2014	मीन	27:11:2014

जैमिनी स्थिर दशा

(प्रचलित विधि)

मेष दशा (18:12:2014 – 18:12:2021)

वृष भुक्ति	
अंतर	से
मेष	18:12:2014
वृष	04:01:2015
मिथुन	22:01:2015
कर्क	09:02:2015
सिहं	27:02:2015
कन्या	16:03:2015
तुला	03:04:2015
वृश्चिक	21:04:2015
धन्	09:05:2015
मकर	26:05:2015
कुम्भ	13:06:2015
मीन	01:07:2015

मेष भुक्ति	
अंतर	से
वृष	19:07:2015
मेष	05:08:2015
मीन	23:08:2015
कुम्भ	10:09:2015
मकर	28:09:2015
धन्	15:10:2015
वृश्चिक	02:11:2015
तुला	20:11:2015
कन्या	07:12:2015
सिहं	25:12:2015
कर्क	12:01:2016
मिथुन	30:01:2016

मीन भुक्ति	
अंतर	से
मेष	17:02:2016
वृष	05:03:2016
मिथुन	23:03:2016
कर्क	10:04:2016
सिहं	28:04:2016
कन्या	16:05:2016
तुला	02:06:2016
वृश्चिक	20:06:2016
धन्	08:07:2016
मकर	26:07:2016
कुम्भ	12:08:2016
मीन	30:08:2016

कुम्भ भुक्ति	
अंतर	से
मीन	17:09:2016
कुम्भ	05:10:2016
मकर	23:10:2016
धन्	09:11:2016
वृश्चिक	27:11:2016
तुला	15:12:2016
कन्या	02:01:2017
सिहं	20:01:2017
कर्क	06:02:2017
मिथुन	24:02:2017
वृष	14:03:2017
मेष	01:04:2017

मकर भुक्ति	
अंतर	से
धन्	18:04:2017
मकर	06:05:2017
कुम्भ	24:05:2017
मीन	11:06:2017
मेष	28:06:2017
वृष	16:07:2017
मिथुन	03:08:2017
कर्क	20:08:2017
सिहं	07:09:2017
कन्या	25:09:2017
तुला	13:10:2017
वृश्चिक	30:10:2017

धनु भुक्ति	
अंतर	से
वृश्चिक	17:11:2017
तुला	05:12:2017
कन्या	23:12:2017
सिहं	09:01:2018
कर्क	27:01:2018
मिथुन	14:02:2018
वृष	04:03:2018
मेष	21:03:2018
मीन	08:04:2018
कुम्भ	26:04:2018
मकर	14:05:2018
धन्	31:05:2018

वृश्चिक भुक्ति	
अंतर	से
तुला	18:06:2018
वृश्चिक	06:07:2018
धन्	24:07:2018
मकर	10:08:2018
कुम्भ	28:08:2018
मीन	15:09:2018
मेष	03:10:2018
वृष	20:10:2018
मिथुन	07:11:2018
कर्क	25:11:2018
सिहं	13:12:2018
कन्या	30:12:2018

तुला भुक्ति	
अंतर	से
वृश्चिक	17:01:2019
तुला	04:02:2019
कन्या	22:02:2019
सिहं	11:03:2019
कर्क	29:03:2019
मिथुन	16:04:2019
वृष	03:05:2019
मेष	21:05:2019
मीन	08:06:2019
कुम्भ	26:06:2019
मकर	13:07:2019
धन्	31:07:2019

कन्या भुक्ति	
अंतर	से
तुला	18:08:2019
वृश्चिक	05:09:2019
धन्	22:09:2019
मकर	10:10:2019
कुम्भ	28:10:2019
मीन	15:11:2019
मेष	02:12:2019
वृष	20:12:2019
मिथुन	07:01:2020
कर्क	25:01:2020
सिहं	11:02:2020
कन्या	29:02:2020

सिहं भुक्ति	
अंतर	से
कन्या	18:03:2020
सिहं	05:04:2020
कर्क	23:04:2020
मिथुन	10:05:2020
वृष	28:05:2020
मेष	15:06:2020
मीन	03:07:2020
कुम्भ	21:07:2020
मकर	07:08:2020
धन्	25:08:2020
वृश्चिक	12:09:2020
तुला	30:09:2020

कर्क भुक्ति	
अंतर	से
मिथुन	18:10:2020
कर्क	04:11:2020
सिहं	22:11:2020
कन्या	10:12:2020
तुला	28:12:2020
वृश्चिक	14:01:2021
धन्	01:02:2021
मकर	19:02:2021
कुम्भ	09:03:2021
मीन	26:03:2021
मेष	13:04:2021
वृष	01:05:2021

मिथुन भुक्ति	
अंतर	से
वृष	19:05:2021
मेष	05:06:2021
मीन	23:06:2021
कुम्भ	11:07:2021
मकर	29:07:2021
धन्	15:08:2021
वृश्चिक	02:09:2021
तुला	20:09:2021
कन्या	08:10:2021
सिहं	25:10:2021
कर्क	12:11:2021
मिथुन	30:11:2021

जैमिनी स्थिर दशा

(प्रचलित विधि)

मीन दशा (18:12:2021 – 18:12:2030)

मेष भुक्ति		वृष भुक्ति		मिथुन भुक्ति		कर्क भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृष	18:12:2021	मेष	17:09:2022	वृष	18:06:2023	मिथुन	18:03:2024
मेष	09:01:2022	वृष	10:10:2022	मेष	11:07:2023	कर्क	10:04:2024
मीन	01:02:2022	मिथुन	02:11:2022	मीन	03:08:2023	सिहं	03:05:2024
कुम्भ	24:02:2022	कर्क	25:11:2022	कुम्भ	26:08:2023	कन्या	26:05:2024
मकर	19:03:2022	सिहं	18:12:2022	मकर	17:09:2023	तुला	18:06:2024
धनु	11:04:2022	कन्या	09:01:2023	धनु	10:10:2023	वृश्चिक	10:07:2024
वृश्चिक	03:05:2022	तुला	01:02:2023	वृश्चिक	02:11:2023	धनु	02:08:2024
तुला	26:05:2022	वृश्चिक	24:02:2023	तुला	25:11:2023	मकर	25:08:2024
कन्या	18:06:2022	धनु	19:03:2023	कन्या	18:12:2023	कुम्भ	17:09:2024
सिहं	11:07:2022	मकर	11:04:2023	सिहं	09:01:2024	मीन	10:10:2024
कर्क	03:08:2022	कुम्भ	03:05:2023	कर्क	01:02:2024	मेष	02:11:2024
मिथुन	26:08:2022	मीन	26:05:2023	मिथुन	24:02:2024	वृष	25:11:2024

सिहं भुक्ति		कन्या भुक्ति		तुला भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
कन्या	18:12:2024	तुला	17:09:2025	वृश्चिक	18:06:2026	तुला	19:03:2027
सिहं	09:01:2025	वृश्चिक	10:10:2025	तुला	11:07:2026	वृश्चिक	11:04:2027
कर्क	01:02:2025	धनु	02:11:2025	कन्या	03:08:2026	धनु	03:05:2027
मिथुन	24:02:2025	मकर	25:11:2025	सिहं	26:08:2026	मकर	26:05:2027
वृष	19:03:2025	कुम्भ	18:12:2025	कर्क	17:09:2026	कुम्भ	18:06:2027
मेष	11:04:2025	मीन	09:01:2026	मिथुन	10:10:2026	मीन	11:07:2027
मीन	03:05:2025	मेष	01:02:2026	वृष	02:11:2026	मेष	03:08:2027
कुम्भ	26:05:2025	वृष	24:02:2026	मेष	25:11:2026	वृष	26:08:2027
मकर	18:06:2025	मिथुन	19:03:2026	मीन	18:12:2026	मिथुन	17:09:2027
धनु	11:07:2025	कर्क	11:04:2026	कुम्भ	09:01:2027	कर्क	10:10:2027
वृश्चिक	03:08:2025	सिहं	03:05:2026	मकर	01:02:2027	सिहं	02:11:2027
तुला	26:08:2025	कन्या	26:05:2026	धनु	24:02:2027	कन्या	25:11:2027

धनु भुक्ति		मकर भुक्ति		कुम्भ भुक्ति		मीन भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृश्चिक	18:12:2027	धनु	17:09:2028	मीन	18:06:2029	मेष	19:03:2030
तुला	09:01:2028	मकर	10:10:2028	कुम्भ	11:07:2029	वृष	11:04:2030
कन्या	01:02:2028	कुम्भ	02:11:2028	मकर	03:08:2029	मिथुन	03:05:2030
सिहं	24:02:2028	मीन	25:11:2028	धनु	26:08:2029	कर्क	26:05:2030
कर्क	18:03:2028	मेष	18:12:2028	वृश्चिक	17:09:2029	सिहं	18:06:2030
मिथुन	10:04:2028	वृष	09:01:2029	तुला	10:10:2029	कन्या	11:07:2030
वृष	03:05:2028	मिथुन	01:02:2029	कन्या	02:11:2029	तुला	03:08:2030
मेष	26:05:2028	कर्क	24:02:2029	सिहं	25:11:2029	वृश्चिक	26:08:2030
मीन	18:06:2028	सिहं	19:03:2029	कर्क	18:12:2029	धनु	17:09:2030
कुम्भ	10:07:2028	कन्या	11:04:2029	मिथुन	09:01:2030	मकर	10:10:2030
मकर	02:08:2028	तुला	03:05:2029	वृष	01:02:2030	कुम्भ	02:11:2030
धनु	25:08:2028	वृश्चिक	26:05:2029	मेष	24:02:2030	मीन	25:11:2030

जैमिनी स्थिर दशा

(प्रचलित विधि)

कुम्भ दशा (18:12:2030 – 18:12:2038)

मीन भुक्ति		कुम्भ भुक्ति		मकर भुक्ति		धनु भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मेष	18:12:2030	मीन	18:08:2031	धनु	18:04:2032	वृश्चिक	18:12:2032
वृष	07:01:2031	कुम्भ	07:09:2031	मकर	08:05:2032	तुला	07:01:2033
मिथुन	27:01:2031	मकर	28:09:2031	कुम्भ	28:05:2032	कन्या	27:01:2033
कर्क	16:02:2031	धनु	18:10:2031	मीन	18:06:2032	सिहं	16:02:2033
सिहं	09:03:2031	वृश्चिक	07:11:2031	मेष	08:07:2032	कर्क	09:03:2033
कन्या	29:03:2031	तुला	27:11:2031	वृष	28:07:2032	मिथुन	29:03:2033
तुला	18:04:2031	कन्या	18:12:2031	मिथुन	18:08:2032	वृष	18:04:2033
वृश्चिक	09:05:2031	सिहं	07:01:2032	कर्क	07:09:2032	मेष	09:05:2033
धनु	29:05:2031	कर्क	27:01:2032	सिहं	27:09:2032	मीन	29:05:2033
मकर	18:06:2031	मिथुन	17:02:2032	कन्या	18:10:2032	कुम्भ	18:06:2033
कुम्भ	08:07:2031	वृष	08:03:2032	तुला	07:11:2032	मकर	08:07:2033
मीन	29:07:2031	मेष	28:03:2032	वृश्चिक	27:11:2032	धनु	29:07:2033

वृश्चिक भुक्ति		तुला भुक्ति		कन्या भुक्ति		सिहं भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
तुला	18:08:2033	वृश्चिक	18:04:2034	तुला	18:12:2034	कन्या	18:08:2035
वृश्चिक	07:09:2033	तुला	09:05:2034	वृश्चिक	07:01:2035	सिहं	07:09:2035
धनु	28:09:2033	कन्या	29:05:2034	धनु	27:01:2035	कर्क	28:09:2035
मकर	18:10:2033	सिहं	18:06:2034	मकर	16:02:2035	मिथुन	18:10:2035
कुम्भ	07:11:2033	कर्क	08:07:2034	कुम्भ	09:03:2035	वृष	07:11:2035
मीन	27:11:2033	मिथुन	29:07:2034	मीन	29:03:2035	मेष	27:11:2035
मेष	18:12:2033	वृष	18:08:2034	मेष	18:04:2035	मीन	18:12:2035
वृष	07:01:2034	मेष	07:09:2034	वृष	09:05:2035	कुम्भ	07:01:2036
मिथुन	27:01:2034	मीन	28:09:2034	मिथुन	29:05:2035	मकर	27:01:2036
कर्क	16:02:2034	कुम्भ	18:10:2034	कर्क	18:06:2035	धनु	17:02:2036
सिहं	09:03:2034	मकर	07:11:2034	सिहं	08:07:2035	वृश्चिक	08:03:2036
कन्या	29:03:2034	धनु	27:11:2034	कन्या	29:07:2035	तुला	28:03:2036

कर्क भुक्ति		मिथुन भुक्ति		वृष भुक्ति		मेष भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मिथुन	18:04:2036	वृष	18:12:2036	मेष	18:08:2037	वृष	18:04:2038
कर्क	08:05:2036	मेष	07:01:2037	वृष	07:09:2037	मेष	09:05:2038
सिहं	28:05:2036	मीन	27:01:2037	मिथुन	28:09:2037	मीन	29:05:2038
कन्या	18:06:2036	कुम्भ	16:02:2037	कर्क	18:10:2037	कुम्भ	18:06:2038
तुला	08:07:2036	मकर	09:03:2037	सिहं	07:11:2037	मकर	08:07:2038
वृश्चिक	28:07:2036	धनु	29:03:2037	कन्या	27:11:2037	धनु	29:07:2038
धनु	18:08:2036	वृश्चिक	18:04:2037	तुला	18:12:2037	वृश्चिक	18:08:2038
मकर	07:09:2036	तुला	09:05:2037	वृश्चिक	07:01:2038	तुला	07:09:2038
कुम्भ	27:09:2036	कन्या	29:05:2037	धनु	27:01:2038	कन्या	28:09:2038
मीन	18:10:2036	सिहं	18:06:2037	मकर	16:02:2038	सिहं	18:10:2038
मेष	07:11:2036	कर्क	08:07:2037	कुम्भ	09:03:2038	कर्क	07:11:2038
वृष	27:11:2036	मिथुन	29:07:2037	मीन	29:03:2038	मिथुन	27:11:2038

जैमिनी स्थिर दशा

(प्रचलित विधि)

मकर दशा (18:12:2038 – 18:12:2045)

धनु भुक्ति		मकर भुक्ति		कुम्भ भुक्ति		मीन भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृश्चिक	18:12:2038	धनु	19:07:2039	मीन	17:02:2040	मेष	17:09:2040
तुला	04:01:2039	मकर	05:08:2039	कुम्भ	05:03:2040	वृष	05:10:2040
कन्या	22:01:2039	कुम्भ	23:08:2039	मकर	23:03:2040	मिथुन	23:10:2040
सिहं	09:02:2039	मीन	10:09:2039	धनु	10:04:2040	कर्क	09:11:2040
कर्क	27:02:2039	मेष	28:09:2039	वृश्चिक	28:04:2040	सिहं	27:11:2040
मिथुन	16:03:2039	वृष	15:10:2039	तुला	16:05:2040	कन्या	15:12:2040
वृष	03:04:2039	मिथुन	02:11:2039	कन्या	02:06:2040	तुला	02:01:2041
मेष	21:04:2039	कर्क	20:11:2039	सिहं	20:06:2040	वृश्चिक	20:01:2041
मीन	09:05:2039	सिहं	07:12:2039	कर्क	08:07:2040	धनु	06:02:2041
कुम्भ	26:05:2039	कन्या	25:12:2039	मिथुन	26:07:2040	मकर	24:02:2041
मकर	13:06:2039	तुला	12:01:2040	वृष	12:08:2040	कुम्भ	14:03:2041
धनु	01:07:2039	वृश्चिक	30:01:2040	मेष	30:08:2040	मीन	01:04:2041

मेष भुक्ति		वृष भुक्ति		मिथुन भुक्ति		कर्क भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृष	18:04:2041	मेष	17:11:2041	वृष	18:06:2042	मिथुन	17:01:2043
मेष	06:05:2041	वृष	05:12:2041	मेष	06:07:2042	कर्क	04:02:2043
मीन	24:05:2041	मिथुन	23:12:2041	मीन	24:07:2042	सिहं	22:02:2043
कुम्भ	11:06:2041	कर्क	09:01:2042	कुम्भ	10:08:2042	कन्या	11:03:2043
मकर	28:06:2041	सिहं	27:01:2042	मकर	28:08:2042	तुला	29:03:2043
धनु	16:07:2041	कन्या	14:02:2042	धनु	15:09:2042	वृश्चिक	16:04:2043
वृश्चिक	03:08:2041	तुला	04:03:2042	वृश्चिक	03:10:2042	धनु	03:05:2043
तुला	20:08:2041	वृश्चिक	21:03:2042	तुला	20:10:2042	मकर	21:05:2043
कन्या	07:09:2041	धनु	08:04:2042	कन्या	07:11:2042	कुम्भ	08:06:2043
सिहं	25:09:2041	मकर	26:04:2042	सिहं	25:11:2042	मीन	26:06:2043
कर्क	13:10:2041	कुम्भ	14:05:2042	कर्क	13:12:2042	मेष	13:07:2043
मिथुन	30:10:2041	मीन	31:05:2042	मिथुन	30:12:2042	वृष	31:07:2043

सिहं भुक्ति		कन्या भुक्ति		तुला भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
कन्या	18:08:2043	तुला	18:03:2044	वृश्चिक	18:10:2044	तुला	19:05:2045
सिहं	05:09:2043	वृश्चिक	05:04:2044	तुला	04:11:2044	वृश्चिक	05:06:2045
कर्क	22:09:2043	धनु	23:04:2044	कन्या	22:11:2044	धनु	23:06:2045
मिथुन	10:10:2043	मकर	10:05:2044	सिहं	10:12:2044	मकर	11:07:2045
वृष	28:10:2043	कुम्भ	28:05:2044	कर्क	28:12:2044	कुम्भ	29:07:2045
मेष	15:11:2043	मीन	15:06:2044	मिथुन	14:01:2045	मीन	15:08:2045
मीन	02:12:2043	मेष	03:07:2044	वृष	01:02:2045	मेष	02:09:2045
कुम्भ	20:12:2043	वृष	21:07:2044	मेष	19:02:2045	वृष	20:09:2045
मकर	07:01:2044	मिथुन	07:08:2044	मीन	09:03:2045	मिथुन	08:10:2045
धनु	25:01:2044	कर्क	25:08:2044	कुम्भ	26:03:2045	कर्क	25:10:2045
वृश्चिक	11:02:2044	सिहं	12:09:2044	मकर	13:04:2045	सिहं	12:11:2045
तुला	29:02:2044	कन्या	30:09:2044	धनु	01:05:2045	कन्या	30:11:2045

जैमिनी स्थिर दशा

(प्रचलित विधि)

धनु दशा (18:12:2045 – 18:12:2054)

वृश्चिक भुक्ति	
अंतर	से
तुला	18:12:2045
वृश्चिक	09:01:2046
धनु	01:02:2046
मकर	24:02:2046
कुम्भ	19:03:2046
मीन	11:04:2046
मेष	03:05:2046
वृष	26:05:2046
मिथुन	18:06:2046
कर्क	11:07:2046
सिहं	03:08:2046
कन्या	26:08:2046

तुला भुक्ति	
अंतर	से
वृश्चिक	17:09:2046
तुला	10:10:2046
कन्या	02:11:2046
सिहं	25:11:2046
कर्क	18:12:2046
मिथुन	09:01:2047
वृष	01:02:2047
मेष	24:02:2047
मीन	19:03:2047
कुम्भ	11:04:2047
मकर	03:05:2047
धनु	26:05:2047

कन्या भुक्ति	
अंतर	से
तुला	18:06:2047
वृश्चिक	11:07:2047
धनु	03:08:2047
मकर	26:08:2047
कुम्भ	17:09:2047
मीन	10:10:2047
मेष	02:11:2047
वृष	25:11:2047
मिथुन	18:12:2047
कर्क	09:01:2048
सिहं	01:02:2048
कन्या	24:02:2048

सिहं भुक्ति	
अंतर	से
कन्या	18:03:2048
सिहं	10:04:2048
कर्क	03:05:2048
मिथुन	26:05:2048
वृष	18:06:2048
मेष	10:07:2048
मीन	02:08:2048
कुम्भ	25:08:2048
मकर	17:09:2048
धनु	10:10:2048
वृश्चिक	02:11:2048
तुला	25:11:2048

कर्क भुक्ति	
अंतर	से
मिथुन	18:12:2048
कर्क	09:01:2049
सिहं	01:02:2049
कन्या	24:02:2049
तुला	19:03:2049
वृश्चिक	11:04:2049
धनु	03:05:2049
मकर	26:05:2049
कुम्भ	18:06:2049
मीन	11:07:2049
मेष	03:08:2049
वृष	26:08:2049

मिथुन भुक्ति	
अंतर	से
वृष	17:09:2049
मेष	10:10:2049
मीन	02:11:2049
कुम्भ	25:11:2049
मकर	18:12:2049
धनु	09:01:2050
वृश्चिक	01:02:2050
तुला	24:02:2050
कन्या	19:03:2050
सिहं	11:04:2050
कर्क	03:05:2050
मिथुन	26:05:2050

वृष भुक्ति	
अंतर	से
मेष	18:06:2050
वृष	11:07:2050
मिथुन	03:08:2050
कर्क	26:08:2050
सिहं	17:09:2050
कन्या	10:10:2050
तुला	02:11:2050
वृश्चिक	25:11:2050
धनु	18:12:2050
मकर	09:01:2051
कुम्भ	01:02:2051
मीन	24:02:2051

मेष भुक्ति	
अंतर	से
वृष	19:03:2051
मेष	11:04:2051
मीन	03:05:2051
कुम्भ	26:05:2051
मकर	18:06:2051
धनु	11:07:2051
वृश्चिक	03:08:2051
तुला	26:08:2051
कन्या	17:09:2051
सिहं	10:10:2051
कर्क	02:11:2051
मिथुन	25:11:2051

मीन भुक्ति	
अंतर	से
मेष	18:12:2051
वृष	09:01:2052
मिथुन	01:02:2052
कर्क	24:02:2052
सिहं	18:03:2052
कन्या	10:04:2052
तुला	03:05:2052
वृश्चिक	26:05:2052
धनु	18:06:2052
मकर	10:07:2052
कुम्भ	02:08:2052
मीन	25:08:2052

कुम्भ भुक्ति	
अंतर	से
मीन	17:09:2052
कुम्भ	10:10:2052
मकर	02:11:2052
धनु	25:11:2052
वृश्चिक	18:12:2052
तुला	09:01:2053
कन्या	01:02:2053
सिहं	24:02:2053
कर्क	19:03:2053
मिथुन	11:04:2053
वृष	03:05:2053
मेष	26:05:2053

मकर भुक्ति	
अंतर	से
धनु	18:06:2053
मकर	11:07:2053
कुम्भ	03:08:2053
मीन	26:08:2053
मेष	17:09:2053
वृष	10:10:2053
मिथुन	02:11:2053
कर्क	25:11:2053
सिहं	18:12:2053
कन्या	09:01:2054
तुला	01:02:2054
वृश्चिक	24:02:2054

धनु भुक्ति	
अंतर	से
वृश्चिक	19:03:2054
तुला	11:04:2054
कन्या	03:05:2054
सिहं	26:05:2054
कर्क	18:06:2054
मिथुन	11:07:2054
वृष	03:08:2054
मेष	26:08:2054
मीन	17:09:2054
कुम्भ	10:10:2054
मकर	02:11:2054
धनु	25:11:2054

For Mindsutra Software Technologies

जैमिनी स्थिर दशा

(प्रचलित विधि)

वृश्चिक दशा (18:12:2054 – 18:12:2062)

तुला भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति		धनु भुक्ति		मकर भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृश्चिक	18:12:2054	तुला	18:08:2055	वृश्चिक	18:04:2056	धनु	18:12:2056
तुला	07:01:2055	वृश्चिक	07:09:2055	तुला	08:05:2056	मकर	07:01:2057
कन्या	27:01:2055	धनु	28:09:2055	कन्या	28:05:2056	कुम्भ	27:01:2057
सिहं	16:02:2055	मकर	18:10:2055	सिहं	18:06:2056	मीन	16:02:2057
कर्क	09:03:2055	कुम्भ	07:11:2055	कर्क	08:07:2056	मेष	09:03:2057
मिथुन	29:03:2055	मीन	27:11:2055	मिथुन	28:07:2056	वृष	29:03:2057
वृष	18:04:2055	मेष	18:12:2055	वृष	18:08:2056	मिथुन	18:04:2057
मेष	09:05:2055	वृष	07:01:2056	मेष	07:09:2056	कर्क	09:05:2057
मीन	29:05:2055	मिथुन	27:01:2056	मीन	27:09:2056	सिहं	29:05:2057
कुम्भ	18:06:2055	कर्क	17:02:2056	कुम्भ	18:10:2056	कन्या	18:06:2057
मकर	08:07:2055	सिहं	08:03:2056	मकर	07:11:2056	तुला	08:07:2057
धनु	29:07:2055	कन्या	28:03:2056	धनु	27:11:2056	वृश्चिक	29:07:2057

कुम्भ भुक्ति		मीन भुक्ति		मेष भुक्ति		वृष भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मीन	18:08:2057	मेष	18:04:2058	वृष	18:12:2058	मेष	18:08:2059
कुम्भ	07:09:2057	वृष	09:05:2058	मेष	07:01:2059	वृष	07:09:2059
मकर	28:09:2057	मिथुन	29:05:2058	मीन	27:01:2059	मिथुन	28:09:2059
धनु	18:10:2057	कर्क	18:06:2058	कुम्भ	16:02:2059	कर्क	18:10:2059
वृश्चिक	07:11:2057	सिहं	08:07:2058	मकर	09:03:2059	सिहं	07:11:2059
तुला	27:11:2057	कन्या	29:07:2058	धनु	29:03:2059	कन्या	27:11:2059
कन्या	18:12:2057	तुला	18:08:2058	वृश्चिक	18:04:2059	तुला	18:12:2059
सिहं	07:01:2058	वृश्चिक	07:09:2058	तुला	09:05:2059	वृश्चिक	07:01:2060
कर्क	27:01:2058	धनु	28:09:2058	कन्या	29:05:2059	धनु	27:01:2060
मिथुन	16:02:2058	मकर	18:10:2058	सिहं	18:06:2059	मकर	17:02:2060
वृष	09:03:2058	कुम्भ	07:11:2058	कर्क	08:07:2059	कुम्भ	08:03:2060
मेष	29:03:2058	मीन	27:11:2058	मिथुन	29:07:2059	मीन	28:03:2060

मिथुन भुक्ति		कर्क भुक्ति		सिहं भुक्ति		कन्या भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृष	18:04:2060	मिथुन	18:12:2060	कन्या	18:08:2061	तुला	18:04:2062
मेष	08:05:2060	कर्क	07:01:2061	सिहं	07:09:2061	वृश्चिक	09:05:2062
मीन	28:05:2060	सिहं	27:01:2061	कर्क	28:09:2061	धनु	29:05:2062
कुम्भ	18:06:2060	कन्या	16:02:2061	मिथुन	18:10:2061	मकर	18:06:2062
मकर	08:07:2060	तुला	09:03:2061	वृष	07:11:2061	कुम्भ	08:07:2062
धनु	28:07:2060	वृश्चिक	29:03:2061	मेष	27:11:2061	मीन	29:07:2062
वृश्चिक	18:08:2060	धनु	18:04:2061	मीन	18:12:2061	मेष	18:08:2062
तुला	07:09:2060	मकर	09:05:2061	कुम्भ	07:01:2062	वृष	07:09:2062
कन्या	27:09:2060	कुम्भ	29:05:2061	मकर	27:01:2062	मिथुन	28:09:2062
सिहं	18:10:2060	मीन	18:06:2061	धनु	16:02:2062	कर्क	18:10:2062
कर्क	07:11:2060	मेष	08:07:2061	वृश्चिक	09:03:2062	सिहं	07:11:2062
मिथुन	27:11:2060	वृष	29:07:2061	तुला	29:03:2062	कन्या	27:11:2062

For Mindsutra Software Technologies

जैमिनी स्थिर दशा

(प्रचलित विधि)

तुला दशा (18:12:2062 – 18:12:2069)

वृश्चिक भुक्ति		तुला भुक्ति		कन्या भुक्ति		सिहं भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
तुला	18:12:2062	वृश्चिक	19:07:2063	तुला	17:02:2064	कन्या	17:09:2064
वृश्चिक	04:01:2063	तुला	05:08:2063	वृश्चिक	05:03:2064	सिहं	05:10:2064
धनु	22:01:2063	कन्या	23:08:2063	धनु	23:03:2064	कर्क	23:10:2064
मकर	09:02:2063	सिहं	10:09:2063	मकर	10:04:2064	मिथुन	09:11:2064
कुम्भ	27:02:2063	कर्क	28:09:2063	कुम्भ	28:04:2064	वृष	27:11:2064
मीन	16:03:2063	मिथुन	15:10:2063	मीन	16:05:2064	मेष	15:12:2064
मेष	03:04:2063	वृष	02:11:2063	मेष	02:06:2064	मीन	02:01:2065
वृष	21:04:2063	मेष	20:11:2063	वृष	20:06:2064	कुम्भ	20:01:2065
मिथुन	09:05:2063	मीन	07:12:2063	मिथुन	08:07:2064	मकर	06:02:2065
कर्क	26:05:2063	कुम्भ	25:12:2063	कर्क	26:07:2064	धनु	24:02:2065
सिहं	13:06:2063	मकर	12:01:2064	सिहं	12:08:2064	वृश्चिक	14:03:2065
कन्या	01:07:2063	धनु	30:01:2064	कन्या	30:08:2064	तुला	01:04:2065

कर्क भुक्ति		मिथुन भुक्ति		वृष भुक्ति		मेष भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मिथुन	18:04:2065	वृष	17:11:2065	मेष	18:06:2066	वृष	17:01:2067
कर्क	06:05:2065	मेष	05:12:2065	वृष	06:07:2066	मेष	04:02:2067
सिहं	24:05:2065	मीन	23:12:2065	मिथुन	24:07:2066	मीन	22:02:2067
कन्या	11:06:2065	कुम्भ	09:01:2066	कर्क	10:08:2066	कुम्भ	11:03:2067
तुला	28:06:2065	मकर	27:01:2066	सिहं	28:08:2066	मकर	29:03:2067
वृश्चिक	16:07:2065	धनु	14:02:2066	कन्या	15:09:2066	धनु	16:04:2067
धनु	03:08:2065	वृश्चिक	04:03:2066	तुला	03:10:2066	वृश्चिक	03:05:2067
मकर	20:08:2065	तुला	21:03:2066	वृश्चिक	20:10:2066	तुला	21:05:2067
कुम्भ	07:09:2065	कन्या	08:04:2066	धनु	07:11:2066	कन्या	08:06:2067
मीन	25:09:2065	सिहं	26:04:2066	मकर	25:11:2066	सिहं	26:06:2067
मेष	13:10:2065	कर्क	14:05:2066	कुम्भ	13:12:2066	कर्क	13:07:2067
वृष	30:10:2065	मिथुन	31:05:2066	मीन	30:12:2066	मिथुन	31:07:2067

मीन भुक्ति		कुम्भ भुक्ति		मकर भुक्ति		धनु भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मेष	18:08:2067	मीन	18:03:2068	धनु	18:10:2068	वृश्चिक	19:05:2069
वृष	05:09:2067	कुम्भ	05:04:2068	मकर	04:11:2068	तुला	05:06:2069
मिथुन	22:09:2067	मकर	23:04:2068	कुम्भ	22:11:2068	कन्या	23:06:2069
कर्क	10:10:2067	धनु	10:05:2068	मीन	10:12:2068	सिहं	11:07:2069
सिहं	28:10:2067	वृश्चिक	28:05:2068	मेष	28:12:2068	कर्क	29:07:2069
कन्या	15:11:2067	तुला	15:06:2068	वृष	14:01:2069	मिथुन	15:08:2069
तुला	02:12:2067	कन्या	03:07:2068	मिथुन	01:02:2069	वृष	02:09:2069
वृश्चिक	20:12:2067	सिहं	21:07:2068	कर्क	19:02:2069	मेष	20:09:2069
धनु	07:01:2068	कर्क	07:08:2068	सिहं	09:03:2069	मीन	08:10:2069
मकर	25:01:2068	मिथुन	25:08:2068	कन्या	26:03:2069	कुम्भ	25:10:2069
कुम्भ	11:02:2068	वृष	12:09:2068	तुला	13:04:2069	मकर	12:11:2069
मीन	29:02:2068	मेष	30:09:2068	वृश्चिक	01:05:2069	धनु	30:11:2069

For Mindsutra Software Technologies

जैमिनी स्थिर दशा

(वैकल्पिक विधि)

क्र0 स0	राशि दशा	अवधि	से ---------- तक
1	कन्या दशा	9 y.0 m.0 d.	18:12:1973 --- 18:12:1982
2	सिहं दशा	8 y.0 m.0 d.	18:12:1982 --- 18:12:1990
3	कर्क दशा	7 y.0 m.0 d.	18:12:1990 --- 18:12:1997
4	मिथुन दशा	9 y.0 m.0 d.	18:12:1997 --- 18:12:2006
5	वृष दशा	8 y.0 m.0 d.	18:12:2006 --- 18:12:2014
6	मेष दशा	7 y.0 m.0 d.	18:12:2014 --- 18:12:2021
7	मीन दशा	9 y.0 m.0 d.	18:12:2021 --- 18:12:2030
8	कुम्भ दशा	8 y.0 m.0 d.	18:12:2030 --- 18:12:2038
9	मकर दशा	7 y.0 m.0 d.	18:12:2038 --- 18:12:2045
10	धनु दशा	9 y.0 m.0 d.	18:12:2045 --- 18:12:2054
11	वृश्चिक दशा	8 y.0 m.0 d.	18:12:2054 --- 18:12:2062
12	तुला दशा	7 y.0 m.0 d.	18:12:2062 --- 18:12:2069

जैमिनी स्थिर दशा की भुक्ति

कन्या दशा

भुक्ति	से
वृश्चिक	18:12:1973
तुला	18:12:1974
कन्या	18:12:1975
सिहं	18:12:1976
कर्क	18:12:1977
मिथुन	18:12:1978
वृष	18:12:1979
मेष	18:12:1980
मीन	18:12:1981

सिहं दशा

भुक्ति	से
धनु	18:12:1982
मकर	18:12:1983
कुम्भ	18:12:1984
मीन	18:12:1985
मेष	18:12:1986
वृष	18:12:1987
मिथुन	18:12:1988
कर्क	18:12:1989

कर्क दशा

भुक्ति	से
कन्या	18:12:1990
सिहं	18:12:1991
कर्क	18:12:1992
मिथुन	18:12:1993
वृष	18:12:1994
मेष	18:12:1995
मीन	18:12:1996

मिथुन दशा

भुक्ति	से
वृश्चिक	18:12:1997
तुला	18:12:1998
कन्या	18:12:1999
सिहं	18:12:2000
कर्क	18:12:2001
मिथुन	18:12:2002
वृष	18:12:2003
मेष	18:12:2004
मीन	18:12:2005

वृष दशा

भुक्ति	से
मकर	18:12:2006
धनु	18:12:2007
वृश्चिक	18:12:2008
तुला	18:12:2009
कन्या	18:12:2010
सिहं	18:12:2011
कर्क	18:12:2012
मिथुन	18:12:2013

मेष दशा

भुक्ति	से
मेष	18:12:2014
वृष	18:12:2015
मिथुन	18:12:2016
कर्क	18:12:2017
सिहं	18:12:2018
कन्या	18:12:2019
तुला	18:12:2020

मीन दशा

भुक्ति	से
मकर	18:12:2021
धनु	18:12:2022
वृश्चिक	18:12:2023
तुला	18:12:2024
कन्या	18:12:2025
सिहं	18:12:2026
कर्क	18:12:2027
मिथुन	18:12:2028
वृष	18:12:2029

कुम्भ दशा

भुक्ति	से
मिथुन	18:12:2030
कर्क	18:12:2031
सिहं	18:12:2032
कन्या	18:12:2033
तुला	18:12:2034
वृश्चिक	18:12:2035
धनु	18:12:2036
मकर	18:12:2037

मकर दशा

भुक्ति	से
मिथुन	18:12:2038
कर्क	18:12:2039
सिहं	18:12:2040
कन्या	18:12:2041
तुला	18:12:2042
वृश्चिक	18:12:2043
धनु	18:12:2044

धनु दशा

भुक्ति	से
मकर	18:12:2045
धनु	18:12:2046
वृश्चिक	18:12:2047
तुला	18:12:2048
कन्या	18:12:2049
सिहं	18:12:2050
कर्क	18:12:2051
मिथुन	18:12:2052
वृष	18:12:2053

वृश्चिक दशा

भुक्ति	से
मेष	18:12:2054
वृष	18:12:2055
मिथुन	18:12:2056
कर्क	18:12:2057
सिहं	18:12:2058
कन्या	18:12:2059
तुला	18:12:2060
वृश्चिक	18:12:2061

तुला दशा

भुक्ति	से
मकर	18:12:2062
धनु	18:12:2063
वृश्चिक	18:12:2064
तुला	18:12:2065
कन्या	18:12:2066
सिहं	18:12:2067
कर्क	18:12:2068

For Mindsutra Software Technologies

जैमिनी स्थिर दशा

(वैकल्पिक विधि)

कन्या दशा (18:12:1973 -- 18:12:1982)

वृश्चिक भुक्ति		तुला भुक्ति		कन्या भुक्ति		सिहं भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मेष	18:12:1973	मकर	18:12:1974	वृश्चिक	18:12:1975	धन्	18:12:1976
वृष	17:01:1974	धन्	17:01:1975	तुला	17:01:1976	मकर	17:01:1977
मिथुन	16:02:1974	वृश्चिक	16:02:1975	कन्या	17:02:1976	कुम्भ	16:02:1977
कर्क	19:03:1974	तुला	19:03:1975	सिहं	18:03:1976	मीन	19:03:1977
सिहं	18:04:1974	कन्या	18:04:1975	कर्क	18:04:1976	मेष	18:04:1977
कन्या	19:05:1974	सिहं	19:05:1975	मिथुन	18:05:1976	वृष	19:05:1977
तुला	18:06:1974	कर्क	18:06:1975	वृष	18:06:1976	मिथुन	18:06:1977
वृश्चिक	19:07:1974	मिथुन	19:07:1975	मेष	18:07:1976	कर्क	19:07:1977
धन्	18:08:1974	वृष	18:08:1975	मीन	18:08:1976	सिहं	18:08:1977
मकर	17:09:1974	मेष	17:09:1975	कुम्भ	17:09:1976	कन्या	17:09:1977
कुम्भ	18:10:1974	मीन	18:10:1975	मकर	18:10:1976	तुला	18:10:1977
मीन	17:11:1974	कुम्भ	17:11:1975	धन्	17:11:1976	वृश्चिक	17:11:1977

कर्क भुक्ति		मिथुन भुक्ति		वृष भुक्ति		मेष भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
कन्या	18:12:1977	वृश्चिक	18:12:1978	मकर	18:12:1979	मेष	18:12:1980
सिहं	17:01:1978	तुला	17:01:1979	धन्	17:01:1980	वृष	17:01:1981
कर्क	16:02:1978	कन्या	16:02:1979	वृश्चिक	17:02:1980	मिथुन	16:02:1981
मिथुन	19:03:1978	सिहं	19:03:1979	तुला	18:03:1980	कर्क	19:03:1981
वृष	18:04:1978	कर्क	18:04:1979	कन्या	18:04:1980	सिहं	18:04:1981
मेष	19:05:1978	मिथुन	19:05:1979	सिहं	18:05:1980	कन्या	19:05:1981
मीन	18:06:1978	वृष	18:06:1979	कर्क	18:06:1980	तुला	18:06:1981
कुम्भ	19:07:1978	मेष	19:07:1979	मिथुन	18:07:1980	वृश्चिक	19:07:1981
मकर	18:08:1978	मीन	18:08:1979	वृष	18:08:1980	धन्	18:08:1981
धन्	17:09:1978	कुम्भ	17:09:1979	मेष	17:09:1980	मकर	17:09:1981
वृश्चिक	18:10:1978	मकर	18:10:1979	मीन	18:10:1980	कुम्भ	18:10:1981
तुला	17:11:1978	धन्	17:11:1979	कुम्भ	17:11:1980	मीन	17:11:1981

मीन भुक्ति							
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मकर	18:12:1981						
धन्	17:01:1982						
वृश्चिक	16:02:1982						
तुला	19:03:1982						
कन्या	18:04:1982						
सिहं	19:05:1982						
कर्क	18:06:1982						
मिथुन	19:07:1982						
वृष	18:08:1982						
मेष	17:09:1982						
मीन	18:10:1982						
कुम्भ	17:11:1982						

For Mindsutra Software Technologies

जैमिनी स्थिर दशा

(वैकल्पिक विधि)

सिहं दशा (18:12:1982 –– 18:12:1990)

धनु भुक्ति		मकर भुक्ति		कुम्भ भुक्ति		मीन भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मकर	18:12:1982	मिथुन	18:12:1983	मिथुन	18:12:1984	मकर	18:12:1985
धनु	17:01:1983	कर्क	17:01:1984	कर्क	17:01:1985	धनु	17:01:1986
वृश्चिक	16:02:1983	सिहं	17:02:1984	सिहं	16:02:1985	वृश्चिक	16:02:1986
तुला	19:03:1983	कन्या	18:03:1984	कन्या	19:03:1985	तुला	19:03:1986
कन्या	18:04:1983	तुला	18:04:1984	तुला	18:04:1985	कन्या	18:04:1986
सिहं	19:05:1983	वृश्चिक	18:05:1984	वृश्चिक	19:05:1985	सिहं	19:05:1986
कर्क	18:06:1983	धनु	18:06:1984	धनु	18:06:1985	कर्क	18:06:1986
मिथुन	19:07:1983	मकर	18:07:1984	मकर	19:07:1985	मिथुन	19:07:1986
वृष	18:08:1983	कुम्भ	18:08:1984	कुम्भ	18:08:1985	वृष	18:08:1986
मेष	17:09:1983	मीन	17:09:1984	मीन	17:09:1985	मेष	17:09:1986
मीन	18:10:1983	मेष	18:10:1984	मेष	18:10:1985	मीन	18:10:1986
कुम्भ	17:11:1983	वृष	17:11:1984	वृष	17:11:1985	कुम्भ	17:11:1986

मेष भुक्ति		वृष भुक्ति		मिथुन भुक्ति		कर्क भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मेष	18:12:1986	मकर	18:12:1987	वृश्चिक	18:12:1988	कन्या	18:12:1989
वृष	17:01:1987	धनु	17:01:1988	तुला	17:01:1989	सिहं	17:01:1990
मिथुन	16:02:1987	वृश्चिक	17:02:1988	कन्या	16:02:1989	कर्क	16:02:1990
कर्क	19:03:1987	तुला	18:03:1988	सिहं	19:03:1989	मिथुन	19:03:1990
सिहं	18:04:1987	कन्या	18:04:1988	कर्क	18:04:1989	वृष	18:04:1990
कन्या	19:05:1987	सिहं	18:05:1988	मिथुन	19:05:1989	मेष	19:05:1990
तुला	18:06:1987	कर्क	18:06:1988	वृष	18:06:1989	मीन	18:06:1990
वृश्चिक	19:07:1987	मिथुन	18:07:1988	मेष	19:07:1989	कुम्भ	19:07:1990
धनु	18:08:1987	वृष	18:08:1988	मीन	18:08:1989	मकर	18:08:1990
मकर	17:09:1987	मेष	17:09:1988	कुम्भ	17:09:1989	धनु	17:09:1990
कुम्भ	18:10:1987	मीन	18:10:1988	मकर	18:10:1989	वृश्चिक	18:10:1990
मीन	17:11:1987	कुम्भ	17:11:1988	धनु	17:11:1989	तुला	17:11:1990

अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से

जैमिनी स्थिर दशा

(वैकल्पिक विधि)

कर्क दशा (18:12:1990 –– 18:12:1997)

कन्या भुक्ति		सिहं भुक्ति		कर्क भुक्ति		मिथुन भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृश्चिक	18:12:1990	धन्	18:12:1991	कन्या	18:12:1992	वृश्चिक	18:12:1993
तुला	17:01:1991	मकर	17:01:1992	सिहं	17:01:1993	तुला	17:01:1994
कन्या	16:02:1991	कुम्भ	17:02:1992	कर्क	16:02:1993	कन्या	16:02:1994
सिहं	19:03:1991	मीन	18:03:1992	मिथुन	19:03:1993	सिहं	19:03:1994
कर्क	18:04:1991	मेष	18:04:1992	वृष	18:04:1993	कर्क	18:04:1994
मिथुन	19:05:1991	वृष	18:05:1992	मेष	19:05:1993	मिथुन	19:05:1994
वृष	18:06:1991	मिथुन	18:06:1992	मीन	18:06:1993	वृष	18:06:1994
मेष	19:07:1991	कर्क	18:07:1992	कुम्भ	19:07:1993	मेष	19:07:1994
मीन	18:08:1991	सिहं	18:08:1992	मकर	18:08:1993	मीन	18:08:1994
कुम्भ	17:09:1991	कन्या	17:09:1992	धन्	17:09:1993	कुम्भ	17:09:1994
मकर	18:10:1991	तुला	18:10:1992	वृश्चिक	18:10:1993	मकर	18:10:1994
धन्	17:11:1991	वृश्चिक	17:11:1992	तुला	17:11:1993	धन्	17:11:1994

वृष भुक्ति		मेष भुक्ति		मीन भुक्ति			
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मकर	18:12:1994	मेष	18:12:1995	मकर	18:12:1996		
धन्	17:01:1995	वृष	17:01:1996	धन्	17:01:1997		
वृश्चिक	16:02:1995	मिथुन	17:02:1996	वृश्चिक	16:02:1997		
तुला	19:03:1995	कर्क	18:03:1996	तुला	19:03:1997		
कन्या	18:04:1995	सिहं	18:04:1996	कन्या	18:04:1997		
सिहं	19:05:1995	कन्या	18:05:1996	सिहं	19:05:1997		
कर्क	18:06:1995	तुला	18:06:1996	कर्क	18:06:1997		
मिथुन	19:07:1995	वृश्चिक	18:07:1996	मिथुन	19:07:1997		
वृष	18:08:1995	धन्	18:08:1996	वृष	18:08:1997		
मेष	17:09:1995	मकर	17:09:1996	मेष	17:09:1997		
मीन	18:10:1995	कुम्भ	18:10:1996	मीन	18:10:1997		
कुम्भ	17:11:1995	मीन	17:11:1996	कुम्भ	17:11:1997		

अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से

जैमिनी स्थिर दशा

(वैकल्पिक विधि)

मिथुन दशा (18:12:1997 -- 18:12:2006)

वृश्चिक भुक्ति		तुला भुक्ति		कन्या भुक्ति		सिहं भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मेष	18:12:1997	मकर	18:12:1998	वृश्चिक	18:12:1999	धन्	18:12:2000
वृष	17:01:1998	धन्	17:01:1999	तुला	17:01:2000	मकर	17:01:2001
मिथुन	16:02:1998	वृश्चिक	16:02:1999	कन्या	17:02:2000	कुम्भ	16:02:2001
कर्क	19:03:1998	तुला	19:03:1999	सिहं	18:03:2000	मीन	19:03:2001
सिहं	18:04:1998	कन्या	18:04:1999	कर्क	18:04:2000	मेष	18:04:2001
कन्या	19:05:1998	सिहं	19:05:1999	मिथुन	18:05:2000	वृष	19:05:2001
तुला	18:06:1998	कर्क	18:06:1999	वृष	18:06:2000	मिथुन	18:06:2001
वृश्चिक	19:07:1998	मिथुन	19:07:1999	मेष	18:07:2000	कर्क	19:07:2001
धन्	18:08:1998	वृष	18:08:1999	मीन	18:08:2000	सिहं	18:08:2001
मकर	17:09:1998	मेष	17:09:1999	कुम्भ	17:09:2000	कन्या	17:09:2001
कुम्भ	18:10:1998	मीन	18:10:1999	मकर	18:10:2000	तुला	18:10:2001
मीन	17:11:1998	कुम्भ	17:11:1999	धन्	17:11:2000	वृश्चिक	17:11:2001

कर्क भुक्ति		मिथुन भुक्ति		वृष भुक्ति		मेष भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
कन्या	18:12:2001	वृश्चिक	18:12:2002	मकर	18:12:2003	मेष	18:12:2004
सिहं	17:01:2002	तुला	17:01:2003	धन्	17:01:2004	वृष	17:01:2005
कर्क	16:02:2002	कन्या	16:02:2003	वृश्चिक	17:02:2004	मिथुन	16:02:2005
मिथुन	19:03:2002	सिहं	19:03:2003	तुला	18:03:2004	कर्क	19:03:2005
वृष	18:04:2002	कर्क	18:04:2003	कन्या	18:04:2004	सिहं	18:04:2005
मेष	19:05:2002	मिथुन	19:05:2003	सिहं	18:05:2004	कन्या	19:05:2005
मीन	18:06:2002	वृष	18:06:2003	कर्क	18:06:2004	तुला	18:06:2005
कुम्भ	19:07:2002	मेष	19:07:2003	मिथुन	18:07:2004	वृश्चिक	19:07:2005
मकर	18:08:2002	मीन	18:08:2003	वृष	18:08:2004	धन्	18:08:2005
धन्	17:09:2002	कुम्भ	17:09:2003	मेष	17:09:2004	मकर	17:09:2005
वृश्चिक	18:10:2002	मकर	18:10:2003	मीन	18:10:2004	कुम्भ	18:10:2005
तुला	17:11:2002	धन्	17:11:2003	कुम्भ	17:11:2004	मीन	17:11:2005

मीन भुक्ति							
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मकर	18:12:2005						
धन्	17:01:2006						
वृश्चिक	16:02:2006						
तुला	19:03:2006						
कन्या	18:04:2006						
सिहं	19:05:2006						
कर्क	18:06:2006						
मिथुन	19:07:2006						
वृष	18:08:2006						
मेष	17:09:2006						
मीन	18:10:2006						
कुम्भ	17:11:2006						

जैमिनी स्थिर दशा

(वैकल्पिक विधि)

वृष दशा (18:12:2006 -- 18:12:2014)

मकर भुक्ति		धनु भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति		तुला भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मिथुन	18:12:2006	मकर	18:12:2007	मेष	18:12:2008	मकर	18:12:2009
कर्क	17:01:2007	धनु	17:01:2008	वृष	17:01:2009	धनु	17:01:2010
सिहं	16:02:2007	वृश्चिक	17:02:2008	मिथुन	16:02:2009	वृश्चिक	16:02:2010
कन्या	19:03:2007	तुला	18:03:2008	कर्क	19:03:2009	तुला	19:03:2010
तुला	18:04:2007	कन्या	18:04:2008	सिहं	18:04:2009	कन्या	18:04:2010
वृश्चिक	19:05:2007	सिहं	18:05:2008	कन्या	19:05:2009	सिहं	19:05:2010
धनु	18:06:2007	कर्क	18:06:2008	तुला	18:06:2009	कर्क	18:06:2010
मकर	19:07:2007	मिथुन	18:07:2008	वृश्चिक	19:07:2009	मिथुन	19:07:2010
कुम्भ	18:08:2007	वृष	18:08:2008	धनु	18:08:2009	वृष	18:08:2010
मीन	17:09:2007	मेष	17:09:2008	मकर	17:09:2009	मेष	17:09:2010
मेष	18:10:2007	मीन	18:10:2008	कुम्भ	18:10:2009	मीन	18:10:2010
वृष	17:11:2007	कुम्भ	17:11:2008	मीन	17:11:2009	कुम्भ	17:11:2010

कन्या भुक्ति		सिहं भुक्ति		कर्क भुक्ति		मिथुन भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृश्चिक	18:12:2010	धनु	18:12:2011	कन्या	18:12:2012	वृश्चिक	18:12:2013
तुला	17:01:2011	मकर	17:01:2012	सिहं	17:01:2013	तुला	17:01:2014
कन्या	16:02:2011	कुम्भ	17:02:2012	कर्क	16:02:2013	कन्या	16:02:2014
सिहं	19:03:2011	मीन	18:03:2012	मिथुन	19:03:2013	सिहं	19:03:2014
कर्क	18:04:2011	मेष	18:04:2012	वृष	18:04:2013	कर्क	18:04:2014
मिथुन	19:05:2011	वृष	18:05:2012	मेष	19:05:2013	मिथुन	19:05:2014
वृष	18:06:2011	मिथुन	18:06:2012	मीन	18:06:2013	वृष	18:06:2014
मेष	19:07:2011	कर्क	18:07:2012	कुम्भ	19:07:2013	मेष	19:07:2014
मीन	18:08:2011	सिहं	18:08:2012	मकर	18:08:2013	मीन	18:08:2014
कुम्भ	17:09:2011	कन्या	17:09:2012	धनु	17:09:2013	कुम्भ	17:09:2014
मकर	18:10:2011	तुला	18:10:2012	वृश्चिक	18:10:2013	मकर	18:10:2014
धनु	17:11:2011	वृश्चिक	17:11:2012	तुला	17:11:2013	धनु	17:11:2014

अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से

जैमिनी स्थिर दशा

(वैकल्पिक विधि)

मेष दशा (18:12:2014 -- 18:12:2021)

मेष भुक्ति		वृष भुक्ति		मिथुन भुक्ति		कर्क भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मेष	18:12:2014	मकर	18:12:2015	वृश्चिक	18:12:2016	कन्या	18:12:2017
वृष	17:01:2015	धनु	17:01:2016	तुला	17:01:2017	सिहं	17:01:2018
मिथुन	16:02:2015	वृश्चिक	17:02:2016	कन्या	16:02:2017	कर्क	16:02:2018
कर्क	19:03:2015	तुला	18:03:2016	सिहं	19:03:2017	मिथुन	19:03:2018
सिहं	18:04:2015	कन्या	18:04:2016	कर्क	18:04:2017	वृष	18:04:2018
कन्या	19:05:2015	सिहं	18:05:2016	मिथुन	19:05:2017	मेष	19:05:2018
तुला	18:06:2015	कर्क	18:06:2016	वृष	18:06:2017	मीन	18:06:2018
वृश्चिक	19:07:2015	मिथुन	18:07:2016	मेष	19:07:2017	कुम्भ	19:07:2018
धनु	18:08:2015	वृष	18:08:2016	मीन	18:08:2017	मकर	18:08:2018
मकर	17:09:2015	मेष	17:09:2016	कुम्भ	17:09:2017	धनु	17:09:2018
कुम्भ	18:10:2015	मीन	18:10:2016	मकर	18:10:2017	वृश्चिक	18:10:2018
मीन	17:11:2015	कुम्भ	17:11:2016	धनु	17:11:2017	तुला	17:11:2018

सिहं भुक्ति		कन्या भुक्ति		तुला भुक्ति			
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
धनु	18:12:2018	वृश्चिक	18:12:2019	मकर	18:12:2020		
मकर	17:01:2019	तुला	17:01:2020	धनु	17:01:2021		
कुम्भ	16:02:2019	कन्या	17:02:2020	वृश्चिक	16:02:2021		
मीन	19:03:2019	सिहं	18:03:2020	तुला	19:03:2021		
मेष	18:04:2019	कर्क	18:04:2020	कन्या	18:04:2021		
वृष	19:05:2019	मिथुन	18:05:2020	सिहं	19:05:2021		
मिथुन	18:06:2019	वृष	18:06:2020	कर्क	18:06:2021		
कर्क	19:07:2019	मेष	18:07:2020	मिथुन	19:07:2021		
सिहं	18:08:2019	मीन	18:08:2020	वृष	18:08:2021		
कन्या	17:09:2019	कुम्भ	17:09:2020	मेष	17:09:2021		
तुला	18:10:2019	मकर	18:10:2020	मीन	18:10:2021		
वृश्चिक	17:11:2019	धनु	17:11:2020	कुम्भ	17:11:2021		

अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से

जैमिनी स्थिर दशा

(वैकल्पिक विधि)

मीन दशा (18:12:2021 –– 18:12:2030)

मकर भुक्ति		धनु भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति		तुला भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मिथुन	18:12:2021	मकर	18:12:2022	मेष	18:12:2023	मकर	18:12:2024
कर्क	17:01:2022	धनु	17:01:2023	वृष	17:01:2024	धनु	17:01:2025
सिहं	16:02:2022	वृश्चिक	16:02:2023	मिथुन	17:02:2024	वृश्चिक	16:02:2025
कन्या	19:03:2022	तुला	19:03:2023	कर्क	18:03:2024	तुला	19:03:2025
तुला	18:04:2022	कन्या	18:04:2023	सिहं	18:04:2024	कन्या	18:04:2025
वृश्चिक	19:05:2022	सिहं	19:05:2023	कन्या	18:05:2024	सिहं	19:05:2025
धनु	18:06:2022	कर्क	18:06:2023	तुला	18:06:2024	कर्क	18:06:2025
मकर	19:07:2022	मिथुन	19:07:2023	वृश्चिक	18:07:2024	मिथुन	19:07:2025
कुम्भ	18:08:2022	वृष	18:08:2023	धनु	18:08:2024	वृष	18:08:2025
मीन	17:09:2022	मेष	17:09:2023	मकर	17:09:2024	मेष	17:09:2025
मेष	18:10:2022	मीन	18:10:2023	कुम्भ	18:10:2024	मीन	18:10:2025
वृष	17:11:2022	कुम्भ	17:11:2023	मीन	17:11:2024	कुम्भ	17:11:2025

कन्या भुक्ति		सिहं भुक्ति		कर्क भुक्ति		मिथुन भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृश्चिक	18:12:2025	धनु	18:12:2026	कन्या	18:12:2027	वृश्चिक	18:12:2028
तुला	17:01:2026	मकर	17:01:2027	सिहं	17:01:2028	तुला	17:01:2029
कन्या	16:02:2026	कुम्भ	16:02:2027	कर्क	17:02:2028	कन्या	16:02:2029
सिहं	19:03:2026	मीन	19:03:2027	मिथुन	18:03:2028	सिहं	19:03:2029
कर्क	18:04:2026	मेष	18:04:2027	वृष	18:04:2028	कर्क	18:04:2029
मिथुन	19:05:2026	वृष	19:05:2027	मेष	18:05:2028	मिथुन	19:05:2029
वृष	18:06:2026	मिथुन	18:06:2027	मीन	18:06:2028	वृष	18:06:2029
मेष	19:07:2026	कर्क	19:07:2027	कुम्भ	18:07:2028	मेष	19:07:2029
मीन	18:08:2026	सिहं	18:08:2027	मकर	18:08:2028	मीन	18:08:2029
कुम्भ	17:09:2026	कन्या	17:09:2027	धनु	17:09:2028	कुम्भ	17:09:2029
मकर	18:10:2026	तुला	18:10:2027	वृश्चिक	18:10:2028	मकर	18:10:2029
धनु	17:11:2026	वृश्चिक	17:11:2027	तुला	17:11:2028	धनु	17:11:2029

वृष भुक्ति							
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मकर	18:12:2029						
धनु	17:01:2030						
वृश्चिक	16:02:2030						
तुला	19:03:2030						
कन्या	18:04:2030						
सिहं	19:05:2030						
कर्क	18:06:2030						
मिथुन	19:07:2030						
वृष	18:08:2030						
मेष	17:09:2030						
मीन	18:10:2030						
कुम्भ	17:11:2030						

जैमिनी स्थिर दशा

(वैकल्पिक विधि)

कुम्भ दशा (18:12:2030 –– 18:12:2038)

मिथुन भुक्ति		कर्क भुक्ति		सिहं भुक्ति		कन्या भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृश्चिक	18:12:2030	कन्या	18:12:2031	धनु	18:12:2032	वृश्चिक	18:12:2033
तुला	17:01:2031	सिहं	17:01:2032	मकर	17:01:2033	तुला	17:01:2034
कन्या	16:02:2031	कर्क	17:02:2032	कुम्भ	16:02:2033	कन्या	16:02:2034
सिहं	19:03:2031	मिथुन	18:03:2032	मीन	19:03:2033	सिहं	19:03:2034
कर्क	18:04:2031	वृष	18:04:2032	मेष	18:04:2033	कर्क	18:04:2034
मिथुन	19:05:2031	मेष	18:05:2032	वृष	19:05:2033	मिथुन	19:05:2034
वृष	18:06:2031	मीन	18:06:2032	मिथुन	18:06:2033	वृष	18:06:2034
मेष	19:07:2031	कुम्भ	18:07:2032	कर्क	19:07:2033	मेष	19:07:2034
मीन	18:08:2031	मकर	18:08:2032	सिहं	18:08:2033	मीन	18:08:2034
कुम्भ	17:09:2031	धनु	17:09:2032	कन्या	17:09:2033	कुम्भ	17:09:2034
मकर	18:10:2031	वृश्चिक	18:10:2032	तुला	18:10:2033	मकर	18:10:2034
धनु	17:11:2031	तुला	17:11:2032	वृश्चिक	17:11:2033	धनु	17:11:2034

तुला भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति		धनु भुक्ति		मकर भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मकर	18:12:2034	मेष	18:12:2035	मकर	18:12:2036	मिथुन	18:12:2037
धनु	17:01:2035	वृष	17:01:2036	धनु	17:01:2037	कर्क	17:01:2038
वृश्चिक	16:02:2035	मिथुन	17:02:2036	वृश्चिक	16:02:2037	सिहं	16:02:2038
तुला	19:03:2035	कर्क	18:03:2036	तुला	19:03:2037	कन्या	19:03:2038
कन्या	18:04:2035	सिहं	18:04:2036	कन्या	18:04:2037	तुला	18:04:2038
सिहं	19:05:2035	कन्या	18:05:2036	सिहं	19:05:2037	वृश्चिक	19:05:2038
कर्क	18:06:2035	तुला	18:06:2036	कर्क	18:06:2037	धनु	18:06:2038
मिथुन	19:07:2035	वृश्चिक	18:07:2036	मिथुन	19:07:2037	मकर	19:07:2038
वृष	18:08:2035	धनु	18:08:2036	वृष	18:08:2037	कुम्भ	18:08:2038
मेष	17:09:2035	मकर	17:09:2036	मेष	17:09:2037	मीन	17:09:2038
मीन	18:10:2035	कुम्भ	18:10:2036	मीन	18:10:2037	मेष	18:10:2038
कुम्भ	17:11:2035	मीन	17:11:2036	कुम्भ	17:11:2037	वृष	17:11:2038

अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से

जैमिनी स्थिर दशा

(वैकल्पिक विधि)

मकर दशा (18:12:2038 -- 18:12:2045)

मिथुन भुक्ति		कर्क भुक्ति		सिहं भुक्ति		कन्या भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृश्चिक	18:12:2038	कन्या	18:12:2039	धनु	18:12:2040	वृश्चिक	18:12:2041
तुला	17:01:2039	सिहं	17:01:2040	मकर	17:01:2041	तुला	17:01:2042
कन्या	16:02:2039	कर्क	17:02:2040	कुम्भ	16:02:2041	कन्या	16:02:2042
सिहं	19:03:2039	मिथुन	18:03:2040	मीन	19:03:2041	सिहं	19:03:2042
कर्क	18:04:2039	वृष	18:04:2040	मेष	18:04:2041	कर्क	18:04:2042
मिथुन	19:05:2039	मेष	18:05:2040	वृष	19:05:2041	मिथुन	19:05:2042
वृष	18:06:2039	मीन	18:06:2040	मिथुन	18:06:2041	वृष	18:06:2042
मेष	19:07:2039	कुम्भ	18:07:2040	कर्क	19:07:2041	मेष	19:07:2042
मीन	18:08:2039	मकर	18:08:2040	सिहं	18:08:2041	मीन	18:08:2042
कुम्भ	17:09:2039	धनु	17:09:2040	कन्या	17:09:2041	कुम्भ	17:09:2042
मकर	18:10:2039	वृश्चिक	18:10:2040	तुला	18:10:2041	मकर	18:10:2042
धनु	17:11:2039	तुला	17:11:2040	वृश्चिक	17:11:2041	धनु	17:11:2042

तुला भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति		धनु भुक्ति			
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मकर	18:12:2042	मेष	18:12:2043	मकर	18:12:2044		
धनु	17:01:2043	वृष	17:01:2044	धनु	17:01:2045		
वृश्चिक	16:02:2043	मिथुन	17:02:2044	वृश्चिक	16:02:2045		
तुला	19:03:2043	कर्क	18:03:2044	तुला	19:03:2045		
कन्या	18:04:2043	सिहं	18:04:2044	कन्या	18:04:2045		
सिहं	19:05:2043	कन्या	18:05:2044	सिहं	19:05:2045		
कर्क	18:06:2043	तुला	18:06:2044	कर्क	18:06:2045		
मिथुन	19:07:2043	वृश्चिक	18:07:2044	मिथुन	19:07:2045		
वृष	18:08:2043	धनु	18:08:2044	वृष	18:08:2045		
मेष	17:09:2043	मकर	17:09:2044	मेष	17:09:2045		
मीन	18:10:2043	कुम्भ	18:10:2044	मीन	18:10:2045		
कुम्भ	17:11:2043	मीन	17:11:2044	कुम्भ	17:11:2045		

अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से

जैमिनी स्थिर दशा

(वैकल्पिक विधि)

धनु दशा (18:12:2045 -- 18:12:2054)

मकर भुक्ति		धनु भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति		तुला भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मिथुन	18:12:2045	मकर	18:12:2046	मेष	18:12:2047	मकर	18:12:2048
कर्क	17:01:2046	धनु	17:01:2047	वृष	17:01:2048	धनु	17:01:2049
सिहं	16:02:2046	वृश्चिक	16:02:2047	मिथुन	17:02:2048	वृश्चिक	16:02:2049
कन्या	19:03:2046	तुला	19:03:2047	कर्क	18:03:2048	तुला	19:03:2049
तुला	18:04:2046	कन्या	18:04:2047	सिहं	18:04:2048	कन्या	18:04:2049
वृश्चिक	19:05:2046	सिहं	19:05:2047	कन्या	18:05:2048	सिहं	19:05:2049
धनु	18:06:2046	कर्क	18:06:2047	तुला	18:06:2048	कर्क	18:06:2049
मकर	19:07:2046	मिथुन	19:07:2047	वृश्चिक	18:07:2048	मिथुन	19:07:2049
कुम्भ	18:08:2046	वृष	18:08:2047	धनु	18:08:2048	वृष	18:08:2049
मीन	17:09:2046	मेष	17:09:2047	मकर	17:09:2048	मेष	17:09:2049
मेष	18:10:2046	मीन	18:10:2047	कुम्भ	18:10:2048	मीन	18:10:2049
वृष	17:11:2046	कुम्भ	17:11:2047	मीन	17:11:2048	कुम्भ	17:11:2049

कन्या भुक्ति		सिहं भुक्ति		कर्क भुक्ति		मिथुन भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृश्चिक	18:12:2049	धनु	18:12:2050	कन्या	18:12:2051	वृश्चिक	18:12:2052
तुला	17:01:2050	मकर	17:01:2051	सिहं	17:01:2052	तुला	17:01:2053
कन्या	16:02:2050	कुम्भ	16:02:2051	कर्क	17:02:2052	कन्या	16:02:2053
सिहं	19:03:2050	मीन	19:03:2051	मिथुन	18:03:2052	सिहं	19:03:2053
कर्क	18:04:2050	मेष	18:04:2051	वृष	18:04:2052	कर्क	18:04:2053
मिथुन	19:05:2050	वृष	19:05:2051	मेष	18:05:2052	मिथुन	19:05:2053
वृष	18:06:2050	मिथुन	18:06:2051	मीन	18:06:2052	वृष	18:06:2053
मेष	19:07:2050	कर्क	19:07:2051	कुम्भ	18:07:2052	मेष	19:07:2053
मीन	18:08:2050	सिहं	18:08:2051	मकर	18:08:2052	मीन	18:08:2053
कुम्भ	17:09:2050	कन्या	17:09:2051	धनु	17:09:2052	कुम्भ	17:09:2053
मकर	18:10:2050	तुला	18:10:2051	वृश्चिक	18:10:2052	मकर	18:10:2053
धनु	17:11:2050	वृश्चिक	17:11:2051	तुला	17:11:2052	धनु	17:11:2053

वृष भुक्ति							
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मकर	18:12:2053						
धनु	17:01:2054						
वृश्चिक	16:02:2054						
तुला	19:03:2054						
कन्या	18:04:2054						
सिहं	19:05:2054						
कर्क	18:06:2054						
मिथुन	19:07:2054						
वृष	18:08:2054						
मेष	17:09:2054						
मीन	18:10:2054						
कुम्भ	17:11:2054						

जैमिनी स्थिर दशा

(वैकल्पिक विधि)

वृश्चिक दशा (18:12:2054 -- 18:12:2062)

मेष भुक्ति		वृष भुक्ति		मिथुन भुक्ति		कर्क भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मेष	18:12:2054	मकर	18:12:2055	वृश्चिक	18:12:2056	कन्या	18:12:2057
वृष	17:01:2055	धन्	17:01:2056	तुला	17:01:2057	सिहं	17:01:2058
मिथुन	16:02:2055	वृश्चिक	17:02:2056	कन्या	16:02:2057	कर्क	16:02:2058
कर्क	19:03:2055	तुला	18:03:2056	सिहं	19:03:2057	मिथुन	19:03:2058
सिहं	18:04:2055	कन्या	18:04:2056	कर्क	18:04:2057	वृष	18:04:2058
कन्या	19:05:2055	सिहं	18:05:2056	मिथुन	19:05:2057	मेष	19:05:2058
तुला	18:06:2055	कर्क	18:06:2056	वृष	18:06:2057	मीन	18:06:2058
वृश्चिक	19:07:2055	मिथुन	18:07:2056	मेष	19:07:2057	कुम्भ	19:07:2058
धन्	18:08:2055	वृष	18:08:2056	मीन	18:08:2057	मकर	18:08:2058
मकर	17:09:2055	मेष	17:09:2056	कुम्भ	17:09:2057	धन्	17:09:2058
कुम्भ	18:10:2055	मीन	18:10:2056	मकर	18:10:2057	वृश्चिक	18:10:2058
मीन	17:11:2055	कुम्भ	17:11:2056	धन्	17:11:2057	तुला	17:11:2058

सिहं भुक्ति		कन्या भुक्ति		तुला भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
धन्	18:12:2058	वृश्चिक	18:12:2059	मकर	18:12:2060	मेष	18:12:2061
मकर	17:01:2059	तुला	17:01:2060	धन्	17:01:2061	वृष	17:01:2062
कुम्भ	16:02:2059	कन्या	17:02:2060	वृश्चिक	16:02:2061	मिथुन	16:02:2062
मीन	19:03:2059	सिहं	18:03:2060	तुला	19:03:2061	कर्क	19:03:2062
मेष	18:04:2059	कर्क	18:04:2060	कन्या	18:04:2061	सिहं	18:04:2062
वृष	19:05:2059	मिथुन	18:05:2060	सिहं	19:05:2061	कन्या	19:05:2062
मिथुन	18:06:2059	वृष	18:06:2060	कर्क	18:06:2061	तुला	18:06:2062
कर्क	19:07:2059	मेष	18:07:2060	मिथुन	19:07:2061	वृश्चिक	19:07:2062
सिहं	18:08:2059	मीन	18:08:2060	वृष	18:08:2061	धन्	18:08:2062
कन्या	17:09:2059	कुम्भ	17:09:2060	मेष	17:09:2061	मकर	17:09:2062
तुला	18:10:2059	मकर	18:10:2060	मीन	18:10:2061	कुम्भ	18:10:2062
वृश्चिक	17:11:2059	धन्	17:11:2060	कुम्भ	17:11:2061	मीन	17:11:2062

अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से

जैमिनी स्थिर दशा

(वैकल्पिक विधि)

तुला दशा (18:12:2062 -- 18:12:2069)

मकर भुक्ति		धनु भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति		तुला भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मिथुन	18:12:2062	मकर	18:12:2063	मेष	18:12:2064	मकर	18:12:2065
कर्क	17:01:2063	धनु	17:01:2064	वृष	17:01:2065	धनु	17:01:2066
सिहं	16:02:2063	वृश्चिक	17:02:2064	मिथुन	16:02:2065	वृश्चिक	16:02:2066
कन्या	19:03:2063	तुला	18:03:2064	कर्क	19:03:2065	तुला	19:03:2066
तुला	18:04:2063	कन्या	18:04:2064	सिहं	18:04:2065	कन्या	18:04:2066
वृश्चिक	19:05:2063	सिहं	18:05:2064	कन्या	19:05:2065	सिहं	19:05:2066
धनु	18:06:2063	कर्क	18:06:2064	तुला	18:06:2065	कर्क	18:06:2066
मकर	19:07:2063	मिथुन	18:07:2064	वृश्चिक	19:07:2065	मिथुन	19:07:2066
कुम्भ	18:08:2063	वृष	18:08:2064	धनु	18:08:2065	वृष	18:08:2066
मीन	17:09:2063	मेष	17:09:2064	मकर	17:09:2065	मेष	17:09:2066
मेष	18:10:2063	मीन	18:10:2064	कुम्भ	18:10:2065	मीन	18:10:2066
वृष	17:11:2063	कुम्भ	17:11:2064	मीन	17:11:2065	कुम्भ	17:11:2066

कन्या भुक्ति		सिहं भुक्ति		कर्क भुक्ति			
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृश्चिक	18:12:2066	धनु	18:12:2067	कन्या	18:12:2068		
तुला	17:01:2067	मकर	17:01:2068	सिहं	17:01:2069		
कन्या	16:02:2067	कुम्भ	17:02:2068	कर्क	16:02:2069		
सिहं	19:03:2067	मीन	18:03:2068	मिथुन	19:03:2069		
कर्क	18:04:2067	मेष	18:04:2068	वृष	18:04:2069		
मिथुन	19:05:2067	वृष	18:05:2068	मेष	19:05:2069		
वृष	18:06:2067	मिथुन	18:06:2068	मीन	18:06:2069		
मेष	19:07:2067	कर्क	18:07:2068	कुम्भ	19:07:2069		
मीन	18:08:2067	सिहं	18:08:2068	मकर	18:08:2069		
कुम्भ	17:09:2067	कन्या	17:09:2068	धनु	17:09:2069		
मकर	18:10:2067	तुला	18:10:2068	वृश्चिक	18:10:2069		
धनु	17:11:2067	वृश्चिक	17:11:2068	तुला	17:11:2069		

अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से

जैमिनी सिद्धान्त के योग

आपकी जन्मकुण्डली में लग्न से चौथी एवं दसवीं भाव–राशि दोनों में ही ग्रह उपस्थित हैं। दोनों में ही ग्रहोंकी संख्या बराबर है, जो कि नैसर्गिक अशुभ ग्रह हैं। कम से कम एक जोड़ा ग्रह इन दोनों भावों में सेकिसी एक भाव में स्थित हैं जो कि राशि परिवर्तन अथवा नक्षत्र परिवर्तन नहीं कर रहें हैं। अतः ऐसी ग्रह स्थिति आपके लिए अनुकूल नहीं है। जैमिनी सिद्धान्त के अनुसार ऐसे योग को अरिष्ट योग माना जाता है।आपकी कुण्डली में ऐसे प्रतिकूल योग की उपस्थिति के कारण आप किसी ऐसे कार्य में शामिल हो सकते हैं जिसमें आपको दोषी ठहराया जा सकता है तथा घोर निंदा की जा सकती है। ऐसी भी संभावना है कि आपको जेल तक जाना पड़ सकता है। फिर भी, यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रतिरोधक योग उपस्थित हैं तो ऐसी स्थिति में सुधार हो सकता है।

आपकी जन्मकुण्डली में ग्यारहवें भाव का स्वामी ग्यारहवें भाव में स्थित है अथवा उस पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। जैमिनी सिद्धान्त के अनुसार यह एक अनुकूल योग है। अतः संभवतः आप ग्यारहवें भाव की राशि की जैमिनी चर दशा के दौरान आप वाहन खरीद सकते हैं। ऐसी भी संभावना है कि ऐसा ग्यारहवें भाव की राशि की भुक्ति के दौरान भी हो सकता है।

आपकी जन्मकुण्डली में चंद्रमा चौथे भाव में स्थित है अथवा उसकी इस पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) पड़ रही है तथा चंद्रमा नीचस्थ नहीं है। जैमिनी सिद्धान्त के अनुसार यह एक अनुकूल योग है। अतः अधिक संभावना है कि आप चौथे भाव की राशि की जैमिनी चर दशा के दौरान आप वाहन खरीद सकते हैं।

आपकी जन्मकुण्डली में दिव्य लग्न पर एक उच्चस्थ ग्रह की अथवा एक नैसर्गिक शुभ ग्रह की दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) पड़ रही है। जैमिनी सिद्धान्त के अनुसार इसे अत्यंत शुभ फलदायक राज योग माना जाता है। आप धनवान तथा अनेक मामलों में भाग्यशाली होंगे। निश्चित रूप से आप किसी प्रतिष्ठित पद तक पहुंचेंगे। आपका घरेलू जीवन शांतिमय व खुशहाल होगा तथा आप विलासितापूर्ण व आधुनिक जीवन शैली का भरपूर आनंद प्राप्त करेंगे।

आपकी जन्मकुण्डली में बुध योगदा/केवल ग्रह नहीं है, किन्तु आपकी कुण्डली में बुध या तो योगदा/केवल ग्रह के साथ जुड़ा हुआ है अथवा इस पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। अतः आप काफी बुद्धिमान होंगे तथा जिज्ञासु प्रकृति के होंगे। आप एक उत्सुक पाठक होंगे तथा प्रोद्योगिकी के विकास संबंधित नवीन सूचनाओं के प्रबल संग्रहकर्ता होंगे। संभवतः आपको वाक्पटुता का वरदान प्राप्त होगातथा आपके मित्रों व परिचितों का दायरा बड़ा होगा।

आपकी जन्मकुण्डली में मंगल शुभपति ग्रह नहीं है, किन्तु आपकी कुण्डली में मंगल या तो शुभपति ग्रह के साथ जुड़ा हुआ है अथवा इस पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। अतः संभवतः आप बहुत साहसी, स्वावलंबी तथा अभिमानी स्वभाव के हो सकते हैं। आपको स्पर्द्धा और संघर्ष से अधिक लगाव होगा,आप हार से सदैव घृणा करेंगे तथा खतरों से बेपरवाह रहेंगे। आप अत्यंत उत्साही, कर्मठ, सक्रिय, उद्यमशील, प्रसन्नचित्त व आशावादी होंगे।

आपकी जन्मकुण्डली में वृहस्पति शुभपति ग्रह नहीं है, किन्तु आपकी कुण्डली में वृहस्पति या तो शुभपति ग्रह के साथ जुड़ा हुआ है अथवा इस पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। अतः आप संभवतः उत्तम स्वास्थ्य, ठोस शारीरिक गठन तथा उदार छवि वाले व्यक्ति होंगे। आपका रूप–रंग तीखा होगा तथा बाल थोड़े सीधे होंगे। सामान्यतः आप अपने सभी मामलों में भाग्यशाली साबित होंगे तथा आपकी न्यायशीलता व ईमानदारी काफी सराहनीय होगी।

आपकी जन्मकुण्डली में शुक्र शुभपति ग्रह नहीं है, किन्तु आपकी कुण्डली में शुक्र या तो शुभपति ग्रह के

साथ जुड़ा हुआ है अथवा इस पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। अतः आप संभवतः सौम्य, आज्ञाकारी, सामाजिक तथा खुशमिजात प्रकृति के व्यक्ति होंगे। आप सुन्दरता के प्रेमी होंगे तथा चमक–धमक के शौकीन होंगे। आप अपने सभी मामलों में भाग्यशाली रहेंगे तथा आपका प्रतिभाशाली मंडलियों, शोभायात्रा/खेल–तमाशा व आनंदोत्सवों के प्रति झुकाव होगा।

आपकी जन्मकुण्डली में दो ग्रहों सूर्य व राहु में से प्रत्येक ग्रह आरूढ़ लग्न से बारहवीं भाव–राशि में या तोस्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। जैमिनी सिद्धान्त के अनुसार यह योग कदापि अनुकूल नहीं है। यह वित्त–हानि योग का निर्माण कर रहा है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रबल संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो यह किसी बड़ी हानि के बारे में सूचित कर रहा है। यह किसी दण्डात्मक सरकारी अधिकारी द्वारा कुर्की या जब्ती की वजह से हो सकता है या सरकारी नीतियों मेंअचानक आए परिवर्तनों के कारण भी हो सकता है।

आपकी जन्मकुण्डली में मंगल द्रेक्कन कुण्डली में आपके लग्न से दूसरी भाव–राशि में या तो स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। बुध भी इसी राशि में या तो स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है, जबकि चंद्रमा इस राशि पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डालरहा है। ऐसे विशेष योग के प्रभाव से आप बहुत तेज बुद्धि वाले होंगे तथा आप हंसने–हंसाने वाले व्यक्ति होंगे। आप काफी लोकप्रिय होंगे तथा सामाजिक समारोहों में आकर्षण का केन्द्र बने रहेंगे, क्योंकि आप एक कुशल मसखरे की तरह अपने आस–पास के लोगों का आसानी से मनोरंजन करने में सक्षम होंगे।

आपकी जन्मकुण्डली में श्रीलग्न आपके लग्न से अनुकूल भाव–राशि में स्थित है। यह संकेत कर रहा है किआप काफी भाग्यशाली होंगे। यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रतिकूल परिस्थितियां उपस्थित नहीं हैं तो आपके पेशे में उन्नति की संभावनाएं सर्वाधिक हैं और जो भी होगा वह बहुत सुगमतापूर्वक ढंग से होगा। आप वित्तिय मामलों में बहुत भाग्यशाली होंगे तथा जीवन की सुख–सुविधाओं का आनन्द प्राप्त करेंगे।

आपकी जन्मकुण्डली में श्रीलग्न से गणना करने पर ग्यारहवें भाव का स्वामी शक्तिशाली स्थिति में है, क्योंकि यह उच्च राशि में या अपने भाव–राशि में उपस्थित है। इसमें कोई दोष नहीं है, क्योंकि यह ना तोवक्री है, ना अस्त है और ना ही ग्रसित है। अतः यह एक भाग्यशाली योग है। आपको अपने शुभचिन्तकोंव हमदर्द लोगों से सक्रिय सहयोग व लाभ प्राप्त होगा। ऐसा व्यक्ति आपका कोई बड़ा सहोदर या चचेरा भाई या मित्र हो सकता है, जो कि आपसे कुछ मामलों में श्रेष्ठ एवं लाभदायक स्थिति में हो।

काराकांश और विभिन्न राशियों से फल

काराकांश राशि से फल :

आपकी नवांश कुण्डली में, काराकांश नवांश–राशि धनु में स्थित है। कुछ मामलों में यह लाभदायक संकेत नहीं है। यदि आपकी कुण्डली में कोई विपरीत ग्रह–योग उपस्थित नहीं है, तो आपको हमेशा ऊँचाई से अथवा गाड़ियों से गिरने का डर हो सकता है। इसलिए आपको सावधान और सचेत रहने की आवश्यकता है। या फिर कोई ठोस वस्तु ऊँचाई से गिरने की वजह से आपको शारीरिक चोट लग सकती है। आपको उपद्रवी/बेलगाम घोड़ों अथवा तेज रतार गाड़ियों पर बैठने से परहेज करना चाहिए।

आपकी नवांश कुण्डली में, शनि काराकांश में स्थित है, जो कि नवांश–राशि धनु में स्थित है। यह अशुभ प्रभावों को काफी हद तक बढ़ा सकता है। किसी टक्कर अथवा किसी वस्तु के आप के ऊपर गिरने से आप दुर्घटना के शिकार हो सकते हैं, इसलिए आपको सावधान और सचेत रहने की आवश्यकता है। यदि आपकी कुण्डली में कोई विपरीत ग्रह–योग उपस्थित नहीं है, तो भी हड्डी टूटने या दर्द भरे सूजन की संभावना है।

काराकांश राशि में ग्रहों की स्थिति का फल :

आपकी नवांश कुण्डली में, बुध काराकांश में स्थित है– लेकिन, चूंकि बुध आपकी कुण्डली में आत्मकारक ग्रह भी है, जिसकी वजह से आपको जो लाभदायक फल मिलना चाहिए वो एक स्तर तक ही मिल पायेगा।यदि आपकी कुण्डली में कोई इसके विपरीत ग्रह योग उपस्थित नहीं है, तो आप तीक्ष्ण बुद्धि, तेज दिमाग वाले और काफी शिक्षित होंगे। इसके अतिरिक्त, आप ललित कला एवं मूर्तिकला में निपुण होंगे। आपके पास व्यापार प्रबन्धन की बढ़िया जानकारी और सूचना होगी और आप कुशल या सफल व्यापारी हो सकते हैं। तकनीकी विकास की नवीनतम सूचनाओं के लिए आप हमेश बेचैन रहेंगे, जिसकी वजह से आप एक कुशल तकनीशियन हो सकते हैं और कम्प्यूटर के क्षेत्र में बढ़िया कर सकते हैं।
प्रेस/छपाई/प्रकाशनआपको काफी आकर्षित कर सकता है। इसके अतिरिक्त, आपको गुप्त और रहस्यमयविषयों जैसे भविष्यवाणी, हस्तरेखा विज्ञान, अंक विज्ञान काफी आकर्षित कर सकते हैं।

आपकी नवांश कुण्डली में, शनि काराकांश में स्थित है, जहाँ आपकी कुण्डली में शनि आत्म–कारक ग्रह नहीं है। यह एक लाभदायक संकेत नहीं है। आप कई मामलों भाग्यशाली नहीं हो सकते हैं। यदि आपकी कुण्डली में इसके विपरीत कोई ग्रह–योग उपस्थित नहीं है, तो आपका व्यक्तित्व बहुत प्रभावशाली नहीं हो सकता है। आप कुछ स्वार्थी या केवल अपने बारे में सोचने वाले तथा संकीर्ण विचारों वाले हो सकते हैं। आप काफी बुद्धिमान या शिक्षित व्यक्ति नहीं होंगे, फिर भी आप अपने स्वार्थ के लिए चालाकियां करेंगे। आप ऊँची शिक्षा नहीं प्राप्त कर सकते हैं, बल्कि आप व्यापार से संबंधित छोट–छोटी बातें सीखने में रूचि रखेंगे। आप अपने पारिवारिक धन्धों को अपनायेंगे, जो कि व्यापार हो सकता है। अंत भला, तो सब भला– आपका आदर्श वाक्य हो सकता है। अपने उद्देश्यों की पूर्ति हेतू गलत साधनों का उपयोग करने में आपको कुछ बुरा नहीं लग सकता है। आपका दामन बेदाग नहीं हो सकता है और लोग आप पर विश्वास नहीं कर सकते हैं।

काराकांश राशि में ग्रहों की दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) का फल :

आपकी नवांश कुण्डली में, धनु काराकांश राशि है, और उस पर एक अशुभ ग्रह की दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) पड़ रही है। यह एक शुभ स्थिति नहीं है। यदि आपकी कुण्डली में कोई विपरीत ग्रह–योग उपस्थित नहीं है, तो आपको कान से संबंधित रोग हो सकता है। या फिर, आप चाहें या ना चाहें, आप

अपना कान छेदवा सकते हैं।

काराकांश राशि के पांचवे भाव का फल :

आपकी नवांश कुण्डली में, काराकांश से पाँचवें भाव पर मंगल की दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) पड़ रही है। यह एक भाग्यशाली स्थिति नहीं है। यदि आपकी कुण्डली में कोई प्रतिकारी ग्रह–योग उपस्थित नहीं है, तोआपको अपने जीवन काल में कभी अपने शरीर पर किसी भी प्रकार की फुन्सी व फोड़े होने की संभावना बरकरार रहेगी।

आपकी नवांश कुण्डली में, सूर्य काराकांश से पाँचवें स्थान में बैठा हुआ है। यह बहुत लाभदायक स्थिति नहीं है। यदि आपकी कुण्डली में कोई प्रतिकूल प्रभाव उपस्थित नहीं है, तो आप प्राण–घातक अस्त्रों जैसे तलवार या चाकू को सीखने और इस्तेमाल करने में काफी रूचि दिखायेंगे और इसी वजह से आप एक खतरनाक जीवन व्यतीत करेंगे। यदि आपकी कुण्डली में ग्रहों का शुभ प्रभाव भी विद्यमान है, तो आप संगीत में निपुण या संगीत में रूचि रखने वाले होंगे।

आपकी नवांश कुण्डली में, शुक्र काराकांश से पाँचवें स्थान में बैठा हुआ है। यह एक लाभदायक योग है। यदि आपकी कुण्डली में कोई प्रतिकूल प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो आप सौम्य व्यक्ति तथा एक प्रभावशाली वक्ता हो सकते हैं। संभावना है कि आप कविता, ललित कला एवं संगीत में महारत हासिल करेंगे। आप एक प्रख्यात कवि या लेखक भी बन सकते हैं।

काराकांश राशि के छठे भाव का फल :

आपकी नवांश कुण्डली में, एक अशुभ ग्रह (शनि के अलावा) काराकांश से छठवें स्थान में बैठा हुआ है। यहएक बढ़िया स्थिति है। यदि आपकी कुण्डली में कोई प्रतिकूल प्रभाव उपस्थित नहीं है, तो आप संभवतः एक कुशल कृषक बनेंगे। या फिर, आपका परिवार खेती–उपयुक्त जमीन का स्वामी होगा तथा कृषि से बढ़िया लाभ प्राप्त हो सकता है। इसके अतिरिक्त, आप एक मेहनती व्यक्ति होंगे।

काराकांश राशि के आठवें भाव का फल :

आपकी नवांश कुण्डली में, काराकांश से आठवें स्थान पर एक या एक से अधिक शुभ ग्रह की दृष्टि (जैमिनीके अनुसार) पड़ रही है। वहाँ पर ना तो कोई अशुभ ग्रह बैठा है और न ही ऐसे किसी ग्रह की दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) पड़ रही है। यह अति भाग्यशाली स्थिति है। आप अत्यंत खूबसूरत एवं आकर्षकहोंगे, आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा और आप अपना जीवन हंसी–खुशी व आरामपूर्ण व्यतीत करेंगे। इसके अतिरिक्त आप दीर्घायु होंगे।

काराकांश राशि के नौवें भाव का फल :

आपकी नवांश कुण्डली में, एक शुभ ग्रह की दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) काराकांश से नौवें स्थान पर पड़ रही है और कोई भी अशुभ ग्रह वहाँ नहीं बैठा है और न ही ऐसे किसी ग्रह की दृष्टि (जैमिनी के अनुसार)पड़ रही है। यह अति शुभ स्थिति है। इस शुभ स्थिति के कारण आप एक नेक, सत्यवादी, अहिंसावादी, सद्‌गुण–संपन्न एवं धार्मिक–प्रवृत्ति के व्यक्ति होंगे। आप भगवान को समर्पित होंगे एवं निरंतर धार्मिक अनुष्ठानों का अवलोकन करेंगे। आप जीवनभर अपने बुजुर्गों, शिक्षकों, गुरुओं एवं धर्मपरायण लोगों का आदर करेंगे। सामान्य जन से आपको आदर व प्यार

मिलेगा।

आपकी नवांश कुण्डली में, काराकांश से नौवें स्थान पर एक अशुभ ग्रह की दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) पड़ रही है। वहाँ कोई अन्य अशुभ ग्रह नहीं बैठा है और न ही ऐसे किसी ग्रह की दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) पड़ रही है। यह उपयुक्त या लाभदायक स्थिति नहीं है। यदि आपकी कुण्डली में कोई प्रतिकूल ग्रह–योगके प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो यद्यपि आप अपने बाल्यकाल में सत्यवादी, शांतिप्रिय एवं समर्पित होंगे, परन्तु आपके विचार बढ़ती उम्र के साथ किन्हीं परिस्थितियों के प्रभाव में या किसी दबाव के चलते विकृत हो सकते हैं। आप धीरे–धीरे लालची, लोभी एवं स्वार्थी हो सकते हैं। आप झूठ एवं चालाकी को अपनाकर लोगों को धोखा देने की कोशिश करेंगे, और अपने हितों के लिए हर प्रकार के तौर–तरीके अपनायेंगे।

काराकांश राशि के बारहवें भाव का फल :

आपकी नवांश कुण्डली में, काराकांश से बारहवें भाव में कोई भी ग्रह स्थित नहीं है। यह एक लाभदायक स्थिति है। यदि आपकी कुण्डली में कोई प्रतिकारी ग्रह–योग उपस्थित नहीं हैं, तो आपके व्यय नेक कार्यों में ही होंगे। आपको कभी भारी हानि उठाने की संभावना बहुत कम है। किसी प्रकार की फिजूल खर्ची भी नहीं करेंगे तथा किसी भारी चिकित्सा संबंधी खर्च से भी बचे रहेंगे।

आपकी नवांश कुण्डली में, केतु काराकांश से बारहवें भाव में अकेला स्थित है। यह एक सौभाग्यशाली योग है। यदि आपकी कुण्डली में कोई प्रतिकारी ग्रह–योग उपस्थित नहीं है, तो संभवतः आप भगवान गणेश के उपासक होंगे, इसके अतिरिक्त या इसके साथ ही आप कार्तिकेय या स्कंद की उपासना भी कर सकते हैं।

जैमिनी चर दशा का भविष्यफल

(वि.प्रा. – इस दशा में हम सामान्य किशोरावस्था एवं युवावस्था की घटनाओं पर ध्याान दे रहेहैं, भविष्यफल देखते समय, बाल्यावस्था (16 वर्ष से पहले) और वृद्धावस्था (64 वर्ष के बाद)काल के भविष्यफल पर ध्यान देने की आवश्यकता नहीं है।)

कन्या दशा (18:12:1973 से 18:12:1975)

वर्तमान में आप उस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, जिसमें एकादशेश स्थित है। यद्यपि एकादशेश आपकी जन्मकुण्डली में शक्तिशाली रूप से व्यवस्थित नहीं है– जैसाकि यह ना तो उच्चस्थ है और ना ही अपनी राशि में स्थित है, जैसाकि एकादशेश अभिलाषाओं की पूर्ति और महात्वाकांक्षाओं के कार्यान्वयन का कारक है, इसलिए यह अब भी एक बहुत लाभदायक योग है। आप लाभदायक परिणाम प्राप्त करने की उम्मीद कर सकते हैं। इस दशा के दौरान शिक्षा ग्रहण करने की आपकी संभावना काफी उत्तम है। इसके अतिरिक्त, आप अनौपचारिक शिक्षा भी जारी रख सकते हैं।

वर्तमान में आप जिस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, उस राशि से गणना करने पर चौथे भाव का स्वामी आपके लग्न से पाँचवें भाव में स्थित है। यद्यपि यह ग्रह आपकी कुण्डली में शक्तिशाली रूप से व्यवस्थित नहीं है– जैसाकि यह उच्चस्थ या अपने भाव में स्थित नहीं है। तब भी यह एक काफी अनुकूल योग है। इस दशा के दौरान आपकी शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति की संभावना काफी उत्तम है। इसके अतिरिक्त, आप अनौपचारिक अध्ययन भी जारी रख सकते हैं। इन सभी मामलों में बहुत उत्तम करने की आशा कर सकते हैं।

वर्तमान में आप जिस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, उसमें लग्न से गणना करने पर चतुर्थेश दशा–राशि से पाँचवें भाव में स्थित है। यद्यपि यह ग्रह आपकी कुण्डली में शक्तिशाली रूप से व्यवस्थित नहीं है– जैसाकि यह उच्चस्थ या अपने भाव में स्थित नहीं है। तब भी यह एक काफी अनुकूल योग है। इस दशा के दौरान आपकी शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति की संभावना काफी उत्तम है। इसके अतिरिक्त, आप अनौपचारिक अध्ययन भी जारी रख सकते हैं। इन सभी मामलों में बहुत उत्तम करने की आशा कर सकते हैं।

वर्तमान में आप जिस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, उससे दसवें भाव में आपके लग्न से पंचमेश स्थित है। दशमेश पेशे का शासक है, जबकि पंचमेश पद, प्रतिष्ठा आदि का प्रतीक है। इस दशा के दौरान,आप पेशे के क्षेत्र में अधिक उन्नति करेंगे। आप एक नया रोजगार प्राप्त कर सकते हैं अथवा एक प्रतिष्ठित पद तक पहुंच सकते हैं। आपका नाम व यश दूर दूर तक फैलेगा तथा लोग आपके साथ अधिक सम्मान का व्यवहार करेंगे। यदि आप व्यापार के क्षेत्र में हैं, तो आपकी परिस्थितियां निरन्तर लाभदायक होती जायेंगी और आपकी आय में काफी सुधार होगा।

वर्तमान में आप उस राशि की चर दशा से गुजर रहे हैं, जिससे पाँचवें भाव में अमात्य–कारक ग्रह (सप्त–कारक योजना के अनुसार) स्थित है। अमात्य–कारक ग्रह पेशे का संचालक है और पाँचवां भाव पदका सूचक है। इस दशा के दौरान, आप पेशे के क्षेत्र में अधिक उन्नति करेंगे। आप एक नया रोजगार, पदोन्नति या स्थानान्तरण प्राप्त कर सकते हैं। आपका नाम व यश दूर दूर तक फैलेगा तथा लोग आपके साथ अधिक सम्मान का व्यवहार करेंगे। यदि आप व्यापार के क्षेत्र में हैं, तो आपकी परिस्थितियां निरन्तर लाभदायक होती जायेंगी और आपकी आय में काफी सुधार

होगा।

शनि सेवा क्षेत्र और औद्योगिक धन्धों का नैसर्गिक कारक है। वर्तमान में आप जिस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, उससे दसवें भाव में शनि स्थित है। हालांकि, आपकी जन्मकुण्डली में शनि वक्री है, जो कि एक अनुकूल सूचक नहीं है। दसवां भाव पेशे का संचालक है। इस दशा के दौरान, आप पेशे के क्षेत्र में कुछ प्रगति कर सकते हैं। आप एक नया रोजगार प्राप्त कर सकते हैं या स्थानान्तरण हो सकता है, किन्तुआपको एक असुविधाजनक स्थान पर जाना पड़ सकता है अथवा आपको असुविधाजनक वातावरण के अन्तर्गत कार्य करना पड़ सकता है। यदि आप व्यापार में हैं, तो आपकी परिस्थितियां काफी हानिकारक होसकती हैं और आपकी आय में भी कुछ हद तक कमी आ सकती है।

वर्तमान में आप जिस राशि की चर दशा से गुजर रहे हैं, उस राशि से केन्द्र भाव में सूर्य स्थित है, जबकि शुक्र एक त्रिकोण भाव में स्थित है। यह एक अत्यंत शुभ योग है। इस दशा अवधि के दौरान आप पेशे के क्षेत्र में अत्यंत उत्तम उन्नति करने की आशा कर सकते हैं। आप एक नया रोजगार प्राप्त कर सकते हैं अथवा एक प्रतिष्ठित पद तक पहुंच सकते हैं। आपका नाम व यश दूर दूर तक फैलेगा तथा लोग आपके साथ अधिक सम्मान का व्यवहार करेंगे। यदि आप व्यापार के क्षेत्र में हैं, तो आपकी परिस्थितियां अधिक लाभदायक होंगी और आपकी आय में भी काफी सुधार होगा।

वृश्चिक भुक्ति (18:12:1973 से 18:12:1974)

वर्तमान में, आप कन्या दशा में, वृश्चिक भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग अत्यंत अनुकूल है। इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको एक लाभप्रद पदोन्नति अथवा एक नया रोजगार प्राप्त होने की संभावना अत्यधिक है। आपके रहन–सहन के स्तर में सुधार होगा और आपकी संतुष्टि में वृद्धि होगी।

वर्तमान में, आप कन्या दशा में, वृश्चिक भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, आपके लग्न से गणना करने पर दशमेश आपकी दशा–राशि से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपके लग्न से गणना करने पर दशमेश आपकी भुक्ति–राशि से भी दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग अत्यंत अनुकूल है। इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको एक लाभप्रद पदोन्नति अथवा एक नया रोजगार प्राप्त होने की संभावना अत्यधिक है। आपके रहन–सहन के स्तर में सुधार होगा और आपकी संतुष्टि में वृद्धि होगी। संभावना है कि ये बदलाव कन्या अथवा वृश्चिक के अन्तर–अवधि के दौरान हो सकते हैं।(जिनमें से प्रत्येक केवल एक माह के लिए चलता है)।

वर्तमान में आप वृश्चिक दशा में (जो कि एक वर्ष तक चलेगी) कन्या भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी जन्मकुण्डली में, आपके लग्न से गणना करने पर एकादशेश या तृतीयेश दशा–राशि में स्थित है या इस परअपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। इसके अतिरिक्त, आपकी दशा–राशि से गणना करने परएकादशेश या तृतीयेश भुक्ति–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है, और भुक्ति–राशि से गणना करने पर एकादशेश या तृतीयेश दशा–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। यह प्रतिकूल आंतरिक संबंध बन रहा है। जैसाकि तीसरा भाव

चौथे भाव से बारहवां है और ग्यारहवां भाव चौथे भाव से आठवां है। अतः आपकी माता का स्वास्थ्य व सुखआपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। या फिर अथवा साथ ही, आपकी संपत्ति की हानि हो सकती है।

तुला भुक्ति (18:12:1974 से 18:12:1975)

वर्तमान में, आप कन्या दशा में, तुला भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग अत्यंत अनुकूल है। इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको एक लाभप्रद पदोन्नति अथवा एक नया रोजगार प्राप्त होने की संभावना अत्यधिक है। आपके रहन–सहन के स्तर में सुधार होगा और आपकी संतुष्टि में वृद्धि होगी।

वृष दशा (18:12:1975 से 18:12:1983)

वर्तमान में आप उस राशि की चर दशा से गुजर रहे हैं, जिस पर मैत्री–कारक ग्रह अपनी दृष्टि (जैमिनी केअनुसार) डाल रहा है। यह कारक कुछ हद तक शिक्षा का कारक भी है। यह एक बढ़िया योग है। आपलाभदायक परिणाम प्राप्त करने की उम्मीद कर सकते हैं। इस दशा के दौरान शिक्षा ग्रहण करने की संभावना काफी उत्तम है। इसके अतिरिक्त, आप अनौपचारिक शिक्षा भी जारी रख सकते हैं।

वर्तमान में उस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, जिस पर चतुर्थेश की दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) पड़ रही है। जैसाकि चतुर्थेश शिक्षा का मुख्य कारक है, यह एक अनुकूल योग है। आप कुछ लाभदायक परिणाम प्राप्त करने की उम्मीद कर सकते हैं। इस दशा के दौरान शिक्षा ग्रहण करने की आपकी संभावना काफी उत्तम है। इसके अतिरिक्त, आप अनौपचारिक शिक्षा भी जारी रख सकते हैं।

वर्तमान में उस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, जिस पर नवमेश की दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) पड़ रही है। जैसाकि नवमेश उच्च शिक्षा का कारक है, यह एक बहुत अनुकूल योग है। आप कुछ लाभदायक परिणाम प्राप्त करने की उम्मीद कर सकते हैं। इस दशा के दौरान शिक्षा ग्रहण करने की आपकी संभावना काफी उत्तम है। इसके अतिरिक्त, आप अनौपचारिक शिक्षा भी जारी रख सकते हैं।

वर्तमान में आप उस राशि की चर दशा से गुजर रहे हैं, जिसमें राशि से गणना करने पर चौथे भाव का स्वामी स्थित है। यद्यपि यह ग्रह आपकी कुण्डली में बहुत शक्तिशाली रूप से व्यवस्थित नहीं है– जैसाकि यह ग्रह ना ही उच्चस्थ है और ना ही अपनी राशि में स्थित है। तब भी यह एक बहुत अनुकूल योग है। इस दशा के दौरान आपकी शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति की संभावना काफी उत्तम है। इसके अतिरिक्त, आप अनौपचारिक अध्ययन भी जारी रख सकते हैं। इन सभी मामलों में बहुत उत्तम करने की आशा कर सकते हैं।

वर्तमान में आप उस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, जिसका स्वामी आपके लग्न से पाँचवें भाव में स्थित है। अन्य चीजों के साथ पाँचवें भाव का स्वामी पद, प्रतिष्ठा आदि का शासक है। इस दशा के दौरान,आप पेशे के क्षेत्र में अधिक उन्नति करेंगे। आप एक नया रोजगार प्राप्त कर सकते हैं अथवा एक

प्रतिष्ठित पद तक पहुंच सकते हैं। आपका नाम व यश दूर दूर तक फैलेगा तथा लोग आपके साथ अधिक सम्मान का व्यवहार करेंगे। यदि आप व्यापार के क्षेत्र में हैं, परिस्थितियां निरन्तर लाभदायक होती जायेंगी और आपकी आय में काफी सुधार होगा।

वर्तमान में आप जिस राशि की चर दशा से गुजर रहे हैं, उस राशि से आठवें भाव में दो या अधिक अशुभ ग्रह स्थित हैं। उस राशि में कोई भी शुभ ग्रह स्थित नहीं है। जैसाकि आठवां भाव गंभीर समस्याओं और कठिनाइयों का सूचक है। अतः यह बिल्कुल भी अनुकूल योग नहीं है। इस दशा अवधि के दौरान, आप पेशेके क्षेत्र में कठिन स्थिति का सामना कर सकते हैं, आपकी आय आपके प्रयासों अथवा अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं हो सकता है। आप अपने वरिष्ठों या अधिकारियां के कोप का भाजन बन सकते हैं तथा भयानक परिणामों का सामना करने का खतरा हो सकता है। जो कुछ भी हो रहा है, वह सुचारू ढंग से नहीं हो सकता है तथा आपको अपनी स्थिति बनाये रखने में कठिनाई हो सकती है। लेकिन, तब भी आप कुछ लोगों का समर्थन प्राप्त कर सकते हैं, जो कि निम्न सामाजिक–आर्थिक स्तर के हो सकते हैं। यदि आप व्यापार में हैं, तो आपकी परिस्थितियां काफी नुकसानदायक होंगी, और यह काफी मंदा हो सकता है।धन की कमी के कारण आप अपने वादों को निभाने में सक्षम नहीं हो सकते हैं।

आपकी जन्मकुण्डली में, वर्तमान में आप जिस राशि की चर दशा से गुजर रहे हैं, उसका स्वामी आपके लग्न से पाँचवें भाव में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। इसके अतिरिक्त, उसी दशा राशि से दसवें भाव का स्वामी आपके लग्न से दसवें भाव में स्थित है या इस पर दृष्टिडाल रहा है। जैसाकि दसवां भाव पेशे का संचालक है, जबकि पाँचवां भाव पद का सूचक है, अतः यहएक अत्यंत अनुकूल योग का निर्माण कर रहा है। इस दशा अवधि के दौरान, आप पेशे के क्षेत्र में अत्यंत उत्तम प्रगति की आशा कर सकते हैं। आप एक नया रोजगार प्राप्त कर सकते हैं अथवा एक प्रतिष्ठित पद तक पहुंच सकते हैं। आप निरन्तर अत्यधिक लोकप्रिय हो सकते हैं और सामान्य लोग आपकेसाथ अधिक सम्मान का व्यवहार करेंगे। यदि आप व्यापार के क्षेत्र में हैं, तो आपकी परिस्थितियां अधिक लाभदायक होंगी, इसमें बहुत तेजी आयेगी तथा आपकी आय में भी काफी सुधार होगा।

आपकी जन्मकुण्डली में, वर्तमान में आप जिस राशि की चर दशा से गुजर रहे हैं, उस राशि से गणना करने पर एक या एक से अधिक अशुभ ग्रह क्रमशः दूसरी और बारहवीं राशि में स्थित है। यह इस राशि केलिए पाप–कर्तरी योग का निर्माण करता है, जो कि बहुत एक प्रतिकूल योग है। इस दशा के दौरान आपकुछ हानिकारक परिवर्तनों से गुजर सकते हैं। अपने पेशे के क्षेत्र में आप अस्थाई आघात का सामना कर सकते हैं और आपकी आय में धीरे–धीरे कमी आ सकती है। आपको कुछ हानियां भी हो सकती हैं अथवा धन के अवरोध से बुरी तर प्रभावित हो सकते हैं। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी कुछ हद तक बिगड़सकता है।

मकर भुक्ति (18:12:1975 से 18:12:1976)

वर्तमान में आप मकर राशि की भुक्ति–अवधि से गुजर रहे हैं– जिसका राशि–स्वामी आपकी कुण्डली में बुरी तरह से ग्रसित है (केतु से 3 डिग्री 20 मिनट के अंदर स्थित है)। इसके कुछ प्रतिकूल संकेत हैं। इस भुक्ति अवधि के दौरान, आप किसी आकस्मिक और अप्रत्याशित घटना आदि के कारण विचारों में भ्रम की स्थिति से गुजर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, आप अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए गलत तरीकों का प्रयोगकरने की कोशिश कर सकते हैं। आप गंभीर आघात का सामना कर सकते हैं और आर्थिक परेशानियों से गुजर सकते हैं। आपके रिश्तेदार या पूर्व मित्र आपका परित्याग कर सकते हैं तथा आप भिन्नसमुदाय और/या निम्न सामाजिक–आर्थिक स्तर के लोगों के साथ संबंध विकसित कर सकते

हैं।

वर्तमान में, आप वृष दशा में, मकर भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग काफी प्रतिकूल है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रबल संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको अपने पेशे के क्षेत्र में गंभीर आघात का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप नौकरी में हैं, तो आपको नौकरी छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है। यदि आप व्यापार में हैं, तो आपको भारी हानियां हो सकती हैं। आपको अपना निवास स्थान भी छोड़ना पड़ सकता है अथवा किसी असुविधाजनक स्थान पर जाना पड़ सकता है।

धनु भुक्ति (18:12:1976 से 18:12:1977)

वर्तमान में, आप वृष दशा में, धनु भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग काफी प्रतिकूल है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रबल संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको अपने पेशे के क्षेत्र में गंभीर आघात का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप नौकरी में हैं, तो आपको नौकरी छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है। यदि आप व्यापार में हैं, तो आपको भारी हानियां हो सकती हैं। आपको अपना निवास स्थान भी छोड़ना पड़ सकता है अथवा किसी असुविधाजनक स्थान पर जाना पड़ सकता है।

वर्तमान में, आप वृष दशा में, धनु भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग अत्यंत अनुकूल है। इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको एक लाभप्रद पदोन्नति अथवा एक नया रोजगार प्राप्त होने की संभावना अत्यधिक है। आपके रहन–सहन के स्तर में सुधार होगा और आपकी संतुष्टि में वृद्धि होगी।

वर्तमान में आप वृष दशा (जो कि एक साल तक चलेगा) में धनु भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी जन्मकुण्डली में आपके लग्न से गणना करने पर चतुर्थेश या अष्टमेश दशा–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। इसके अतिरिक्त, आपकी दशा–राशि से गणना करने पर चतुर्थेश या अष्टमेश भुक्ति–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है, और भुक्ति–राशि से गणना करने पर चतुर्थेश या अष्टमेश दशा–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। यह प्रतिकूल आंतरिक संबंध बन रहा है। जैसाकि आठवां भाव नौवें भावसे बारहवां है और चौथा भाव नौवें भाव से आठवां है। अतः आपके पिता का स्वास्थ्य व सुख आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। या फिर अथवा साथ ही, आप किसी दुर्घटना का सामना कर सकते हैं।

वृश्चिक भुक्ति (18:12:1977 से 18:12:1978)

वर्तमान में, आप वृष दशा में, वृश्चिक भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग काफी प्रतिकूल है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रबल संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको अपने पेशे के क्षेत्र में गंभीर आघात का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप नौकरी में हैं, तो आपको नौकरी छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है। यदि आप व्यापार में हैं, तो आपको भारी हानियां हो सकती हैं। आपको अपना निवास स्थान भी छोड़ना पड़ सकता है अथवा किसी असुविधाजनक स्थान पर जाना पड़ सकता है।

वर्तमान में, आप वृष दशा में, वृश्चिक भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग अत्यंत अनुकूल है। इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको एक लाभप्रद पदोन्नति अथवा एक नया रोजगार प्राप्त होने की संभावना अत्यधिक है। आपके रहन–सहन के स्तर में सुधार होगा और आपकी संतुष्टि में वृद्धि होगी।

वर्तमान में आप वृश्चिक दशा में वृष भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में आपके लग्न से गणना करने पर सप्तमेश दशा–राशि में स्थित है (या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। आपके लग्न से गणना करने पर द्वितीयेश भी दशा–राशि में स्थित है (या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। इसके अतिरिक्त आपकी दशा–राशि से गणना करने पर भी सप्तमेश भुक्ति राशि मेंस्थित है (या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), दशा–राशि से गणना करने द्वितीयेश भी भुक्ति–राशि में स्थित है (या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। इससे आगे, आपकी भुक्ति–राशि से गणना करने पर सप्तमेश दशा–राशि में स्थित है (या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), आपकी भुक्ति–राशि से गणना करने पर द्वितीयेश भी दशा–राशि में स्थित है (या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग अत्यंत शुभ है। यदिअभी तक आपका विवाह नहीं हुआ है, तो इस अवधि के दौरान (जो कि एक साल तक चलेगा) आपकाविवाह होने की बहुत अधिक संभावना है। इसकी भी काफी संभावना है कि यह विवाह समारोह मकरअन्तर (जो कि केवल एक माह तक चलती है) या इसके आस–पास किसी समय हो सकता है।

तुला भुक्ति (18:12:1978 से 18:12:1979)

वर्तमान में, आप वृष दशा में, तुला भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग अत्यंत अनुकूल है। इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको एक लाभप्रद पदोन्नति अथवा एक नया रोजगार प्राप्त होने की संभावना अत्यधिक है। आपके रहन–सहन के स्तर में सुधार होगा और आपकी संतुष्टि में वृद्धि होगी।

कन्या भुक्ति (18:12:1979 से 18:12:1980)

वर्तमान में, आप वृष दशा में, कन्या भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करनेपर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग अत्यंत अनुकूल है। इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको एक लाभप्रद पदोन्नति अथवा एक नया रोजगार प्राप्त होने की संभावना अत्यधिक है। आपके रहन–सहन के स्तर में सुधार होगा और आपकी संतुष्टि में वृद्धि होगी।

सिहं भुक्ति (18:12:1980 से 18:12:1981)

वर्तमान में आप सिहं राशि की भुक्ति–अवधि से गुजर रहे हैं– जिसका राशि–स्वामी आपकी कुण्डली में बुरी तरह से ग्रसित है (राहु से 3 डिग्री 20 मिनट के अंदर स्थित है)। इसके कुछ प्रतिकूल संकेत हैं। इस भुक्ति अवधि के दौरान, आप किसी आकस्मिक और अप्रत्याशित घटना आदि के कारण विचारों में भ्रम की स्थिति से गुजर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, आप अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए गलत तरीकों का प्रयोगकरने की कोशिश कर सकते हैं– जिसकी वजह से आप संदिग्ध पृष्ठभूमि या संदेहशील प्रकृति के लोगों के साथ गंभीर विवाद या मुसीबत में फंस सकते हैं।

वर्तमान में, आप वृष दशा में, सिहं भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग अत्यंत अनुकूल है। इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको एक लाभप्रद पदोन्नति अथवा एक नया रोजगार प्राप्त होने की संभावना अत्यधिक है। आपके रहन–सहन के स्तर में सुधार होगा और आपकी संतुष्टि में वृद्धि होगी।

वर्तमान में आप वृष दशा (जो कि एक साल तक चलेगा) में सिहं भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी जन्मकुण्डली में आपके लग्न से गणना करने पर चतुर्थेश या अष्टमेश दशा–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। इसके अतिरिक्त, आपकी दशा–राशि से गणना करने पर चतुर्थेश या अष्टमेश भुक्ति–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है, और भुक्ति–राशि से गणना करने पर चतुर्थेश या अष्टमेश दशा–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। यह प्रतिकूल आंतरिक संबंध बन रहा है। जैसाकि आठवां भाव नौवें भावसे बारहवां है और चौथा भाव नौवें भाव से आठवां है। अतः आपके पिता का स्वास्थ्य व सुख आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। या फिर अथवा साथ ही, आप किसी दुर्घटना का सामना कर सकते हैं।

कर्क भुक्ति (18:12:1981 से 18:12:1982)

वर्तमान में, आप वृष दशा में, कर्क भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग काफी प्रतिकूल है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रबल संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको अपने पेशे के क्षेत्र में गंभीर आघात का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप नौकरी में हैं, तो आपको नौकरी छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है। यदि आप व्यापार में हैं, तो आपको भारी हानियां हो सकती हैं। आपको अपना निवास स्थान भी छोड़ना पड़ सकता है अथवा किसी असुविधाजनक स्थान पर जाना पड़ सकता है।

मिथुन भुक्ति (18:12:1982 से 18:12:1983)

वर्तमान में, आप वृष दशा में, मिथुन भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करनेपर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग काफी प्रतिकूल है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रबल संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको अपने पेशे के क्षेत्र में गंभीर आघात का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप नौकरी में हैं, तो आपको नौकरी छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है। यदि आप व्यापार में हैं, तो आपको भारी हानियां हो सकती हैं। आपको अपना निवास स्थान भी छोड़ना पड़ सकता है अथवा किसी असुविधाजनक स्थान पर जाना पड़ सकता है।

वर्तमान में, आप वृष दशा में, मिथुन भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करनेपर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग अत्यंत अनुकूल है। इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको एक लाभप्रद पदोन्नति अथवा एक नया रोजगार प्राप्त होने की संभावना अत्यधिक है। आपके रहन–सहन के स्तर में सुधार होगा और आपकी संतुष्टि में वृद्धि होगी।

वर्तमान में आप जैमिनी चर दशा के अनुसार मिथुन राशि की भुक्ति से गुजर रहे हैं। शनि इस राशि में स्थित है और यह ना तो उच्चस्थ है व ना ही अपनी राशि में स्थित है। केतु भी इस राशि में स्थित है औरयह उच्चस्थ नहीं है। समग्र योग बहुत अनुकूल नहीं है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो इस दशा के प्रारम्भ के आस–पास और/या इस दशा के समाप्ति के आस–पास किसी अप्रत्याशि स्रोत और/या कुछ अनदेखे कारणों से आकस्मिक रूप से उत्पन्न कुछ गंभीर मुसीबतों का सामना कर सकते हैं। अतः आपको इस निर्देशित समय के आस–पास बहुत सावधान और सतर्क रहना चाहिए।

मकर दशा (18:12:1983 से 18:12:1990)

वर्तमान में आप उस राशि की चर दशा से गुजर रहे हैं, जिस पर बुध की दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) पड़

रही है। जैसाकि बुध सामान्य एवं तकनीकी शिक्षा तथा सभी प्रकार के बौद्धिक क्षेत्रों का नैसर्गिक कारक है,इस दशा के दौरान आपकी शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति की संभावना काफी उत्तम है। इसके अतिरिक्त, आपअनौपचारिक अध्ययन भी जारी रख सकते हैं। यदि आप किसी अन्य बौद्धिक कार्यों में संलग्न हैं, तो आप उत्तम उन्नति की आशा कर सकते हैं।

वर्तमान समय में आप उस राशि की चर दशा से गुजर रहे हैं, जिसमें मैत्री–कारक ग्रह स्थित है। यह कारक कुछ हद तक शिक्षा का कारक भी है, लेकिन जैसाकि यह ना तो उच्चस्थ है अथवा ना ही अपने भाव में स्थित है। आपकी कुण्डली में यह मात्र एक सामान्य रूप से अच्छा योग है। आप लाभदायक परिणाम प्राप्त करने की उम्मीद कर सकते हैं। इस दशा के दौरान शिक्षा ग्रहण करने की संभावना काफी उत्तम है। इसके अतिरिक्त, आप अनौपचारिक शिक्षा भी जारी रख सकते हैं।

वर्तमान में आप उस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, जिसमें चतुर्थेश स्थित है। यद्यपि चतुर्थेश आपकी जन्मकुण्डली में शक्तिशाली रूप से व्यवस्थित नहीं है– जैसाकि यह ना तो उच्चस्थ है और ना ही अपनी राशि में स्थित है, जैसाकि यह शिक्षा का मुख्य कारक है, इसलिए यह अब भी एक बहुत लाभदायक योग है। आप लाभदायक परिणाम प्राप्त करने की उम्मीद कर सकते हैं। इस दशा के दौरान शिक्षा ग्रहण करने की आपकी संभावना काफी उत्तम है। इसके अतिरिक्त, आप अनौपचारिक शिक्षा भी जारी रख सकते हैं।

वर्तमान में उस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, जिस पर पंचमेश की दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) पड़ रही है। जैसाकि पंचमेश स्मृति, प्रतिभा आदि का कारक है, यह एक अनुकूल योग है। आप कुछ लाभदायक परिणाम प्राप्त करने की उम्मीद कर सकते हैं। इस दशा के दौरान शिक्षा ग्रहण करने की आपकी संभावना काफी उत्तम है। इसके अतिरिक्त, आप अनौपचारिक शिक्षा भी जारी रख सकते हैं।

वर्तमान में आप उस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, जिसमें नवमेश स्थित है। यद्यपि नवमेश आपकी जन्मकुण्डली में शक्तिशाली रूप से व्यवस्थित नहीं है– जैसाकि यह ना तो उच्चस्थ है और ना ही अपनी राशि में स्थित है, जैसाकि नवमेश उच्च शिक्षा का कारक है, इसलिए यह अब भी एक बहुत लाभदायक योग है। आप लाभदायक परिणाम प्राप्त करने की उम्मीद कर सकते हैं। इस दशा के दौरान शिक्षा ग्रहण करने की आपकी संभावना काफी उत्तम है। इसके अतिरिक्त, आप अनौपचारिक शिक्षा भी जारी रख सकते हैं।

वर्तमान में आप उस राशि की चर दशा से गुजर रहे हैं, जिस पर बुध की दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) पड़ रही है। बुध सामान्य एवं तकनीकी शिक्षा तथा सभी प्रकार के बौद्धिक क्षेत्रों का नैसर्गिक कारक है। अतः यह एक बहुत अनुकूल योग है। इस दशा के दौरान आप कुछ लाभदायक परिणाम प्राप्त करने की आशा कर सकते हैं। आपकी शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति की संभावना काफी उत्तम है। इसके अतिरिक्त, आप अनौपचारिक अध्ययन भी जारी रख सकते हैं।

वर्तमान में आप जिस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, उस राशि से गणना करने पर पाँचवें भाव का स्वामी आपके लग्न से पाँचवें भाव में स्थित है। यद्यपि यह ग्रह आपकी कुण्डली में शक्तिशाली रूप से व्यवस्थित नहीं है– जैसाकि यह उच्चस्थ या अपने भाव में स्थित नहीं है। तब भी यह एक काफी अनुकूल योग है। इस दशा के दौरान आपकी शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति की संभावना काफी उत्तम है। इसके अतिरिक्त, आप अनौपचारिक अध्ययन भी जारी रख सकते हैं। इन सभी मामलों में आप बहुत उत्तम करने की आशा कर सकते हैं।

वर्तमान में आप उस राशि की चर दशा से गुजर रहे हैं, जिसे बृहस्पति और बुध, दोनों ग्रह प्रभावित कर रहेहैं। बृहस्पति इसमें स्थित है और बुध इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। यह एक

बहुत अनुकूल योग है। इस दशा के दौरान आपकी शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति की संभावना काफी उत्तम है। इसके अतिरिक्त, आप अनौपचारिक अध्ययन भी जारी रख सकते हैं। इन सभी मामलों में बहुत उत्तम करनेकी आशा कर सकते हैं।

वर्तमान समय में आप उस राशि की चर दशा से गुजर रहे हैं, जो कि आपके लग्न से पाँचवें भाव की राशिके अनुकूल है। अन्य चीजों के साथ, पाँचवां भाव ओहदा, पद आदि का भाव है। इस दशा के दौरान, आपको नयी नौकरी प्राप्त हो सकती है, आपका स्थानान्तरण हो सकता है अथवा आपकी पदोन्नति हो सकती है। जैसाकि एक या एक से अधिक शुभ ग्रह इस राशि में स्थित हैं और कोई भी अशुभ ग्रह इस राशि में नहीं बैठा है, आपमें लाभदायक बदलाव होगा। आपके पारिश्रमिक में वृद्धि होगी और आपको भरपूरलाभ भी प्राप्त होगा। यदि आप व्यापार के क्षेत्र में हैं, तो परिस्थतियां निरन्तर लाभदायक होती जायेंगीऔर आपकी आय में भी धीरे–धीरे सुधार होगा।

वर्तमान में आप उस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, जिसमें आपका अमात्य–कारक ग्रह (सप्त–कारक योजना के अनुसार) स्थित है। अमात्य–कारक ग्रह पेशे के क्षेत्र में प्रगति का संचालक है। इस दशा के दौरान, आप पेशे के क्षेत्र में अधिक उन्नति करेंगे। आप एक आकर्षक नया रोजगार प्राप्त कर सकते हैं अथवा एक प्रतिष्ठित पद तक पहुंच सकते हैं। आपका नाम व यश दूर दूर तक फैलेगा तथा लोग आपके साथ अधिक सम्मान का व्यवहार करेंगे। यदि आप व्यापार के क्षेत्र में हैं, परिस्थितियां निरन्तर लाभदायक होती जायेंगी और आपकी आय में काफी सुधार होगा।

वर्तमान में आप उस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, जिसका स्वामी आपके लग्न से दसवें भाव में स्थित है। दसवां भाव पेशे से संबंधित मामलों का शासक है। इस दशा के दौरान, आप पेशे के क्षेत्र में अधिक उन्नति करेंगे। आप एक आकर्षक नया रोजगार प्राप्त कर सकते हैं अथवा एक प्रतिष्ठित पद तक पहुंच सकते हैं। आपका नाम व यश दूर दूर तक फैलेगा तथा लोग आपके साथ अधिक सम्मान का व्यवहार करेंगे। यदि आप व्यापार के क्षेत्र में हैं, तो परिस्थितियां निरन्तर लाभदायक होती जायेंगी और आपकी आय में काफी सुधार होगा।

वर्तमान में आप जिस राशि की चर दशा से गुजर रहे हैं, आपकी जन्मकुण्डली में, एक या एक से अधिक अशुभ ग्रह उस राशि से छठवें भाव में स्थित हैं। उस राशि में कोई भी शुभ ग्रह स्थित नहीं है। जैसाकि छठवां भाव नौकरी और प्रतियोगिता का सूचक है, अतः यह अनेक मामलों में बहुत अनुकूल योग है। इस दशा अवधि के दौरान आप पेशे के क्षेत्र में अत्यंत प्रगति की आशा कर सकते हैं। संभवतः आप किसी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप एक नया रोजगार प्राप्त कर सकते हैं अथवा स्थानान्तरण हो सकता है अथवा पदोन्नति हो सकती है। आपका पद और पारिश्रमिक बहुत बढ़िया हो सकता है। जैसाकि छठवां भाव शत्रु व रोग का भी सूचक है, आपके शत्रु पूर्णतः परास्त होंगे, किन्तु आपकास्वास्थ्य कुछ हद तक नाजुक हो सकता है। यदि आप व्यापार में हैं, तो आपके लिए नये मार्ग खुल सकते हैं और आप काफी तेजी से आगे बढ़ सकते हैं।

आपकी जन्मकुण्डली में, वर्तमान में आप जिस राशि की चर दशा से गुजर रहे हैं, उसका स्वामी आपके लग्न से दसवें भाव में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। इसके अतिरिक्त, उसी दशा राशि से दसवें भाव का स्वामी आपके लग्न से पाँचवें भाव में स्थित है या इस पर दृष्टि डाल रहा है। जैसाकि दसवां भाव पेशे का संचालक है, जबकि पाँचवां भाव पद का सूचक है, अतः यह एक अत्यंत अनुकूल योग का निर्माण कर रहा है। इस दशा अवधि के दौरान, आप पेशे के क्षेत्र में अत्यंत उत्तम प्रगति की आशा कर सकते हैं। आप एक नया रोजगार प्राप्त कर सकते हैं अथवा एक प्रतिष्ठित पद तक पहुंच सकते हैं। आप निरन्तर अत्यधिक लोकप्रिय हो सकते हैं और सामान्य लोग आपकेसाथ अधिक सम्मान का व्यवहार करेंगे। यदि आप व्यापार के क्षेत्र में हैं, तो आपकी परिस्थितियां

अधिक लाभदायक होंगी, इसमें बहुत तेजी आयेगी तथा आपकी आय में भी काफी सुधार होगा।

आपकी जन्मकुण्डली में, वर्तमान में आप जिस राशि की चर दशा से गुजर रहे हैं, उस राशि से गणना करने पर पंचमेश और दशमेश एक ही ग्रह है। यह आपके लग्न से पाँचवें भाव में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। जैसाकि दसवां भाव पेशे का सूचक है और पाँचवां भाव पदका प्रतीक है। अतः यह एक अनुकूल योग है। इस दशा के दौरान, रोजगार/व्यापार से संबंधित मामलोंमें, आपकी स्थिति में सुधार हो सकता है। आपके रोजगार में परिवर्तन, स्थानान्तरण या पदोन्नति हो सकती है। आपका निवास स्थान भी परिवर्तित हो सकता है और आपको एक बेहतर आवास प्राप्त हो सकता है। यदि आप व्यापार के क्षेत्र में हैं, तो आप कोई नया व्यवसाय प्रारम्भ कर सकते हैं अथवा किसी और अधिक लाभदायक स्थान पर जा सकते हैं।

वर्तमान में आप मकर राशि की दशा–अवधि से गुजर रहे हैं– जिसका राशि–स्वामी आपकी कुण्डली में बुरीतरह से ग्रसित है (केतु से 3 डिग्री 20 मिनट के अंदर स्थित है)। इसके कुछ प्रतिकूल संकेत हैं। इस दशा अवधि के दौरान, आप किसी आकस्मिक और अप्रत्याशित घटना आदि के कारण विचारों में भ्रम की स्थिति से गुजर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, आप अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए गलत तरीकों का प्रयोगकरने की कोशिश कर सकते हैं। आप गंभीर आघात का सामना कर सकते हैं और आर्थिक परेशानियों से गुजर सकते हैं। आपके रिश्तेदार या पूर्व मित्र आपका परित्याग कर सकते हैं तथा आप भिन्नसमुदाय और/या निम्न सामाजिक–आर्थिक स्तर के लोगों के साथ संबंध विकसित कर सकते हैं।

आपकी कुण्डली में धनु राशि में दारा–कारक ग्रह स्थित है, वृश्चिक राशि दारा–पद राशि है, मकर राशि मेंविवाह का नैसर्गिक कारक ग्रह स्थित है तथा मेष राशि उप–पद राशि है। इनमें से किसी भी राशि की दशा, इनमें से किसी भी राशि की भुक्ति और इनमें से किसी भी राशि के अंतर के दौरान आपका विवाह होने की संभावना है। (स्पष्टतः उपयुक्त आयु के अन्तर्गत होगा। इन दशा–भुक्ति–अंतर संयोजन के समय के लिए जैमिनी चर दशा और त्रिकोण दशा को निर्देशित की जा सकती है– राघव भट्ट और नृसिंह सूरी की विभाजन (भुक्ति) और उपविभाजन (अंतर) के अनुसार। एक अंतर–अवधि केवल एक महीने के लिए होती है। इसलिए मुहूर्त और गोचर आदि के निर्णय लेते समय अन्य पक्षों के कारण कुछ दिनों के अन्तर को भी माना जा सकता है)।

मिथुन भुक्ति (18:12:1983 से 18:12:1984)

वर्तमान में आप मकर राशि की चर दशा से गुजर रहे हैं और मिथुन राशि की भुक्ति (एक वर्ष के लिए) चल रही है। शुक्र या लग्न से सप्तमेश या दारा–कारक ग्रह (सप्तकारक योजना के अनुसार) – जिसमें सेप्रत्येक किसी ना किसी प्रकार से विवाह का कारक है– दशा–राशि में स्थित है। इसके अतिरिक्त, दशा–राशि से सप्तमेश और भुक्ति–राशि से सप्तमेश की युति है। यह युति आपके लग्न से सातवें भाव में स्थित है या इस पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। यह एक अत्यंत अनुकूल योग है। यदि आपकी आयु विवाह योग्य है और अविवाहित हैं तो इस दशा के दौरान आपका विवाह हो सकता है। या फिर अथवा साथ ही, आप एक साझेदारी या सहभागिता में संलग्न हो सकते हैं– जो कि लम्बे समय तक चलेगा और आपके लिए अनेक प्रकार के लाभों का अग्रदूत होगा। इस भुक्ति–अवधि के दौरान, मकर और मिथुन राशि में प्रत्येक की अंतर–अवधि एक महीने के लिए चलेगी– इन दोनों अवधियों में से किसी अवधि के दौरान घटनायें होने की संभावना अत्यधिक है।

वर्तमान में, आप मकर दशा में, मिथुन भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर

दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग काफी प्रतिकूल है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रबल संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको अपने पेशे के क्षेत्र में गंभीर आघात का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप नौकरी में हैं, तो आपको नौकरी छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है। यदि आप व्यापार में हैं, तो आपको भारी हानियां हो सकती हैं। आपको अपना निवास स्थान भी छोड़ना पड़ सकता है अथवा किसी असुविधाजनक स्थान पर जाना पड़ सकता है।

वर्तमान में आप जैमिनी चर दशा के अनुसार मिथुन राशि की भुक्ति से गुजर रहे हैं। शनि इस राशि में स्थित है और यह ना तो उच्चस्थ है व ना ही अपनी राशि में स्थित है। केतु भी इस राशि में स्थित है औरयह उच्चस्थ नहीं है। समग्र योग बहुत अनुकूल नहीं है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो इस दशा के प्रारम्भ के आस–पास और/या इस दशा के समाप्ति के आस–पास किसी अप्रत्याशि स्रोत और/या कुछ अनदेखे कारणों से आकस्मिक रूप से उत्पन्न कुछ गंभीर मुसीबतों का सामना कर सकते हैं। अतः आपको इस निर्देशित समय के आस–पास बहुत सावधान और सतर्क रहना चाहिए।

कर्क भुक्ति (18:12:1984 से 18:12:1985)

वर्तमान में, आप मकर दशा में, कर्क भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करनेपर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग काफी प्रतिकूल है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रबल संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको अपने पेशे के क्षेत्र में गंभीर आघात का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप नौकरी में हैं, तो आपको नौकरी छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है। यदि आप व्यापार में हैं, तो आपको भारी हानियां हो सकती हैं। आपको अपना निवास स्थान भी छोड़ना पड़ सकता है अथवा किसी असुविधाजनक स्थान पर जाना पड़ सकता है।

सिहं भुक्ति (18:12:1985 से 18:12:1986)

वर्तमान में आप सिहं राशि की भुक्ति–अवधि से गुजर रहे हैं– जिसका राशि–स्वामी आपकी कुण्डली में बुरी तरह से ग्रसित है (राहु से 3 डिग्री 20 मिनट के अंदर स्थित है)। इसके कुछ प्रतिकूल संकेत हैं। इस भुक्ति अवधि के दौरान, आप किसी आकस्मिक और अप्रत्याशित घटना आदि के कारण विचारों में भ्रम की स्थिति से गुजर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, आप अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए गलत तरीकों का प्रयोगकरने की कोशिश कर सकते हैं– जिसकी वजह से आप संदिग्ध पृष्ठभूमि या संदेहशील प्रकृति के लोगों के साथ गंभीर विवाद या मुसीबत में फंस सकते हैं।

वर्तमान में, आप मकर दशा में, सिहं भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करनेपर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार)

डाल रहा है)। यह समग्र योग काफी प्रतिकूल है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रबल संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको अपने पेशे के क्षेत्र में गंभीर आघात का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप नौकरी में हैं, तो आपको नौकरी छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है। यदि आप व्यापार में हैं, तो आपको भारी हानियां हो सकती हैं। आपको अपना निवास स्थान भी छोड़ना पड़ सकता है अथवा किसी असुविधाजनक स्थान पर जाना पड़ सकता है।

कन्या भुक्ति (18:12:1986 से 18:12:1987)

वर्तमान में आप मकर राशि की चर दशा से गुजर रहे हैं और कन्या राशि की भुक्ति (एक वर्ष के लिए) चल रही है। शुक्र या लग्न से सप्तमेश या दारा–कारक ग्रह (सप्तकारक योजना के अनुसार) – जिसमें सेप्रत्येक किसी ना किसी प्रकार से विवाह का कारक है– दशा–राशि में स्थित है। इसके अतिरिक्त, दशा–राशि से सप्तमेश और भुक्ति–राशि से सप्तमेश की युति है। यह युति आपके लग्न से सातवें भाव में स्थित है या इस पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। यह एक अत्यंत अनुकूल योग है। यदि आपकी आयु विवाह योग्य है और अविवाहित हैं तो इस दशा के दौरान आपका विवाह हो सकता है। या फिर अथवा साथ ही, आप एक साझेदारी या सहभागिता में संलग्न हो सकते हैं– जो कि लम्बे समय तक चलेगा और आपके लिए अनेक प्रकार के लाभों का अग्रदूत होगा। इस भुक्ति–अवधि के दौरान, मकर और कन्या राशि में प्रत्येक की अंतर–अवधि एक महीने के लिए चलेगी– इन दोनों अवधियों में से किसी अवधि के दौरान घटनायें होने की संभावना अत्यधिक है।

वर्तमान में आप कन्या दशा में मकर भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में आपके लग्न से गणना करने पर सप्तमेश दशा–राशि में स्थित है (या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। आपके लग्न से गणना करने पर द्वितीयेश भी दशा–राशि में स्थित है (या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। इसके अतिरिक्त आपकी दशा–राशि से गणना करने पर भी सप्तमेश भुक्ति राशि मेंस्थित है (या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), दशा–राशि से गणना करने द्वितीयेश भी भुक्ति–राशि में स्थित है (या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। इससे आगे, आपकी भुक्ति–राशि से गणना करने पर सप्तमेश दशा–राशि में स्थित है (या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), आपकी भुक्ति–राशि से गणना करने पर द्वितीयेश भी दशा–राशि में स्थित है (या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग अत्यंत शुभ है। यदिअभी तक आपका विवाह नहीं हुआ है, तो इस अवधि के दौरान (जो कि एक साल तक चलेगा) आपकाविवाह होने की बहुत अधिक संभावना है। इसकी भी काफी संभावना है कि यह विवाह समारोह मकरअन्तर (जो कि केवल एक माह तक चलती है) या इसके आस–पास किसी समय हो सकता है।

वृश्चिक भुक्ति (18:12:1988 से 18:12:1989)

वर्तमान में, आप मकर दशा में, वृश्चिक भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग काफी प्रतिकूल है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रबल संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको अपने पेशे के क्षेत्र में गंभीर आघात का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप नौकरी में हैं, तो आपको नौकरी छोड़ने के

लिए बाध्य होना पड़ सकता है। यदि आप व्यापार में हैं, तो आपको भारी हानियां हो सकती हैं। आपको अपना निवास स्थान भी छोड़ना पड़ सकता है अथवा किसी असुविधाजनक स्थान पर जाना पड़ सकता है।

धनु भुक्ति (18:12:1989 से 18:12:1990)

वर्तमान में आप मकर राशि की चर दशा से गुजर रहे हैं और धनु राशि की भुक्ति (एक वर्ष के लिए) चल रही है। शुक्र या लग्न से सप्तमेश या दारा–कारक ग्रह (सप्तकारक योजना के अनुसार) – जिसमें से प्रत्येक किसी ना किसी प्रकार से विवाह का कारक है– दशा–राशि में स्थित है। इसके अतिरिक्त, दशा–राशि से सप्तमेश और भुक्ति–राशि से सप्तमेश की युति है। यह युति आपके लग्न से सातवें भाव में स्थित है या इस पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। यह एक अत्यंत अनुकूल योग है। यदि आपकी आयु विवाह योग्य है और अविवाहित हैं तो इस दशा के दौरान आपका विवाह हो सकता है। या फिर अथवा साथ ही, आप एक साझेदारी या सहभागिता में संलग्न हो सकते हैं– जो कि लम्बे समय तक चलेगा और आपके लिए अनेक प्रकार के लाभों का अग्रदूत होगा। इस भुक्ति–अवधि के दौरान, मकर और धनु राशि में प्रत्येक की अंतर–अवधि एक महीने के लिए चलेगी– इन दोनों अवधियों में से किसी अवधि केदौरान घटनायें होने की संभावना अत्यधिक है।

वर्तमान में आप मकर राशि की चर दशा से गुजर रहे हैं और धनु राशि की भुक्ति (एक वर्ष के लिए) चल रही है। शुक्र या लग्न से सप्तमेश या दारा–कारक ग्रह (सप्तकारक योजना के अनुसार) – जिसमें से प्रत्येक किसी ना किसी प्रकार से विवाह का कारक है– दशा–राशि में स्थित है। इसके अतिरिक्त, दशा–राशि से सप्तमेश और भुक्ति–राशि से सप्तमेश की युति है। यह युति आपके लग्न से सातवें भाव में स्थित है या इस पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। यह एक अत्यंत अनुकूल योग है। यदि आपकी आयु विवाह योग्य है और अविवाहित हैं तो इस दशा के दौरान आपका विवाह हो सकता है। या फिर अथवा साथ ही, आप एक साझेदारी या सहभागिता में संलग्न हो सकते हैं– जो कि लम्बे समय तक चलेगा और आपके लिए अनेक प्रकार के लाभों का अग्रदूत होगा। इस भुक्ति–अवधि के दौरान, मकर और धनु राशि में प्रत्येक की अंतर–अवधि एक महीने के लिए चलेगी– इन दोनों अवधियों में से किसी अवधि केदौरान घटनायें होने की संभावना अत्यधिक है।

वर्तमान में, आप मकर दशा में, धनु भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करनेपर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग काफी प्रतिकूल है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रबल संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको अपने पेशे के क्षेत्र में गंभीर आघात का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप नौकरी में हैं, तो आपको नौकरी छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है। यदि आप व्यापार में हैं, तो आपको भारी हानियां हो सकती हैं। आपको अपना निवास स्थान भी छोड़ना पड़ सकता है अथवा किसी असुविधाजनक स्थान पर जाना पड़ सकता है।

सिहं दशा (18:12:1990 से 18:12:1998)

वर्तमान में आप उस राशि की चर दशा से गुजर रहे हैं, जिस पर मैत्री–कारक ग्रह अपनी दृष्टि (जैमिनी केअनुसार) डाल रहा है। यह कारक कुछ हद तक शिक्षा का कारक भी है। यह एक बढ़िया योग है।

आप लाभदायक परिणाम प्राप्त करने की उम्मीद कर सकते हैं। इस दशा के दौरान शिक्षा ग्रहण करने की संभावना काफी उत्तम है। इसके अतिरिक्त, आप अनौपचारिक शिक्षा भी जारी रख सकते हैं।

वर्तमान में उस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, जिस पर चतुर्थेश की दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) पड़ रही है। जैसाकि चतुर्थेश शिक्षा का मुख्य कारक है, यह एक अनुकूल योग है। आप कुछ लाभदायक परिणाम प्राप्त करने की उम्मीद कर सकते हैं। इस दशा के दौरान शिक्षा ग्रहण करने की आपकी संभावना काफी उत्तम है। इसके अतिरिक्त, आप अनौपचारिक शिक्षा भी जारी रख सकते हैं।

वर्तमान में उस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, जिस पर नवमेश की दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) पड़ रही है। जैसाकि नवमेश उच्च शिक्षा का कारक है, यह एक बहुत अनुकूल योग है। आप कुछ लाभदायक परिणाम प्राप्त करने की उम्मीद कर सकते हैं। इस दशा के दौरान शिक्षा ग्रहण करने की आपकी संभावना काफी उत्तम है। इसके अतिरिक्त, आप अनौपचारिक शिक्षा भी जारी रख सकते हैं।

वर्तमान में आप जिस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, उस राशि से गणना करने पर पाँचवें भाव का स्वामी आपके लग्न से पाँचवें भाव में स्थित है। यद्यपि यह ग्रह आपकी कुण्डली में शक्तिशाली रूप से व्यवस्थित नहीं है– जैसाकि यह उच्चस्थ या अपने भाव में स्थित नहीं है। तब भी यह एक काफी अनुकूल योग है। इस दशा के दौरान आपकी शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति की संभावना काफी उत्तम है। इसके अतिरिक्त, आप अनौपचारिक अध्ययन भी जारी रख सकते हैं। इन सभी मामलों में आप बहुत उत्तम करने की आशा कर सकते हैं।

वर्तमान में आप जिस राशि की चर दशा से गुजर रहे हैं, आपकी जन्मकुण्डली में, दो या दो से अधिक अशुभ ग्रह उस राशि से ग्यारहवें भाव में स्थित हैं। उस राशि में कोई भी शुभ ग्रह स्थित नहीं है। जैसाकि ग्यारहवां भाव आय और लाभ का कारक है, अतः यह एक बहुत अनुकूल योग नहीं है। इस दशा अवधि केदौरान, आप अपने पेशे के क्षेत्र में कुछ प्रगति की आशा कर सकते हैं, लेकिन आपकी आय आपके प्रयासोंअथवा आपकी अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं हो सकती है। आप एक नया रोजगार प्राप्त कर सकते हैं, या स्थानान्तरण हो सकता है या पदोन्नति हो सकती है। लेकिन आपका पद व स्थान केवल संतोषप्रद ही हो सकता है। आपके मित्रों व परिचितों का दायरा बढ़ सकता है, किन्तु वे लोग निम्न सामाजिक–आर्थिक स्तर के हो सकते हैं। यदि आप व्यापार के क्षेत्र में हैं, तो आपकी परिस्थितियां कम लाभदायक हो सकती हैं तथा थोड़ा मंदा हो सकता है। या फिर, आपको बड़े उतार–चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है।

आपकी जन्मकुण्डली में, वर्तमान में आप जिस राशि की चर दशा से गुजर रहे हैं, उसका स्वामी आपके लग्न से दसवें भाव में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। इसके अतिरिक्त, उसी दशा राशि से दसवें भाव का स्वामी आपके लग्न से पाँचवें भाव में स्थित है या इस पर दृष्टि डाल रहा है। जैसाकि दसवां भाव पेशे का संचालक है, जबकि पाँचवां भाव पद का सूचक है, अतः यह एक अत्यंत अनुकूल योग का निर्माण कर रहा है। इस दशा अवधि के दौरान, आप पेशे के क्षेत्र में अत्यंत उत्तम प्रगति की आशा कर सकते हैं। आप एक नया रोजगार प्राप्त कर सकते हैं अथवा एक प्रतिष्ठित पद तक पहुंच सकते हैं। आप निरन्तर अत्यधिक लोकप्रिय हो सकते हैं और सामान्य लोग आपकेसाथ अधिक सम्मान का व्यवहार करेंगे। यदि आप व्यापार के क्षेत्र में हैं, तो आपकी परिस्थितियां अधिक लाभदायक होंगी, इसमें बहुत तेजी आयेगी तथा आपकी आय में भी काफी सुधार होगा।

आपकी जन्मकुण्डली में, वर्तमान में आप जिस राशि की चर दशा से गुजर रहे हैं, उस राशि से गणना करने पर पंचमेश और दशमेश की एक साथ युति है। यह युति आपके लग्न से पाँचवें भाव में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। जैसाकि दसवां भाव पेशे का सूचक है और पाँचवां भाव पद का प्रतीक है। अतः यह एक अनुकूल योग है। इस दशा के दौरान, रोजगार/व्यापार से संबंधित

मामलों में, आपकी स्थिति में सुधार हो सकता है। आपके रोजगार में परिवर्तन, स्थानान्तरण या पदोन्नति होसकती है। आपका निवास स्थान भी परिवर्तित हो सकता है और आपको एक बेहतर आवास प्राप्त हो सकता है। यदि आप व्यापार के क्षेत्र में हैं, तो आप कोई नया व्यवसाय प्रारम्भ कर सकते हैं अथवा किसी और अधिक लाभदायक स्थान पर जा सकते हैं।

वर्तमान में आप सिहं राशि की दशा–अवधि से गुजर रहे हैं– जिसका राशि–स्वामी आपकी कुण्डली में बुरीतरह से ग्रसित है (राहु से 3 डिग्री 20 मिनट के अंदर स्थित है)। इसके कुछ प्रतिकूल संकेत हैं। इस दशा अवधि के दौरान, आप किसी आकस्मिक और अप्रत्याशित घटना आदि के कारण विचारों में भ्रम की स्थिति से गुजर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, आप अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए गलत तरीकों का प्रयोगकरने की कोशिश कर सकते हैं– जिसकी वजह से आप संदिग्ध पृष्ठभूमि या संदेहशील प्रकृति के लोगों के साथ गंभीर विवाद या मुसीबत में फंस सकते हैं।

धनु भुक्ति (18:12:1990 से 18:12:1991)

वर्तमान में, आप सिहं दशा में, धनु भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग काफी प्रतिकूल है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रबल संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको अपने पेशे के क्षेत्र में गंभीर आघात का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप नौकरी में हैं, तो आपको नौकरी छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है। यदि आप व्यापार में हैं, तो आपको भारी हानियां हो सकती हैं। आपको अपना निवास स्थान भी छोड़ना पड़ सकता है अथवा किसी असुविधाजनक स्थान पर जाना पड़ सकता है।

वर्तमान में, आप सिहं दशा में, धनु भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग अत्यंत अनुकूल है। इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको एक लाभप्रद पदोन्नति अथवा एक नया रोजगार प्राप्त होने की संभावना अत्यधिक है। आपके रहन–सहन के स्तर में सुधार होगा और आपकी संतुष्टि में वृद्धि होगी।

मकर भुक्ति (18:12:1991 से 18:12:1992)

वर्तमान में आप मकर राशि की भुक्ति–अवधि से गुजर रहे हैं– जिसका राशि–स्वामी आपकी कुण्डली में बुरी तरह से ग्रसित है (केतु से 3 डिग्री 20 मिनट के अंदर स्थित है)। इसके कुछ प्रतिकूल संकेत हैं। इस भुक्ति अवधि के दौरान, आप किसी आकस्मिक और अप्रत्याशित घटना आदि के कारण विचारों में भ्रम की स्थिति से गुजर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, आप अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए गलत तरीकों का प्रयोगकरने की कोशिश कर सकते हैं। आप गंभीर आघात का सामना कर सकते हैं और आर्थिक परेशानियों से गुजर सकते हैं। आपके रिश्तेदार या पूर्व मित्र आपका परित्याग कर सकते हैं तथा आप भिन्नसमुदाय और/या निम्न सामाजिक–आर्थिक स्तर के लोगों के साथ संबंध विकसित कर सकते

हैं।

वर्तमान में, आप सिहं दशा में, मकर भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करनेपर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग काफी प्रतिकूल है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रबल संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको अपने पेशे के क्षेत्र में गंभीर आघात का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप नौकरी में हैं, तो आपको नौकरी छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है। यदि आप व्यापार में हैं, तो आपको भारी हानियां हो सकती हैं। आपको अपना निवास स्थान भी छोड़ना पड़ सकता है अथवा किसी असुविधाजनक स्थान पर जाना पड़ सकता है।

वर्तमान में आप मकर दशा में (जो कि एक वर्ष तक चलेगी) सिहं भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी जन्मकुण्डली में, आपके लग्न से गणना करने पर एकादशेश या तृतीयेश दशा–राशि में स्थित है या इस परअपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। इसके अतिरिक्त, आपकी दशा–राशि से गणना करने परएकादशेश या तृतीयेश भुक्ति–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है, और भुक्ति–राशि से गणना करने पर एकादशेश या तृतीयेश दशा–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। यह प्रतिकूल आंतरिक संबंध बन रहा है। जैसाकि तीसरा भाव चौथे भाव से बारहवां है और ग्यारहवां भाव चौथे भाव से आठवां है। अतः आपकी माता का स्वास्थ्य व सुखआपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। या फिर अथवा साथ ही, आपकी संपत्ति की हानि हो सकती है।

कुम्भ भुक्ति (18:12:1992 से 18:12:1993)

वर्तमान में आप कुम्भ राशि की भुक्ति–अवधि से गुजर रहे हैं– जिसका राशि–स्वामी आपकी कुण्डली में बुरी तरह से ग्रसित है (केतु से 3 डिग्री 20 मिनट के अंदर स्थित है)। इसके कुछ प्रतिकूल संकेत हैं। इस भुक्ति अवधि के दौरान, आप किसी आकस्मिक और अप्रत्याशित घटना आदि के कारण विचारों में भ्रम की स्थिति से गुजर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, आप अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए गलत तरीकों का प्रयोगकरने की कोशिश कर सकते हैं। आप गंभीर आघात का सामना कर सकते हैं और आर्थिक परेशानियों से गुजर सकते हैं। आपके रिश्तेदार या पूर्व मित्र आपका परित्याग कर सकते हैं तथा आप भिन्नसमुदाय और/या निम्न सामाजिक–आर्थिक स्तर के लोगों के साथ संबंध विकसित कर सकते हैं।

वर्तमान में, आप सिहं दशा में, कुम्भ भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करनेपर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग काफी प्रतिकूल है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रबल संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको अपने पेशे के क्षेत्र में गंभीर आघात का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप नौकरी में हैं, तो आपको नौकरी छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है। यदि आप व्यापार में हैं, तो आपको भारी हानियां हो सकती हैं। आपको अपना निवास स्थान भी छोड़ना पड़ सकता है अथवा किसी असुविधाजनक स्थान पर जाना पड़ सकता है।

मीन भुक्ति (18:12:1993 से 18:12:1994)

वर्तमान में, आप सिहं दशा में, मीन भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करनेपर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग काफी प्रतिकूल है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रबल संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको अपने पेशे के क्षेत्र में गंभीर आघात का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप नौकरी में हैं, तो आपको नौकरी छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है। यदि आप व्यापार में हैं, तो आपको भारी हानियां हो सकती हैं। आपको अपना निवास स्थान भी छोड़ना पड़ सकता है अथवा किसी असुविधाजनक स्थान पर जाना पड़ सकता है।

वर्तमान में, आप सिहं दशा में, मीन भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करनेपर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग अत्यंत अनुकूल है। इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको एक लाभप्रद पदोन्नति अथवा एक नया रोजगार प्राप्त होने की संभावना अत्यधिक है। आपके रहन–सहन के स्तर में सुधार होगा और आपकी संतुष्टि में वृद्धि होगी।

मेष भुक्ति (18:12:1994 से 18:12:1995)

वर्तमान में आप सिहं दशा (जो कि एक साल तक चलेगा) में मेष भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी जन्मकुण्डली में आपके लग्न से गणना करने पर चतुर्थेश या अष्टमेश दशा–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। इसके अतिरिक्त, आपकी दशा–राशि से गणना करने पर चतुर्थेश या अष्टमेश भुक्ति–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है, और भुक्ति–राशि से गणना करने पर चतुर्थेश या अष्टमेश दशा–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। यह प्रतिकूल आंतरिक संबंध बन रहा है। जैसाकि आठवां भाव नौवें भावसे बारहवां है और चौथा भाव नौवें भाव से आठवां है। अतः आपके पिता का स्वास्थ्य व सुख आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। या फिर अथवा साथ ही, आप किसी दुर्घटना का सामना कर सकते हैं।

वृष भुक्ति (18:12:1995 से 18:12:1996)

वर्तमान में, आप सिहं दशा में, वृष भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग अत्यंत अनुकूल है। इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको एक लाभप्रद पदोन्नति अथवा एक नया रोजगार प्राप्त होने की संभावना अत्यधिक है। आपके

रहन–सहन के स्तर में सुधार होगा और आपकी संतुष्टि में वृद्धि होगी।

वर्तमान में आप वृष दशा में (जो कि एक वर्ष तक चलेगी) सिहं भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी जन्मकुण्डली में, आपके लग्न से गणना करने पर एकादशेश या तृतीयेश दशा–राशि में स्थित है या इस परअपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। इसके अतिरिक्त, आपकी दशा–राशि से गणना करने परएकादशेश या तृतीयेश भुक्ति–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है, और भुक्ति–राशि से गणना करने पर एकादशेश या तृतीयेश दशा–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। यह प्रतिकूल आंतरिक संबंध बन रहा है। जैसाकि तीसरा भाव चौथे भाव से बारहवां है और ग्यारहवां भाव चौथे भाव से आठवां है। अतः आपकी माता का स्वास्थ्य व सुखआपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। या फिर अथवा साथ ही, आपकी संपत्ति की हानि हो सकती है।

वर्तमान में आप सिहं दशा (जो कि एक साल तक चलेगा) में वृष भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी जन्मकुण्डली में आपके लग्न से गणना करने पर चतुर्थेश या अष्टमेश दशा–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। इसके अतिरिक्त, आपकी दशा–राशि से गणना करने पर चतुर्थेश या अष्टमेश भुक्ति–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है, और भुक्ति–राशि से गणना करने पर चतुर्थेश या अष्टमेश दशा–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। यह प्रतिकूल आंतरिक संबंध बन रहा है। जैसाकि आठवां भाव नौवें भावसे बारहवां है और चौथा भाव नौवें भाव से आठवां है। अतः आपके पिता का स्वास्थ्य व सुख आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। या फिर अथवा साथ ही, आप किसी दुर्घटना का सामना कर सकते हैं।

मिथुन भुक्ति (18:12:1996 से 18:12:1997)

वर्तमान में, आप सिहं दशा में, मिथुन भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग काफी प्रतिकूल है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रबल संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको अपने पेशे के क्षेत्र में गंभीर आघात का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप नौकरी में हैं, तो आपको नौकरी छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है। यदि आप व्यापार में हैं, तो आपको भारी हानियां हो सकती हैं। आपको अपना निवास स्थान भी छोड़ना पड़ सकता है अथवा किसी असुविधाजनक स्थान पर जाना पड़ सकता है।

वर्तमान में, आप सिहं दशा में, मिथुन भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग अत्यंत अनुकूल है। इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको एक लाभप्रद पदोन्नति अथवा एक नया रोजगार प्राप्त होने की संभावना अत्यधिक है। आपके रहन–सहन के स्तर में सुधार होगा और आपकी संतुष्टि में वृद्धि होगी।

वर्तमान में आप जैमिनी चर दशा के अनुसार मिथुन राशि की भुक्ति से गुजर रहे हैं। शनि इस राशि में

स्थित है और यह ना तो उच्चस्थ है व ना ही अपनी राशि में स्थित है। केतु भी इस राशि में स्थित है औरयह उच्चस्थ नहीं है। समग्र योग बहुत अनुकूल नहीं है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो इस दशा के प्रारम्भ के आस–पास और/या इस दशा के समाप्ति के आस–पास किसी अप्रत्याशि स्रोत और/या कुछ अनदेखे कारणों से आकस्मिक रूप से उत्पन्न कुछ गंभीर मुसीबतों का सामना कर सकते हैं। अतः आपको इस निर्देशित समय के आस–पास बहुत सावधान और सतर्क रहना चाहिए।

कर्क भुक्ति (18:12:1997 से 18:12:1998)

वर्तमान में, आप सिहं दशा में, कर्क भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करनेपर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग काफी प्रतिकूल है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रबल संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको अपने पेशे के क्षेत्र में गंभीर आघात का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप नौकरी में हैं, तो आपको नौकरी छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है। यदि आप व्यापार में हैं, तो आपको भारी हानियां हो सकती हैं। आपको अपना निवास स्थान भी छोड़ना पड़ सकता है अथवा किसी असुविधाजनक स्थान पर जाना पड़ सकता है।

वर्तमान में आप कर्क दशा में (जो कि एक वर्ष तक चलेगी) सिहं भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी जन्मकुण्डली में, आपके लग्न से गणना करने पर एकादशेश या तृतीयेश दशा–राशि में स्थित है या इस परअपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। इसके अतिरिक्त, आपकी दशा–राशि से गणना करने परएकादशेश या तृतीयेश भुक्ति–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है, और भुक्ति–राशि से गणना करने पर एकादशेश या तृतीयेश दशा–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। यह प्रतिकूल आंतरिक संबंध बन रहा है। जैसाकि तीसरा भाव चौथे भाव से बारहवां है और ग्यारहवां भाव चौथे भाव से आठवां है। अतः आपकी माता का स्वास्थ्य व सुखआपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। या फिर अथवा साथ ही, आपकी संपत्ति की हानि हो सकती है।

मेष दशा (18:12:1998 से 18:12:2010)

वर्तमान में आप उस राशि की चर दशा से गुजर रहे हैं, जिस पर बुध की दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) पड़ रही है। जैसाकि बुध सामान्य एवं तकनीकी शिक्षा तथा सभी प्रकार के बौद्धिक क्षेत्रों का नैसर्गिक कारक है,इस दशा के दौरान आपकी शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति की संभावना काफी उत्तम है। इसके अतिरिक्त, आपअनौपचारिक अध्ययन भी जारी रख सकते हैं। यदि आप किसी अन्य बौद्धिक कार्यों में संलग्न हैं, तो आप उत्तम उन्नति की आशा कर सकते हैं।

वर्तमान में उस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, जिस पर पंचमेश की दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) पड़ रही है। जैसाकि पंचमेश स्मृति, प्रतिभा आदि का कारक है, यह एक अनुकूल योग है। आप कुछ लाभदायक परिणाम प्राप्त करने की उम्मीद कर सकते हैं। इस दशा के दौरान शिक्षा ग्रहण करने की आपकी संभावना काफी उत्तम है। इसके अतिरिक्त, आप अनौपचारिक शिक्षा भी जारी रख सकते

हैं।

वर्तमान में आप उस राशि की चर दशा से गुजर रहे हैं, जिस पर बुध की दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) पड़ रही है। बुध सामान्य एवं तकनीकी शिक्षा तथा सभी प्रकार के बौद्धिक क्षेत्रों का नैसर्गिक कारक है। अतः यह एक बहुत अनुकूल योग है। इस दशा के दौरान आप कुछ लाभदायक परिणाम प्राप्त करने की आशा कर सकते हैं। आपकी शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति की संभावना काफी उत्तम है। इसके अतिरिक्त, आप अनौपचारिक अध्ययन भी जारी रख सकते हैं।

वर्तमान में आप जिस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, उस राशि से गणना करने पर पाँचवें भाव का स्वामी आपके लग्न से चौथे भाव में स्थित है। यद्यपि यह ग्रह आपकी कुण्डली में शक्तिशाली रूप से व्यवस्थित नहीं है– जैसाकि यह उच्चस्थ या अपने भाव में स्थित नहीं है। तब भी यह एक काफी अनुकूल योग है। इस दशा के दौरान आपकी शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति की संभावना काफी उत्तम है। इसके अतिरिक्त, आप अनौपचारिक अध्ययन भी जारी रख सकते हैं। इन सभी मामलों में आप बहुत उत्तम करने की आशा कर सकते हैं।

वर्तमान में आप उस राशि की चर दशा से गुजर रहे हैं, जिससे दसवें भाव में अमात्य–कारक ग्रह (सप्त–कारक योजना के अनुसार) स्थित है। अमात्य–कारक ग्रह और दसवां भाव, दोनों ही पेशे के संचालक हैं। इस दशा के दौरान, आप पेशे के क्षेत्र में अधिक उन्नति करेंगे। आप एक नया रोजगार, पदोन्नति या स्थानान्तरण प्राप्त कर सकते हैं। आपका नाम व यश दूर दूर तक फैलेगा तथा लोग आपके साथ अधिक सम्मान का व्यवहार करेंगे। यदि आप व्यापार के क्षेत्र में हैं, तो आपकी परिस्थितियां निरन्तर लाभदायक होती जायेंगी और आपकी आय में काफी सुधार होगा।

वर्तमान में आप जिस राशि की चर दशा से गुजर रहे हैं, आपकी जन्मकुण्डली में, एक या एक से अधिक अशुभ ग्रह उस राशि से छठवें भाव में स्थित हैं। उस राशि में कोई भी शुभ ग्रह स्थित नहीं है। जैसाकि छठवां भाव नौकरी और प्रतियोगिता का सूचक है, अतः यह अनेक मामलों में बहुत अनुकूल योग है। इस दशा अवधि के दौरान आप पेशे के क्षेत्र में अत्यंत प्रगति की आशा कर सकते हैं। संभवतः आप किसी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप एक नया रोजगार प्राप्त कर सकते हैं अथवा स्थानान्तरण हो सकता है अथवा पदोन्नति हो सकती है। आपका पद और पारिश्रमिक बहुत बढ़िया हो सकता है। जैसाकि छठवां भाव शत्रु व रोग का भी सूचक है, आपके शत्रु पूर्णतः परास्त होंगे, किन्तु आपकास्वास्थ्य कुछ हद तक नाजुक हो सकता है। यदि आप व्यापार में हैं, तो आपके लिए नये मार्ग खुल सकते हैं और आप काफी तेजी से आगे बढ़ सकते हैं।

आपकी जन्मकुण्डली में, वर्तमान में आप जिस राशि की चर दशा से गुजर रहे हैं, उस राशि से गणना करने पर पंचमेश और दशमेश की एक साथ युति है। यह युति आपके लग्न से दसवें भाव में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। जैसाकि दसवां भाव पेशे का सूचक है और पाँचवां भाव पद का प्रतीक है। अतः यह एक अनुकूल योग है। इस दशा के दौरान, रोजगार/व्यापार से संबंधित मामलों में, आपकी स्थिति में सुधार हो सकता है। आपके रोजगार में परिवर्तन, स्थानान्तरण या पदोन्नति होसकती है। आपका निवास स्थान भी परिवर्तित हो सकता है और आपको एक बेहतर आवास प्राप्त हो सकता है। यदि आप व्यापार के क्षेत्र में हैं, तो आप कोई नया व्यवसाय प्रारम्भ कर सकते हैं अथवा किसी और अधिक लाभदायक स्थान पर जा सकते हैं।

आपकी कुण्डली में धनु राशि में दारा–कारक ग्रह स्थित है, वृश्चिक राशि दारा–पद राशि है, मकर राशि मेंविवाह का नैसर्गिक कारक ग्रह स्थित है तथा मेष राशि उप–पद राशि है। इनमें से किसी भी राशि की दशा, इनमें से किसी भी राशि की भुक्ति और इनमें से किसी भी राशि के अंतर के दौरान आपका विवाह

होने की संभावना है। (स्पष्टतः उपयुक्त आयु के अन्तर्गत होगा। इन दशा–भुक्ति–अंतर संयोजन के समय के लिए जैमिनी चर दशा और त्रिकोण दशा को निर्देशित की जा सकती है– राघव भट्ट और नृसिंह सूरी की विभाजन (भुक्ति) और उपविभाजन (अंतर) के अनुसार। एक अंतर–अवधि केवल एक महीने के लिए होती है। इसलिए मुहूर्त और गोचर आदि के निर्णय लेते समय अन्य पक्षों के कारण कुछ दिनों के अन्तर को भी माना जा सकता है)।

मेष भुक्ति (18:12:1998 से 18:12:1999)

वर्तमान में आप मेष राशि की दशा से गुजर रहे हैं, इसी राशि की भुक्ति भी एक साल के लिए चल रही है। इस दशा के दौरान, दशा का फल और सुदृढ़ होगा।

वृष भुक्ति (18:12:1999 से 18:12:2000)

वर्तमान में आप मेष दशा में (जो कि एक वर्ष तक चलेगी) वृष भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी जन्मकुण्डलीमें, आपके लग्न से गणना करने पर द्वादशेश या अष्टमेश दशा–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। इसके अतिरिक्त, आपकी दशा–राशि से गणना करने पर द्वादशेश या अष्टमेश भुक्ति–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है, और भुक्ति–राशि से गणना करने पर द्वादशेश या अष्टमेश दशा–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। यह प्रतिकूल आंतरिक संबंध बन रहा है। अतः आपका स्वास्थ्य व सुख आपके परिवार के सदस्यों के लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। आपको किसी दुर्घटना का सामना करनापड़ सकता है और/या किसी शल्य प्रक्रिया से गुजरना पड़ सकता है।

मिथुन भुक्ति (18:12:2000 से 18:12:2001)

वर्तमान में, आप मेष दशा में, मिथुन भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, आपके लग्न से गणना करने पर दशमेश आपकी दशा–राशि से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपके लग्न से गणना करने पर दशमेश आपकी भुक्ति–राशि से भी दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग अत्यंत अनुकूल है। इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको एक लाभप्रद पदोन्नति अथवा एक नया रोजगार प्राप्त होने की संभावना अत्यधिक है। आपके रहन–सहन के स्तर में सुधार होगा और आपकी संतुष्टि में वृद्धि होगी। संभावना है कि ये बदलाव मेष अथवा मिथुन के अन्तर–अवधि के दौरान हो सकते हैं।(जिनमें से प्रत्येक केवल एक माह के लिए चलता है)।

वर्तमान में आप मिथुन दशा में (जो कि एक वर्ष तक चलेगी) मेष भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी जन्मकुण्डली में, आपके लग्न से गणना करने पर एकादशेश या तृतीयेश दशा–राशि में स्थित है या इस परअपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। इसके अतिरिक्त, आपकी दशा–राशि से गणना करने परएकादशेश या तृतीयेश भुक्ति–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है, और भुक्ति–राशि से गणना करने पर एकादशेश या तृतीयेश दशा–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। यह प्रतिकूल आंतरिक संबंध बन रहा है। जैसाकि तीसरा भाव

चौथे भाव से बारहवां है और ग्यारहवां भाव चौथे भाव से आठवां है। अतः आपकी माता का स्वास्थ्य व सुखआपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। या फिर अथवा साथ ही, आपकी संपत्ति की हानि हो सकती है।

वर्तमान में आप मेष दशा (जो कि एक साल तक चलेगा) में मिथुन भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी जन्मकुण्डली में आपके लग्न से गणना करने पर चतुर्थेश या अष्टमेश दशा–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। इसके अतिरिक्त, आपकी दशा–राशि से गणना करने पर चतुर्थेश या अष्टमेश भुक्ति–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है, और भुक्ति–राशि से गणना करने पर चतुर्थेश या अष्टमेश दशा–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। यह प्रतिकूल आंतरिक संबंध बन रहा है। जैसाकि आठवां भाव नौवें भावसे बारहवां है और चौथा भाव नौवें भाव से आठवां है। अतः आपके पिता का स्वास्थ्य व सुख आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। या फिर अथवा साथ ही, आप किसी दुर्घटना का सामना कर सकते हैं।

वर्तमान में आप जैमिनी चर दशा के अनुसार मिथुन राशि की भुक्ति से गुजर रहे हैं। शनि इस राशि में स्थित है और यह ना तो उच्चस्थ है व ना ही अपनी राशि में स्थित है। केतु भी इस राशि में स्थित है औरयह उच्चस्थ नहीं है। समग्र योग बहुत अनुकूल नहीं है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो इस दशा के प्रारम्भ के आस–पास और/या इस दशा के समाप्ति के आस–पास किसी अप्रत्याशि स्रोत और/या कुछ अनदेखे कारणों से आकस्मिक रूप से उत्पन्न कुछ गंभीर मुसीबतों का सामना कर सकते हैं। अतः आपको इस निर्देशित समय के आस–पास बहुत सावधान और सतर्क रहना चाहिए।

कर्क भुक्ति (18:12:2001 से 18:12:2002)

वर्तमान में आप कर्क दशा में (जो कि एक वर्ष तक चलेगी) मेष भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी जन्मकुण्डली में, आपके लग्न से गणना करने पर एकादशेश या तृतीयेश दशा–राशि में स्थित है या इस परअपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। इसके अतिरिक्त, आपकी दशा–राशि से गणना करने परएकादशेश या तृतीयेश भुक्ति–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है, और भुक्ति–राशि से गणना करने पर एकादशेश या तृतीयेश दशा–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। यह प्रतिकूल आंतरिक संबंध बन रहा है। जैसाकि तीसरा भाव चौथे भाव से बारहवां है और ग्यारहवां भाव चौथे भाव से आठवां है। अतः आपकी माता का स्वास्थ्य व सुखआपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। या फिर अथवा साथ ही, आपकी संपत्ति की हानि हो सकती है।

सिहं भुक्ति (18:12:2002 से 18:12:2003)

वर्तमान में आप सिहं राशि की भुक्ति–अवधि से गुजर रहे हैं– जिसका राशि–स्वामी आपकी कुण्डली में बुरी तरह से ग्रसित है (राहु से 3 डिग्री 20 मिनट के अंदर स्थित है)। इसके कुछ प्रतिकूल संकेत हैं। इस भुक्ति अवधि के दौरान, आप किसी आकस्मिक और अप्रत्याशित घटना आदि के कारण विचारों में भ्रम की स्थिति से गुजर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, आप अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए गलत तरीकों का प्रयोगकरने की कोशिश कर सकते हैं– जिसकी वजह से आप संदिग्ध पृष्ठभूमि या संदेहशील प्रकृति के

लोगों के साथ गंभीर विवाद या मुसीबत में फंस सकते हैं।

वर्तमान में आप मेष दशा (जो कि एक साल तक चलेगा) में सिहं भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी जन्मकुण्डली में आपके लग्न से गणना करने पर चतुर्थेश या अष्टमेश दशा–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। इसके अतिरिक्त, आपकी दशा–राशि से गणना करने पर चतुर्थेश या अष्टमेश भुक्ति–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है, और भुक्ति–राशि से गणना करने पर चतुर्थेश या अष्टमेश दशा–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। यह प्रतिकूल आंतरिक संबंध बन रहा है। जैसाकि आठवां भाव नौवें भावसे बारहवां है और चौथा भाव नौवें भाव से आठवां है। अतः आपके पिता का स्वास्थ्य व सुख आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। या फिर अथवा साथ ही, आप किसी दुर्घटना का सामना कर सकते हैं।

कन्या भुक्ति (18:12:2003 से 18:12:2004)

वर्तमान में, आप मेष दशा में, कन्या भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, आपके लग्न से गणना करने पर दशमेश आपकी दशा–राशि से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपके लग्न से गणना करने पर दशमेश आपकी भुक्ति–राशि से भी दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग अत्यंत अनुकूल है। इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको एक लाभप्रद पदोन्नति अथवा एक नया रोजगार प्राप्त होने की संभावना अत्यधिक है। आपके रहन–सहन के स्तर में सुधार होगा और आपकी संतुष्टि में वृद्धि होगी। संभावना है कि ये बदलाव मेष अथवा कन्या के अन्तर–अवधि के दौरान हो सकते हैं।(जिनमें से प्रत्येक केवल एक माह के लिए चलता है)।

वर्तमान में आप कन्या दशा में (जो कि एक वर्ष तक चलेगी) मेष भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी जन्मकुण्डली में, आपके लग्न से गणना करने पर एकादशेश या तृतीयेश दशा–राशि में स्थित है या इस परअपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। इसके अतिरिक्त, आपकी दशा–राशि से गणना करने परएकादशेश या तृतीयेश भुक्ति–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है, और भुक्ति–राशि से गणना करने पर एकादशेश या तृतीयेश दशा–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। यह प्रतिकूल आंतरिक संबंध बन रहा है। जैसाकि तीसरा भाव चौथे भाव से बारहवां है और ग्यारहवां भाव चौथे भाव से आठवां है। अतः आपकी माता का स्वास्थ्य व सुखआपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। या फिर अथवा साथ ही, आपकी संपत्ति की हानि हो सकती है।

वृश्चिक भुक्ति (18:12:2005 से 18:12:2006)

वर्तमान में आप वृश्चिक दशा में (जो कि एक वर्ष तक चलेगी) मेष भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी जन्मकुण्डली में, आपके लग्न से गणना करने पर एकादशेश या तृतीयेश दशा–राशि में स्थित है या इस परअपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। इसके अतिरिक्त, आपकी दशा–राशि से गणना करने परएकादशेश या तृतीयेश भुक्ति–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है, और भुक्ति–राशि से गणना करने पर एकादशेश या तृतीयेश दशा–राशि में स्थित है या इस पर अपनी

दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। यह प्रतिकूल आंतरिक संबंध बन रहा है। जैसाकि तीसरा भाव चौथे भाव से बारहवां है और ग्यारहवां भाव चौथे भाव से आठवां है। अतः आपकी माता का स्वास्थ्य व सुखआपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। या फिर अथवा साथ ही, आपकी संपत्ति की हानि हो सकती है।

वर्तमान में आप मेष दशा (जो कि एक साल तक चलेगा) में वृश्चिक भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी जन्मकुण्डली में आपके लग्न से गणना करने पर चतुर्थेश या अष्टमेश दशा–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। इसके अतिरिक्त, आपकी दशा–राशि से गणना करने पर चतुर्थेश या अष्टमेश भुक्ति–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है, और भुक्ति–राशि से गणना करने पर चतुर्थेश या अष्टमेश दशा–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। यह प्रतिकूल आंतरिक संबंध बन रहा है। जैसाकि आठवां भाव नौवें भावसे बारहवां है और चौथा भाव नौवें भाव से आठवां है। अतः आपके पिता का स्वास्थ्य व सुख आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। या फिर अथवा साथ ही, आप किसी दुर्घटना का सामना कर सकते हैं।

वर्तमान में आप मेष दशा में (जो कि एक वर्ष तक चलेगी) वृश्चिक भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी जन्मकुण्डली में, आपके लग्न से गणना करने पर द्वादशेश या अष्टमेश दशा–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। इसके अतिरिक्त, आपकी दशा–राशि से गणना करने पर द्वादशेश या अष्टमेश भुक्ति–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है, और भुक्ति–राशि से गणना करने पर द्वादशेश या अष्टमेश दशा–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। यह प्रतिकूल आंतरिक संबंध बन रहा है। अतः आपका स्वास्थ्य व सुख आपके परिवार के सदस्यों के लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। आपको किसी दुर्घटना का सामना करनापड़ सकता है और/या किसी शल्य प्रक्रिया से गुजरना पड़ सकता है।

धनु भुक्ति (18:12:2006 से 18:12:2007)

वर्तमान में, आप मेष दशा में, धनु भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, आपके लग्न से गणना करने पर दशमेश आपकी दशा–राशि से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपके लग्न से गणना करने पर दशमेश आपकी भुक्ति–राशिसे भी दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी केअनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग अत्यंत अनुकूल है। इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्षतक चलेगा), आपको एक लाभप्रद पदोन्नति अथवा एक नया रोजगार प्राप्त होने की संभावना अत्यधिक है। आपके रहन–सहन के स्तर में सुधार होगा और आपकी संतुष्टि में वृद्धि होगी। संभावना है कि ये बदलाव मेष अथवा धनु के अन्तर–अवधि के दौरान हो सकते हैं।(जिनमें से प्रत्येक केवल एक माह के लिएचलता है)।

मकर भुक्ति (18:12:2007 से 18:12:2008)

वर्तमान में आप मकर राशि की भुक्ति–अवधि से गुजर रहे हैं– जिसका राशि–स्वामी आपकी कुण्डली में बुरी तरह से ग्रसित है (केतु से 3 डिग्री 20 मिनट के अंदर स्थित है)। इसके कुछ प्रतिकूल संकेत हैं। इस भुक्ति अवधि के दौरान, आप किसी आकस्मिक और अप्रत्याशित घटना आदि के कारण विचारों में भ्रम की

स्थिति से गुजर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, आप अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए गलत तरीकों का प्रयोगकरने की कोशिश कर सकते हैं। आप गंभीर आघात का सामना कर सकते हैं और आर्थिक परेशानियों से गुजर सकते हैं। आपके रिश्तेदार या पूर्व मित्र आपका परित्याग कर सकते हैं तथा आप भिन्नसमुदाय और/या निम्न सामाजिक–आर्थिक स्तर के लोगों के साथ संबंध विकसित कर सकते हैं।

वर्तमान में आप मकर दशा में (जो कि एक वर्ष तक चलेगी) मेष भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी जन्मकुण्डली में, आपके लग्न से गणना करने पर एकादशेश या तृतीयेश दशा–राशि में स्थित है या इस परअपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। इसके अतिरिक्त, आपकी दशा–राशि से गणना करने परएकादशेश या तृतीयेश भुक्ति–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है, और भुक्ति–राशि से गणना करने पर एकादशेश या तृतीयेश दशा–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। यह प्रतिकूल आंतरिक संबंध बन रहा है। जैसाकि तीसरा भाव चौथे भाव से बारहवां है और ग्यारहवां भाव चौथे भाव से आठवां है। अतः आपकी माता का स्वास्थ्य व सुखआपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। या फिर अथवा साथ ही, आपकी संपत्ति की हानि हो सकती है।

कुम्भ भुक्ति (18:12:2008 से 18:12:2009)

वर्तमान में आप कुम्भ राशि की भुक्ति–अवधि से गुजर रहे हैं– जिसका राशि–स्वामी आपकी कुण्डली में बुरी तरह से ग्रसित है (केतु से 3 डिग्री 20 मिनट के अंदर स्थित है)। इसके कुछ प्रतिकूल संकेत हैं। इस भुक्ति अवधि के दौरान, आप किसी आकस्मिक और अप्रत्याशित घटना आदि के कारण विचारों में भ्रम की स्थिति से गुजर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, आप अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए गलत तरीकों का प्रयोगकरने की कोशिश कर सकते हैं। आप गंभीर आघात का सामना कर सकते हैं और आर्थिक परेशानियों से गुजर सकते हैं। आपके रिश्तेदार या पूर्व मित्र आपका परित्याग कर सकते हैं तथा आप भिन्नसमुदाय और/या निम्न सामाजिक–आर्थिक स्तर के लोगों के साथ संबंध विकसित कर सकते हैं।

मीन भुक्ति (18:12:2009 से 18:12:2010)

वर्तमान में, आप मेष दशा में, मीन भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, आपके लग्न से गणना करने पर दशमेश आपकी दशा–राशि से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपके लग्न से गणना करने पर दशमेश आपकी भुक्ति–राशिसे भी दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी केअनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग अत्यंत अनुकूल है। इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्षतक चलेगा), आपको एक लाभप्रद पदोन्नति अथवा एक नया रोजगार प्राप्त होने की संभावना अत्यधिक है। आपके रहन–सहन के स्तर में सुधार होगा और आपकी संतुष्टि में वृद्धि होगी। संभावना है कि ये बदलाव मेष अथवा मीन के अन्तर–अवधि के दौरान हो सकते हैं।(जिनमें से प्रत्येक केवल एक माह के लिएचलता है)।

धनु दशा (18:12:2010 से 18:12:2011)

वर्तमान में उस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, जिस पर एकादशेश की दृष्टि (जैमिनी के अनुसार)

पड़ रही है। जैसाकि एकादशेश अभिलाषाओं की पूर्ति और महात्वाकांक्षाओं के कार्यान्वयन का कारक है, यह एक बहुत अनुकूल योग है। आप कुछ लाभदायक परिणाम प्राप्त करने की उम्मीद कर सकते हैं। इस दशा के दौरान शिक्षा ग्रहण करने की आपकी संभावना काफी उत्तम है। इसके अतिरिक्त, आप अनौपचारिकशिक्षा भी जारी रख सकते हैं।

वर्तमान में आप जिस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, उस राशि से गणना करने पर चौथे भाव का स्वामी आपके लग्न से पाँचवें भाव में स्थित है। यद्यपि यह ग्रह आपकी कुण्डली में शक्तिशाली रूप से व्यवस्थित नहीं है– जैसाकि यह उच्चस्थ या अपने भाव में स्थित नहीं है। तब भी यह एक काफी अनुकूल योग है। इस दशा के दौरान आपकी शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति की संभावना काफी उत्तम है। इसके अतिरिक्त, आप अनौपचारिक अध्ययन भी जारी रख सकते हैं। इन सभी मामलों में बहुत उत्तम करने की आशा कर सकते हैं।

वर्तमान में आप उस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, जिसका स्वामी आपके लग्न से पाँचवें भाव में स्थित है। अन्य चीजों के साथ पाँचवें भाव का स्वामी पद, प्रतिष्ठा आदि का शासक है। इस दशा के दौरान,आप पेशे के क्षेत्र में अधिक उन्नति करेंगे। आप एक नया रोजगार प्राप्त कर सकते हैं अथवा एक प्रतिष्ठित पद तक पहुंच सकते हैं। आपका नाम व यश दूर दूर तक फैलेगा तथा लोग आपके साथ अधिक सम्मान का व्यवहार करेंगे। यदि आप व्यापार के क्षेत्र में हैं, परिस्थितियां निरन्तर लाभदायक होती जायेंगी और आपकी आय में काफी सुधार होगा।

आपकी जन्मकुण्डली में, वर्तमान में आप जिस राशि की चर दशा से गुजर रहे हैं, उस राशि से गणना करने पर एक या एक से अधिक शुभ ग्रह क्रमशः दूसरी और बारहवीं राशि में स्थित है। यह इस राशि के लिए शुभ–कर्तरी योग का निर्माण करता है, जो कि असाधारण रूप से एक अनुकूल योग है। इस दशा के दौरान आपको अनेक लाभदायक परिवर्तनों की अनुभूति होगी। अपने पेशे के क्षेत्र में आप उल्लेखनीय प्रगतिकरेंगे और आपकी आय में महत्वपूर्ण वृद्धि होगी। आप किसी लाभप्रद रोजगार में जा सकते हैं अथवाएक नया अत्यधिक धनोपार्जन करने वाले पेशे को अपना सकते हैं।

आपकी कुण्डली में धनु राशि में दारा–कारक ग्रह स्थित है, वृश्चिक राशि दारा–पद राशि है, मकर राशि मेंविवाह का नैसर्गिक कारक ग्रह स्थित है तथा मेष राशि उप–पद राशि है। इनमें से किसी भी राशि की दशा, इनमें से किसी भी राशि की भुक्ति और इनमें से किसी भी राशि के अंतर के दौरान आपका विवाह होने की संभावना है। (स्पष्टतः उपयुक्त आयु के अन्तर्गत होगा। इन दशा–भुक्ति–अंतर संयोजन के समय के लिए जैमिनी चर दशा और त्रिकोण दशा को निर्देशित की जा सकती है– राघव भट्ट और नृसिंह सूरी की विभाजन (भुक्ति) और उपविभाजन (अंतर) के अनुसार। एक अंतर–अवधि केवल एक महीने के लिए होती है। इसलिए मुहूर्त और गोचर आदि के निर्णय लेते समय अन्य पक्षों के कारण कुछ दिनों के अन्तर को भी माना जा सकता है)।

मकर भुक्ति (18:12:2010 से 18:12:2011)

वर्तमान में आप धनु राशि की चर दशा से गुजर रहे हैं और मकर राशि की भुक्ति (एक वर्ष के लिए) चल रही है। शुक्र या लग्न से सप्तमेश या दारा–कारक ग्रह (सप्तकारक योजना के अनुसार) – जिसमें से प्रत्येक किसी ना किसी प्रकार से विवाह का कारक है– दशा–राशि में स्थित है। इसके अतिरिक्त, दशा–राशि से सप्तमेश और भुक्ति–राशि से सप्तमेश की युति है। यह युति आपके लग्न से सातवें भाव में स्थित है या इस पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। यह एक अत्यंत अनुकूल योग है। यदि आपकी आयु विवाह योग्य है और अविवाहित हैं तो इस दशा के दौरान आपका विवाह हो सकता है। या

फिर अथवा साथ ही, आप एक साझेदारी या सहभागिता में संलग्न हो सकते हैं– जो कि लम्बे समय तक चलेगा और आपके लिए अनेक प्रकार के लाभों का अग्रदूत होगा। इस भुक्ति–अवधि के दौरान, धनु और मकर राशि में प्रत्येक की अंतर–अवधि एक महीने के लिए चलेगी– इन दोनों अवधियों में से किसी अवधि के दौरान घटनायें होने की संभावना अत्यधिक है।

वर्तमान में आप धनु राशि की चर दशा से गुजर रहे हैं और मकर राशि की भुक्ति (एक वर्ष के लिए) चल रही है। शुक्र या लग्न से सप्तमेश या दारा–कारक ग्रह (सप्तकारक योजना के अनुसार) – जिसमें से प्रत्येक किसी ना किसी प्रकार से विवाह का कारक है– दशा–राशि में स्थित है। इसके अतिरिक्त, दशा–राशि से सप्तमेश और भुक्ति–राशि से सप्तमेश की युति है। यह युति आपके लग्न से सातवें भाव में स्थित है या इस पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। यह एक अत्यंत अनुकूल योग है। यदि आपकी आयु विवाह योग्य है और अविवाहित हैं तो इस दशा के दौरान आपका विवाह हो सकता है। या फिर अथवा साथ ही, आप एक साझेदारी या सहभागिता में संलग्न हो सकते हैं– जो कि लम्बे समय तक चलेगा और आपके लिए अनेक प्रकार के लाभों का अग्रदूत होगा। इस भुक्ति–अवधि के दौरान, धनु और मकर राशि में प्रत्येक की अंतर–अवधि एक महीने के लिए चलेगी– इन दोनों अवधियों में से किसी अवधि के दौरान घटनायें होने की संभावना अत्यधिक है।

वर्तमान में आप मकर राशि की भुक्ति–अवधि से गुजर रहे हैं– जिसका राशि–स्वामी आपकी कुण्डली में बुरी तरह से ग्रसित है (केतु से 3 डिग्री 20 मिनट के अंदर स्थित है)। इसके कुछ प्रतिकूल संकेत हैं। इस भुक्ति अवधि के दौरान, आप किसी आकस्मिक और अप्रत्याशित घटना आदि के कारण विचारों में भ्रम की स्थिति से गुजर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, आप अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए गलत तरीकों का प्रयोगकरने की कोशिश कर सकते हैं। आप गंभीर आघात का सामना कर सकते हैं और आर्थिक परेशानियों से गुजर सकते हैं। आपके रिश्तेदार या पूर्व मित्र आपका परित्याग कर सकते हैं तथा आप भिन्नसमुदाय और/या निम्न सामाजिक–आर्थिक स्तर के लोगों के साथ संबंध विकसित कर सकते हैं।

वर्तमान में, आप धनु दशा में, मकर भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करनेपर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग काफी प्रतिकूल है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रबल संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको अपने पेशे के क्षेत्र में गंभीर आघात का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप नौकरी में हैं, तो आपको नौकरी छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है। यदि आप व्यापार में हैं, तो आपको भारी हानियां हो सकती हैं। आपको अपना निवास स्थान भी छोड़ना पड़ सकता है अथवा किसी असुविधाजनक स्थान पर जाना पड़ सकता है।

कर्क दशा (18:12:2011 से 18:12:2013)

वर्तमान में आप उस राशि की चर दशा से गुजर रहे हैं, जिस पर बुध की दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) पड़ रही है। जैसाकि बुध सामान्य एवं तकनीकी शिक्षा तथा सभी प्रकार के बौद्धिक क्षेत्रों का नैसर्गिक कारक है,इस दशा के दौरान आपकी शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति की संभावना काफी उत्तम है। इसके अतिरिक्त, आपअनौपचारिक अध्ययन भी जारी रख सकते हैं। यदि आप किसी अन्य बौद्धिक कार्यों में संलग्न हैं, तो आप उत्तम उन्नति की आशा कर सकते हैं।

वर्तमान में उस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, जिस पर पंचमेश की दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) पड़

रही है। जैसाकि पंचमेश स्मृति, प्रतिभा आदि का कारक है, यह एक अनुकूल योग है। आप कुछ लाभदायक परिणाम प्राप्त करने की उम्मीद कर सकते हैं। इस दशा के दौरान शिक्षा ग्रहण करने की आपकी संभावना काफी उत्तम है। इसके अतिरिक्त, आप अनौपचारिक शिक्षा भी जारी रख सकते हैं।

वर्तमान में आप उस राशि की चर दशा से गुजर रहे हैं, जिस पर बुध की दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) पड़ रही है। बुध सामान्य एवं तकनीकी शिक्षा तथा सभी प्रकार के बौद्धिक क्षेत्रों का नैसर्गिक कारक है। अतः यह एक बहुत अनुकूल योग है। इस दशा के दौरान आप कुछ लाभदायक परिणाम प्राप्त करने की आशा कर सकते हैं। आपकी शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति की संभावना काफी उत्तम है। इसके अतिरिक्त, आप अनौपचारिक अध्ययन भी जारी रख सकते हैं।

वर्तमान में आप जिस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, उस राशि से गणना करने पर चौथे भाव का स्वामी आपके लग्न से पाँचवें भाव में स्थित है। यद्यपि यह ग्रह आपकी कुण्डली में शक्तिशाली रूप से व्यवस्थित नहीं है– जैसाकि यह उच्चस्थ या अपने भाव में स्थित नहीं है। तब भी यह एक काफी अनुकूल योग है। इस दशा के दौरान आपकी शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति की संभावना काफी उत्तम है। इसके अतिरिक्त, आप अनौपचारिक अध्ययन भी जारी रख सकते हैं। इन सभी मामलों में बहुत उत्तम करने की आशा कर सकते हैं।

वर्तमान में आप जिस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, उससे पाँचवें भाव में आपके लग्न से दशमेश स्थित है। जहां दशमेश पेशे का शासक है, वहीं पंचमेश पद, प्रतिष्ठा आदि का प्रतीक है। इस दशा के दौरान, आप पेशे के क्षेत्र में अधिक उन्नति करेंगे। आप एक नया रोजगार प्राप्त कर सकते हैं अथवा एक प्रतिष्ठित पद तक पहुंच सकते हैं। आपका नाम व यश दूर दूर तक फैलेगा तथा लोग आपके साथ अधिक सम्मान का व्यवहार करेंगे। यदि आप व्यापार के क्षेत्र में हैं, तो आपकी परिस्थितियां निरन्तर लाभदायक होती जायेंगी और आपकी आय में काफी सुधार होगा।

बुध बौद्धिक धन्धों और व्यापारिक सौदों का भी नैसर्गिक कारक है। वर्तमान में आप जिस राशि की चर दशा से गुजर रहे हैं, उससे पाँचवें भाव में बुध स्थित है। पाँचवां भाव पद का संचालक है। इस दशा के दौरान, आप पेशे के क्षेत्र में अधिक उन्नति करेंगे। आप एक नया रोजगार प्राप्त कर सकते हैं अथवा एक प्रतिष्ठित पद तक पहुंच सकते हैं। आपका नाम व यश दूर दूर तक फैलेगा तथा लोग आपके साथ अधिक सम्मान का व्यवहार करेंगे। यदि आप व्यापार के क्षेत्र में हैं, तो आपकी परिस्थितियां निरन्तर लाभदायक होती जायेंगी और आपकी आय में काफी सुधार होगा।

वर्तमान में आप जिस राशि की चर दशा से गुजर रहे हैं, आपकी जन्मकुण्डली में, एक या एक से अधिक अशुभ ग्रह उस राशि से छठवें भाव में स्थित हैं। उस राशि में कोई भी शुभ ग्रह स्थित नहीं है। जैसाकि छठवां भाव नौकरी और प्रतियोगिता का सूचक है, अतः यह अनेक मामलों में बहुत अनुकूल योग है। इस दशा अवधि के दौरान आप पेशे के क्षेत्र में अत्यंत प्रगति की आशा कर सकते हैं। संभवतः आप किसी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप एक नया रोजगार प्राप्त कर सकते हैं अथवा स्थानान्तरण हो सकता है अथवा पदोन्नति हो सकती है। आपका पद और पारिश्रमिक बहुत बढ़िया हो सकता है। जैसाकि छठवां भाव शत्रु व रोग का भी सूचक है, आपके शत्रु पूर्णतः परास्त होंगे, किन्तु आपकास्वास्थ्य कुछ हद तक नाजुक हो सकता है। यदि आप व्यापार में हैं, तो आपके लिए नये मार्ग खुल सकते हैं और आप काफी तेजी से आगे बढ़ सकते हैं।

सिहं भुक्ति (18:12:2012 से 18:12:2013)

वर्तमान में आप सिहं राशि की भुक्ति–अवधि से गुजर रहे हैं– जिसका राशि–स्वामी आपकी कुण्डली में बुरी तरह से ग्रसित है (राहु से 3 डिग्री 20 मिनट के अंदर स्थित है)। इसके कुछ प्रतिकूल संकेत हैं। इस भुक्ति अवधि के दौरान, आप किसी आकस्मिक और अप्रत्याशित घटना आदि के कारण विचारों में भ्रम की स्थिति से गुजर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, आप अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए गलत तरीकों का प्रयोगकरने की कोशिश कर सकते हैं– जिसकी वजह से आप संदिग्ध पृष्ठभूमि या संदेहशील प्रकृति के लोगों के साथ गंभीर विवाद या मुसीबत में फंस सकते हैं।

वर्तमान में, आप कर्क दशा में, सिहं भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करनेपर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग काफी प्रतिकूल है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रबल संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको अपने पेशे के क्षेत्र में गंभीर आघात का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप नौकरी में हैं, तो आपको नौकरी छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है। यदि आप व्यापार में हैं, तो आपको भारी हानियां हो सकती हैं। आपको अपना निवास स्थान भी छोड़ना पड़ सकता है अथवा किसी असुविधाजनक स्थान पर जाना पड़ सकता है।

मीन दशा (18:12:2013 से 18:12:2023)

वर्तमान में उस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, जिस पर एकादशेश की दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) पड़रही है। जैसाकि एकादशेश अभिलाषाओं की पूर्ति और महात्वाकांक्षाओं के कार्यान्वयन का कारक है, यहएक बहुत अनुकूल योग है। आप कुछ लाभदायक परिणाम प्राप्त करने की उम्मीद कर सकते हैं। इस दशा के दौरान शिक्षा ग्रहण करने की आपकी संभावना काफी उत्तम है। इसके अतिरिक्त, आप अनौपचारिकशिक्षा भी जारी रख सकते हैं।

वर्तमान में आप जिस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, उसमें लग्न से गणना करने पर पंचमेश दशा–राशि से चौथे भाव में स्थित है। यद्यपि यह ग्रह आपकी कुण्डली में शक्तिशाली रूप से व्यवस्थित नहीं है– जैसाकि यह उच्चस्थ या अपने भाव में स्थित नहीं है। तब भी यह एक काफी अनुकूल योग है। इस दशा के दौरान आपकी शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति की संभावना काफी उत्तम है। इसके अतिरिक्त, आप अनौपचारिक अध्ययन भी जारी रख सकते हैं। इन सभी मामलों में बहुत उत्तम करने की आशा कर सकते हैं।

वर्तमान में आप जिस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, उसमें लग्न से गणना करने पर चतुर्थेश दशा–राशि से ग्यारहवें भाव में स्थित है। यद्यपि यह ग्रह आपकी कुण्डली में शक्तिशाली रूप से व्यवस्थित नहीं है– जैसाकि यह उच्चस्थ या अपने भाव में स्थित नहीं है। तब भी यह एक काफी अनुकूल योग है। इस दशा के दौरान आपकी शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति की संभावना काफी उत्तम है। इसके अतिरिक्त, आप अनौपचारिक अध्ययन भी जारी रख सकते हैं। इन सभी मामलों में बहुत उत्तम करने की आशा कर सकते हैं।

वर्तमान में आप उस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, जिसका स्वामी आपके लग्न से पाँचवें भाव में स्थित है। अन्य चीजों के साथ पाँचवें भाव का स्वामी पद, प्रतिष्ठा आदि का शासक है। इस दशा के दौरान,आप पेशे के क्षेत्र में अधिक उन्नति करेंगे। आप एक नया रोजगार प्राप्त कर सकते हैं अथवा एक प्रतिष्ठित पद तक पहुंच सकते हैं। आपका नाम व यश दूर दूर तक फैलेगा तथा लोग आपके साथ अधिक

सम्मान का व्यवहार करेंगे। यदि आप व्यापार के क्षेत्र में हैं, परिस्थितियां निरन्तर लाभदायक होती जायेंगी और आपकी आय में काफी सुधार होगा।

वर्तमान में आप जिस राशि की चर दशा से गुजर रहे हैं, आपकी जन्मकुण्डली में, दो या दो से अधिक शुभग्रह उस राशि से ग्यारहवें भाव में स्थित हैं। उस राशि में कोई भी अशुभ ग्रह स्थित नहीं है। जैसाकि ग्यारहवां भाव आय और लाभ का कारक है, अतः यह एक अत्यंत अनुकूल योग है। इस दशा अवधि के दौरान आप पेशे के क्षेत्र में अत्यंत उत्तम उन्नति करने की आशा कर सकते हैं तथा आपकी आय में धीरे–धीरे वृद्धि होगी। आप एक नया रोजगार प्राप्त कर सकते हैं अथवा एक प्रतिष्ठित पद तक पहुंच सकते हैं। सब कुछ बहुत सुचारू रूप से चलेगा, और आपको किसी प्रकार के उतार–चढ़ाव की अनुभूति नहीं होगी। आपके मित्रों व परिचितों के दायरे में भी वृद्धि होगी। यदि आप व्यापार के क्षेत्र में हैं, तो आपकी परिस्थितियां अधिक लाभदायक होंगी और इसमें बहुत तेजी आयेगी।

मकर भुक्ति (18:12:2013 से 18:12:2014)

वर्तमान में आप मकर राशि की भुक्ति–अवधि से गुजर रहे हैं– जिसका राशि–स्वामी आपकी कुण्डली में बुरी तरह से ग्रसित है (केतु से 3 डिग्री 20 मिनट के अंदर स्थित है)। इसके कुछ प्रतिकूल संकेत हैं। इस भुक्ति अवधि के दौरान, आप किसी आकस्मिक और अप्रत्याशित घटना आदि के कारण विचारों में भ्रम की स्थिति से गुजर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, आप अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए गलत तरीकों का प्रयोगकरने की कोशिश कर सकते हैं। आप गंभीर आघात का सामना कर सकते हैं और आर्थिक परेशानियों से गुजर सकते हैं। आपके रिश्तेदार या पूर्व मित्र आपका परित्याग कर सकते हैं तथा आप भिन्नसमुदाय और/या निम्न सामाजिक–आर्थिक स्तर के लोगों के साथ संबंध विकसित कर सकते हैं।

वर्तमान में, आप मीन दशा में, मकर भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करनेपर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग काफी प्रतिकूल है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रबल संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको अपने पेशे के क्षेत्र में गंभीर आघात का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप नौकरी में हैं, तो आपको नौकरी छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है। यदि आप व्यापार में हैं, तो आपको भारी हानियां हो सकती हैं। आपको अपना निवास स्थान भी छोड़ना पड़ सकता है अथवा किसी असुविधाजनक स्थान पर जाना पड़ सकता है।

धनु भुक्ति (18:12:2014 से 18:12:2015)

वर्तमान में, आप मीन दशा में, धनु भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग काफी प्रतिकूल है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रबल संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको अपने पेशे के क्षेत्र में गंभीर आघात का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप नौकरी में हैं, तो आपको नौकरी छोड़ने के

लिए बाध्य होना पड़ सकता है। यदि आप व्यापार में हैं, तो आपको भारी हानियां हो सकती हैं। आपको अपना निवास स्थान भी छोड़ना पड़ सकता है अथवा किसी असुविधाजनक स्थान पर जाना पड़ सकता है।

वर्तमान में, आप मीन दशा में, धनु भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग अत्यंत अनुकूल है। इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको एक लाभप्रद पदोन्नति अथवा एक नया रोजगार प्राप्त होने की संभावना अत्यधिक है। आपके रहन–सहन के स्तर में सुधार होगा और आपकी संतुष्टि में वृद्धि होगी।

वर्तमान में आप धनु दशा में (जो कि एक वर्ष तक चलेगी) मीन भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी जन्मकुण्डली में, आपके लग्न से गणना करने पर एकादशेश या तृतीयेश दशा–राशि में स्थित है या इस परअपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। इसके अतिरिक्त, आपकी दशा–राशि से गणना करने परएकादशेश या तृतीयेश भुक्ति–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है, और भुक्ति–राशि से गणना करने पर एकादशेश या तृतीयेश दशा–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। यह प्रतिकूल आंतरिक संबंध बन रहा है। जैसाकि तीसरा भाव चौथे भाव से बारहवां है और ग्यारहवां भाव चौथे भाव से आठवां है। अतः आपकी माता का स्वास्थ्य व सुखआपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। या फिर अथवा साथ ही, आपकी संपत्ति की हानि हो सकती है।

वृश्चिक भुक्ति (18:12:2015 से 18:12:2016)

वर्तमान में, आप मीन दशा में, वृश्चिक भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग काफी प्रतिकूल है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रबल संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको अपने पेशे के क्षेत्र में गंभीर आघात का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप नौकरी में हैं, तो आपको नौकरी छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है। यदि आप व्यापार में हैं, तो आपको भारी हानियां हो सकती हैं। आपको अपना निवास स्थान भी छोड़ना पड़ सकता है अथवा किसी असुविधाजनक स्थान पर जाना पड़ सकता है।

वर्तमान में, आप मीन दशा में, वृश्चिक भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग अत्यंत अनुकूल है। इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको एक लाभप्रद पदोन्नति अथवा एक नया रोजगार प्राप्त होने की संभावना अत्यधिक है। आपके रहन–सहन के स्तर में सुधार होगा और आपकी संतुष्टि में वृद्धि होगी।

वर्तमान में, आप मीन दशा में, वृश्चिक भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, आपके लग्न से गणना करने पर दशमेश आपकी दशा–राशि से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से

किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपके लग्न से गणना करने पर दशमेश आपकी भुक्ति–राशि से भी दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग अत्यंत अनुकूल है। इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको एक लाभप्रद पदोन्नति अथवा एक नया रोजगार प्राप्त होने की संभावना अत्यधिक है। आपके रहन–सहन के स्तर में सुधार होगा और आपकी संतुष्टि में वृद्धि होगी। संभावना है कि ये बदलाव मीन अथवा वृश्चिक के अन्तर–अवधि के दौरान हो सकते हैं।(जिनमें से प्रत्येक केवल एक माह के लिए चलता है)।

वर्तमान में आप वृश्चिक दशा में (जो कि एक वर्ष तक चलेगी) मीन भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी जन्मकुण्डली में, आपके लग्न से गणना करने पर एकादशेश या तृतीयेश दशा–राशि में स्थित है या इस परअपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। इसके अतिरिक्त, आपकी दशा–राशि से गणना करने परएकादशेश या तृतीयेश भुक्ति–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है, और भुक्ति–राशि से गणना करने पर एकादशेश या तृतीयेश दशा–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। यह प्रतिकूल आंतरिक संबंध बन रहा है। जैसाकि तीसरा भाव चौथे भाव से बारहवां है और ग्यारहवां भाव चौथे भाव से आठवां है। अतः आपकी माता का स्वास्थ्य व सुखआपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। या फिर अथवा साथ ही, आपकी संपत्ति की हानि हो सकती है।

तुला भुक्ति (18:12:2016 से 18:12:2017)

वर्तमान में, आप मीन दशा में, तुला भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करनेपर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग अत्यंत अनुकूल है। इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको एक लाभप्रद पदोन्नति अथवा एक नया रोजगार प्राप्त होने की संभावना अत्यधिक है। आपके रहन–सहन के स्तर में सुधार होगा और आपकी संतुष्टि में वृद्धि होगी।

कन्या भुक्ति (18:12:2017 से 18:12:2018)

वर्तमान में, आप मीन दशा में, कन्या भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग अत्यंत अनुकूल है। इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको एक लाभप्रद पदोन्नति अथवा एक नया रोजगार प्राप्त होने की संभावना अत्यधिक है। आपके रहन–सहन के स्तर में सुधार होगा और आपकी संतुष्टि में वृद्धि होगी।

वर्तमान में आप कन्या दशा में (जो कि एक वर्ष तक चलेगी) मीन भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी जन्मकुण्डली में, आपके लग्न से गणना करने पर एकादशेश या तृतीयेश दशा–राशि में स्थित है या इस परअपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। इसके अतिरिक्त, आपकी दशा–राशि से गणना करने

पर एकादशेश या तृतीयेश भुक्ति–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहाहै, और भुक्ति–राशि से गणना करने पर एकादशेश या तृतीयेश दशा–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। यह प्रतिकूल आंतरिक संबंध बन रहा है। जैसाकि तीसरा भाव चौथे भाव से बारहवां है और ग्यारहवां भाव चौथे भाव से आठवां है। अतः आपकी माता का स्वास्थ्य व सुख आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। या फिर अथवा साथ ही, आपकी संपत्ति की हानि हो सकती है।

सिहं भुक्ति (18:12:2018 से 18:12:2019)

वर्तमान में आप सिहं राशि की भुक्ति–अवधि से गुजर रहे हैं– जिसका राशि–स्वामी आपकी कुण्डली में बुरी तरह से ग्रसित है (राहु से 3 डिग्री 20 मिनट के अंदर स्थित है)। इसके कुछ प्रतिकूल संकेत हैं। इस भुक्ति अवधि के दौरान, आप किसी आकस्मिक और अप्रत्याशित घटना आदि के कारण विचारों में भ्रम की स्थिति से गुजर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, आप अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए गलत तरीकों का प्रयोगकरने की कोशिश कर सकते हैं– जिसकी वजह से आप संदिग्ध पृष्ठभूमि या संदेहशील प्रकृति के लोगों के साथ गंभीर विवाद या मुसीबत में फंस सकते हैं।

वर्तमान में, आप मीन दशा में, सिहं भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करनेपर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग काफी प्रतिकूल है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रबल संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको अपने पेशे के क्षेत्र में गंभीर आघात का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप नौकरी में हैं, तो आपको नौकरी छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है। यदि आप व्यापार में हैं, तो आपको भारी हानियां हो सकती हैं। आपको अपना निवास स्थान भी छोड़ना पड़ सकता है अथवा किसी असुविधाजनक स्थान पर जाना पड़ सकता है।

वर्तमान में, आप मीन दशा में, सिहं भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करनेपर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग अत्यंत अनुकूल है। इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको एक लाभप्रद पदोन्नति अथवा एक नया रोजगार प्राप्त होने की संभावना अत्यधिक है। आपके रहन–सहन के स्तर में सुधार होगा और आपकी संतुष्टि में वृद्धि होगी।

कर्क भुक्ति (18:12:2019 से 18:12:2020)

वर्तमान में, आप मीन दशा में, कर्क भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करनेपर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग काफी प्रतिकूल है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रबल संशोधनकारी प्रभाव

उपस्थित नहीं हैं, तो इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको अपने पेशे के क्षेत्र में गंभीर आघात का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप नौकरी में हैं, तो आपको नौकरी छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है। यदि आप व्यापार में हैं, तो आपको भारी हानियां हो सकती हैं। आपको अपना निवास स्थान भी छोड़ना पड़ सकता है अथवा किसी असुविधाजनक स्थान पर जाना पड़ सकता है।

मिथुन भुक्ति (18:12:2020 से 18:12:2021)

वर्तमान में, आप मीन दशा में, मिथुन भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग काफी प्रतिकूल है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रबल संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको अपने पेशे के क्षेत्र में गंभीर आघात का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप नौकरी में हैं, तो आपको नौकरी छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है। यदि आप व्यापार में हैं, तो आपको भारी हानियां हो सकती हैं। आपको अपना निवास स्थान भी छोड़ना पड़ सकता है अथवा किसी असुविधाजनक स्थान पर जाना पड़ सकता है।

वर्तमान में, आप मीन दशा में, मिथुन भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग अत्यंत अनुकूल है। इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको एक लाभप्रद पदोन्नति अथवा एक नया रोजगार प्राप्त होने की संभावना अत्यधिक है। आपके रहन–सहन के स्तर में सुधार होगा और आपकी संतुष्टि में वृद्धि होगी।

वर्तमान में आप मिथुन दशा में (जो कि एक वर्ष तक चलेगी) मीन भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी जन्मकुण्डली में, आपके लग्न से गणना करने पर एकादशेश या तृतीयेश दशा–राशि में स्थित है या इस परअपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। इसके अतिरिक्त, आपकी दशा–राशि से गणना करने परएकादशेश या तृतीयेश भुक्ति–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है, और भुक्ति–राशि से गणना करने पर एकादशेश या तृतीयेश दशा–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। यह प्रतिकूल आंतरिक संबंध बन रहा है। जैसाकि तीसरा भाव चौथे भाव से बारहवां है और ग्यारहवां भाव चौथे भाव से आठवां है। अतः आपकी माता का स्वास्थ्य व सुखआपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। या फिर अथवा साथ ही, आपकी संपत्ति की हानि हो सकती है।

वर्तमान में आप जैमिनी चर दशा के अनुसार मिथुन राशि की भुक्ति से गुजर रहे हैं। शनि इस राशि में स्थित है और यह ना तो उच्चस्थ है व ना ही अपनी राशि में स्थित है। केतु भी इस राशि में स्थित है औरयह उच्चस्थ नहीं है। समग्र योग बहुत अनुकूल नहीं है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो इस दशा के प्रारम्भ के आस–पास और/या इस दशा के समाप्ति के आस–पास किसी अप्रत्याशि स्रोत और/या कुछ अनदेखे कारणों से आकस्मिक रूप से उत्पन्न कुछ गंभीर मुसीबतों का सामना कर सकते हैं। अतः आपको इस निर्देशित समय के आस–पास बहुत सावधान और सतर्क रहना चाहिए।

वृष भुक्ति (18:12:2021 से 18:12:2022)

वर्तमान में, आप मीन दशा में, वृष भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग काफी प्रतिकूल है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रबल संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको अपने पेशे के क्षेत्र में गंभीर आघात का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप नौकरी में हैं, तो आपको नौकरी छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है। यदि आप व्यापार में हैं, तो आपको भारी हानियां हो सकती हैं। आपको अपना निवास स्थान भी छोड़ना पड़ सकता है अथवा किसी असुविधाजनक स्थान पर जाना पड़ सकता है।

वर्तमान में, आप मीन दशा में, वृष भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग अत्यंत अनुकूल है। इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको एक लाभप्रद पदोन्नति अथवा एक नया रोजगार प्राप्त होने की संभावना अत्यधिक है। आपके रहन–सहन के स्तर में सुधार होगा और आपकी संतुष्टि में वृद्धि होगी।

वर्तमान में आप वृष दशा में (जो कि एक वर्ष तक चलेगी) मीन भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी जन्मकुण्डली में, आपके लग्न से गणना करने पर एकादशेश या तृतीयेश दशा–राशि में स्थित है या इस परअपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। इसके अतिरिक्त, आपकी दशा–राशि से गणना करने परएकादशेश या तृतीयेश भुक्ति–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है, और भुक्ति–राशि से गणना करने पर एकादशेश या तृतीयेश दशा–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। यह प्रतिकूल आंतरिक संबंध बन रहा है। जैसाकि तीसरा भाव चौथे भाव से बारहवां है और ग्यारहवां भाव चौथे भाव से आठवां है। अतः आपकी माता का स्वास्थ्य व सुखआपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। या फिर अथवा साथ ही, आपकी संपत्ति की हानि हो सकती है।

मेष भुक्ति (18:12:2022 से 18:12:2023)

वर्तमान में, आप मीन दशा में, मेष भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, आपके लग्न से गणना करने पर दशमेश आपकी दशा–राशि से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपके लग्न से गणना करने पर दशमेश आपकी भुक्ति–राशिसे भी दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी केअनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग अत्यंत अनुकूल है। इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्षतक चलेगा), आपको एक लाभप्रद पदोन्नति अथवा एक नया रोजगार प्राप्त होने की संभावना अत्यधिक है। आपके रहन–सहन के स्तर में सुधार होगा और आपकी संतुष्टि में वृद्धि होगी। संभावना है कि ये बदलाव मीन अथवा मेष के अन्तर–अवधि के दौरान हो सकते हैं।(जिनमें से प्रत्येक केवल एक माह के लिएचलता है)।

वृश्चिक दशा (18:12:2023 से 18:12:2030)

वर्तमान में आप उस राशि की चर दशा से गुजर रहे हैं, जिसमें बुध स्थित है, लेकिन यह ना तो उच्चस्थ हैऔर ना ही अपनी राशि में स्थित है। जैसाकि बुध सामान्य एवं तकनीकी शिक्षा तथा सभी प्रकार के बौद्धिक क्षेत्रों का नैसर्गिक कारक है, इस दशा के दौरान आपकी शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति की संभावना काफी उत्तम है। इसके अतिरिक्त, आप अनौपचारिक अध्ययन भी जारी रख सकते हैं। यदि आप किसी अन्य बौद्धिक कार्यों में संलग्न हैं, तो आप उत्तम उन्नति की आशा कर सकते हैं।

वर्तमान में आप उस राशि की चर दशा से गुजर रहे हैं, जिस पर मैत्री–कारक ग्रह अपनी दृष्टि (जैमिनी केअनुसार) डाल रहा है। यह कारक कुछ हद तक शिक्षा का कारक भी है। यह एक बढ़िया योग है। आपलाभदायक परिणाम प्राप्त करने की उम्मीद कर सकते हैं। इस दशा के दौरान शिक्षा ग्रहण करने की संभावना काफी उत्तम है। इसके अतिरिक्त, आप अनौपचारिक शिक्षा भी जारी रख सकते हैं।

वर्तमान में उस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, जिस पर चतुर्थेश की दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) पड़ रही है। जैसाकि चतुर्थेश शिक्षा का मुख्य कारक है, यह एक अनुकूल योग है। आप कुछ लाभदायक परिणाम प्राप्त करने की उम्मीद कर सकते हैं। इस दशा के दौरान शिक्षा ग्रहण करने की आपकी संभावना काफी उत्तम है। इसके अतिरिक्त, आप अनौपचारिक शिक्षा भी जारी रख सकते हैं।

वर्तमान में उस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, जिस पर नवमेश की दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) पड़ रही है। जैसाकि नवमेश उच्च शिक्षा का कारक है, यह एक बहुत अनुकूल योग है। आप कुछ लाभदायक परिणाम प्राप्त करने की उम्मीद कर सकते हैं। इस दशा के दौरान शिक्षा ग्रहण करने की आपकी संभावना काफी उत्तम है। इसके अतिरिक्त, आप अनौपचारिक शिक्षा भी जारी रख सकते हैं।

वर्तमान में आप जिस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, उस राशि से गणना करने पर पाँचवें भाव का स्वामी आपके लग्न से पाँचवें भाव में स्थित है। यद्यपि यह ग्रह आपकी कुण्डली में शक्तिशाली रूप से व्यवस्थित नहीं है– जैसाकि यह उच्चस्थ या अपने भाव में स्थित नहीं है। तब भी यह एक काफी अनुकूल योग है। इस दशा के दौरान आपकी शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति की संभावना काफी उत्तम है। इसके अतिरिक्त, आप अनौपचारिक अध्ययन भी जारी रख सकते हैं। इन सभी मामलों में आप बहुत उत्तम करने की आशा कर सकते हैं।

वर्तमान में आप उस राशि की चर दशा से गुजर रहे हैं, जिसे बृहस्पति और बुध, दोनों ग्रह प्रभावित कर रहेहैं। बुध इसमें स्थित है और बृहस्पति इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। यह एक बहुत अनुकूल योग है। इस दशा के दौरान आपकी शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति की संभावना काफी उत्तम है। इसके अतिरिक्त, आप अनौपचारिक अध्ययन भी जारी रख सकते हैं। इन सभी मामलों में बहुत उत्तम करनेकी आशा कर सकते हैं।

वर्तमान में आप उस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, जिसमें आपका दशमेश स्थित है। दशमेश पेशा, विश्वसनीयता, सम्मान आदि का संचालक है। इस दशा के दौरान, आप पेशे के क्षेत्र में अधिक उन्नति करेंगे। आप एक आकर्षक नया रोजगार प्राप्त कर सकते हैं अथवा एक प्रतिष्ठित पद तक पहुंच सकते हैं। आपका नाम व यश दूर दूर तक फैलेगा तथा लोग आपके साथ अधिक सम्मान का व्यवहार करेंगे। यदि आप व्यापार के क्षेत्र में हैं, परिस्थितियां निरन्तर लाभदायक होती जायेंगी और आपकी आय में काफी सुधार

होगा।

बुध बौद्धिक धन्धों और व्यापारिक सौदों का भी नैसर्गिक कारक है। वर्तमान में आप जिस राशि की चर दशा से गुजर रहे हैं, उसमें बुध स्थित है। इस दशा के दौरान, आप पेशे के क्षेत्र में पर्याप्त उन्नति करने की आशा कर सकते हैं। आप एक नया रोजगार प्राप्त कर सकते हैं अथवा एक प्रतिष्ठित पद तक पहुंच सकते हैं। आपका नाम व यश दूर दूर तक फैलेगा तथा लोग आपके साथ अधिक सम्मान का व्यवहार करेंगे। यदि आप व्यापार के क्षेत्र में हैं, तो आपकी परिस्थितियां निरन्तर लाभदायक होती जायेंगी और आपकी आय में भी काफी सुधार होगा।

वर्तमान में आप जिस राशि की चर दशा से गुजर रहे हैं, आपकी जन्मकुण्डली में, एक या एक से अधिक अशुभ ग्रह उस राशि से छठवें भाव में स्थित हैं। उस राशि में कोई भी शुभ ग्रह स्थित नहीं है। जैसाकि छठवां भाव नौकरी और प्रतियोगिता का सूचक है, अतः यह अनेक मामलों में बहुत अनुकूल योग है। इस दशा अवधि के दौरान आप पेशे के क्षेत्र में अत्यंत प्रगति की आशा कर सकते हैं। संभवतः आप किसी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप एक नया रोजगार प्राप्त कर सकते हैं अथवा स्थानान्तरण हो सकता है अथवा पदोन्नति हो सकती है। आपका पद और पारिश्रमिक बहुत बढ़िया हो सकता है। जैसाकि छठवां भाव शत्रु व रोग का भी सूचक है, आपके शत्रु पूर्णतः परास्त होंगे, किन्तु आपकास्वास्थ्य कुछ हद तक नाजुक हो सकता है। यदि आप व्यापार में हैं, तो आपके लिए नये मार्ग खुल सकते हैं और आप काफी तेजी से आगे बढ़ सकते हैं।

वर्तमान में आप जिस राशि की चर दशा से गुजर रहे हैं, उस राशि से आठवें भाव में दो या अधिक अशुभ ग्रह स्थित हैं। उस राशि में कोई भी शुभ ग्रह स्थित नहीं है। जैसाकि आठवां भाव गंभीर समस्याओं और कठिनाइयों का सूचक है। अतः यह बिल्कुल भी अनुकूल योग नहीं है। इस दशा अवधि के दौरान, आप पेशेके क्षेत्र में कठिन स्थिति का सामना कर सकते हैं, आपकी आय आपके प्रयासों अथवा अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं हो सकता है। आप अपने वरिष्ठों या अधिकारियां के कोप का भाजन बन सकते हैं तथा भयानक परिणामों का सामना करने का खतरा हो सकता है। जो कुछ भी हो रहा है, वह सुचारू ढंग से नहीं हो सकता है तथा आपको अपनी स्थिति बनाये रखने में कठिनाई हो सकती है। लेकिन, तब भी आप कुछ लोगों का समर्थन प्राप्त कर सकते हैं, जो कि निम्न सामाजिक–आर्थिक स्तर के हो सकते हैं। यदि आप व्यापार में हैं, तो आपकी परिस्थितियां काफी नुकसानदायक होंगी, और यह काफी मंदा हो सकता है।धन की कमी के कारण आप अपने वादों को निभाने में सक्षम नहीं हो सकते हैं।

आपकी कुण्डली में धनु राशि में दारा–कारक ग्रह स्थित है, वृश्चिक राशि दारा–पद राशि है, मकर राशि मेंविवाह का नैसर्गिक कारक ग्रह स्थित है तथा मेष राशि उप–पद राशि है। इनमें से किसी भी राशि की दशा, इनमें से किसी भी राशि की भुक्ति और इनमें से किसी भी राशि के अंतर के दौरान आपका विवाह होने की संभावना है। (स्पष्टतः उपयुक्त आयु के अन्तर्गत होगा। इन दशा–भुक्ति–अंतर संयोजन के समय के लिए जैमिनी चर दशा और त्रिकोण दशा को निर्देशित की जा सकती है– राघव भट्ट और नृसिंह सूरी की विभाजन (भुक्ति) और उपविभाजन (अंतर) के अनुसार। एक अंतर–अवधि केवल एक महीने के लिए होती है। इसलिए मुहूर्त और गोचर आदि के निर्णय लेते समय अन्य पक्षों के कारण कुछ दिनों के अन्तर को भी माना जा सकता है)।

मेष भुक्ति (18:12:2023 से 18:12:2024)

वर्तमान में आप मेष दशा में (जो कि एक वर्ष तक चलेगी) वृश्चिक भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी जन्मकुण्डली में, आपके लग्न से गणना करने पर एकादशेश या तृतीयेश दशा–राशि में स्थित है या इस

पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। इसके अतिरिक्त, आपकी दशा–राशि से गणना करने पर एकादशेश या तृतीयेश भुक्ति–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहाहै, और भुक्ति–राशि से गणना करने पर एकादशेश या तृतीयेश दशा–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। यह प्रतिकूल आंतरिक संबंध बन रहा है। जैसाकि तीसरा भाव चौथे भाव से बारहवां है और ग्यारहवां भाव चौथे भाव से आठवां है। अतः आपकी माता का स्वास्थ्य व सुख आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। या फिर अथवा साथ ही, आपकी संपत्ति की हानि हो सकती है।

वर्तमान में आप वृश्चिक दशा (जो कि एक साल तक चलेगा) में मेष भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी जन्मकुण्डली में आपके लग्न से गणना करने पर चतुर्थेश या अष्टमेश दशा–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। इसके अतिरिक्त, आपकी दशा–राशि से गणना करने पर चतुर्थेश या अष्टमेश भुक्ति–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है, और भुक्ति–राशि से गणना करने पर चतुर्थेश या अष्टमेश दशा–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। यह प्रतिकूल आंतरिक संबंध बन रहा है। जैसाकि आठवां भाव नौवें भावसे बारहवां है और चौथा भाव नौवें भाव से आठवां है। अतः आपके पिता का स्वास्थ्य व सुख आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। या फिर अथवा साथ ही, आप किसी दुर्घटना का सामना कर सकते हैं।

वर्तमान में आप मेष दशा में (जो कि एक वर्ष तक चलेगी) वृश्चिक भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी जन्मकुण्डली में, आपके लग्न से गणना करने पर षष्ठेश या द्वितीयेश दशा–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। इसके अतिरिक्त, आपकी दशा–राशि से गणना करने पर षष्ठेश या द्वितीयेश भुक्ति–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है, और भुक्ति–राशि से गणना करने पर षष्ठेश या द्वितीयेश दशा–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। यह प्रतिकूल आंतरिक संबंध बन रहा है। जैसाकि छठा भाव सातवें भावसे बारहवां है और दूसरा भाव सातवें भाव से आठवां है। अतः आपके जीवनसाथी का स्वास्थ्य व सुख आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। उनको किसी दुर्घटना का सामना करना पड़ सकता है और/या किसी शल्य प्रक्रिया से गुजरना पड़ सकता है।

वर्तमान में आप वृश्चिक दशा में (जो कि एक वर्ष तक चलेगी) मेष भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी जन्मकुण्डली में, आपके लग्न से गणना करने पर द्वादशेश या अष्टमेश दशा–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। इसके अतिरिक्त, आपकी दशा–राशि से गणना करने पर द्वादशेश या अष्टमेश भुक्ति–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है, और भुक्ति–राशि से गणना करने पर द्वादशेश या अष्टमेश दशा–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। यह प्रतिकूल आंतरिक संबंध बन रहा है। अतः आपका स्वास्थ्य व सुख आपके परिवार के सदस्यों के लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। आपको किसी दुर्घटना का सामना करनापड़ सकता है और/या किसी शल्य प्रक्रिया से गुजरना पड़ सकता है।

वृष भुक्ति (18:12:2024 से 18:12:2025)

वर्तमान में, आप वृश्चिक दशा में, वृष भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार)

डाल रहा है)। यह समग्र योग काफी प्रतिकूल है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रबल संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको अपने पेशे के क्षेत्र में गंभीर आघात का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप नौकरी में हैं, तो आपको नौकरी छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है। यदि आप व्यापार में हैं, तो आपको भारी हानियां हो सकती हैं। आपको अपना निवास स्थान भी छोड़ना पड़ सकता है अथवा किसी असुविधाजनक स्थान पर जाना पड़ सकता है।

वर्तमान में, आप वृश्चिक दशा में, वृष भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग अत्यंत अनुकूल है। इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको एक लाभप्रद पदोन्नति अथवा एक नया रोजगार प्राप्त होने की संभावना अत्यधिक है। आपके रहन–सहन के स्तर में सुधार होगा और आपकी संतुष्टि में वृद्धि होगी।

वर्तमान में आप वृष दशा में वृश्चिक भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में आपके लग्न से गणना करने पर सप्तमेश दशा–राशि में स्थित है (या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। आपके लग्न से गणना करने पर द्वितीयेश भी दशा–राशि में स्थित है (या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। इसके अतिरिक्त आपकी दशा–राशि से गणना करने पर भी सप्तमेश भुक्ति राशि मेंस्थित है (या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), दशा–राशि से गणना करने द्वितीयेश भी भुक्ति–राशि में स्थित है (या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। इससे आगे, आपकी भुक्ति–राशि से गणना करने पर सप्तमेश दशा–राशि में स्थित है (या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), आपकी भुक्ति–राशि से गणना करने पर द्वितीयेश भी दशा–राशि में स्थित है (या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग अत्यंत शुभ है। यदिअभी तक आपका विवाह नहीं हुआ है, तो इस अवधि के दौरान (जो कि एक साल तक चलेगा) आपकाविवाह होने की बहुत अधिक संभावना है। इसकी भी काफी संभावना है कि यह विवाह समारोह मकरअन्तर (जो कि केवल एक माह तक चलती है) या इसके आस–पास किसी समय हो सकता है।

मिथुन भुक्ति (18:12:2025 से 18:12:2026)

वर्तमान में, आप वृश्चिक दशा में, मिथुन भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग काफी प्रतिकूल है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रबल संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको अपने पेशे के क्षेत्र में गंभीर आघात का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप नौकरी में हैं, तो आपको नौकरी छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है। यदि आप व्यापार में हैं, तो आपको भारी हानियां हो सकती हैं। आपको अपना निवास स्थान भी छोड़ना पड़ सकता है अथवा किसी असुविधाजनक स्थान पर जाना पड़ सकता है।

वर्तमान में, आप वृश्चिक दशा में, मिथुन भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार)

डाल रहा है)। यह समग्र योग अत्यंत अनुकूल है। इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको एक लाभप्रद पदोन्नति अथवा एक नया रोजगार प्राप्त होने की संभावना अत्यधिक है। आपके रहन–सहन के स्तर में सुधार होगा और आपकी संतुष्टि में वृद्धि होगी।

वर्तमान में, आप वृश्चिक दशा में, मिथुन भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, आपके लग्न से गणना करने पर दशमेश आपकी दशा–राशि से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपके लग्न से गणना करने पर दशमेश आपकी भुक्ति–राशि से भी दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग अत्यंत अनुकूल है। इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको एक लाभप्रद पदोन्नति अथवा एक नया रोजगार प्राप्त होने की संभावना अत्यधिक है। आपके रहन–सहन के स्तर में सुधार होगा और आपकी संतुष्टि में वृद्धि होगी। संभावना है कि ये बदलाव वृश्चिक अथवा मिथुन के अन्तर–अवधि के दौरान हो सकते हैं।(जिनमें से प्रत्येक केवल एक माह के लिए चलता है)।

वर्तमान में आप मिथुन दशा में (जो कि एक वर्ष तक चलेगी) वृश्चिक भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी जन्मकुण्डली में, आपके लग्न से गणना करने पर एकादशेश या तृतीयेश दशा–राशि में स्थित है या इस परअपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। इसके अतिरिक्त, आपकी दशा–राशि से गणना करने परएकादशेश या तृतीयेश भुक्ति–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है, और भुक्ति–राशि से गणना करने पर एकादशेश या तृतीयेश दशा–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। यह प्रतिकूल आंतरिक संबंध बन रहा है। जैसाकि तीसरा भाव चौथे भाव से बारहवां है और ग्यारहवां भाव चौथे भाव से आठवां है। अतः आपकी माता का स्वास्थ्य व सुखआपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। या फिर अथवा साथ ही, आपकी संपत्ति की हानि हो सकती है।

वर्तमान में आप वृश्चिक दशा (जो कि एक साल तक चलेगा) में मिथुन भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी जन्मकुण्डली में आपके लग्न से गणना करने पर चतुर्थेश या अष्टमेश दशा–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। इसके अतिरिक्त, आपकी दशा–राशि से गणना करने पर चतुर्थेश या अष्टमेश भुक्ति–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है, और भुक्ति–राशि से गणना करने पर चतुर्थेश या अष्टमेश दशा–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। यह प्रतिकूल आंतरिक संबंध बन रहा है। जैसाकि आठवां भाव नौवें भावसे बारहवां है और चौथा भाव नौवें भाव से आठवां है। अतः आपके पिता का स्वास्थ्य व सुख आपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। या फिर अथवा साथ ही, आप किसी दुर्घटना का सामना कर सकते हैं।

वर्तमान में आप जैमिनी चर दशा के अनुसार मिथुन राशि की भुक्ति से गुजर रहे हैं। शनि इस राशि में स्थित है और यह ना तो उच्चस्थ है व ना ही अपनी राशि में स्थित है। केतु भी इस राशि में स्थित है औरयह उच्चस्थ नहीं है। समग्र योग बहुत अनुकूल नहीं है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो इस दशा के प्रारम्भ के आस–पास और/या इस दशा के समाप्ति के आस–पास किसी अप्रत्याशि स्रोत और/या कुछ अनदेखे कारणों से आकस्मिक रूप से उत्पन्न कुछ गंभीर मुसीबतों का सामना कर सकते हैं। अतः आपको इस निर्देशित समय के आस–पास बहुत सावधान और सतर्क रहना चाहिए।

कर्क भुक्ति (18:12:2026 से 18:12:2027)

वर्तमान में, आप वृश्चिक दशा में, कर्क भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग काफी प्रतिकूल है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रबल संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको अपने पेशे के क्षेत्र में गंभीर आघात का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप नौकरी में हैं, तो आपको नौकरी छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है। यदि आप व्यापार में हैं, तो आपको भारी हानियां हो सकती हैं। आपको अपना निवास स्थान भी छोड़ना पड़ सकता है अथवा किसी असुविधाजनक स्थान पर जाना पड़ सकता है।

वर्तमान में आप कर्क दशा में (जो कि एक वर्ष तक चलेगी) वृश्चिक भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी जन्मकुण्डली में, आपके लग्न से गणना करने पर एकादशेश या तृतीयेश दशा–राशि में स्थित है या इस परअपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। इसके अतिरिक्त, आपकी दशा–राशि से गणना करने परएकादशेश या तृतीयेश भुक्ति–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है, और भुक्ति–राशि से गणना करने पर एकादशेश या तृतीयेश दशा–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। यह प्रतिकूल आंतरिक संबंध बन रहा है। जैसाकि तीसरा भाव चौथे भाव से बारहवां है और ग्यारहवां भाव चौथे भाव से आठवां है। अतः आपकी माता का स्वास्थ्य व सुखआपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। या फिर अथवा साथ ही, आपकी संपत्ति की हानि हो सकती है।

सिहं भुक्ति (18:12:2027 से 18:12:2028)

वर्तमान में आप सिहं राशि की भुक्ति–अवधि से गुजर रहे हैं– जिसका राशि–स्वामी आपकी कुण्डली में बुरी तरह से ग्रसित है (राहु से 3 डिग्री 20 मिनट के अंदर स्थित है)। इसके कुछ प्रतिकूल संकेत हैं। इस भुक्ति अवधि के दौरान, आप किसी आकस्मिक और अप्रत्याशित घटना आदि के कारण विचारों में भ्रम की स्थिति से गुजर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, आप अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए गलत तरीकों का प्रयोगकरने की कोशिश कर सकते हैं– जिसकी वजह से आप संदिग्ध पृष्ठभूमि या संदेहशील प्रकृति के लोगों के साथ गंभीर विवाद या मुसीबत में फंस सकते हैं।

वर्तमान में, आप वृश्चिक दशा में, सिहं भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग काफी प्रतिकूल है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रबल संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको अपने पेशे के क्षेत्र में गंभीर आघात का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप नौकरी में हैं, तो आपको नौकरी छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है। यदि आप व्यापार में हैं, तो आपको भारी हानियां हो सकती हैं। आपको अपना निवास स्थान भी छोड़ना पड़ सकता है अथवा किसी असुविधाजनक स्थान पर जाना पड़ सकता है।

वर्तमान में, आप वृश्चिक दशा में, सिहं भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर

दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग अत्यंत अनुकूल है। इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको एक लाभप्रद पदोन्नति अथवा एक नया रोजगार प्राप्त होने की संभावना अत्यधिक है। आपके रहन–सहन के स्तर में सुधार होगा और आपकी संतुष्टि में वृद्धि होगी।

कन्या भुक्ति (18:12:2028 से 18:12:2029)

वर्तमान में, आप वृश्चिक दशा में, कन्या भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग अत्यंत अनुकूल है। इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको एक लाभप्रद पदोन्नति अथवा एक नया रोजगार प्राप्त होने की संभावना अत्यधिक है। आपके रहन–सहन के स्तर में सुधार होगा और आपकी संतुष्टि में वृद्धि होगी।

वर्तमान में, आप वृश्चिक दशा में, कन्या भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, आपके लग्न से गणना करने पर दशमेश आपकी दशा–राशि से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपके लग्न से गणना करने पर दशमेश आपकी भुक्ति–राशि से भी दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग अत्यंत अनुकूल है। इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको एक लाभप्रद पदोन्नति अथवा एक नया रोजगार प्राप्त होने की संभावना अत्यधिक है। आपके रहन–सहन के स्तर में सुधार होगा और आपकी संतुष्टि में वृद्धि होगी। संभावना है कि ये बदलाव वृश्चिक अथवा कन्या के अन्तर–अवधि के दौरान हो सकते हैं।(जिनमें से प्रत्येक केवल एक माह के लिए चलता है)।

वर्तमान में आप कन्या दशा में (जो कि एक वर्ष तक चलेगी) वृश्चिक भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी जन्मकुण्डली में, आपके लग्न से गणना करने पर एकादशेश या तृतीयेश दशा–राशि में स्थित है या इस परअपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। इसके अतिरिक्त, आपकी दशा–राशि से गणना करने परएकादशेश या तृतीयेश भुक्ति–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है, और भुक्ति–राशि से गणना करने पर एकादशेश या तृतीयेश दशा–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। यह प्रतिकूल आंतरिक संबंध बन रहा है। जैसाकि तीसरा भाव चौथे भाव से बारहवां है और ग्यारहवां भाव चौथे भाव से आठवां है। अतः आपकी माता का स्वास्थ्य व सुखआपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। या फिर अथवा साथ ही, आपकी संपत्ति की हानि हो सकती है।

तुला भुक्ति (18:12:2029 से 18:12:2030)

वर्तमान में, आप वृश्चिक दशा में, तुला भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर दशमेश आपके

लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग अत्यंत अनुकूल है। इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको एक लाभप्रद पदोन्नति अथवा एक नया रोजगार प्राप्त होने की संभावना अत्यधिक है। आपके रहन–सहन के स्तर में सुधार होगा और आपकी संतुष्टि में वृद्धि होगी।

मिथुन दशा (18:12:2030 से 18:12:2035)

वर्तमान में आप उस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, जिसमें पंचमेश स्थित है। यद्यपि पंचमेश आपकी जन्मकुण्डली में शक्तिशाली रूप से व्यवस्थित नहीं है– जैसाकि यह ना तो उच्चस्थ है और ना ही अपनी राशि में स्थित है, जैसाकि पंचमेश स्मृति, प्रतिभा आदि का कारक है, इसलिए यह अब भी एक बहुत लाभदायक योग है। आप लाभदायक परिणाम प्राप्त करने की उम्मीद कर सकते हैं। इस दशा के दौरान शिक्षा ग्रहण करने की आपकी संभावना काफी उत्तम है। इसके अतिरिक्त, आप अनौपचारिक शिक्षा भी जारीरख सकते हैं।

वर्तमान में उस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, जिस पर एकादशेश की दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) पड़रही है। जैसाकि एकादशेश अभिलाषाओं की पूर्ति और महात्वाकांक्षाओं के कार्यान्वयन का कारक है, यहएक बहुत अनुकूल योग है। आप कुछ लाभदायक परिणाम प्राप्त करने की उम्मीद कर सकते हैं। इस दशा के दौरान शिक्षा ग्रहण करने की आपकी संभावना काफी उत्तम है। इसके अतिरिक्त, आप अनौपचारिकशिक्षा भी जारी रख सकते हैं।

वर्तमान में आप जिस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, उस राशि से गणना करने पर पाँचवें भाव का स्वामी आपके लग्न से पाँचवें भाव में स्थित है। यद्यपि यह ग्रह आपकी कुण्डली में शक्तिशाली रूप से व्यवस्थित नहीं है– जैसाकि यह उच्चस्थ या अपने भाव में स्थित नहीं है। तब भी यह एक काफी अनुकूल योग है। इस दशा के दौरान आपकी शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति की संभावना काफी उत्तम है। इसके अतिरिक्त, आप अनौपचारिक अध्ययन भी जारी रख सकते हैं। इन सभी मामलों में आप बहुत उत्तम करने की आशा कर सकते हैं।

वर्तमान में आप जिस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, उसमें लग्न से गणना करने पर एकादशेश दशा–राशि से चौथे भाव में स्थित है। यद्यपि यह ग्रह आपकी कुण्डली में शक्तिशाली रूप से व्यवस्थित नहीं है– जैसाकि यह उच्चस्थ या अपने भाव में स्थित नहीं है। तब भी यह एक काफी अनुकूल योग है। इस दशा के दौरान आपकी शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति की संभावना काफी उत्तम है। इसके अतिरिक्त, आप अनौपचारिक अध्ययन भी जारी रख सकते हैं। इन सभी मामलों में बहुत उत्तम करने की आशा कर सकते हैं।

वर्तमान में आप उस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, जो कि आपके लग्न से दसवें भाव की राशि के अनुकूल है। दसवां भाव पेशा, विश्वसनीयता, सम्मान आदि का भाव है। इस दशा के दौरान, आप पेशे के क्षेत्र में निश्चित रूप से अधिक उन्नति करेंगे। आप एक आकर्षक नया रोजगार प्राप्त कर सकते हैं अथवा एक प्रतिष्ठित पद तक पहुंच सकते हैं। आपकी विश्वसनीयता और सम्मान में वृद्धि होगी तथा लोग आपके साथ अधिक सम्मान का व्यवहार करेंगे। यदि आप व्यापार के क्षेत्र में हैं, परिस्थितियां निरन्तर लाभदायक होती जायेंगी और आपकी आय में काफी सुधार होगा।

वर्तमान में आप उस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, जिसमें आपका पंचमेश स्थित है। पंचमेश पद, स्थिति आदि का संचालक है। इस दशा के दौरान, आप पेशे के क्षेत्र में अधिक उन्नति करेंगे। आप एक

आकर्षक नया रोजगार प्राप्त कर सकते हैं अथवा एक प्रतिष्ठित पद तक पहुंच सकते हैं। आपका नाम व यश दूर दूर तक फैलेगा तथा लोग आपके साथ अधिक सम्मान का व्यवहार करेंगे। यदि आप व्यापार के क्षेत्र में हैं, परिस्थितियां निरन्तर लाभदायक होती जायेंगी और आपकी आय में काफी सुधार होगा।

शनि सेवा क्षेत्र और औद्योगिक धन्धों का नैसर्गिक कारक है। वर्तमान में आप जिस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, उसमें शनि स्थित है। इस दशा के दौरान, आप पेशे के क्षेत्र में पर्याप्त उन्नति करने की आशाकर सकते हैं। आप एक नया रोजगार प्राप्त कर सकते हैं अथवा एक प्रतिष्ठित पद तक पहुंच सकते हैं। आपका नाम व यश दूर दूर तक फैलेगा तथा लोग आपके साथ अधिक सम्मान का व्यवहार करेंगे। यदि आप व्यापार के क्षेत्र में हैं, तो आपकी परिस्थितियां अधिक लाभदायक होंगी और आपकी आय में भी काफी सुधार होगा।

आपकी जन्मकुण्डली में, वर्तमान में आप जिस राशि की चर दशा से गुजर रहे हैं, उस राशि से गणना करने पर पंचमेश और दशमेश की एक साथ युति है। यह युति आपके लग्न से पाँचवें भाव में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। जैसाकि दसवां भाव पेशे का सूचक है और पाँचवां भाव पद का प्रतीक है। अतः यह एक अनुकूल योग है। इस दशा के दौरान, रोजगार/व्यापार से संबंधित मामलों में, आपकी स्थिति में सुधार हो सकता है। आपके रोजगार में परिवर्तन, स्थानान्तरण या पदोन्नति होसकती है। आपका निवास स्थान भी परिवर्तित हो सकता है और आपको एक बेहतर आवास प्राप्त हो सकता है। यदि आप व्यापार के क्षेत्र में हैं, तो आप कोई नया व्यवसाय प्रारम्भ कर सकते हैं अथवा किसी और अधिक लाभदायक स्थान पर जा सकते हैं।

वर्तमान में आप मिथुन राशि की जैमिनी चर दशा से गुजर रहे हैं। शनि इस राशि में स्थित है और यह नातो उच्चस्थ है एवं ना ही अपनी राशि में स्थित है। केतु भी इस राशि में स्थित है और यह उच्चस्थ नहींहै। यह समग्र योग बहुत अनुकूल नहीं हैं यदि आपकी कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो इस दशा के प्रारम्भ के समय में और/या इस दशा के अन्त समय के आस–पास, आप किसी अप्रत्याशित स्रोत और/या अनजाने कारणों से उत्पन्न गंभीर कठिनाईयों का सामना कर सकते हैं। अतः आपको उपरोक्त समयावधि के आस–पास बहुत सावधान व सतर्क रहना चाहिए।

वृश्चिक भुक्ति (18:12:2030 से 18:12:2031)

वर्तमान में, आप मिथुन दशा में, वृश्चिक भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग काफी प्रतिकूल है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रबल संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको अपने पेशे के क्षेत्र में गंभीर आघात का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप नौकरी में हैं, तो आपको नौकरी छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है। यदि आप व्यापार में हैं, तो आपको भारी हानियां हो सकती हैं। आपको अपना निवास स्थान भी छोड़ना पड़ सकता है अथवा किसी असुविधाजनक स्थान पर जाना पड़ सकता है।

वर्तमान में, आप मिथुन दशा में, वृश्चिक भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार)

डाल रहा है)। यह समग्र योग अत्यंत अनुकूल है। इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको एक लाभप्रद पदोन्नति अथवा एक नया रोजगार प्राप्त होने की संभावना अत्यधिक है। आपके रहन–सहन के स्तर में सुधार होगा और आपकी संतुष्टि में वृद्धि होगी।

वर्तमान में, आप मिथुन दशा में, वृश्चिक भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, आपके लग्न से गणना करने पर दशमेश आपकी दशा–राशि से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपके लग्न से गणना करने पर दशमेश आपकी भुक्ति–राशि से भी दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग अत्यंत अनुकूल है। इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको एक लाभप्रद पदोन्नति अथवा एक नया रोजगार प्राप्त होने की संभावना अत्यधिक है। आपके रहन–सहन के स्तर में सुधार होगा और आपकी संतुष्टि में वृद्धि होगी। संभावना है कि ये बदलाव मिथुन अथवा वृश्चिक के अन्तर–अवधि के दौरान हो सकते हैं।(जिनमें से प्रत्येक केवल एक माह के लिए चलता है)।

वर्तमान में आप वृश्चिक दशा में (जो कि एक वर्ष तक चलेगी) मिथुन भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी जन्मकुण्डली में, आपके लग्न से गणना करने पर एकादशेश या तृतीयेश दशा–राशि में स्थित है या इस परअपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। इसके अतिरिक्त, आपकी दशा–राशि से गणना करने परएकादशेश या तृतीयेश भुक्ति–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है, और भुक्ति–राशि से गणना करने पर एकादशेश या तृतीयेश दशा–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। यह प्रतिकूल आंतरिक संबंध बन रहा है। जैसाकि तीसरा भाव चौथे भाव से बारहवां है और ग्यारहवां भाव चौथे भाव से आठवां है। अतः आपकी माता का स्वास्थ्य व सुखआपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। या फिर अथवा साथ ही, आपकी संपत्ति की हानि हो सकती है।

तुला भुक्ति (18:12:2031 से 18:12:2032)

वर्तमान में, आप मिथुन दशा में, तुला भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग अत्यंत अनुकूल है। इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको एक लाभप्रद पदोन्नति अथवा एक नया रोजगार प्राप्त होने की संभावना अत्यधिक है। आपके रहन–सहन के स्तर में सुधार होगा और आपकी संतुष्टि में वृद्धि होगी।

कन्या भुक्ति (18:12:2032 से 18:12:2033)

वर्तमान में, आप मिथुन दशा में, कन्या भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग अत्यंत अनुकूल है। इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक

चलेगा), आपको एक लाभप्रद पदोन्नति अथवा एक नया रोजगार प्राप्त होने की संभावना अत्यधिक है। आपके रहन–सहन के स्तर में सुधार होगा और आपकी संतुष्टि में वृद्धि होगी।

वर्तमान में आप कन्या दशा में (जो कि एक वर्ष तक चलेगी) मिथुन भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी जन्मकुण्डली में, आपके लग्न से गणना करने पर एकादशेश या तृतीयेश दशा–राशि में स्थित है या इस परअपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। इसके अतिरिक्त, आपकी दशा–राशि से गणना करने परएकादशेश या तृतीयेश भुक्ति–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है, और भुक्ति–राशि से गणना करने पर एकादशेश या तृतीयेश दशा–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। यह प्रतिकूल आंतरिक संबंध बन रहा है। जैसाकि तीसरा भाव चौथे भाव से बारहवां है और ग्यारहवां भाव चौथे भाव से आठवां है। अतः आपकी माता का स्वास्थ्य व सुखआपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। या फिर अथवा साथ ही, आपकी संपत्ति की हानि हो सकती है।

सिहं भुक्ति (18:12:2033 से 18:12:2034)

वर्तमान में आप सिहं राशि की भुक्ति–अवधि से गुजर रहे हैं– जिसका राशि–स्वामी आपकी कुण्डली में बुरी तरह से ग्रसित है (राहु से 3 डिग्री 20 मिनट के अंदर स्थित है)। इसके कुछ प्रतिकूल संकेत हैं। इस भुक्ति अवधि के दौरान, आप किसी आकस्मिक और अप्रत्याशित घटना आदि के कारण विचारों में भ्रम की स्थिति से गुजर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, आप अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए गलत तरीकों का प्रयोगकरने की कोशिश कर सकते हैं– जिसकी वजह से आप संदिग्ध पृष्ठभूमि या संदेहशील प्रकृति के लोगों के साथ गंभीर विवाद या मुसीबत में फंस सकते हैं।

वर्तमान में, आप मिथुन दशा में, सिहं भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग काफी प्रतिकूल है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रबल संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको अपने पेशे के क्षेत्र में गंभीर आघात का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप नौकरी में हैं, तो आपको नौकरी छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है। यदि आप व्यापार में हैं, तो आपको भारी हानियां हो सकती हैं। आपको अपना निवास स्थान भी छोड़ना पड़ सकता है अथवा किसी असुविधाजनक स्थान पर जाना पड़ सकता है।

वर्तमान में, आप मिथुन दशा में, सिहं भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग अत्यंत अनुकूल है। इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको एक लाभप्रद पदोन्नति अथवा एक नया रोजगार प्राप्त होने की संभावना अत्यधिक है। आपके रहन–सहन के स्तर में सुधार होगा और आपकी संतुष्टि में वृद्धि होगी।

कुम्भ दशा (18:12:2035 से 18:12:2043)

वर्तमान में आप जिस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, उस राशि से गणना करने पर चौथे भाव का स्वामी आपके लग्न से पाँचवें भाव में स्थित है। यद्यपि यह ग्रह आपकी कुण्डली में शक्तिशाली रूप से व्यवस्थित नहीं है– जैसाकि यह उच्चस्थ या अपने भाव में स्थित नहीं है। तब भी यह एक काफी अनुकूल योग है। इस दशा के दौरान आपकी शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति की संभावना काफी उत्तम है। इसके अतिरिक्त, आप अनौपचारिक अध्ययन भी जारी रख सकते हैं। इन सभी मामलों में बहुत उत्तम करने की आशा कर सकते हैं।

वर्तमान में आप जिस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, उसमें लग्न से गणना करने पर पंचमेश दशा–राशि से पाँचवें भाव में स्थित है। यद्यपि यह ग्रह आपकी कुण्डली में शक्तिशाली रूप से व्यवस्थित नहीं है– जैसाकि यह उच्चस्थ या अपने भाव में स्थित नहीं है। तब भी यह एक काफी अनुकूल योग है। इस दशा के दौरान आपकी शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति की संभावना काफी उत्तम है। इसके अतिरिक्त, आप अनौपचारिक अध्ययन भी जारी रख सकते हैं। इन सभी मामलों में बहुत उत्तम करने की आशा कर सकते हैं।

वर्तमान में आप उस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, जिसका स्वामी आपके लग्न से दसवें भाव में स्थित है। दसवां भाव पेशे से संबंधित मामलों का शासक है। इस दशा के दौरान, आप पेशे के क्षेत्र में अधिक उन्नति करेंगे। आप एक आकर्षक नया रोजगार प्राप्त कर सकते हैं अथवा एक प्रतिष्ठित पद तक पहुंच सकते हैं। आपका नाम व यश दूर दूर तक फैलेगा तथा लोग आपके साथ अधिक सम्मान का व्यवहार करेंगे। यदि आप व्यापार के क्षेत्र में हैं, तो परिस्थितियां निरन्तर लाभदायक होती जायेंगी और आपकी आय में काफी सुधार होगा।

वर्तमान में आप जिस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, उससे दसवें भाव में आपके लग्न से दशमेश स्थित है। दशमेश पेशा, विश्वसनीयता, प्रतिष्ठा आदि का शासक है। इस दशा के दौरान, आप पेशे के क्षेत्र में अधिक उन्नति करेंगे। आप एक नया रोजगार प्राप्त कर सकते हैं अथवा एक प्रतिष्ठित पद तक पहुंच सकते हैं। आपका नाम व यश दूर दूर तक फैलेगा तथा लोग आपके साथ अधिक सम्मान का व्यवहार करेंगे। यदि आप व्यापार के क्षेत्र में हैं, तो आपकी परिस्थितियां निरन्तर लाभदायक होती जायेंगी और आपकी आय में काफी सुधार होगा।

वर्तमान में आप जिस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, उससे पाँचवें भाव में आपके लग्न से पंचमेश स्थित है। पंचमेश पद का प्रतीक है। इस दशा के दौरान, आप पेशे के क्षेत्र में अधिक उन्नति करेंगे। आप एक नया रोजगार प्राप्त कर सकते हैं अथवा एक प्रतिष्ठित पद तक पहुंच सकते हैं। आपका नाम व यश दूर दूर तक फैलेगा तथा लोग आपके साथ अधिक सम्मान का व्यवहार करेंगे। यदि आप व्यापार के क्षेत्र मेंहैं, तो आपकी परिस्थितियां निरन्तर लाभदायक होती जायेंगी और आपकी आय में काफी सुधार होगा।

बुध बौद्धिक धन्धों और व्यापारिक सौदों का भी नैसर्गिक कारक है। वर्तमान में आप जिस राशि की चर दशा से गुजर रहे हैं, उससे दसवें भाव में बुध स्थित है। दसवां भाव पेशे का संचालक है। इस दशा के दौरान, आप पेशे के क्षेत्र में अधिक उन्नति करेंगे। आप एक नया रोजगार प्राप्त कर सकते हैं अथवा एक प्रतिष्ठित पद तक पहुंच सकते हैं। आपका नाम व यश दूर दूर तक फैलेगा तथा लोग आपके साथ अधिक सम्मान का व्यवहार करेंगे। यदि आप व्यापार के क्षेत्र में हैं, तो आपकी परिस्थितियां निरन्तर लाभदायक होती जायेंगी और आपकी आय में काफी सुधार होगा।

शनि सेवा क्षेत्र और औद्योगिक धन्धों का नैसर्गिक कारक है। वर्तमान में आप जिस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, उससे पांचवें भाव में शनि स्थित है। पाँचवां भाव पद का प्रतीक है। इस दशा के दौरान, आप पेशे के क्षेत्र में अधिक उन्नति करेंगे। आप एक नया रोजगार प्राप्त कर सकते हैं अथवा एक प्रतिष्ठित पद

तक पहुंच सकते हैं। आपका नाम व यश दूर दूर तक फैलेगा तथा लोग आपके साथ अधिक सम्मान का व्यवहार करेंगे। यदि आप व्यापार के क्षेत्र में हैं, तो आपकी परिस्थितियां अधिक लाभदायक होंगी और आपकी आय में भी काफी सुधार होगा।

वर्तमान में आप जिस राशि की चर दशा से गुजर रहे हैं, आपकी जन्मकुण्डली में, दो या दो से अधिक अशुभ ग्रह उस राशि से ग्यारहवें भाव में स्थित हैं। उस राशि में कोई भी शुभ ग्रह स्थित नहीं है। जैसाकि ग्यारहवां भाव आय और लाभ का कारक है, अतः यह एक बहुत अनुकूल योग नहीं है। इस दशा अवधि केदौरान, आप अपने पेशे के क्षेत्र में कुछ प्रगति की आशा कर सकते हैं, लेकिन आपकी आय आपके प्रयासोंअथवा आपकी अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं हो सकती है। आप एक नया रोजगार प्राप्त कर सकते हैं, या स्थानान्तरण हो सकता है या पदोन्नति हो सकती है। लेकिन आपका पद व स्थान केवल संतोषप्रद ही हो सकता है। आपके मित्रों व परिचितों का दायरा बढ़ सकता है, किन्तु वे लोग निम्न सामाजिक–आर्थिक स्तर के हो सकते हैं। यदि आप व्यापार के क्षेत्र में हैं, तो आपकी परिस्थितियां कम लाभदायक हो सकती हैं तथा थोड़ा मंदा हो सकता है। या फिर, आपको बड़े उतार–चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है।

वर्तमान में आप कुम्भ राशि की दशा–अवधि से गुजर रहे हैं– जिसका राशि–स्वामी आपकी कुण्डली में बुरीतरह से ग्रसित है (केतु से 3 डिग्री 20 मिनट के अंदर स्थित है)। इसके कुछ प्रतिकूल संकेत हैं। इस दशा अवधि के दौरान, आप किसी आकस्मिक और अप्रत्याशित घटना आदि के कारण विचारों में भ्रम की स्थिति से गुजर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, आप अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए गलत तरीकों का प्रयोगकरने की कोशिश कर सकते हैं। आप गंभीर आघात का सामना कर सकते हैं और आर्थिक परेशानियों से गुजर सकते हैं। आपके रिश्तेदार या पूर्व मित्र आपका परित्याग कर सकते हैं तथा आप भिन्नसमुदाय और/या निम्न सामाजिक–आर्थिक स्तर के लोगों के साथ संबंध विकसित कर सकते हैं।

मिथुन भुक्ति (18:12:2035 से 18:12:2036)

वर्तमान में, आप कुम्भ दशा में, मिथुन भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग काफी प्रतिकूल है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रबल संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको अपने पेशे के क्षेत्र में गंभीर आघात का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप नौकरी में हैं, तो आपको नौकरी छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है। यदि आप व्यापार में हैं, तो आपको भारी हानियां हो सकती हैं। आपको अपना निवास स्थान भी छोड़ना पड़ सकता है अथवा किसी असुविधाजनक स्थान पर जाना पड़ सकता है।

वर्तमान में आप जैमिनी चर दशा के अनुसार मिथुन राशि की भुक्ति से गुजर रहे हैं। शनि इस राशि में स्थित है और यह ना तो उच्चस्थ है व ना ही अपनी राशि में स्थित है। केतु भी इस राशि में स्थित है औरयह उच्चस्थ नहीं है। समग्र योग बहुत अनुकूल नहीं है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो इस दशा के प्रारम्भ के आस–पास और/या इस दशा के समाप्ति के आस–पास किसी अप्रत्याशि स्रोत और/या कुछ अनदेखे कारणों से आकस्मिक रूप से उत्पन्न कुछ गंभीर मुसीबतों का सामना कर सकते हैं। अतः आपको इस निर्देशित समय के आस–पास बहुत सावधान और सतर्क रहना चाहिए।

कर्क भुक्ति (18:12:2036 से 18:12:2037)

वर्तमान में, आप कुम्भ दशा में, कर्क भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करनेपर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग काफी प्रतिकूल है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रबल संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको अपने पेशे के क्षेत्र में गंभीर आघात का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप नौकरी में हैं, तो आपको नौकरी छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है। यदि आप व्यापार में हैं, तो आपको भारी हानियां हो सकती हैं। आपको अपना निवास स्थान भी छोड़ना पड़ सकता है अथवा किसी असुविधाजनक स्थान पर जाना पड़ सकता है।

सिहं भुक्ति (18:12:2037 से 18:12:2038)

वर्तमान में आप सिहं राशि की भुक्ति–अवधि से गुजर रहे हैं– जिसका राशि–स्वामी आपकी कुण्डली में बुरी तरह से ग्रसित है (राहु से 3 डिग्री 20 मिनट के अंदर स्थित है)। इसके कुछ प्रतिकूल संकेत हैं। इस भुक्ति अवधि के दौरान, आप किसी आकस्मिक और अप्रत्याशित घटना आदि के कारण विचारों में भ्रम की स्थिति से गुजर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, आप अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए गलत तरीकों का प्रयोगकरने की कोशिश कर सकते हैं– जिसकी वजह से आप संदिग्ध पृष्ठभूमि या संदेहशील प्रकृति के लोगों के साथ गंभीर विवाद या मुसीबत में फंस सकते हैं।

वर्तमान में, आप कुम्भ दशा में, सिहं भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करनेपर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग काफी प्रतिकूल है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रबल संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको अपने पेशे के क्षेत्र में गंभीर आघात का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप नौकरी में हैं, तो आपको नौकरी छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है। यदि आप व्यापार में हैं, तो आपको भारी हानियां हो सकती हैं। आपको अपना निवास स्थान भी छोड़ना पड़ सकता है अथवा किसी असुविधाजनक स्थान पर जाना पड़ सकता है।

धनु भुक्ति (18:12:2041 से 18:12:2042)

वर्तमान में, आप कुम्भ दशा में, धनु भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग काफी प्रतिकूल है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रबल संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको अपने पेशे के क्षेत्र में गंभीर आघात का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप नौकरी में हैं, तो आपको नौकरी छोड़ने के

लिए बाध्य होना पड़ सकता है। यदि आप व्यापार में हैं, तो आपको भारी हानियां हो सकती हैं। आपको अपना निवास स्थान भी छोड़ना पड़ सकता है अथवा किसी असुविधाजनक स्थान पर जाना पड़ सकता है।

मकर भुक्ति (18:12:2042 से 18:12:2043)

वर्तमान में आप मकर राशि की भुक्ति–अवधि से गुजर रहे हैं– जिसका राशि–स्वामी आपकी कुण्डली में बुरी तरह से ग्रसित है (केतु से 3 डिग्री 20 मिनट के अंदर स्थित है)। इसके कुछ प्रतिकूल संकेत हैं। इस भुक्ति अवधि के दौरान, आप किसी आकस्मिक और अप्रत्याशित घटना आदि के कारण विचारों में भ्रम की स्थिति से गुजर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, आप अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए गलत तरीकों का प्रयोगकरने की कोशिश कर सकते हैं। आप गंभीर आघात का सामना कर सकते हैं और आर्थिक परेशानियों से गुजर सकते हैं। आपके रिश्तेदार या पूर्व मित्र आपका परित्याग कर सकते हैं तथा आप भिन्नसमुदाय और/या निम्न सामाजिक–आर्थिक स्तर के लोगों के साथ संबंध विकसित कर सकते हैं।

वर्तमान में, आप कुम्भ दशा में, मकर भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर अष्टमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग काफी प्रतिकूल है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ प्रबल संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं, तो इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको अपने पेशे के क्षेत्र में गंभीर आघात का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप नौकरी में हैं, तो आपको नौकरी छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है। यदि आप व्यापार में हैं, तो आपको भारी हानियां हो सकती हैं। आपको अपना निवास स्थान भी छोड़ना पड़ सकता है अथवा किसी असुविधाजनक स्थान पर जाना पड़ सकता है।

वर्तमान में आप मकर दशा में (जो कि एक वर्ष तक चलेगी) कुम्भ भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी जन्मकुण्डली में, आपके लग्न से गणना करने पर एकादशेश या तृतीयेश दशा–राशि में स्थित है या इस परअपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। इसके अतिरिक्त, आपकी दशा–राशि से गणना करने परएकादशेश या तृतीयेश भुक्ति–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है, और भुक्ति–राशि से गणना करने पर एकादशेश या तृतीयेश दशा–राशि में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। यह प्रतिकूल आंतरिक संबंध बन रहा है। जैसाकि तीसरा भाव चौथे भाव से बारहवां है और ग्यारहवां भाव चौथे भाव से आठवां है। अतः आपकी माता का स्वास्थ्य व सुखआपके लिए चिन्ता का विषय हो सकता है। या फिर अथवा साथ ही, आपकी संपत्ति की हानि हो सकती है।

तुला दशा (18:12:2043 से 18:12:2046)

वर्तमान में आप जिस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, उस राशि से गणना करने पर ग्यारहवें भाव का स्वामी आपके लग्न से चौथे भाव में स्थित है। यद्यपि यह ग्रह आपकी कुण्डली में शक्तिशाली रूप से व्यवस्थित नहीं है– जैसाकि यह उच्चस्थ या अपने भाव में स्थित नहीं है। तब भी यह एक काफी अनुकूल योग है। इस दशा के दौरान आपकी शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति की संभावना काफी उत्तम है। इसके अतिरिक्त, आप अनौपचारिक अध्ययन भी जारी रख सकते हैं। इन सभी मामलों में बहुत उत्तम करने की आशा कर सकते

हैं।

वर्तमान में आप जिस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, उसमें लग्न से गणना करने पर चतुर्थेश दशा–राशि से चौथे भाव में स्थित है। यद्यपि यह ग्रह आपकी कुण्डली में शक्तिशाली रूप से व्यवस्थित नहीं है– जैसाकि यह उच्चस्थ या अपने भाव में स्थित नहीं है। तब भी यह एक काफी अनुकूल योग है। इस दशा के दौरान आपकी शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति की संभावना काफी उत्तम है। इसके अतिरिक्त, आप अनौपचारिक अध्ययन भी जारी रख सकते हैं। इन सभी मामलों में बहुत उत्तम करने की आशा कर सकते हैं।

वर्तमान में आप उस राशि की चर–दशा से गुजर रहे हैं, जिसका स्वामी आपके लग्न से पाँचवें भाव में स्थित है। अन्य चीजों के साथ पाँचवें भाव का स्वामी पद, प्रतिष्ठा आदि का शासक है। इस दशा के दौरान,आप पेशे के क्षेत्र में अधिक उन्नति करेंगे। आप एक नया रोजगार प्राप्त कर सकते हैं अथवा एक प्रतिष्ठित पद तक पहुंच सकते हैं। आपका नाम व यश दूर दूर तक फैलेगा तथा लोग आपके साथ अधिक सम्मान का व्यवहार करेंगे। यदि आप व्यापार के क्षेत्र में हैं, परिस्थितियां निरन्तर लाभदायक होती जायेंगी और आपकी आय में काफी सुधार होगा।

आपकी जन्मकुण्डली में, वर्तमान में आप जिस राशि की चर दशा से गुजर रहे हैं, उसका स्वामी आपके लग्न से पाँचवें भाव में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। इसके अतिरिक्त, उसी दशा राशि से दसवें भाव का स्वामी आपके लग्न से दसवें भाव में स्थित है या इस पर दृष्टिडाल रहा है। जैसाकि दसवां भाव पेशे का संचालक है, जबकि पाँचवां भाव पद का सूचक है, अतः यहएक अत्यंत अनुकूल योग का निर्माण कर रहा है। इस दशा अवधि के दौरान, आप पेशे के क्षेत्र में अत्यंत उत्तम प्रगति की आशा कर सकते हैं। आप एक नया रोजगार प्राप्त कर सकते हैं अथवा एक प्रतिष्ठित पद तक पहुंच सकते हैं। आप निरन्तर अत्यधिक लोकप्रिय हो सकते हैं और सामान्य लोग आपकेसाथ अधिक सम्मान का व्यवहार करेंगे। यदि आप व्यापार के क्षेत्र में हैं, तो आपकी परिस्थितियां अधिक लाभदायक होंगी, इसमें बहुत तेजी आयेगी तथा आपकी आय में भी काफी सुधार होगा।

आपकी जन्मकुण्डली में, वर्तमान में आप जिस राशि की चर दशा से गुजर रहे हैं, उस राशि से गणना करने पर पंचमेश और दशमेश की एक साथ युति है। यह युति आपके लग्न से दसवें भाव में स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। जैसाकि दसवां भाव पेशे का सूचक है और पाँचवां भाव पद का प्रतीक है। अतः यह एक अनुकूल योग है। इस दशा के दौरान, रोजगार/व्यापार से संबंधित मामलों में, आपकी स्थिति में सुधार हो सकता है। आपके रोजगार में परिवर्तन, स्थानान्तरण या पदोन्नति होसकती है। आपका निवास स्थान भी परिवर्तित हो सकता है और आपको एक बेहतर आवास प्राप्त हो सकता है। यदि आप व्यापार के क्षेत्र में हैं, तो आप कोई नया व्यवसाय प्रारम्भ कर सकते हैं अथवा किसी और अधिक लाभदायक स्थान पर जा सकते हैं।

मकर भुक्ति (18:12:2043 से 18:12:2044)

वर्तमान में आप मकर राशि की भुक्ति–अवधि से गुजर रहे हैं– जिसका राशि–स्वामी आपकी कुण्डली में बुरी तरह से ग्रसित है (केतु से 3 डिग्री 20 मिनट के अंदर स्थित है)। इसके कुछ प्रतिकूल संकेत हैं। इस भुक्ति अवधि के दौरान, आप किसी आकस्मिक और अप्रत्याशित घटना आदि के कारण विचारों में भ्रम की स्थिति से गुजर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, आप अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए गलत तरीकों का प्रयोगकरने की कोशिश कर सकते हैं। आप गंभीर आघात का सामना कर सकते हैं और आर्थिक परेशानियों से गुजर सकते हैं। आपके रिश्तेदार या पूर्व मित्र आपका परित्याग कर सकते हैं तथा आप

भिन्न समुदाय और/या निम्न सामाजिक–आर्थिक स्तर के लोगों के साथ संबंध विकसित कर सकते हैं।

धनु भुक्ति (18:12:2044 से 18:12:2045)

वर्तमान में, आप तुला दशा में, धनु भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग अत्यंत अनुकूल है। इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको एक लाभप्रद पदोन्नति अथवा एक नया रोजगार प्राप्त होने की संभावना अत्यधिक है। आपके रहन–सहन के स्तर में सुधार होगा और आपकी संतुष्टि में वृद्धि होगी।

वृश्चिक भुक्ति (18:12:2045 से 18:12:2046)

वर्तमान में, आप तुला दशा में, वृश्चिक भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, दशा–राशि से गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है), और आपकी भुक्ति–राशि से भी गणना करने पर दशमेश आपके लग्न से दसवें या पाँचवें भाव में स्थित है (या इन दोनों राशियों में से किसी पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है)। यह समग्र योग अत्यंत अनुकूल है। इस अवधि के दौरान (जो कि केवल एक वर्ष तक चलेगा), आपको एक लाभप्रद पदोन्नति अथवा एक नया रोजगार प्राप्त होने की संभावना अत्यधिक है। आपके रहन–सहन के स्तर में सुधार होगा और आपकी संतुष्टि में वृद्धि होगी।

जैमिनी स्थिर दशा का भविष्यफल

(वि.प्रा. – इस दशा में हम सामान्य किशोरावस्था एवं युवावस्था की घटनाओं पर ध्याान दे रहेहैं, भविष्यफल देखते समय, बाल्यावस्था (16 वर्ष से पहले) और वृद्धावस्था (64 वर्ष के बाद)काल के भविष्यफल पर ध्यान देने की आवश्यकता नहीं है।)

मेष दशा (18:12:2014 से 18:12:2021)

स्थिर दशा के अनुसार, वर्तमान में आप मेष राशि की प्रमुख दशा से गुजर रहे हैं, जिस पर आपके लग्न सेदसवें भाव के स्वामी की दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) पड़ रही है। चूँकि दसवां भाव पेशे का सूचक है, अतःबहुत अधिक संभावना है कि आपका समय काफी लाभदायक होगा। आपके पेशे के क्षेत्र में आपकी स्थिति में महत्वपूर्ण सुधार होगा। आपकी विश्वसनीयता व सम्मान में भी काफी वृद्धि होगी।

स्थिर दशा के अनुसार, वर्तमान में आप मेष राशि की प्रमुख दशा से गुजर रहे हैं। सूर्य इससे त्रिकोण में स्थित है, जबकि शुक्र इससे केन्द्र में स्थित है। इन दोनों में से कोई भी ग्रह नीचस्थ नहीं है। यह एक अत्यंत अनुकूल और बहुत लाभप्रद योग है। इस प्रमुख अवधि के दौरान, आप अत्यंत भाग्यशाली होंगे, तथाअपने वरिष्ठों एवं अधिकारियों से प्रत्यक्ष समर्थन और अप्रत्यक्ष लाभ प्राप्त करेंगे। आपकी व्यावसायिक स्थिति में अत्यधिक उन्नति होने की प्रबल संभावना है। आपकी नौकरी में परिवर्तन या पदोन्नति हो सकती है– कम से कम एक बार, लेकिन संभावना एक से अधिक बार की है। आपकी आय में वृद्धि होगी और आपके रहन–सहन के स्तर में भी काफी सुधार होगा।

वृष भुक्ति (18:12:2015 से 18:12:2016)

वर्तमान में आप मेष राशि की दशा और वृष राशि की भुक्ति से गुजर रहे हैं। आपकी कुण्डली में, एक या एक अधिक अशुभ ग्रह भुक्ति–राशि में स्थित हैं, जबकि इसमें कोई भी शुभ ग्रह स्थित नहीं है। भुक्ति–राशि से दूसरे और बारहवें भाव में भी कोई शुभ ग्रह स्थित नहीं है, जबकि यह दोनो तरफ से अशुभ ग्रहों से घिरा हुआ है। यह वास्तव में एक प्रतिकूल योग है, जिसे पाप–कर्तरी योग कहते हैं। आपके स्वास्थ्य की स्थिति बिगड़ सकती है, आप निरंतर तनाव में रह सकते हैं। इसके अतिरिक्त, इस भुक्ति अवधि (जो एक वर्ष के लिए होता है) के दौरान, आप अनेकों समस्याओं और व्यापक उतार–चढ़ाव का सामना कर सकते हैं। इस भुक्ति अवधि के दौरान, वृष राशि की अन्तर–अवधि (जो एक माह के लिए होता है) आपके लिए अत्यधिक बुरी साबित हो सकती है।

मिथुन भुक्ति (18:12:2016 से 18:12:2017)

स्थिर दशा के अनुसार, वर्तमान में आप मेष दशा, मिथुन भुक्ति (जो केवल एक साल तक चलती है) से गुजर रहे हैं। आपकी दशा–राशि से दशमेश आपकी भुक्ति–राशि से दसवें भाव में स्थित है या इस पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। इसके अतिरिक्त, आपकी भुक्ति–राशि से दशमेश आपकी दशा–राशि से दसवें भाव में स्थित है या इस पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल

रहा है। यह एक अत्यंत अनुकूल योग है। प्रबल संभावना है कि इस विशेष अवधि के दौरान आप अत्यंत उत्तम प्रगति कर सकते हैं। आपकी विश्वसनीयता और सम्मान में वृद्धि होगी तथा आपका नाम व यश चारों ओर फैलेगा।

सिहं भुक्ति (18:12:2018 से 18:12:2019)

स्थिर दशा के अनुसार, वर्तमान में आप मेष दशा, सिहं भुक्ति (जो केवल एक साल तक चलेगी) सेगुजर रहे हैं। आपकी दशा–राशि से षष्ठेश आपकी भुक्ति–राशि से छठवें भाव में स्थित है या इसपर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। इसके अतिरिक्त, आपकी भुक्ति–राशि से षष्ठेश आपकी दशा–राशि से छठवें भाव में स्थित है या इस पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। यह एक बहुत अनुकूल योग नहीं है। आपको बहुत सावधान और सतर्क रहना चाहिए, जैसाकि आपकिसी बीमारी का शिकार हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त, आपके शत्रु आपके लिए कठिनाइयां उत्पन्न कर सकते हैं। हालाँकि, आपके ननिहाल पक्ष से आपके संबंध और अधिक सौहार्दपूर्ण होंगे। आपके व्यापार/व्यावसाय के लिए यह अवधि काफी उन्नति लायेगी।

कन्या भुक्ति (18:12:2019 से 18:12:2020)

स्थिर दशा के अनुसार, वर्तमान में आप मेष दशा, कन्या भुक्ति (जो केवल एक साल तक चलती है)से गुजर रहे हैं। आपकी दशा–राशि से दशमेश आपकी भुक्ति–राशि से दसवें भाव में स्थित है याइस पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। इसके अतिरिक्त, आपकी भुक्ति–राशि से दशमेश आपकी दशा–राशि से दसवें भाव में स्थित है या इस पर दृष्टि (जैमिनी के अनुसार) डाल रहा है। यह एक अत्यंत अनुकूल योग है। प्रबल संभावना है कि इस विशेष अवधि के दौरान आप अत्यंत उत्तम प्रगति कर सकते हैं। आपकी विश्वसनीयता और सम्मान में वृद्धि होगी तथा आपका नाम व यश चारों ओर फैलेगा।